राजस्थान रा लोकगीत

भाग पहलो

•

संग्रह पर संगीत :

सिवनी

पाठ-संशोधन :

सौ. कलावती सारस्वत

सुरलिपियां :

कु. प्रकाश माथुर

संपादन :

रावत सारस्वत

•

प्रकाशन :

राजस्थान भासा-प्रचार सभा

जयपुर

प्रकासक रो निवेदन

राजस्थान भासा-प्रचार सभा रो अेक मोटो उद्देस्य यो भी है कै आ राजस्थान रै लोक साहित्य री खोज करै अर उण नैं गुणग्राहकां रै सामनैं राखण खातर छपावै भी। राजस्थान रै सेखावाटी भाग रा एक हजार नेड़ा लोकगीत, जिका ज्यादातर सहरी परवारां में गाया जावै, सभा री प्रेरणा सूं चूरू रा निवासी सिवजी महाराज भेळा कर्‌या।

खुद संगीत रा जाणकार होणै सूं आं गीतां री धुनां भी वै कंठस्थ करी। इण पोथी में वां एक हजार गीता में सूं चुण'र सवासो गीत छाप्या है। साहित्य अर संगीत दोनूं ही भांत जिका गीत चोखा लाग्या वै ही सामिल कर्‌या गया।

असल में सभा रै उद्देस्य मुजब राजस्थान रै न्यारै-न्यारै भाग रा लोकगीत भेळा कर बां नैं ओसर मुजब छांट'र इण भांत छापणा है जिकै सूं लोकगीतां रो अध्ययन करण वाळा विद्वानां खातर एक तरै रो लोकगीत-कोस मिल सकै। पण, वो काम घणो खरचीलो अर समै चावणवाळो है। जद तांई विसा साधन जुटै तद तांई इसा प्रयत्न चालता रहणा चोखा है या बात सोच'र ओ संग्रह छाप्यो है। लोकगीतां रा प्रेमी इण पोथी नैं अपणासी तो आगै ओर-ओर गीतां रा दूजा संग्रह भी छाप्या जासी। इण कारण ही इण गीत-संग्रह रो नांव ''राजस्थान रा लोकगीत-पहलो भाग'' दियो है।

गीतां रै अन्त में कुछेक गीतां री सुरलिपियां भी जोड़ दी है। लोकगीतां रो साहित्य तो चोखो है ही पण बां री धुनां ओर भी चोखी है। जमानै री कसोटी पर कसी गई अै लोकधुनां जणै-जणै रै कंठ में रम्योड़ी है। इण वास्तै गीतां रै साथै उणां री धुनां री सुरलिपियां छापणी घणी जरूरी है, जिकै सूं संगीत रा जाणकार उणां नैं पिछाण'र काम में ले सकै। सवासो गीतां री सुरलिपियां वणाणै में घणी देर लागती देख अर घणा पाना छापणै री जरूरत जाण'र दस-बारा गीतां री सुरलिपियां सूं संतोस करणो पड़्यो। आगला भागां में ज्यादा सुरलिपियां देवण री चेस्टा करी जासी।

सचिव

धुलंडी २०२१

मीरां मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

राजस्थान भासा-प्रचार सभा

पहली बार
१९६५

मोल–पांच रिपिया
५.००

सम्पादक री बात

राजस्थानी लोकगीतां रा कई संग्रह इण पोथी सूं पैलां ही छप चुक्या है। देसी ढंग सूं ख्याल अर गीत छापणिया व्यापारी लोग भला-बुरा गीतां अर टप्पां री पोथियां छाप-छाप आप रो धंधो करता आया है। जद पढ्या-लिख्या लोगां रो ध्यान समाज री इण घणमोली चीज कानी गयो तो गीतां नैं अेक साहित्यकार री नजर सूं छांट'र सांस्कृतिक महत्व बतातां थकां छापणै रा प्रयत्न कर्‌या गया। इसो ही एक प्रयत्न हो बीकानेर रा रैवासी स्वर्गीय सूरज करणजी पारीक, ठाकुर रामसिंघजी अर नरोत्तमदासजी स्वामी रो जिका 'राजस्थान के लोकगीत'' नांव सूं गीतां रा दो भाग कलकत्तै री राजस्थान रिसर्च सोसायटी सूं छपवाया। यो संग्रह इण दिसा में सब सूं पैलो प्रयास कयो जा सकै। इण संग्रह रा घणखरा गीत पिलाणी रा लोकगीत गायक श्री गणपति स्वामी भेळा कर्‌या। गणपतिजी रा भेळा कर्‌योड़ा गीत सेखावाटी रा कस्बां में गाया जावणवाळा गीत ही है। बीकानेर सहर रा अर राजस्थान रा दूजा भागां रा कुछेक गीत भी आं गीतां भेळा कर्‌या गया। साहित्यकारां इण संग्रह री घणी सराहणा करी अर आज वै पोथियां बजार में मिलणी भी ओखी है। इण संग्रह रा कुछेक गीत पारखी री नजर सूं देख्या जावै तो लोकगीतां री कसोटी पर खरा कोनी ऊतरै। कोई समरथ गीतकार आप रा नकली गीत बणा'र गीतां-भेळा कर दिया या बात छिपी कोनी रैवै। इण सूं उण गीतकार नैं भले ही यो संतोस हुयो होवै कै बो आप रा गीत लोकगीतां में मिला दिया, पण दूजै कानी एक मोटो अनर्थ भी होग्यो कै अणसमझ लोग वां नकली गीतां नैं लोकगीत मान'र वां पर लांबी-चोड़ी चरचा करण लागग्या अर इण भांत राजस्थानी लोक साहित्य री बाबत गळत धारणावां बणाली अर प्रचारित करदी। इण नैं उण नामी गीत संग्रह रा सम्पादकां री कमजोरी भी कैयी जा सकै।

इण संग्रह रै बाद अनेक बरसां तांई गीत छापणै रो कोई साहित्यिक प्रयत्न कोनी हुयो। लारला दिनां कई व्यापारी लेखक जोड़-तोड़ कर आप-आप री गीतां री पोथियां छपाई, जिकियां में कोई खास जगां रा गीत न होकर जियां-तियां, जिसा-तिमा गीत भेळा कर'र हिंदी भावानुवाद रै साथै छाप्या गया है। आं पोथियां रा संपादकां नैं लोकगीतां री [illegible] रमणै अर उणां [illegible]यां नैं

प्रकासक रो निवेदन

राजस्थान भासा-प्रचार सभा रो अेक मोटो उद्देस्य यो भी है कै आ राजस्थान रै लोक साहित्य री खोज करै अर उण नैं गुणग्राहकां रै सामनैं राखण खातर छपावै भी। राजस्थान रै सेखावाटी भाग रा एक हजार नेड़ा लोकगीत, जिका ज्यादातर सहरी परवारां में गाया जावै, सभा री प्रेरणा सूं चूरू रा निवासी सिवजी महाराज भेळा कर्‌या।

खुद संगीत रा जाणकार होणै सूं आं गीतां री धुनां भी वै कंठस्थ करी। इण पोथी में वां एक हजार गीता में सूं चुण'र सवासो गीत छाप्या है। साहित्य अर संगीत दोनूं ही भांत जिका गीत चोखा लाग्या वै ही सामिल कर्‌या गया।

असल में सभा रै उद्देस्य मुजब राजस्थान रै न्यारै-न्यारै भाग रा लोकगीत भेळा कर वां नैं ओसर मुजब छांट'र इण भांत छापणा है जिकै सूं लोकगीतां रो अध्ययन करण वाळा विद्वानां खातर एक तरै रो लोकगीत-कोस मिल सकै। पण, वो काम घणो खरचीलो अर समै चावणवाळो है। जद तांई विसा साधन जुटै तद तांई इसा प्रयत्न चालता रहणा चोखा है या वात सोच'र यो संग्रह छाप्यो है। लोकगीतां रा प्रेमी इण पोथी नैं अपणासी तो आगै ओर-ओर गीतां रा दूजा संग्रह भी छाप्या जासी। इण कारण ही इण गीत-संग्रह रो नांव "राजस्थान रा लोकगीत-पहलो भाग" दियो है।

गीतां रै अन्त में कुछेक गीतां री सुरलिपियां भी जोड़ दी है। लोकगीतां रो साहित्य तो चोखो है ही पण वां री धुनां ओर भी चोखी है। जमानै री कसोटी पर कसी गई अै लोकधुनां जणै-जणै रै कंठ में रम्योड़ी है। इण वास्तै गीतां रै साथै उणां री धुनां री सुरलिपियां छापणी घणी जरूरी है, जिकै सूं संगीत रा जाणकार उणां नैं पिछाण'र काम में ले सकै। सवासो गीतां री सुरलिपियां वणाणै में घणी देर लागती देख अर घणा पाना छापणै री जरूरत जाण'र दस-बारा गीतां री सुरलिपियां सूं संतोस करणो पड़्यो। आगला भागां में ज्यादा सुरलिपियां देवण री चेस्टा करी जासी।

सचिव

धुलंडी २०२१ — राजस्थान भासा-प्रचार सभा

मीरां मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

टीप

*

सम्पादक री बात

राजस्थानी लोकगीतां रा कई संग्रह इण पोथी सूं पैलां ही छप चुक्या है। देसी ढंग सूं ख्याल अर गीत छापणिया व्यापारी लोग भला-बुरा गीतां अर टप्पां री पोथियां छाप-छाप आप रो धंधो करता आया है। जद पढ्या-लिख्या लोगां रो ध्यान समाज री इण घणमोली चीज कानी गयो तो गीतां नैं अेक साहित्यकार री नजर सूं छांट'र सांस्कृतिक महत्व बतातां थकां छापणै रा प्रयत्न कर्या गया। इसो ही एक प्रयत्न हो बीकानेर रा रैवासी स्वर्गीय सूरज करणजी पारीक, ठाकुर रामसिंघजी अर नरोत्तमदासजी स्वामी रो जिका 'राजस्थान के लोकगीत'' नांव सूं गीतां रा दो भाग कलकत्तै री राजस्थान रिसर्च सोसायटी सूं छपवाया। यो संग्रह इण दिसा में सब सूं पैलो प्रयास कयो जा सकै। इण संग्रह रा घणखरा गीत पिलाणी रा लोकगीत गायक श्री गणपति स्वामी भेळा कर्या। गणपतिजी रा भेळा कर्योड़ा गीत सेखावाटी रा कस्बां में गाया जावणवाळा गीत ही है। बीकानेर सहर रा अर राजस्थान रा दूजा भागां रा कुछेक गीत भी आं गीतां भेळा कर्या गया। साहित्यकारां इण संग्रह री घणी सराहणा करी अर आज वै पोथियां बजार में मिलणी भी ओखी है। इण संग्रह रा कुछेक गीत पारखी री नजर सूं देख्या जावै तो लोकगीतां री कसोटी पर खरा कोनी ऊतरै। कोई समरथ गीतकार आप रा नकली गीत बणा'र गीतां-भेळा कर दिया या बात छिपी कोनी रैवै। इण सूं उण गीतकार नैं भले ही यो संतोस हुयो होवै कै वो आप रा गीत लोकगीतां में मिला दिया, पण दूजै कानी एक मोटो अनर्थ भी होग्यो कै अणसमझ लोग वां नकली गीतां नैं लोकगीत मान'र वां पर लांबी-चोड़ी चरचा करण लागग्या अर इण भांत राजस्थानी लोक साहित्य री बाबत गळत धारणावां बणाली अर प्रचारित करदी। इण नैं उण नामी गीत संग्रह रा सम्पादकां री कमजोरी भी कैयी जा सकै।

इण संग्रह रै बाद अनेक बरसां तांई गीत छापणै रो कोई साहित्यिक प्रयत्न कोनी हुयो। लारला दिनां कई व्यापारी लेखक जोड़-तोड़ कर आप-आप री गीतां री पोथियां छपाई, जिकियां में कोई खास जगां रा गीत न होकर जियां-तियां, जिसा-तिसा गीत भेळा कर'र हिंदी भावानुवाद रै साथै छाप्या गया है। आं पोथियां रा संपादकां नैं लोकगीतां री [illegible] रमणं अर उणां [illegible]ियां नैं

पिछाणणै रो मौको सायद कम मिल्यो । इण कारण रो सकल अरथां री वै गळतियां देवै जिकी बां पोथियां में जगां-जगां मिलै ।

या पोथी, जिकी आपरै सामनै है, गळतियां अर भूलां सूं अछूती होवै, या कोई जरूरी बात कोनी । पण इण में कई एक विसेस बातां है । एक तो या कै इण पोथी रा गीतां रो संग्रह एक इसै गीत अर संगीतप्रेमी रो करयोड़ो है जिको लुगायां रा कंठा सूं बार-बार सुण'र गीतां नैं आपरै हाथां सूं मांड्या अर बां री धुनां मैं आप रा कंठां में रमाई । संगीत री जाणकारी होणै सूं गीतां री सुरलिपियां बणावणै में भी वै सफळ होग्या । दूजी या कै छापणां बगत इण गीतां नैं फेरूं गीत री लय रै साथै-साथै जांच कर सुद्ध करया गया है । यो काम भी रात-दिन आं गीतां नैं गावण वाळी स्त्री रै कंठ सूं सुणतां बगत सागै रै साथै करयो गयो जिकै सूं कठै भी सबद री कमी-बेसी ही सो पूरी करी गई । संग्रह, संगीत अर संसोधन का इसा मूळ प्रयत्न करणै सूं पोथी रो महत्व बढ्यो है इण में मीन-मेख कोनी ।

पोथी में प्राय सगळा गीतां री सुरलिपियां छापणै रो विचार हो जिकै सूं गीतां री धुनां रो रस लेवण में मदद मिलती । पण समै अर स्थान रै अभाव सूं यो काम पार कोनी पड़्यो जिकै रो दुख है । आगला संग्रह में या कमी पूरी करी जा सकसी इसी उमेद है । सुरलिपियां बणाणै रो काम कुमारी प्रकास माथुर बी० ए०, बी० म्यूजिक, डिप. मांटेसरी री क्रिपा सूं हुयो जिण वास्तै उणां नैं घणी-घणी साबासी !

पोथी रा प्राय सगळा गीत ही सेखावाटी रा कस्बां रा गीत है, पण राजस्थान रा कुछेक घणा नामी गीत भी इण में छाप दिया है जिणै सूं सगळा राजस्थानी लोग इण नैं आप री चीज समझ सकै अर इण में रम सकै ।

गीतां रो क्रम जनम सूं ले'र सुहाग ताईं रै सामाजिक जीवण रो है । गीतां में जठै-जठै सहरां, जगां अर मिनखां रा नांव आया है बां री जाणकारी देवण री कोसीस करी है, पण लोक साहित्य रा नांवां री पूरी जाणकारी मिळणी मुस्कल है जिकै सूं सगळा नांवां री जाणकारी दी कोनी जा सकी अर जकी दी गई जिकां री भी सायद सगळी सही कोनी हुवै ।

[illegible] रा प्रेमी पाठकां अर [illegible] री भूलां [illegible] आगे रा संग्रह मैं बां री पूरो ध्यान राख्यो जासी ।

फुलेरी २०२१ —[illegible]

टीप

*

चावळां भरियो बाटको अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै
म्हे धोकण-पूजण जाय बिजासण, हरख होलरियो जी राज

रोळी भरियो चोपड़ो अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै, म्हे०

काजळ भरियो कूंपलो अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै, म्हे०

फूलां भरियो छाबड़ो अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै, म्हे०

हाथ कसूमल चूनड़ी अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
सागै लीन्यो सायबो अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
गोदी लीन्यो गीगलो ए वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ़ में विराजै
म्हे धोक दिरावण जाय बिजासण, हरख होलरियो जी राज

चळकोयां कै गोरवै, ओ भैरूं
मांडेलै कै गोरवै, ओ भैरूं
तोळियासर कै गोरवै, ओ भैरूं
काळो-गोरो वीण वजावै, ओ लाल
हरख होलरियो भल देई, म्हारा घुड़ला भाई

तेल-फुलेल मद दाटळा, ओ भैरूं
ओर चोट्याळा नाळेर, ओ लाल,   हरख०

मैं छूं धरम की वैनड़ी, ओ भैरूं
तूं मेरो समरथ भाई, ओ लाल
मनस्या को पूरण हाळो, ओ लाल,   हरख०

माय उढाई मनैं चूनड़ी, ओ भैरूं
तूं मनैं पीळो उढाय, ओ लाल
पीळै को वेस पहराय, ओ लाल,   हरख०

अेक गोदी दूजो आंगळी, ओ भैरूं
अगणो मांगण आई, ओ लाल
चोथै की बांटूं वधाई, ओ लाल
पंचवै की करूं सगाई, ओ लाल
छठै को व्याह रचाऊं, ओ लाल
सतवों लें घर जाऊं, ओ लाल,   हरख०

चळकोई, मांडेलो, तोळियासर=गांवां रानांव

दीनी पनामारू गठजोड़ै री जात, जी
ओ ए, गठजोड़ै री जात, जी
कोई रोक रुपैयो, वालाजी की भेट को

टूठ्यो बजरंग सरब सुहाग, जी कोई सरब सुहाग, जी
कोई फिरती नैं दीन्यो, बजरंग गीगलो

नणदल बाई, आरतड़ो संजोवो, जी
थे तो आरतड़ो संजोवो, जी
कोई करो निछरावळ, माई जायै वीर की

कोठै तो बाजा बाजिया, कंवरजी
तो कोठै घोर्‌या छै निसाण, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी
गुलक्यारी लगी, ओ कंवर केसरा, दरबार ग्रंबाबाड़ी लगी

चारणवासी बाजा बाजिया, कंवरजी
तो इंदरगढ घोर्‌या छै निसाण, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी
गुलक्यारी लगी ओ, कंवर केसरा, दरबार ग्रंबाबाड़ी लगी

अूगण स्यामी देवरो, कंवरजी
धजा अे फरूकै असमान, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

जाती तो ग्रावै थारै दूर का, कंवरजी
सांवळिया मोट्यार, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी गुलक्यारी०

जातण आवै कुळबहू, कंवरजी
गोद जड़ूलै पूत, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी गुलक्यारी०

चढै अे चढावै सीरणी, कंवरजी
तो अुजळै चावळियां री खीर, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

आठै नैं अंधेरी धोकस्यां, कंवरजी
तो भर्‌यै अे भादूड़ै कै मांय, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

खेड़ै तो बाड़ै थे फिरो कंवरजी,
तो गाय-वाछ्यां री रिछपाळ, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

देस-परदेसां थे फिरो, कंवरजी
तो परदेस्यां री रिछपाळ, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

चाकी तो चूल्है थे फिरो, कंवरजी
तो वहू-वेट्यां री रिछपाळ, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

चारणवासी = एक गांव रो नांव; इंदरगढ = एक कस्बै रो नांव

छठो तो बासो फेरां जी बसियो
फेरां में बैठ्या लाडो-लाडली

म्हारी लाडली को चीर बधज्यो
राईबर को बागो-बींटळी
बधज्यो-बधज्यो अे लाडी गोत तुम्हारो
अेक पीहर दूजो सासरो

सतवों तो बासो थापै जी बसियो
थापै में बैठ्या देवी-देवता

अठवों तो बासो मायां जी बसियो
मायां में मंगळ गाइया

नोवों तो बासो ओबर बसियो
ओबरड़ो गुड़-घी भर्यो॰

अेक आवै गूगळियां री बास सुगंधी
कुण सुहागण गणपत पूजियो
गणपत पूजै लाडेलड़ी री माय सुहागण
ज्यां घर रळी ए बधावणा (बिड़द उतावळी)

अेक गाजत-घोरत आवो बिनायक
सावणियै में मेह ज्यूं
अेक भर्यो अे बथूळो आवो बिनायक
बिणजारै रै बैल ज्यूं
अेक मांड्यो-चूंड्यो आवो बिनायक
सरब-सुहागण रै हाथ ज्यूं

म्हारै पापड़ां री जेट बधज्यो
मूंगोड्यां रा माटला
बधज्यो-बधज्यो अे लाडी गोत तिहारो
अेक पीहर दूजो सासरो

देखै ही मैं नाई कै री बाट, बीरै को आवण क्यूं हुयो जी, म्हा०
थारी भावज ओछै घर की धीय, कोई पाछी मांगै घूघरी जी, म्हा०

मां का रे जाया, हळवां-हळवां बोल, म्हारी द्योर-जिठाण्यां सै सुणै जी, म्हा०
दीनी रे बीरा भाणजड़ां नैं बांट, ऊबरती को फाको म्हे लियो जी, म्हा०
आधी बाई भाणजड़ां रै हाथ, कोई आधी घाल पछेवड़ै जी, म्हा०
बीरा रै तूं आपणड़ै घर चाल, थारी पाछी ल्यावां घूघरी जी, म्हा०

सोनै रूपै की घूघरड़ी घड़ाय, मोत्यां का ऊपर टोटळा जी, म्हा०
हरिये बांस को छाबड़लो मंगाय, दरियाई ऊपर न्यातणो जी, म्हा०
सुसरैजी की नेवगण बुलाय, म्हारी सिर धर चालै घूघरी जी, म्हा०
ढोली कै नैं बेग बुलाय, बाजै सैं ल्यावां घूघरी जी, म्हा०
द्योर–जिठाण्यों चालो म्हारै साथ, बीरै कै घालां घूघरी जी, म्हा०

सुणियो भावज गीतां रो रमझोळ, भावजड़ी घर में घुस गई जी, म्हा०
बीरो मेरो दोड़ पिछोकड़ जाय, भावजड़ी महलां चढ गई जी, म्हा०

नीसर भावज बायर आव, थारी पाछी ल्याया घूघरी जी, म्हा०
लीन्यो भावज पल्लो अे पसार, कोई गज को काढ्यो घूंघटो जी, म्हा०

थारो भावज दो कोडी को नाज, म्हारा रिपिया लाग्या ड्योढसैं जी, म्हा०
जै म्हे होता निरधनियां घर नार, थारी किस बिध ल्याता घूघरी जी, म्हा०
म्हे हां भावज सा पुरसां घर नार, थारी गावत ल्याया घूघ्री जी, म्हा०

बाबल म्हारो गढ दिल्ली रो राव, कोई समरथ ढूंढ्यो सासरो जी, म्हा०
बीरो म्हारो सावणियै रो मेह, भावजड़ी आभा बीजळी जी, म्हा०
बरसैं-बरसैं सावणियै रो मेह कोई कड़कै आभा बीजळी जी, म्हा०

बीरो म्हारो दिल दरियाव, भावजड़ी ओछै पाणी मींडकी जी, म्हा०
बीरो म्हारो राजाजी रो पूत, भावजड़ी कटकां कूकरी जी, म्हा०
बीरो म्हारो नोकूंटी रो राव, भावजड़ी ऊंळै-कूंळै छिबकली जी, म्हा०

पांच रुपैया बाईजी रै हाथ, म्हारी छानै राखो घूघरी जी, म्हा०
पांच रुपैया थे थारै घर राख, थारी छत्ती करस्यां घूघरी जी, म्हा०
म्हारी बाईजी दूखै लागी आंख, भतीजै मांगी घूघरी जी, म्हा०

दिली ए सहर सैं सायबा पोत मंगावो जी
तो हाथ पचीसी गज बीसी गाढा मारूजी, पीळो रंगाद्यो जी
रायआंगण बिच सायबा रणी ए घलाओ जी
तो छाजां बैठ रंगावो गाढा मारूजी, पीळो ०
अल्लां तो पल्लां सायबा बंधण बंधावो जी
तो बिच-बिच चांद छपाओ गाढा मारूजी, पीळो ०
आप सरीसा दोय छैल बुलावो जी
तो दे फटकारा सुकावै गाढा मारूजी, पीळो ०
रंग्यो ए रंगायो म्हारी जच्चा होयो ए तैयारी जी
तो थे म्हांनैं ओढ दिखावो मिरगानैणीजी, पीळो भल ओढो जी
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा सरवर चाली जी
तो सगळो सहर सरायो गाढा मारूजी, पीळो ०
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा मुढलै पै बैठी जी
तो सास-नणद भोत सरायो गाढा मारूजो, पीळो ०
तो द्योर-जिढाण्यां मसलो मार्‌यो गाढा मारूजी, पीळो ०
के बहवड़ थारै राम रंगायो जी
के नंदसाळां सैं आयो जच्चा म्हारी ए, पीळो भल ओढो ए
ना सासूजी म्हारै राम रंगायो जी
तो ना नंदसाळां सैं आयो सासू म्हारी जी, पीळो ०
सासू को जायो नणद बाई रो बीरो जी
तो पीळो म्हारो केसरियो रंगायो गाढा मारूजी, पीळो ०
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा महल पधारी जी
तो कोई ए निरासी निजर लगाई गाढा मारूजी, पीळो ०

उतर दिखण सैं जी ओ गांधी को आयो
आय पवास्यो सीळै बड़ तळै

आव गांधी का, जी ओ बैठ गांधी का
तोलै गांधी को बेटो किसतूरी

काहे की डांडी, जी ओ, काहे रो तोलो
तोलै गांधी रो बेटो किसतूरी
सोनै री डांडी, जी ओ, रूपै रो तोलो
तोलै गांधी रो बेटो किसतूरी

यो कुण मुलावै, जी ओ, यो कुण तुलावै
साचा पितर म्हारै अंग चढै
कुण्याचंद मुलावै, जी ओ, कुण्याचंद तुलावै
साचा पितर थारै अंग चढै

मिठड़ा सा भोजन बहू बहवड़दे जिमावै
आयो पितरां रो लसकर जीमग्यो
ढंडड़ा सा पाणी बहू लाडलदे पियावै
आयो पितरां रो लसकर पी गयो

उजळी पहरानी बहू बहवड़दे पहरावै
आयो पितरां रो लसकर पहर गयो
घी भर दिवलो बहू लाडलड़ी संजोवै
आयो पितरां रो लसकर च्यानणै

जीम्या देई-देवता, म्हारा पितर संतोख्या
ओजूं रसोयां भोजन मोकळा

ग्वाड़ बिचाळै पींपळी ललणा
ललाजी, जैंका छै अड़बड़ पान, प्यारी लगी कुळबहू ललणा
एक पानड़लो तोड़ियो ललणा
ललाजी, चोय-चोय पड़ै अे मजीठ, प्यारी०
जैं तळै कुंडलो रोपियो ललणा
ललाजी, पड़्यो अे हबोळा खाय, प्यारी०
जैं में चीर डबोइयो ललणा
ललाजी, राच्यो है चुरळ मजीठ, प्यारी०
चीर ज बाड़ सुकाइयो ललणा
ललाजी, चील झपांझप जाय, प्यारी०
चीर ज महल सुकाइयो ललणा
ललाजी, महल रयो गरणाय, प्यारी०
हरियै किसब को घाघरो ललणा
ललाजी, सिर चनणूठ्यै रो चीर, प्यारी०
लाल कसूमल कांचवो ललणा
ललाजी, गळ मोतियन को हार, प्यारी०
म्हे थांनैं बूझां म्हारी कुळबहू ललणा
ललाजी, थारै मन काहे की रहवाड़, प्यारी०
मन जाणै गीगो जणां ललणा
ललाजी, सायब रै हुशियार, प्यारी०
म्हे थानैं बूझां म्हारी कुळबहू ललणा
ललाजी, थारै मन काहे की रहवाड़, प्यारी०
मन जाणूं लाडू खावां ललणा
ललाजी, अपणी सासूजी कै हाथ, प्यारी०

अै तो नणद-भुजाई दोनूं कातती
वै करती मनड़ै री बात, रसिया भंवर हठ लाग्यो नणद बाई पोमचो

भाभी, जै थारै जलमैगो गीगलो, भाभी, लेस्यां पोमचड़ै रो वेस-रसिया०
बाईजी, जै म्हारै जलमैगी गीगलो, बाईजी, देस्यां पोमचड़ै रो वेस-रसिया०
बाईजी, जै म्हारै जलमैगी गीगली, बाईजी, च्यार टकां को नेग–रसिया०

धण नैं पहलो जी मास ज लागियो
धण नैं दूजो जी मास ज लागियो, धण रो आळ-भोळ मन जाय-रसिया०
धण रो थूकतड़ां जिव जाय–रसिया०
धण नैं अगणो जी मास ज लागियो
धण नैं चोथो जी मास ज लागियो, धण रो खीर-खांड मन जाय-रसिया०
धण नैं पंचवों जी मास ज लागियो
धण नैं छठ्टो जो मास ज लागियो, धण रो घेवर में मन जाय–रसिया०
धण नैं सतवों जो मास ज लागियो
धण रो लाडूड़ां मन जाय, धण रो घाट पीळै मन जाय–रसिया०
धण नैं ये नो ए दस लागिया, धण रै जलम लियो नंदलाल–रसिया०

वै तो दूर देसां सैं नणदल आइ़या
थे तो देद्यो भोजाई म्हारी पोमचो, थारै मोसर जायो छै पूत–रसिया०

वै तो परस्यां में बैठ्या सुसरोजी, थारी धीयड़ नैं समझाय–रसिया०
थे तो देद्यो वहू म्हारी पोमचो, थारै ओसर जायो है पूत–रसिया०

वै तो भैंस दुहंता जेठजी, थारी वैनड़ नैं समझाय–रसिया०
वै तो गींड खेलंता देवरिया, थारी वैनड़ नैं समझाय–रसिया०
थे तो देद्यो वहू म्हारी पोमचो
थे तो देद्यो भोजाई म्हारो पोमचो, थारै ओसर जायो है पूत–रसिया०

३

मेरी माता कै परबत चढतां चोलणो फाट्यो ए माय

माता, कै गज फाट्यो भवानी, कै गज रहियो ए माय
माता, नो गज फाट्यो भवानी, दस गज रहियो ए माय

माता, काहे की सूई ए मंगाऊं, काहे का तागा ए माय
माता, सार की सूई ए मंगाऊं, रेसम का तागा ए माय

सीम ल्यावै दरजी को बेटो, भोत बिनाणी ए माय
पहरै म्हारी आद भवानी, नगरकोट राणी, धोळैगढ की राणी ए माय

मेरी माता कै सोनै को छत्र ज, कूण चढोवै ए माय
चढोवै दसरथजी रो रामचंदर, हर की जात पधारै ए माय

मेरी माता कै घी भर दिवलो, कूण संजोवै ए माय
संजोवै म्हारी बहू ए सीतांदे, लुळ-लुळ पायां लागै ए माय

मेरी माता कै मिठड़ा सा भोजन, कूण चढावै ए माय
मेरी माता कै आला सा नारेळ, कूण चढावै ए माय
चढावै ए म्हारी बहू ए लाडेलड़्यां, लुळ-लुळ पायां लागै ए माय

नगरकोट, धोळागढ=जगावां रा नांव

कागा रै हाथ संदेसो, राजाजी नैं कहियो, मारूजी नैं कहियो
जी, ओहो, फूल सरीसी बा नार, थारी कुमलाय रही जी

कागा रै हाथ, संदेसा मारूणी नैं कहियो, गोरी धण नैं कहियो
जी, ओहो, थारै सिरसी नार वहोत है, थारै पर हेत नांही जी

कागा रै हाथ संदेसा, मारूजी नैं कहियो, पना मारू नैं कहियो
जी, ओहो, थारै सिरसा छैल वहोत है, जो कुळ की मैं लाज राखूं जी

हाथ बुहारी, बगल विच खारी, बगल विच खारी
जी, ओहो, धर्‌यो ए भीलणियां रो भेस, राजाजी रै देस चाली जी
जी, ओहो, धर्‌यो ए भीलणियां रो भेस, राजाजी रै देस आई जी

भारी है घोड़ा घुड़साळ, राजाजी री बैठक, मारूजी री बैठक
जी, ओहो, नगरी में होयो है अनंद, भीलणिया सी कुण आई जी
जी, ओहो, मुख पर राळ्यां रुमाल, भीलणिया सी कुण आई जी

कोठे की थम आई, कोठे थम व्याही, कोठै थम व्याही
जी, ओहो, कुणसै पुरस की थे नार, भीलणिया रो भेस ल्याई जी
बाबुल की हम जाई, सुसरै घर व्याही, सुसरै घर व्याही
जी, ओहो, थम सिरसै छैल की नार, भीलणिया रो भेस ल्याई जी

ए नो ए दस मास, होलर राजा जायो, चतरभुज जायो
जी, ओहो, नगरी में होयो ए अनंद, भीलणिया नैं लाल जायो जी

देखो ए सास-नणदिया, ए द्‌योर-जिठाणी
जी, ओहो, धर्‌यो ए भीलणिया रो भेस, राजाजी मनाय ल्याई जी

चावळां भरियो बाटको अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै
म्हे धोकण-पूजण जाय बिजासण, हरख होलरियो जी राज
रोळी भरियो चोपड़ो अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै, म्हे०

काजळ भरियो कूंपलो अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै, म्हे०

फूलां भरियो छाबड़ो अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै, म्हे०

हाथ कसूमल चूनड़ी अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
सागै लीन्यो सायबो अे वहू, थे कित चाल्या जी राज
गोदी लीन्यो गीगलो ए वहू, थे कित चाल्या जी राज
आज म्हारी मावली मंढ में विराजै
म्हे धोक दिरावण जाय बिजासण, हरख होलरियो जी राज

दुहागण—सुहागण

१८

अूंची-अूंची मैड़ी झरोखा जी च्यार, जगर-मगर दिवलो जगै राज
एक पुरस जैं कै दोय-दोय नार, दुहागण-सुहागण दोय जणी राज

भर भादू को या चनणो सी रात, सुहागण पाणी नैं नीसरी राज
आगै सी मिलग्या नणद बाई रा बीर, बै म्हारो पूंच्यो पकड़्यो जी राज

काहे को घड़लो या काहे की डोर, काहे जड़त थारी ईंडूणी राज
सोनै को घड़लो या रूपै की डोर, मोत्यां जड़त म्हारी ईंडूणी राज

गई-गई जी ढोला समंद-तळाब, घड़लो मेल्यो पाळ पै राज
रित गया जी ढोला समंद-तळाब, हंसा-बुगला उड गया राज

भर भादू की अंधेरी सी रात, दुहागण पाणी नैं नीसरी राज
आगै सी मिलग्या सासूजी रा पूत, बै म्हारो पूंच्यो पकड़्यो जी राज

काहे को घड़लो या काहे की डोर, काहे जड़त थारी ईंडूणी राज
माटी को घड़लो या मूंज की डोर, मूंज मूंजाई म्हारी ईंडूणी राज

गई-गई जी ढोला समंद-तळाब, घड़लो मेल्यो पाळ पै राज
भर गया जी ढोला समंद-तळाब, हंसा-बुगला रळ पीवै राज

ये नो ए दस पूरा जो मास, साळ चतरभुज जलमिया राज
मा की सी राग बहण की सी राग, बाबाजी को बंस बखाणै जी राज

ए सुहागण बूझां थानैं बात, गीत कुण्यां घर गावै जी राज
मा की सी राग, बहण की सी राग, बाबाजी रो बंस बखाणै जी राज
सोय रैवो जी ढोला चतर सुजान, गीत नगरी में गावै जी राज

ए छोरी दासी बूझां थानैं बात, गीत कुण्यां घर गावै जी राज
थारी दुहागण कै जायो है पूत, गीत थारै घर गावै जी राज

हंस-हंस जी ढोला बांधी है पाग, मुळकत मोचा पहर्‌या जी राज
सोनै को चिटियो भंवरजी रै हाथ, टग-टग महलां सैं अूतरया राज

५

रामचन्दरजी ओ, दरवाजो खोल
थां पर मया अे करै छै माता सीतळा

म्हांनैं कायों फरमावै माता सीतळा
थांनैं देसी जी नगरी को राज
थां पर मया अे करै छै माता सीतळा

कुण्याचंदजी ओ, दरवाजो खोल
थां पर, मया अे करै छै माता सीतळा

म्हांनैं कायों फरमावै माता सीतळा
थानैं देसी जी बेटां-पोतां री जोड़
थानैं ठंडा झोला देसी माता सीतळा

थांनैं देसी जी गोद जड़ूलै पूत
थां पर मया अे करै छै माता सीतळा

थांपा लेसी जो गठजोड़ै री जात
थानैं ठंडा झोला देसी माता सीतळा

वहू बहवड़ अे, ओबरड़ो खोल
थांरै ओवरड़ै ऊभी माता सीतळा
म्हांनैं कायों फरमावै माता सीतळा
थांपा लेसी जी रावड़-रोटां री जेट
थांनैं अन-धन देसी माता सीतळा

———

ऊंची-ऊंची मैड़ी झिरोखा जी च्यार, जगर-मगर दिवलो जगै जी राज
छोटी सी नार नारेळी सो पेट, करै ए भंवरजी सैं बीनती जी राज

एक बर जी ढोला बागां में जाय, बागां में कळी ए मरोड़ल्यो जी राज
थे कळियां गोरी म्हे रिझवार, सेजां में कळी ए मरोड़स्यां जी राज
नहीं समझयो भोळी बाई जी रो बीर, चालै छै पीड़ उतावळी जी राज
पीड़ चलै धण लुळ-लुळ जाय, करै ए भंवरजी सैं बीनती जी राज

एक बर जी ढोला साथीड़ां में जाय, साथीड़ां में घुड़ला डकायल्यो जी राज
थे घुड़ला गोरी हम असवार, सेजां में घुड़ला डकायस्यां जी राज
नहीं समझयो सासू सुगणी रो पूत, चालै छै पीड़ उतावळी जी राज
पीड़ चलै धण लुळ-लुळ जाय, करै ए भंवरजी सैं बीनती जी राज

एक बर जी ढोला रावळ जाय, रावळ न्याव चुकायद्यो जी राज
थे रावळ गोरी म्हे होदैदार, महलां न्याव चुकायस्यां जी राज
नहीं समझयो भोळी बाईजी रो बीर, चालै छै पीड़ उतावळी जी राज
पीड़ चलै धण लुळ-लुळ जाय, करै ए भंवरजी सैं बीनती जी राज

एक बर जो ढोला नीचै जाय, जाय थारी माऊजी नैं भेजद्यो जी राज
के थारो ए धण दुखै छै पेट, के थारै पीड़ उतावळी जी राज
मसर–मसर ढोला दूखै छै पेट, हाथ–पगां में फूटणी जी राज
इब समझयो भोळी बाईजी रो बीर, अब म्हारी सार वणी करै जी राज

हंस-हंस जो ढोलै बांधी छै पाग, मुळकत मोचा पहरिया जी राज
सोनै को चिटियो भंवरजो रै हाथ, टग-टग महलां सूं ऊतर्‌या जो राज
जणज्यो ए जच्चा लाडण पूत, बंस बधायो म्हारै बाप को जी राज

चळकोयां कै गोरवै, ओ भैरूं
मांडेलै कै गोरवै, ओ भैरूं
तोळियासर कै गोरवै, ओ भैरूं
काळो-गोरो वीण वजावै, ओ लाल
हरख होलरियो भल देई, म्हारा घुड़ला भाई

तेल-फुलेल मद बाटळा, ओ भैरूं
ओर चोट्याळा नाळेर, ओ लाल, हरख०

मैं छूं धरम की वैनड़ी, ओ भैरूं
तूं मेरो समरथ भाई, ओ लाल
मनस्या को पूरण हाळो, ओ लाल, हरख०

माय उढाई मनैं चूनड़ी, ओ भैरूं
तूं मनैं पीळो उढाय, ओ लाल
पीळै को वेस पहराय, ओ लाल, हरख०

अेक गोदी दूजो आंगळी, ओ भैरूं
अगणो मांगण आई, ओ लाल
चोथै की बांदूं वधाई, ओ लाल
पंचवै की करूं सगाई, ओ लाल
छठै को व्याह रचाअूं, ओ लाल
सतवों लें घर जाअूं, ओ लाल, हरख०

चळकोई, मांडेलो, तोळियासर=गांवां रानांव

घोड़ी
३६

चाबोजो रै मुलावै ए घोड़ी दादी निरखण जाय
ए आवै गो बाबांजी रो प्यारो सूत्यो सहर जगावै
अे घोड़ी रिम्मक-झिम्मक चाल, मंगेजण बाजारां होय आव

[परिवार रा दूजा लोगां रा नांव ले-ले'र गीत दुसरायो जावै]

घोड़ी
३७

कै म्हारी तीजण आपै आई, आपै आई
कै सुलतान पठाई ओ राज

ना म्हारी सइयो, मैं आपै आई, आपै आई
ना सुलतान पठाई ओ राज
कंवर लाडेलड़ै रा बाबोजी भला छै
मंहगै मोल मुलाई ओ राज

बागो सोवै पाट को ए लिलड़ी
हरे-हरे सूत को, पीळै-पीळै पाट को, ओर मखतूल को
बादस्या नवाब म्हारो दुलोराजा निरखण आई हो राज

रामचन्दरजी ओ, दरवाजो खोल
थां पर मया अे करै छै माता सीतळा

म्हांनैं कायों फरमावै माता सीतळा
थांनैं देसी जी नगरी को राज
थां पर मया अे करै छै माता सीतळा

कुण्याचंदजी ओ, दरवाजो खोल
थां पर, मया अे करै छै माता सीतळा

म्हांनैं कायों फरमावै माता सीतळा
थानैं देसी जी बेटां-पोतां री जोड़
थानैं ठंडा झोला देसी माता सीतळा

थांनैं देसी जी गोद जडूलैं पूत
थां पर मया अे करै छै माता सीत

थांपा लेसी जो गठजोड़ै री जात
थानैं ठंडा झोला देसी माता सीत

बहू बहवड़ अे, ओबरड़ो खोल
थांरै ओबरड़ै अूभी माता सी

म्हांनैं कायों फरमावै माता
थांपा लेसी जी राबड़-रोटां
थांनैं अन-धन देसी माता

घोड़ी म्हारी चंद्रमुखी इन्दरलोकां सैं आई हो राज
आई रतनाळी हो तीजण ल्हास बंधाई हो राज
हरी-हरी दूब चरै लीली दूधां की धाई हो राज
नागरबेल चरै लीली दूधां की धाई हो राज

आज म्हे तो आज सखी एक इचरज देख्यो हो राज
आज बसदेव कुळनंद चोक बैठाया हो राज
चोक बैठाया ठाकुरजी नैं देवता जुंहार्‌या हो राज
देवता जुंहार्‌या ठाकुरजी नैं रुकमण परणाई हो राज

रोळी को तिलक कर्‌यो माथै मुकट विराजै हो राज
देवतां में लगन लिख्यो ब्रह्मा वेद पढाया हो राज
मुखमल को जीन बण्यो ऊपर जादूराय बिराज्या हो राज

बोलै म्हारी बाई ओ सहोदरा इमरत बाणी हो राज
नगरी में हाल हुई, हलकार हुई, खबरदार हुई
कोई इक वर परण्यो हो राज

दोनी पनामारू गठजोड़ै री जात, जी
ओ ए, गठजोड़ै री जात, जी
कोई रोक रुपैयो, बालाजी की भेट को

टूठ्यो बजरंग सरब सुहाग, जी कोई सरब सुहाग, जी
कोई फिरती नैं दोन्यो, बजरंग गीगलो

नणदल बाई, आरतड़ो संजोवो, जी
थे तो आरतड़ो संजोवो, जी
कोई करो निछरावळ, माई जायै वीर की

पून्यू को चांद निरम्मळ कहिए (ओझां) को सिणगार करै
कृष्याचंद-नंदन, दाळद-भंजण, उठ भोजन आनंद करै
तेरी माता जसोदा, उर अपंदा से नर भया अनंदा
तुझ कारण बनड़ा, कंवर पियारा, कळ में धरमकरंदा, परवारां होय अनंदा

१. गढ़गोपालां=गोपालगढ़ (!)
२. तिजारा=अलवर जिलै रो एक कस्बो
३. ओझां=बनै री जात रो नांव लियो जावै । ओझा भी एक जात है ।
४. कृष्यानन्द=अमुक (ढिकड़ो–फुलड़ो) अठै बनै रै बाप रो नांव लियो जावै ।

खाटू का स्यामजी

८

धन खाटू, धन सांवळा नंदलाल
जी परभू, धन रै ढूंढाड़ो लोग
स्याम सुहावणा, बाबा स्याम
कै रै कोसां में थारो देवरो, बाबा स्याम
जी परभू, कै रै कोसां में जगाजोत
स्याम सुहावणा, बाबा स्याम
अस्सी अे कोसां में थारो देवरो, बाबा स्याम
जी परभू, सगळी सिस्टी में जगाजोत, स्याम०
कूण चिणायो थारो देवरो, बाबा स्याम
जी परभू, कूण दिवाई गजनींव, स्याम०
राजाजी चिणायो म्हारो देवरो, बाबा स्याम
जी परभू, सेवगां दिवाई गजनींव, स्याम०
जाती तो आवै थारै दूर का, बाबा स्याम
जो परभू, सांवळिया मोट्यार, स्याम०
जातण आवै थारै कुळबहू, बाबा स्याम
जी परभू, गोद जड़ूलै पूत, स्याम०
कुण्याजी री गाडी हांकी, बाबा स्याम
जी परभू, संग कुण्याचन्द जी रो साथ, स्याम०
चढै अे चढावै थारै चूरमो, बाबा स्याम
जो परभू, ओर चोट्याळा नाळेर, स्याम०

खाटू=नागोर जिलै रो एक कस्बो

दे'र नगारो गायड़मल चढ़िया
तो जाय डेरा ढाळ्या वनी थारै जूवै में जी
जूवो भी निरख्यो, साळाहेली भी निरखी
तो कांगण-डोरां वनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढ़िया
तो जाय डेरा ढाळ्या वनी थारै महल में जी
महल भी निरख्या, माळिया भी निरख्या
तो छोटी-छोटी वनड़ी वनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढ़िया
तो जाय डेरा ढाळ्या वनी थारी सेज में जी
सेज भी निरखी, तकिया भी निरख्या,
तो अजब वातां में वनैजी रो मन गयो जी

कोठै तो बाजा बाजिया, कंवरजी
तो कोठै घोर्‌या छै निसाण, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी
गुलक्यारी लगी, ओ कंवर केसरा, दरबार अंबाबाड़ी लगी

चारणवासी बाजा बाजिया, कंवरजी
तो इंदरगढ घोर्‌या छै निसाण, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी
गुलक्यारी लगी ओ, कंवर केसरा, दरबार अंबाबाड़ी लगी

अूगण स्यामी देवरो, कंवरजी
धजा अे फरूकै असमान, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

जाती तो आवै थारै दूर का, कंवरजी
सांवळिया मोट्यार, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी गुलक्यारी०

जातण आवै कुळबहू, कंवरजी
गोद जड़ूलै पूत, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी गुलक्यारी०

चढै अे चढावै सीरणी, कंवरजी
तो अुजळै चावळियां री खीर, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

आठै नैं अंधेरी धोकस्यां, कंवरजी
तो भर्‌यै अे भादूड़ै कै मांय, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

खेड़ै तो बाड़ै थे फिरो कंवरजी,
तो गाय-वाछां री रिछपाळ, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

देस-परदेसां थे फिरो, कंवरजी
तो परदेस्यां री रिछपाळ, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

चाकी तो चूल्है थे फिरो, कंवरजी
तो वहू-वेट्यां री रिछपाळ, ओ महाराज, गुलक्यारी लगी, गुलक्यारी०

चारणवासी=एक गांव रो नांव; इंदरगढ=एक कस्बे रो नांव

४३

बनड़ा, बनड़ो तो कागद राइवर भेजियो, जी बनड़ा
आयज्यो म्हारै बाबांजी रै देस
रंगमहल बिच चोपड़ मांडस्या, जी बनड़ा

पहलो तो पासो गायड़मल ढाळियो जी बनड़ा
पड़ गयो उमराव बनी रो डाव
महमद जीत्या जी पाळै सोनै राखड़ी, जी बनड़ा

दूजो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो सिरदार बनी रो डाव
कुंडळ जीत्या जी भवरख भूंटणा, जी बनड़ा

अगगो तो पासो राइवर ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो सिरदार बनी रो डाव,
हार ज जीत्या जी तिलड़ी टेवटा, जी बनड़ा

चोथो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो दाईदार बनी रो डाव
बाजूबंद जीत्या जी चुड़लो हसती दांत को, जी बनड़ा

पंचवों तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो पीवरपूरी बनी रो डाव
पायल जीत्या जी नान्है बाजै बीछिया, जो बनड़ा

छट्ठो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो उमराव बनी रो डाव
दावण जीत्या जी बोरंग चूनड़ी, जी बनड़ा

सतवों तो पासो म्हारी बनड़ी ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो बाबांजी रै पूत रो डाव
बेटी तो जीत्या जी बड परवार की, जी बनड़ा

घूघरी

१२

सूती धण सुख भर नींद, सुपनै में बांटी घूघरी जी, म्हारा राज
गई-गई सासूजी रै पास. सुपनै में बांटो घूघरी जी, म्हारा राज
गैली ए बहवड़ असल गंवार, बिन होलर क्यांकी घूघरी जी, म्हारा राज
ये नो ए दस लाग्या पूरा मास, कोई होलर राजा जनमिया जी, म्हारा राज
जायो जचा राणी होलरियो सो पूत, कोई सुपनो साचो हो गयो जी, म्हा०
गीहूं चणां की घूघरड़ी रंधाय, चणां का ऊपर टोटळा जी, म्हा०
हरिए बांस को छाबड़लो मंगाय, खरवासी ऊपर न्यातणो जी, म्हा०
नाई कै नैं बेग बुलाय, म्हारी नगर बंटावां घूघरी जी, म्हा०
आवो जी नाई का बैठो म्हारै पास, म्हारी इस बिध बांटो घूघरी जी, म्हा०
बांटो जी नाई का उरलै-परलै बास, मत देइओ नणद घर घूघरी जी, म्हा०
दीज्यो नाई का द्योर-जिठाण्यां नैं जाय, म्हारी दूणी डेढी बावड़ै जी, म्हा०
बांटी नाई को उरलै-परलै बास, नणदल घर ओज्यो चोलियो जी, म्हा०
आओ जी नाई का बैठो म्हारै पास, म्हारी किस बिध बांटी घूघरी जी, म्हा०
बांटी जजमान उरलै-परलै बास, बाई घर ओज्यो चोलियो जी, म्हा०
थे जी नाई का असल गंवार, म्हारी बांट न जाण्या घूधरी जी, म्हा०
सूती धण खूंटी जो ताण, गीगै नैं बोबो ना दियो जी, म्हा०
बायर सैं आयो गोरी रो स्याम, म्हारी जच्चा रूसी क्यूं सूती जी, म्हा०
थारो जी नाई को असल गंवार, म्हारी बांट न जाण्यो घूघरी जी, म्हा०
बांटी नाई को उरलै-परलै बास, नणदल घर ओज्यो चोलियो जी, म्हा०
उठो ए धण दांतणियो सो मोळ, थारी पाछी ल्यावां घूघरी जी, म्हा०
पांच पियादा दस असवार, बाई घर बीरो पावणो जी, म्हा०
कातै ही बाई लांवा-लांवा तार, कोई अटळी-वटळी कूकड़ी जी, म्हा०
छोरा-छोरी ऊंचा चढ़ कर देख, कोई मामै को दळ ऊलट्यो जी, म्हा०

बनड़ा, बनड़ी तो कागद राइवर भेजियो, जी बनड़ा
आयज्यो म्हारै बावांजी रै देस
रंगमहल बिच चोपड़ मांडस्या, जी बनड़ा

पहलो तो पासो गायड़मल ढाळियो जी बनड़ा
पड़ गयो उमराव बनी रो डाव
महमद जीत्या जी पाळै तोनै रानड़ी, जी बनड़ा

दूजो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो सिरदार बनी रो डाव
कुंडळ जीत्या जी भव्वरया भूंटणा, जी बनड़ा

अगणो तो पासो राइवर ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो सिरदार बनी रो डाव,
हार ज जीत्या जी तिलड़ी टेवटा, जी बनड़ा

चोथो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो दाईदार बनी रो डाव
बाजूबंद जीत्या जी चुड़लो हसती दांत को, जी बनड़ा

पंचवों तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो पीवरपूरी बनी रो डाव
पायल जीत्या जी नान्है बाजै बीछिया, जी बनड़ा

छट्ठो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो उमराव बनी रो डाव
दावण जीत्या जी बोरंग चूनड़ी, जी बनड़ा

सतवों तो पासो म्हारी बनड़ी ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो बावांजी रै पूत रो डाव
बेटी तो जीत्या जी बड परवार की, जी बनड़ा

बनड़ो

देखै ही मैं नाई कै री बाट, बीरै को आवण क्यूं हुयो जी, म्हा०
थारी भावज ओछै घर की धीय, कोई पाछी मांगै घूघरी जी, म्हा०

मां का रे जाया, हळवां-हळवां बोल, म्हारी द्योर-जिठाण्यां सै सुणै जी, म्हा०
दीनी रे बीरा भाणजड़ां नैं बांट, ऊबरती को फाको म्हे लियो जी, म्हा०
आधी बाई भाणजड़ां रै हाथ, कोई आधी घाल पछेवड़ै जी, म्हा०
बीरा रै तूं आपणड़ै घर चाल, थारी पाछी ल्यावां घूघरी जी, म्हा०

सोनै रूपै की घूघरड़ी घड़ाय, मोत्यां का ऊपर टोटळा जी, म्हा०
हरिये बांस को छाबड़लो मंगाय, दरियाई ऊपर न्यातणो जी, म्हा०
सुसरैजी की नेवगण बुलाय, म्हारी सिर धर चालै घूघरी जी, म्हा०
ढोली कै नैं बेग बुलाय, बाजै सैं ल्यावां घूघरी जी, म्हा०
द्योर–जिठाण्यों चालो म्हारै साथ, बीरै कै घालां घूघरी जी, म्हा०

सुणियो भावज गीतां रो रमझोळ, भावजड़ी घर में घुस गई जी, म्हा०
बीरो मेरो दोड़ पिछोकड़ जाय, भावजड़ी महलां चढ गई जी, म्हा०

नीसर भावज बायर आव, थारी पाछी ल्याया घूघरी जी, म्हा०
लीन्यो भावज पल्लो अे पसार, कोई गज को काढ्यो घूंघटो जी, म्हा०

थारो भावज दो कोडी को नाज, म्हारा रिपिया लाग्या ड्योढसैं जी, म्हा०
जै म्हे होता निरधनियां घर नार, थारी किस बिध ल्याता घूघरी जी, म्हा०
म्हे हां भावज सा पुरसां घर नार, थारी गावत ल्याया घूघ्री जी, म्हा०

बाबल म्हारो गढ दिल्ली रो राव, कोई समरथ ढूंढ्यो सासरो जी, म्हा०
बीरो म्हारो सावणियै रो मेह, भावजड़ी आभा बीजळी जी, म्हा०
बरसै-बरसै-सावणियै रो मेह कोई कड़कै आभा बीजळी जी, म्हा०

बीरो म्हारो दिल दरियाव, भावजड़ी ओछै पाणी मींडकी जी, म्हा०
बीरो म्हारो राजाजी रो पूत, भावजड़ी कटकां कूकरी जी, म्हा०
बीरो म्हारो नोकूंटी रो राव, भावजड़ी ऊंळै-कूंळै छिबकली जी, म्हा०

पांच रुपैया बाईजी रै हाथ, म्हारी छानै राखो घूघरी जी, म्हा०
पांच रुपैया थे थारै घर राख, थारी छत्ती करस्यां घूघरी जी, म्हा०
म्हारी बाईजी दूखै लागी आंख, भतीजै मांगी घूघरी जी, म्हा०

जयपुर को जगतसिंघ अड़ रयो, अर कोटड़ियां कुटराव, लाडण रंग०
स्याल्‌ं तो राव जुंझारिया, मस्तक बांध्यो छै बाबुन को नंद, लाडण रंग०

हूर थारै-म्हारै आछ्या लाडा नेवरा
अड़िया तो सगळा भांड, लाडण रंग०
भांड भंडाई कर रया इण भांडां नैं बरो ए तुलाय, लाडण रंग०
थोथा चणा एक पावली, इण भांडां रो यो ही उनमान, लाडण रंग०
नवासणियां नैं सांकल्यो, इण भांडां नैं सीख दिराय, लाडण रंग०
नवासणियां नैं पोमचा, इण भांडां नैं जुत्ता ए कवाण, लाडण रंग०

भांड-परिवार रा सगां नैं 'भांड' बताया है।

नेवरा

सुणो-सुणो जी म्हारा केसरिया भरतार, चढ मारो नणद को मेड़तो जी, म्हा०
पांच पियादा दस असवार, चढ चाल्या भंवरजी रात नैं जी, म्हा०

जोवै छी धण नणदोई की बाट, म्हारो बाबुल बंध्यो आइयो जी, म्हा०
जोवै छी धण भाणजड़ां की बाट, म्हारा भाई-भतीजा आइया जी, म्हा०

सुणो-सुणो जी म्हारा केसरिया भरतार, कित बरस्या कित ओलर्‌याजी, म्हा०
गोरी म्हारी मेह अंधेरी रात, कोई भेद न पायो गांव को जी, म्हा०

सासू जाई लागूं थारै पांव, म्हारो बंध्यो गोत छुटायद्‌यो जी, म्हा०
मिरगानैणी तूं बेदल मत होय, कोई म्हे मन राख्यो भैण को जी, म्हा०
मा की जाई तूं बेदल मत होय, कोई म्हे मन राख्यो नार को जी, म्हा०

नागरबेल उदगपर छाई
जठै म्हारी रजवण गेलण आई
हंस बाई का बाबोजी गोद बैठाई
कहो अे नवल बाई किसो वर हेरां
कहो ए चतर बाई किसो वर हेरां

लांबो मत हेरो सांगर चूंट ल्यासी
ओछो मत हेरो बावनियो कुहासी
काळो मत हेरो कुटंब लजासी
गोरो मत हेरो नजर लग जासी
इसो वर हेरो गोकुल को वासी
कानी पढ़वा जासी, बाई के मन भासी, गोकुल को कन्हैयो

दिली ए सहर सैं सायबा पोत मंगावो जी
तो हाथ पचीसी गज बीसी गाढा मारूजी, पीळो रंगाद्यो जी
रायआंगण बिच सायबा रणी ए घलाओ जी
तो छाजां बैठ रंगावो गाढा मारूजी, पीळो ०
अल्लां तो पल्लां सायबा बंधण बंधावो जी
तो बिच-बिच चांद छपाओ गाढा मारूजी, पीळो ०
आप सरीसा दोय छैल बुलावो जी
तो दे फटकारा सुकावै गाढा मारूजी, पीळो ०
रंग्यो ए रंगायो म्हारी जच्चा होयो ए तैयारी जी
तो थे म्हांनैं ओढ दिखावो मिरगानैणीजी, पीळो भल ओढो जी
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा सरवर चाली जी
तो सगळो सहर सरायो गाढा मारूजी, पीळो ०
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा मुढलै पै बैठी जी
तो सास-नणद भोत सरायो गाढा मारूजी, पीळो ०
तो द्योर-जिढाण्यां मसलो मार्‌यो गाढा मारूजी, पीळो ०
के बहवड़ थारै राम रंगायो जी
के नंदसाळां सैं आयो जच्चा म्हारी ए, पीळो भल ओढो ए
ना सासूजी म्हारै राम रंगायो जी
तो ना नंदसाळां सैं आयो सासू म्हारी जी, पीळो ०
सासू को जायो नणद बाई रो बीरो जी
तो पीळो म्हारो केसरियो रंगायो गाढा मारूजी, पीळो ०
पीळो तो ओढ म्हारी जच्चा महल पधारी जी
तो कोई ए निरासी निजर लगाई गाढा मारूजी, पीळो ०

घूंघटियो

४८

वनड़ी थारैं ए घूंघटियै रैं कारणै
कजळी देसां रा हसती ल्याया म्हारी रजवण
घूंघटियो हीरां जड़्यो
मारू देसां रा घुड़ला ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ो हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो
थारैं घूंघटियै में चांद पवास्यो म्हारी रजवण, घूंघटियो०

वनड़ी थारैं ए घूंघटियै रैं कारणै
लंकापारां रो सोनो ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
दरिया पारां रा हीरा-मोती ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ी हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो
थारैं घूंघटियै में सोळा सूरज ऊग्या म्हारी रजवण, घूंघटियो०

वनड़ी थारैं ए घूंघटियैं रैं कारणै
पूरव देसां रो पडळो ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
हस्ती दांतां रो चुड़लो ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ो हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो
थारैं घूंघटियै में चांद पवास्यो म्हारी रजवण, घूंघटियो०

वनड़ी थारैं ए घूंघटियैं रैं कारणै
दूर देसां रो चाल्यो आयो म्हारी रजवण, घूंघटियो०
मैं तो अवड़ा सा मारग जोया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ी हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो

थारैं घूंघटियैं में सोळा सूरज ऊग्या म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ी थारैं ए घूंघटियै रैं कारणै

घूंघटियो

आंख्यां न चोधै म्हारी जच्चा मुखड़ै न बोलै जी
तो जच्चा को राजिन बिलख्यो डोलै गाढा मारूजी, पीळो ०

दिल्ली ए सहर सैं सायबा बैद बुलावो जी
तो जच्चा की नबज दिखाओ गाढा मारूजी, पीळो भल ओढो ए
झाड़ै-झाड़ै का रै बैदा रोक रुपैया जी
तो चुंठड़ी में म्होर हजारी गाढा मारूजी, पीळो ०

आंख्यां भी चोधै म्हारी जच्चा मुखड़ै भी बोलै जी
तो जच्चा को राजिन हरख्यो डोलै गाढा मारूजी, पीळो ०

आप चढण को सायबा घुड़लो बकसावो जी
थारी जच्चा कै जीव की बधाई गाढा मारूजी, पीळो ०

थे छो बैद का बेटा असल ठगोरा जी
म्हारो भोळो सो राजिन ठग लीन्यो गाढा मारूजी, पीळो ०
थे छो साजन की बेटी असल चिरताळी जी
कोई छळ कर बैद बुलायो जच्चा राणी जी, पीळो भल ओढो ए

म्हे म्हारै मारूजी को यो मन ले था जी
म्हे प्यारा हां के दुप्यारा गाढा मारूजी, पीळो रंगाद्यो जी
थे म्हारी जच्चा राणी भोत पियारी जी
तो होलर जायां घणी पियारी मिरगानैणी ए, पीळो भल ओढो ए

जी, वो आयो-आयो गोरी नैं पूंचाय, आंगण विच बैठ्यो उणमणो जी
ए मा, क्यां बिना महल अंधेर, क्यां बिना आंगण उणमणो जी

ए बेटा, वहू बिना महल अंधेर, तो टावर बिना आंगण उणमणो जी
ए मा, ल्यावो-ल्यावो पांचूं हथियार, तो पांचूं ल्यावो म्हारा कापड़ा जी
ए मा, ल्यावां-ल्यावां ढोली ए कहार, तो धण नैं ल्यावांगा वाप कै सैं जी

जी ओ, आगै-आगै ढोली ए कहार, तो गैल्यां गोरी रो सायबो जी
जी, वै दीख्या-दीख्या सासरियै का रूंख, तो गोरी धण दांतण कर रही जी
ए गोरी, उठो धण करो सिणगार, तो थारै बिना घड़ीय न आवड़ैं जी
जो पिया, हम-थम निपट नादान, जाय बूझो म्हारी माय नैं जी
माय कहै जद चालस्यां जी

जो, वो जीमै लाग्यो लांबा-लांबा गास, सासूजी देवै ओळमा जी
जी जंवाई, जै मेरी धीय धीयजणंती नार, तो पूतजणंती ब्यायल्यो जी
जो सासूजी, म्हे हंस बोल्या था बोल, अण नखराळी हिरदै लिख लिया जी
ए मा, म्हारै महलां जायो लाडण पूत, तो म्हे मन ले था म्हारै स्याम को जी

१४

ग्वाड़ बिचाळै पींपळी ललणा
ललाजी, जैंका छै अड़बड़ पान, प्यारी लगी कुळबहू ललणा
एक पानड़लो तोड़ियो ललणा
ललाजी, चोय-चोय पड़ै अे मजीठ, प्यारी०
जैं तळै कुंडलो रोपियो ललणा
ललाजी, पड़्यो अे हबोळा खाय, प्यारी०
जैं में चीर डबोइयो ललणा
ललाजी, राच्यो है चुरळ मजीठ, प्यारी०
चीर ज बाड़ सुकाइयो ललणा
ललाजी, चील झपांझप जाय, प्यारी०
चीर ज महल सुकाइयो ललणा
ललाजी, महल रयो गरणाय, प्यारी०
हरियै किसब को घाघरो ललणा
ललाजी, सिर चनणूठ्यै रो चीर, प्यारी०
लाल कसूमल कांचवो ललणा
ललाजी, गळ मोतियन को हार, प्यारी०
म्हे थानैं बूझां म्हारी कुळबहू ललणा
ललाजी, थारै मन काहे की रहवाड़, प्यारी०
मन जाणै गीगो जणां ललणा
ललाजी, सायब रै हुशियार, प्यारी०
म्हे थानैं बूझां म्हारी कुळबहू ललणा
ललाजी, थारै मन काहे की रहवाड़, प्यारी०
मन जाणूं लाडू खावां ललणा
ललाजी, अपणी सासूजी कै हाथ, प्यारी०

साथीड़ा तोड़ै डोडा जी लूंग, आप मन भरियो जी कोई तोड़ै कैर कमेर का
तोड़ मरोड़'र बांधी चोपट पोट. दे'र नगारो जी लसकरियो पाछो बावड्यो
आप भंवरजी घोड़ै असवार, देवर कै सिर पर जी कोई धरदी पोट कमेर की
ल्याय उतारी स्यामी जो साळ, साळ पचासा जी लसकरिया म्हारी ले रही
भावै जितणा खावो घर की नार
ओर ज बांटो ए मारूणी सही ए सहेलियां

म्हांसैं पना मारू बांट्यो ए ना जाय
म्हे नहीं देख्या जी लसकरिया म्हारै बाप कै
भावै सो तो खास्यां गोरी का न्याव
ओर सुकावां जी लसकरिया म्हारै डागळै

थे चिरजीवो सुसरांजी रा पूत
भला ही पजोया जी थारी प्यारी धण रा ओजणा

थे धण सोवो साजनियां री धीय, वंस वधावो ए मारूणी म्हारै बाप को
थे धण सोवो घर की नार, ओसर जायो ए मानेती धण गीगलो

म्हे थानैं बूझां म्हारी कुळबहू ललणा
ललाजी, थारै मन काहे की रहवाड़, प्यारी०
मन जाणै पीळो ओढां ललणा
ललाजी, अपणी माऊजी रै हाथ, प्यारी०
मन जाणै जळवा पूजां ललणा
ललाजी, पहर पीळै को बेस, प्यारी०

म्हे थानैं बूझां म्हारी कुळबहू ललणा
ललाजी, थारै मन काहे की रहवाड़, प्यारी०
मन जाणै जळवां पूजां ललणा
ललाजी, नौबत कै भिणकार, प्यारी०

सुसरोजी हरख घणा करै ललणा
ललाजी, पायल देई अे घड़ाय, प्यारी०

म्हे थानैं बूझां म्हारी हिरणोटी ललणा
ललाजी, थारै मन काहे की रहवाड़
प्यारी लागै हिरणोटी ललणा
मन जाणै डाबर चरां ललणा
ललाजी, काळै मिरग कै साथ, प्यारी०

म्हे थानैं बूझां म्हारी कुळवहू ललणा
ललाजी, थारै मन काहे की रहवाड़, प्यारी०
मन जाणै महलां चढां ललणा
ललाजी, अपणै राजीड़ां री सेज, प्यारी०

मारूजी हरख घणा करै ललणा
ललाजी, लाख मोहर देई हाथ, प्यारी०

थे चिरजीवो गोरी का सायवा ललणा
ललाजी, भली अे पजोई धण की साध, प्यारी०
थे जण सोवो घर की गोरड़ी ललणा
ललाजी, सात पूतां की माय, प्यारी०

धाय
२३

म्हारै आंगण वाई वड़वेरी, जैंकी कुण करै रखवाळी
म्हारा गीगा, धाय राज थारी
मैं तो धाय लालजी थारो, थारी सांवळी सूरत पर वारी
म्हारा गीगा, धाय राज थारी

म्हारी सासूजी नैं वेग बुलावो, म्हारै मंदर दिवलो जोवै, म्हारा०
म्हारै दाई-माई वेग बुलावो, म्हारो नाजिक जीव छुड़ावै, म्हारा०
मैं तो धाय चतुरभुज थारो, थारी खेलण की बळिहारी, म्हारा०

म्हारी जिठाणीजी नैं वेग बुलावो, म्हारो रतड़ो सो पिलंग बिछावै, म्हारा०
म्हारी द्योराणी नैं वेग बुलावो, म्हारै महलां दिवलो जोवै, म्हारा०
मैं तो धाय कंवरजी थारी, थारी सांवळी सूरत पर वारी, म्हारा०

म्हारै सुसरैजी नैं वेग बुलावो, म्हारै गीगै नैं जात रळावै, म्हारा०
म्हारै जेठजी नैं वेग बुलावो, पढिया सा विपर बुलावै, म्हारा०
म्हारै देवरियै नैं वेग बुलावो, म्हारै गीगै की ओळनाळ गाडै, म्हारा०
म्हारी वाईजी नैं वेग बुलावो, म्हारै साळ साथीड़ा लगावै, म्हारा०
मैं तो धाय चतुरभुज थारी, थारी खेलण की बळिहारी, म्हारा०

म्हारै ढोली कै नैं वेग बुलावो, म्हारै गहरा सा ढोल घुरावै, म्हारा०
म्हारै खातो कै नैं वेग बुलावो, म्हारै पालणियो घड़ ल्यावै, म्हारा०
म्हारै मारूजी नैं वेग बुलावो, म्हारै सांच्योड़ो दरब लुटावै, म्हारा०
म्हारै मारूजी नैं वेग बुलावो, म्हारी छानैं मुठड़ी भरावै, म्हारा०
मैं तो धाय लालजी थारी, थारी सांवळी सूरत पर वारी, म्हारा०

अै तो नणद-भुजाई दोनूं कातती
वैं करती मनड़ै री बात, रसिया भंवर हठ लाग्यो नणद बाई पोमचो
भाभी, जैं थारैं जलमैगो गीगलो, भाभी, लेस्यां पोमचड़ै रो वेस-रसिया०
बाईजी, जैं म्हारैं जलमैगी गीगलो, बाईजो, देस्यां पोमचड़ै रो वेस-रसिया०
बाईजी, जैं म्हारैं जलमैगी गीगली, बाईजी, च्यार टकां को नेग-रसिया०
धण नैं पहलो जी मास ज लागियो
धण नैं दूजो जी मास ज लागियो, धण रो आळ-भोळ मन जाय-रसिया०
धण रो थूकतड़ां जिव जाय-रसिया०
धण नैं अगणो जी मास ज लागियो
धण नैं चोथो जी मास ज लागियो, धण रो खीर-खांड मन जाय-रसिया०
धण नैं पंचवों जी मास ज लागियो
धण नैं छठ्टो जो मास ज लागियो, धण रो घेवर में मन जाय-रसिया०
धण नैं सतवों जो मास ज लागियो
धण रो लाडूड़ां मन जाय, धण रो घाट पीळै मन जाय-रसिया०
धण नैं ये नो ए दस लागिया, धण रै जलम लियो नंदलाल-रसिया०
वै तो दूर देसां सैं नणदल आइ़या
थे तो देद्यो भोजाई म्हारी पोमचो, थारै मोसर जायो छै पूत-रसिया०
वै तो परस्यां में बैठ्या सुसरोजी, थारी धीयड़ नैं समझाय-रसिया०
थे तो देद्यो वहू म्हारी पोमचो, थारै ओसर जायो है पूत-रसिया०
वै तो भैंस दुहंता जेठजी, थारी वैनड़ नैं समझाय-रसिया०
वै तो गींड खेलंता देवरिया, थारी वैनड़ नैं समझाय-रसिया०
थे तो देद्यो वहू म्हारी पोमचो
थे तो देद्यो भोजाई म्हारो पोमचो, थारै ओसर जायो है पूत-रसिया०

ऊंचो घालूं पालणो, यो जळ-जमना कै तीर
झोटो देसी सायबो, म्हारी लाल नणद को बीर
गोगा सोज्या मेरा लाल
तेरी रै बला ल्यूं, गीगा चिनेक सोज्या रै

चावळ–मूंगां को खीचड़ो, घी घाल्यो सरजीव
म्हे म्हारो गीगो जीमस्यां, यो झुळ-झुळ झांकै पीव––गीगा सोज्या०

पतळा-पतळा फलका पोवूं, गुदळी रांधूं खीर
नूंत जिमावूं सायबो, मेरी लाल नणद को बीर––गीगा सोज्या०

ए पाड़ोसण पातळी, तूं चिनेक गीगो राख
लाडू देस्यूं सूंठ को, तनैं सैं जळवां री रात––गीगा सोज्या०

रंगमहल सैं जच्चा उतरी, सोनै को कंगण हाथ
चमरक चूंट्यो ले गई, चंद्रावळ मसळै हाथ––गीगा सोज्या०

बैतो मुढलै पै बैठ्या सासूजो, थारी धीयड़ नैं समझाय–रसिया०
थे तो देद्यो बहू म्हारी पोमचो, थारै मोसर जायो है पूत–रसिया०

अै तो राम रसोयां जिठाणीजी, थारी नणदल नैं समझाय–रसिया०
थे तो द्योराणी म्हारी पोमचो, थारै मोसर जायो है पूत–रसिया०

बै तो महल चढंता द्योराणी जी, थारी नणदल नैं समझाय–रसिया०
थे तो मत द्यो जिठाणी म्हारी पोमचो, बाईजी नैं पड़ ज्यासी बाण-रसिया०

बै तो सेज चढंता मारूजी, थारी बैनड़ नैं समझाय–रसिया०
थे तो देद्यो गोरी म्हारी पोमचो, थांनैं पीळा रंगावां दोय च्यार–रसिया०

थे तो योल्यो बाईजी म्हारी पोमचो,थे तो फेर मत आयो म्हारै बारै-रसिया०
भाभी, आस्यां तो जास्यां म्हारै बाप कै, भाभी, थारै ढगरै लात–रसिया०

म्हारै आंगण खूंटो कैर को, जैं कै रेसम डोर बंटाय–रसिया०
मैं तो ढीलो सो बांधूं सायबो, कस कर नणदोईजी रा हाथ–रसिया०
मैं तो बिच-बिच बाईजी रा हाथ–रसिया०
मैं तो ज्यूं ज्यूं हलावूं डोर नैं, बै तो तीनूं लटापट होय-रसिया०

मैं तो धाई भोजाई थारो पोमचो, थे तो छोड़ो भंवरजी का हाथ-रसिया०
बं तो आगै सी जातां आखड़्या, बांका टूट्या बत्तीसूं दांत–रसिया०

बांकी सासूजी बूझै ए बहू, के ल्याया भतीजै रो चाव–रसिया०
सासू थानैं चाये दायेजो, मैं आई म्हारो जीव छुड़ाय–रसिया०

खींपोळी

२८

खींपोळी म्हारी खींपां छाई, तारां छाई रात
या नगरी नारेळां छाई, राजा दसरथ रै परसाद
भावजड़ी म्हारी पूतां छाई, बीरां रै परसाद

बिरमादतजी रा ईसरदासजी ओ म्हारा घुड़ला घरां अे पूंचाय
बिरमादतजी रा कानीरामजी ओ म्हारा घुड़ला घरां अे पूंचाय
पूंचास्यां अे डावड़्यो अे बाई घड़ी अे पलक सुसताय

बंध्या तेजी जौ चरै रै बीरा खुल्ला चरै रै कबाड़
सोटकड़ो सटकाई ओ पातळिया म्हारी गोर्‌यां रा दिन च्यार

गोरल पूजै बामण–बाण्यां राठोड़ा रजपूत
बेटी पूजै राव री रै बीरा सहर पड्‌यो रमझोळ

नीसर रोवां तीजणी अें थारी साथण ऊभी बार
ऊभी रहो अे साथण्यों अे म्हारी भावज करै सिणगार

पहर पटोळो ओढ दुरंगो नीसरी रै बीरा ईसरदास थारी नार
बिछिया बजावत नीसरी रै बीरा कानीराम थारी नार

घूमघुमन्तो घाघरो रै बीरा कड़्यां अे रळकता केस
हाथां मंहदी राचणी रै बीरा चुड़लै रो सरब सुहाग
कोयां काजळ घुळ रह्यो रै बीरा बिंदली रो सरब सुहाग
खींपोळी म्हारी खींपां छाई, तारां छाई रात

कागा रै हाथ संदेसो, राजाजी नैं कहियो, मारूजी नैं कहियो
जी, ओहो, फूल सरीसी बा नार, थारी कुमलाय रही जी
कागा रै हाथ, संदेसा मारूणी नैं कहियो, गोरी धण नैं कहियो
जी, ओहो, थारै सिरसी नार वहोत है, थारै पर हेत नांही जी
कागा रै हाथ संदेसा, मारूजी नैं कहियो, पना मारू नैं कहियो
जी, ओहो, थारै सिरसा छैल वहोत है, जी कुळ की मैं लाज राखूं जी
हाथ बुहारी, बगल बिच खारी, बगल बिच खारी
जी, ओहो, धर्‌यो ए भीलणियां रो भेस, राजाजी रै देस चाली जी
जी, ओहो, धर्‌यो ए भीलणियां रो भेस, राजाजी रै देस आई जी
भारी है घोड़ा घुड़साळ, राजाजी री बैठक, मारूजी री बैठक
जी, ओहो, नगरी में होयो है अनंद, भीलणिया सी कुण आई जी
जी, ओहो, मुख पर राळ्यां रुमाल, भीलणिया सी कुण आई जी
कोठे की थम आई, कोठे थम व्याही, कोठै थम व्याही
जी, ओहो, कुणसै पुरस की थे नार, भीलणिया रो भेस ल्याई जी
बाबुल की हम जाई, सुसरै वर व्याही, सुसरै घर व्याही
जी, ओहो, थम सिरसै छैल की नार, भीलणिया रो भेस ल्याई जी
ए नो ए दस मास, होलर राजा जायो, चतरभुज जायो
जी, ओहो, नगरी में होयो ए अनंद, भीलणिया नैं लाल जायो जी
देखो ए सास-नणदिया, ए द्‌योर-जिठाणी
जी, ओहो, धर्‌यो ए भीलणिया रो भेस, राजाजी मनाय ल्याई जी

३०

हींडो घलादे रै, ओ रै मेरा कान्ह कंवर सा वीर
आई रे सावणियां री तीज्यां, बाई हींडसी
घल्यो घलायो ए, बाई थारो पड़्यो ए त्रिरंगो होय
हींडण वाळी म्हारी बाई सासरै

जोड़ो खुदादे रै, ओ रै मेरा जळहर जामी बाप
इब की तीज्यां में जी, बाई न्हायसी
खुद्यो खुदायो ए, बाई म्हारी भर्यो ए भिलोरा खाय
न्हावण वाळी म्हारी बाई सासरै

चूड़लो चितरादे रै, ओ रै मेरी मा का जाया वीर
आई रै सावणियां री तीज्यां बाई पैरसी
चितर्‌यो-चितरायो ए, बाई म्हारी पड़्यो ए मणहट री हाट
पहरण वाळी म्हारी बाई सासरै

जच्चा को बिड़लो

पांच पानां को जी बिड़लो कै जलद मंगाय
जी पिया, यो थारी माऊजी नैं द्यो ए, म्हारै आवैगा ऊतावळा

चल मायड़ घरे आपणै, सायर घरे आपणै
ए मायड़, म्हारै महलां है कुछ साध, साजन बेटी उणमणी

चल बेटा घरे आपणै, सायर घरे आपणै
ओ बेटा बैं बड़काबोली रा बोल, हिये भीतर खुभ रह्या

फिरिआयो-फिरिआयो देस-बिदेस, आंगण बैठ्यो उणमणो
ए गोरी, थारी जीभड़ली आळ-पताळ, म्हारै तो कोई ए न आइयो

पकड़ांगा आथ-पगाथ पिलंग की जी बांयड़ी
जी पिया, झट दे जणांगा लाडण पूत, म्हारै तो सब कोई आइयो

सुण्यो ए होलरियै को रोज, दादी तो भूवा दोड़ी आइया
जी पिया, सुण्यो-ए होलरियै को रोज, ताई तो चाची दोड़ी आइया

म्हारै कारण आयो न कोय, लेवा तो खावा सब आइया
जी पिया, म्हारै कारण आयो न कोय, गीगै कै कारण सब आइया

३२

आली तो गीली मा मोरी लाकड़ी ए
हां ए मा पड़ी एं समदरां पार, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बडोड़ै वीरै नैं मा मोरी भेजिए ना
हां ए मा बडोड़ो बडाईखोर, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बिचलै वीरै नैं मा मोरी भेजिए ना
हां ए मा बिचलो अधबिच आय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
ल्होड़ियै वीरै नैं मा मोरी भेज दे ए
हां ए मा ल्होडियो बाई नैं ले आय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बडोड़ै वीरै की भू मा जाटणी ए
हां ए मा पालो काटण जाय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बिचलै बीरै की भू मा गूजरी ए
हां ए मा दूधो बेचण जाय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
ल्होड़ियै बीरै की भू मा पदमणी ए
हां ए मा पिलंगां बैठी खाय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बडोड़ै वीरै की भू नैं मा खीचड़ो अं
हां ए मा अूपर मिरियो तेल, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बिचलै बीरै की भू नैं मा लापसी ए
हां ए मा अूपर धबसो लूण, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
ल्होड़ियै बीरै की भू नैं मा चावळा ए
हां ए मा अूपर मिरियो घी, घल्यो तो हिंडोळो राजाजी रै बाग में ए
हां ए मा अूपर धबसो खांड, घल्यो तो हिंडोळो राजाजी रै बाग में ए

१८

ऊंची-ऊंची मैड़ी झरोखा जी च्यार, जगर-मगर दिवलो जगै राज
एक पुरस जैं कै दोय-दोय नार, दुहागण-सुहागण दोय जणी राज

भर भादू की या चनणो सी रात, सुहागण पाणी नैं नीसरी राज
आगै सी मिलग्या नणद बाई रा बीर, बै म्हारो पूंच्यो पकड़्यो जी राज

काहे को घड़लो या काहे की डोर, काहे जड़त थारी ईंडूणी राज
सोनै को घड़लो या रूपै की डोर, मोत्यां जड़त म्हारी ईंडूणी राज

गई-गई जी ढोला समंद-तळाब, घड़लो मेल्यो पाळ पै राज
रित गया जी ढोला समंद-तळाब, हंसा-बुगला उड गया राज

भर भादू की अंधेरी सी रात, दुहागण पाणी नैं नीसरी राज
आगै सी मिलग्या सासूजी रा पूत, बै म्हारो पूंच्यो पकड़्यो जी राज

काहे को घड़लो या काहे की डोर, काहे जड़त थारी ईंडूणी राज
माटी को घड़लो या मूंज की डोर, मूंज मूंजाई म्हारी ईंडूणी राज

गई-गई जी ढोला समंद-तळाब, घड़लो मेल्यो पाळ पै राज
भर गया जी ढोला समंद-तळाब, हंसा-बुगला रळ पीवै राज

ये नो ए दस पूरा जी मास, साळ चतरभुज जलमिया राज
मा की सी राग बहण की सी राग, बाबाजी को बंस बखाणै जी राज

ए सुहागण बूझां थानैं बात, गीत कुण्यां घर गावै जी राज
मा की सी राग, बहण की सी राग, बाबाजी रो बंस बखाणै जी राज
सोय रैवो जी ढोला चतर सुजान, गीत नगरी में गावै जी राज

ए छोरी दासी बूझां थानैं बात, गीत कुण्यां घर गावै जी राज
थारी दुहागण कै जायो है पूत, गीत थारै घर गावै जी राज

हंस-हंस जी ढोला बांधी है पाग, मुळकत मोचा पहर्या जी राज
सोनै को चिटियो भंवरजी रै हाथ, टग-टग महलां सैं ऊतर्या राज

सावण री तीज

३४

आई आई मा पहल सावण री तीज, पहल सावण री तीज
मन्नैं भेजी मा सासरै जी

ओर सहेल्यां मा खेलण-मिलण नैं ए जाय, खेलण-मिलण नैं ए जाय
मन्नैं दीन्यो ए मा पीसणो जी

तोड़ूं फोड़ूं मा चाकलड़ी रो ए पाट, चाकलड़ी रो पाट
बगड़ बखेरूं ए मा पीसणो जी

आया-आया मा गायां रा ए गुवाळ, भैंस्यां रा ए गुवाळ
चुग-चुग चावै ए मा पीसणो जी

मोटो पीसूं मा कोई ए न खाय, कोई ए न खाय
नान्हों पीसूं मा उड उड-जाय
पोई-पोई मा रोट्यां री ए जेट, रोट्यां री ए जेट
पिछलो पोयो ए मा मंडकियो जी

ओरां नैं ए मा रोट्यां री ए जेट, रोट्यां री ए जेट
मन्नैं दीन्यो ए मा मंडकियो जी

ओरां नैं मा-पळियां-पळियां ए दूध, पळियां-पळियां ए दूध
मन्नैं पळियो ए मा छाछ को जी

ओरां नैं मा मिरियो-मिरियो ए घी, मिरियो-मिरियो ए घी
मन्नैं मिरियो ए मा तेल को जी

ओरां नैं मा धबसां–धबसां ए खांड, धबसां-धबसां ए खांड
मनैं धबसो ए मा लूण को जी

आयो-आयो ए मा बडै पीवर रो ए काग, बडै पीवर रो ए काग
बो भी लेग्यो मा मंडकियो जी

ए छोरी दासी तूं बेरो भी ल्याय, कोठै म्हारी जचा राणी पोढिया राज
टूटी सी टपरी नहीं बैं पै फूस, बठै थारी जचा राणी पोढिया राज
चेजारै कै बेटे नैं बेग बुलाय, जचा राणी नैं महल चिणाद्यां जी राज

ए छोरी दासी तूं बेरो भी ल्याय, क्यां पै म्हारी जचा राणी पोढै जी राज
टूट्यो सो मचलो नहीं जैं में बाण, बैं पै थारी जचा राणी पोढ़ै जी राज
फाटी सी गुदड़ी नहीं जैं में पूर, वा थारी जचा राणी ओढै जी राज
खाती कै बेटे नैं जलद बुलाय, पिनारै कै बेटै नैं जलद बुलाय,
जचा राणी नैं पिलंग बणावां जी राज, जचा राणी नैं सिरख भरावां जी राज

ए छोरी दासी तूं बेरो भी ल्याय, क्यांरो म्हारी जचा राणी पछ लियो राज
मोठां को मंडक्यो अळसी को तेल, बो थारी जचा राणी पछ लियो राज
हलवाई कै बेटे नैं बेग बुलाय, जचा राणी नैं लाडू संधाद्यां जी राज

ए छोरी दासी तूं बेरो भी ल्याय, के म्हारी जचा राणी बरतियो राज
फूटी कोडी ओर छदाम, ओ थारी जचा राणी बरतियो राज
सराफां कै बेटे नैं बेग बुलाय, जचा राणी नैं म्होर दिरावां जी राज

फिट-फिट ए सुहागण नार, जायोड़ा पूत लुकोया जी राज
धन-धन ए दुहागण नार, बाबाजी रो वंस वधायो जी राज

ढह पड़ रै कोठी का पिहाण, जैं तळै सुहागण दब मरै राज
क्यां नैं पड़ै रै कोठी का पिहाण, क्यां नैं सुहागण दब मरै राज
हम रै जणां बाई थे रै खिलाय, बाबाजी रो वंस वधावां जी राज

४९

म्हारै आंगण चिरमठड़ी रो रूंख म्हारा पिवजी
कोई समधी रै आंगण केवड़ो जी
फ़ल्यो-फ़ल्यो चिरमठड़ी रो रूंख म्हारा पिवजी
कोई इब गरणायो केवड़ो जी

दोनूं समधी बैठ्या तखत बिछाय म्हारा पिवजी
कोई चोपड़ पासा ढाळिया जी

बूझै-बूझै राजकंवरा की माय म्हार पिवजी
कोई कुण हार्यो कुण जीतियो जी
हार्यो-हार्यो राजकंवर को बाप धण गोरी
कोई कोटण समधी जीतियो जी

म्हारी लाडो सात भायां की भैण म्हारा पिवजी
कोई ऊभी सोवै आंगणै जी

टोळां मांला हसती क्यूं ना हार्या म्हारा पिवजी
म्हारी राजकंवर क्यूं हारिया जी

घुड़लां मांला तेजी क्यूं ना हार्या म्हारा पिवजी
म्हारी बड़गोतण क्यूं हारिया जी

बुगचै मांला कपड़ा क्यूं ना हार्या म्हारा पिवजी
म्हारी राजकंवर क्यूं हारिया जी

डब्बै मांला गहणा क्यूं ना हार्या म्हारा पिवजी
म्हारी सदा ए कंवर क्यूं हारिया जी

थैली मांला रिपिया क्यूं ना हार्या म्हारा पिवजी
म्हारी बड़गोतण क्यूं हारिया जी

ऊंची-ऊंची मैड़ी झिरोखा जी च्यार, जगर-मगर दिवलो जगै जी राज
छोटी सी नार नारेळी सो पेट, करै ए भंवरजी सैं बीनती जी राज

एक बर जी ढोला बागां में जाय, बागां में कळी ए मरोड़ल्यो जी राज
थे कळियां गोरी म्हे रिझवार, सेजां में कळी ए मरोड़स्यां जी राज
नहीं समझयो भोळी बाई जी रो बीर, चालै छै पीड़ उतावळी जी राज
पीड़ चलै धण लुळ-लुळ जाय, करै ए भंवरजी सैं बीनती जी राज

एक बर जी ढोला साथीड़ां में जाय, साथीड़ां में घुड़ला डकायल्यो जी राज
थे घुड़ला गोरी हम असवार, सेजां में घुड़ला डकायस्यां जी राज
नहीं समझयो सासू सुगणी रो पूत, चालै छै पीड़ उतावळी जी राज
पीड़ चलै धण लुळ-लुळ जाय, करै ए भंवरजी सैं बीनती जी राज

एक बर जी ढोला रावळ जाय, रावळ न्याव चुकायद्यो जी राज
थे रावळ गोरी म्हे होदैदार, महलां न्याव चुकायस्यां जी राज
नहीं समझयो भोळी बाईजी रो बीर, चालै छै पीड़ उतावळी जी राज
पीड़ चलै धण लुळ-लुळ जाय, करै ए भंवरजी सैं बीनती जी राज

एक बर जी ढोला नीचै जाय, जाय थारी माऊजी नैं भेजद्यो जी राज
के थारो ए धण दुखै छै पेट, के थारै पीड़ उतावळी जी राज
मसर–मसर ढोला दूखै छै पेट, हाथ–पगां में फूटणी जी राज
इब समझयो भोळी बाईजी रो बीर, अब म्हारी सार वणी करै जी राज

हंस-हंस जी ढोलै बांधी छै पाग, मुळकत मोचा पहरिया जी राज
सोनै को चिटियो भंवरजी रै हाथ, टग-टग महलां सूं ऊतर्‌या जी राज
जणज्यो ए जच्चा लाडण पूत, बंस बधायो म्हारै बाप को जी राज

माय खिनाई मेरी मांडी-चूंडी
तो सास खिनाई रंगमहलां मोरी भूआ ए, नींद घणेरी

रिमझिम करती महल पधारी
तो जागतड़ो सोय रहियो मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

माय बुरी छै मेरो बाप बुरो छै
मनैं अूंघणियै वर दीन्ही मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

रिमझिम करती नीचै भी आई
तो द्योर-जिठाण्यां बूझै वातां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी
तो संग की सहेल्यां बूझै वातां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

म्हे थांनैं बूझां म्हारी बाई ए सहोदरा
थारा किसड़ा लाड लडाया मोरी भूवा ए, नींद घणेरो

म्हे थांनैं बूझां म्हारी बहू ए बहवड़दे,
थारा किसड़ा लाड लडाया मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

माय बुरी छै मेरो बाप बुरो छै
मनैं ऊंघणियै बर दीन्ही मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

हलो ना भुवाजी बाई चलो ना भतीजी
आपां लुहारां कै चालां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

लुहारी का बेटा रै भाई
मनैं सात सूई कर दे ना मेरा बीरा रै, नींद घणेरी

हलो ना भुवाजी बाई चलो ना भतीजी
आपां लीलगरां कै चालां मोरी भुवा ए, नींद घणेरी

लीलगरी का बेटा रै भाई,
मनैं लीलो डोरो रंग दे ना बीरा मेरा रै, नींद घणेरी

धरा मुढलै पिव पालिंगै

२०

जी ओ, धण मुढलै पिव पालिंगै, तो दोय जणा मतो ए उपाइयो जी
जी पिया, जै म्हारे जलमैगो पूत, तो किसड़ा लाड लडायस्यो जी

ए गोरी, जै थारै जलमैगो पूत, थारी किस बिध म्हे करां जी
लाडू सठवा सूंठ का जी, मा ए बहण नैं पतीजस्यां जी
पड़दो पीळी फामरी जी, आगै पीछै म्हे फिरां जी
खाट महल बिच घालस्यां जी, हम न सिधारांगा चाकरी जी
थानैं नीं भेजां थारै बाप कै जी

जी पिया, जै म्हारै जलमैगी धीय, तो किसड़ा लाड लडायस्यो जी
ए गोरी, जै थारै जलमैगी धीय, तो खाट पिछोकड़ै घलायस्यां जी
पड़दो द्यां काळी कामळी जी, लाडू खारै लूण का जी
मुख सैं कदेय न बोलस्यां जी, थानैं भेजां थारै बाप कै जी
हम रै सिधारांगा चाकरी जी

जी पिया, ये नो ए दस मास जी, तो साळ चतरभुज जलमियो जी
जी सासूजी, जाओ थारै बेटै नैं जगाय, के थारै घर जाई है डीकरी जी
ओ बेटा, सोवै है कै जागै मेरा लाल, थानैं सोयां ना सरै जी
थारै घर जाई है धीयड़ी जी
ए मा, ल्याओ-ल्याओ पांचूं हथियार, तो पांचूं ल्यावो म्हारा कापड़ा जी
धण नैं भेजांगा बाप कै जी
ए मा ल्यावां-ल्यावां ढोली ए कहार
हम रै सिधारांगा चाकरी जी

जी ओ, आगै-आगै ढोली ए कहार, तो गैलां-गैलां गोरी रो सायबो जी
जी, वै दीख्या-दीख्या पीवरियै का रूंख, माऊजी दीखी काततो जी

ए बेटी, जोवै थी मैं नाई कै री वाट, धीयड़ को आवण क्यूं हुयो जी
ए मा, म्हारै महलां जाई राजकंवार, तो धण-पिव पड़ गया ओलणा जी

माय भली छै मेरो बाप भलो छै
मनैं हरखीलै बर दीन्हो मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

ल्हौड़ियो देवर पीसै ए पोवै
बडो ए भरैगो जळ पाणी मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

द्योर–जिठाणी रोटी पोवै
म्हारी बाई पोवै मोती मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

च्यार कूंट का चोदा रै मूसळ
म्हारी बायां ल्याण भिड़ाया मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

रोवां बाई भोळी-ढाळी तो सोवां तेरा ताळी
मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

रोवां बाई भोळी-ढाळी तो सोवां कामणगारी
मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

पांच रुपैया गुड़ की भेली
मेरी भूवा का पग पूजूं मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

बूढ सुहागणं हो मेरी भूवा
तो तैं मेरो घर बांध्यो मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

———

घोड़ी
३६

चाबोजो रै मुलावै ए घोड़ी दादी निरखण जाय
ए आवै गो बाबांजी रो प्यारो सूत्यो सहर जगावै
अे घोड़ी रिम्मक-झिम्मक चाल, मंगेजण बाजारां होय आव

[परिवार रा दूजा लोगां रा नांव ले-ले'र गीत दुसरायो जावै]

घोड़ी
३७

कै म्हारी तीजण आपै आई, आपै आई
कै सुलतान पठाई ओ राज

ना म्हारी सइयो, मैं आपै आई, आपै आई
ना सुलतान पठाई ओ राज
कंवर लाडेलड़ै रा बाबोजी भला छै
मंहगै मोल मुलाई ओ राज

बागो सोवै पाट को ए लिलड़ी
हरे-हरे सूत को, पीळै-पीळै पाट को, ओर मखतूल को
बादस्या नवाब म्हारो दुलोराजा निरखण आई हो राज

पांच सुपारी पानां रो बिड़लो
भतियां नैं रै बीरा नूं तग जाय, राजिन साथ लिया

च्यारूं भाई नूं तण लागी
निरधन रै बीरो नूं त्यो है नांय, राजिन साथ लिया

चाल गोरी धण घर नैं चालां
मा की तो जायी मेरो मार्‌यो ए मान, राजिन साथ लिया

आगै मिलग्यो लख बिणजारो
तूं कित रै निरधन रूस्यो रै जाय, राजिन साथ लिया

मेरी भैण घर बिड़द उपाई
मा की तो जाई मेरो मार्‌यो रै मान, राजिन साथ लिया

म्होरां तो बहतेरी लेज्या,
रिपियां रो रै निरधन अंत न प्यार, राजिन साथ लिया

अंगियां तो बहतेरी लेज्या,
तीळां रो रै निरधन अंत न पार, राजिन साथ लिया

बोदी दुनियां थरहर कांपी
भाजड़ रै बीरा भेळ्यो रै गांव, राजिन साथ लिया

थे मत डरपो बोदी दुनियां
निरधन रै बीरो ल्यायो रै भात, राजिन साथ लिया

च्यारूं भाई झुळझुळ झांकै
निरधन रै बीरो भरसी रै भात, राजिन साथ लिया

घोड़ी (लूंगां की)

३८

एक लूंगां री घोड़ी राइवर घूम घूमंती
राइवर चढै ए उतावळा

एक लीलड़ी पलाण कंवर का बाबोजी चढिया
थे क्यूं जी कंवर उतावळा
एक लीलड़ी पलाण कंवर का ताऊजी चढिया
थे क्यूं जी कंवर उतावळा

थारा झीणा सा कपड़ा राइवर होय मैला
केसर ढुळ-ढुळ बांह पड़ै

रायजादी बनी रो बनड़ो हरख्यो ही डोलै
धूप गिणै ए न तावड़ो
पीवरपूरी को बनड़ो हरख्यो ही डोलै
धूप गिणै ए न तावड़ो

अूतावळा मत होय राइवर
राजकंवर परणायस्यां

सिख भर रोळी थाळी भर मोती
मेरा भतई नूंतण बीरा मैं गई जी

मा का रै जाया बीरा बेगो रै आई
हर हम घर बिड़द उतावळी जी

मा की ए जाई मेरो आवण नांही
हर हम घर मैड़ी बाई सांकड़ी जी

बीरां की मैड़ी कूंकूं गार घलाअूं
हर दूधां की मसक ढुळावस्यां जी

बीरां की मैड़ी सोवन ईंट थपावूं
हर अजगज नींव लगायस्यां जी

बीरां की मैड़ी मैं तो छपर छपावूं
हर औणां-चौणां बीरा घूघरा जी

बीरां की मैड़ी मैं तो पिलंग बिछावूं
हर गाल मसूर्या गादो-गींडवा जी

बीरां की मैड़ी मैं तो दिवलो संजोवूं
हर जगमग जोत सुहावणी जी

बीरां की मैड़ी मैं तो भावजड़ी बुलाअूं
हर हाथ रंगीलो बीरा बीजणो जी

जैं चढ पोढै बीरा कुण्याचंदजी रो मेरो कुण्याचंद
मेरी भावज ढोळै बीरा बीजणो जी

ढोळ-ढुळावत सायब हरख ज उपज्यो
हर हाथ रो बीजणो सायब हथ रयो जी

घोड़ी म्हारी चंद्रमुखी इन्दरलोकां सूं आई हो राज
आई रतनाळी हो तीजण ल्हास बंधाई हो राज
हरी-हरी दूब चरै लीली दूधां की धाई हो राज
नागरबेल चरै लीली दूधां की धाई हो राज

आज म्हे तो आज सखी एक इचरज देख्यो हो राज
आज वसदेव कुळनंद चोक बैठाया हो राज
चोक बैठाया ठाकुरजी नैं देवता जुंहार्या हो राज
देवता जुंहार्या ठाकुरजी नैं रुकमण परणाई हो राज

रोळी को तिलक कर्यो माथै मुकट बिराजै हो राज
देवतां में लगन लिख्यो ब्रह्मा वेद पढाया हो राज
मुखमल को जीन बण्यो ऊपर जादूराय बिराज्या हो राज

बोलै म्हारी बाई ओ सहोदरा इमरत वाणी हो राज
नगरी में हाल हुई, हलकार हुई, खबरदार हुई
कोई इक वर परण्यो हो राज

आज तो घणदेवो बीरो कांकड़ आय बिराज्यो जी
(तो) कांकड़ मांला ग्वाळा बैंनैं घणो सरायो ए
बीरो थारो आयो ए

आज तो घणदेवो बीरो बागां आय बिराज्यो जी
(तो) बागां मांला माळी बैंनैं घणो सरायो ए
बीरो थारो आयो ए

आज तो घणदेवो बीरो पोळ्यां आय बिराज्यो जी
(तो) पोळ्यां देवर-जेठ बैंनैं घणो सरायो ए
बीरो थारो आयो ए

आज तो घणदेवो बीरो चोक्यां आय बिराज्यो जी
(तो) चोक्यां म्हारो जिवड़ो बैंनैं घणो सरायो ए
बीरो थारो आयो ए

बीरो थारो आयो ए म्हारी चंद्रगोरजा करो आरतो ए
बीरो थारो ए

बीरो आयो म्हे सुण्यो बाळद भर ल्यायो ए
बीरो थारो आयो ए

बीरो आयो म्हे सुण्यो च्यारूं दिस छाई ए
बीरो थारो आयो ए

चूनड़ तो झिलमिल की ल्यायो मांय जरी को बूंटो ए
बैं चूनड़ कै कारणै सूरज रथ थाम्यो ए
बीरो थारो आयो ए

एक घोड़ी भी चंचल, सरस सवाई, सहर तिजारा सैं आई
एक थारै भी कारण, साहजी स्रीरामनंदन, साह सुलतान पठाई
सुलतान पठाई, दूरां आई, मलफंती ज्यूं पांव धरै
तेरा पांचूं लक्खण, सरब सुलक्खण, सैनाणी ज्यूं याद करै
सैनाणी ज्यूं याद करै, नेवर भिणकंती, रूपां छंती आंखड़ल्यां रतनाळी
दोय तारा टीकी, बारा बरणी, नाचैगी हरियाली, कूदैगी हरियाली
ज्यां देख्या दुरजन दूर पिया मेरा साजन मनां सवाया
तुझ कारण बनड़ा, कंवर पियारा, गढ गोपालां घोड़ी, सहर तिजारां घोड़ी

तेरी सांख भी सोवै रै लाल, झुरमुर मोवै, हीरां दीपै ये लिलाड़
हीरां झड़कंती, रूपां छंती, आंखड़ल्यां रतनाळी
दोय तारा टीको, बारा बरणी, नाचैगी हरियाली, कूदैगी हरियाली
ज्यां देख्यां दुरजन दूर पिया मेरा साजन मनां सवाया
तुझ कारण बनड़ा, कंवर पियारा, हीरां जीन जड़ाया, मोतीड़ां जीन जड़ाया

थे तो सुगो ए सुहेल्यो लाल, काम दुहेल्यो, सेवरड़ा नोरंगा
गुंथ ल्याई ए मेरी मालण सरस सवाई, लाल कै टीपणी लगाई
गुंथ ल्याई मालण, सरस सवाई, कोमल कळियां बास घणी
चंपा बिच महल, महल बिच मरवा, परमल फूलां बास घणी
किस्तूरी फूलां बास घणी
ज्यां लोग तमासै, तीतर हांसै, गावैं गीत सुरंगा
तुझ कारग बनड़ा, कंवर पियारा सेवरड़ा नोरंगा, गुंथ मालण नोरंगा

साहजी कूण्याचंद वासिग माणक उगळ्या जिसा ए करम करेसी
साहजी कूण्याचंद पोता व्यावण चढिया जिसो ए पून्यू को चांद

पून्यू को चांद निरम्मळ कहिए (ओझां) को सिणगार करै
कृष्याचंद-नंदन, दाळद-भंजण, उठ भोजन आनंद करै
तेरी माता जसोदा, उर अपंदा से नर भया अनंदा
तुझ कारण वनड़ा, कंवर पियारा, कळ में धरमकरंदा, परवारां होय अनंदा

१. गढगोपालां=गोपालगढ (!)
२. तिजारा=अलवर जिलै रो एक कस्बो
३. ओझां=बनै री जात रो नांव लियो जावै। ओझा भी एक जात है।
४. कृष्यानन्द=अमुक (ढिकड़ो–फुकड़ो) अठै बनै रै बाप रो नांव लियो जावै।

थे क्यूं गायड़मल सोवो नचींता
तो कागद आयो बनी रै बाप को जी
कागद बांच्या परवानां भी बांच्या
तो छोटी-छोटी उरख्यां बनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढिया
तो जाय डेरा ढाळ्या बनी थारै कांकड़ में जी
कांकड़ निरख्या, गुवाळा भी निरख्या
तो भूरी-भूरी भैंस्यां बनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढिया
तो जाय डेरा ढाळ्या बनी थारै बाग में जी
बाग भी निरख्या, बगीचा भी निरख्या
तो काची-काची कळियां बनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढिया
तो जाय डेरा ढाळ्या बनी थारी पोळ में जी
पोळ भी निरखी, खाती को भी निरख्यो
तो सुरंग सूवटड़ै बनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढिया
तो जाय डेरा ढाळ्या बनी थारी चंवर्‌यां में जी
फेरा भी निरख्या, जोसी को भी निरख्यो
तो हथ-हथळेवै बनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढिया
तो जाय डेरा ढाळ्या बनी थारै थापै में जी
थापो भी निरख्यो, भूवा बाई निरखी
तो अजब सखियां बनैजी रो मन गयो जी

पोळीड़ा पोळ उघाड़ जी, म्हानैं अँ घर भीतर जाण द्यो जी
देखा सुसरांजी रो राज, म्हारै सुगणै सायब री सायबी जी

हस्तीड़ा घूमै छै बार जी, म्हारै बंध्या तेजी जी चरै जी
सोनो घड़ै ए सुनार जी, म्हारै गहनां रा डब्बा भर्या जी

अन-धन भर्या ए भंडार जी, म्हारै चौसर लिछमी बोघणी जी
बामण को करै ए रसोई जी, म्हारै दूध कढ़ै घी आवटै जी

इबकै जणांगा म्हे पूत जी, म्हे तो करां ए साजनियां सं गोठड़ी जी
मलकत चढैगी बरात जी, म्हारै घरां ए पढ़ंती आवै कुळवहू जी

मनां ए बधावो म्हारै चित ए बधावो
सरव सुख भयो ए आनंद जी
म्हारै पूत परण घर आइया जी

इबकै जणांगा म्हे धीव जी, म्हे तो करां ए साजनियां मैं बीनती जी
मलकत आवैगी बरात जी, म्हारै बरमन आवै म्हा मानई जी

मनां ए बधावो म्हारै चित ए बधावो
सरव सुख भयो ए आनंद जी
म्हारै धीय जंवाई रे रयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढ़िया
तो जाय डेरा ढाळ्या वनी थारै जूवं में जी
जूवो भी निरख्यो, साळाहे्ली भी निरखी
तो कांगण-डोरां वनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढ़िया
तो जाय डेरा डाळ्या वनो थारै महल में जी
महल भी निरख्या, माळिया भी निरख्या
तो छोटी-छोटी वनड़ी वनैजी रो मन गयो जी

दे'र नगारो गायड़मल चढ़िया
तो जाय डेरा डाळ्या वनी थारी सेज में जी
सेज भी निरखी, तकिया भी निरख्या,
तो अजब वातां में वनैजी रो मन गयो जी

छट्ठै बधावै ओ नणद बाई सासूजी बिळूंधी
सासूजी रा जाया ओ देवर-जेठ कुहावै, आलीजो कुहावै
या ही रुत माणै ओ नणद बाई थारो जी बीरो
रूस्योड़ी मनावैं ओ नणद बाई थारो जी बीरो

सतवैं बधावै ओ नणद बाई कूखड़ली बिळूंधी
कूखड़ली रा जाया ओ कंवर कुहावै
कुळबहू आवै, पगां ए लगावै, बंस बधावै
या ही रुत माणै ओ नणद बाई थारो जी बीरो
बैठी नैं उठावै ओ नणद बाई थारो जी बीरो

बनड़ो
४२

हसती थे ल्याज्यो जी कजळी देस रा
धुड़लां रै घमकै थे आव
ओ जी म्हाराजा, काळै ओ बादळियां री रेख सुहावणी
धोळै ओ बादळ बिच चिमकै बीजळी
थारो तो म्हारो जो जिवड़ो एक है
जाणै चकरी बिच रेसम डोर
ओ जी म्हाराजा, काळै ओ बादळियां री रेख सुहावणी

सोनो थे ल्याज्यो जी लंका पार को
रूपै सैं अगड़ घड़ाय, ओजो म्हाराजा, काळै०

स्याळू थे ल्याज्यो सांगानेर का
रै चोग बंधाय, ओ जी म्हाराजा, काळै०

बनड़ी थे ल्याज्यो जी बड़ परवार की
जोड़ै सैं महल पधार, ओ जी म्हाराजा, काळै०

चुड़लो थे ल्याज्यो जी हसती दांत को
रोळो सैं रड़ी ए भराय, ओ जो म्हाराजा, काळै०

मैंदी थे ल्याज्यो जी नारनोळ की
केसर का पूड़ा ए बंधाय, ओ जी म्हाराजा, काळै०

जानी थे ल्याज्यो जी अपणी जोड़ का
बावांजो रै रुतबां थे आव, ओ जो म्हाराजा, काळै०

पातर ल्याजो जी जयपुर सहर की
समधो री पोळ नचाय, ओ जी म्हाराजा, काळै०

सांगानेर=जयपुर रै कनै एक गांव : नारनोळ=पंजाब रो एक कस्बो

दिवलै री जोत सायबाणी जी राज

धन-धन जी कूण्यांचंदजी रा छावा जी राज
सुपनै रो अरथ भलो दियो राज
धन-धन अे साजनियां री जाई जी राज
थे म्हांनैं गाय सुणायो जी राज

४३

बनड़ा, बनड़ो तो कागद राइवर भेजियो, जी बनड़ा
आयज्यो म्हारे बाबांजी रे देस
रंगमहल बिच चोपड़ मांडस्यां, जी बनड़ा

पहलो तो पासो गायड़मल ढाळियो जी बनड़ा
पड़ गयो उमराव बनी रो डाव
महमद जीत्या जी पाळे सोने रा जड़ी, जी बनड़ा

दूजो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो सिरदार बनी रो डाव
कुंडळ जीत्या जी झबरख झूंटणा, जी बनड़ा

अगगो तो पासो राइवर ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो सिरदार बनी रो डाव,
हार ज जीत्या जी तिलड़ी टेवटा, जी बनड़ा

चोथो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो दाईदार बनी रो डाव
बाजूबंद जीत्या जी चुड़लो हसती दांत को, जी बनड़ा

पंचवों तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो पीवरपूरी बनी रो डाव
पायल जीत्या जी नान्हे बाजे बीछिया, जी बनड़ा

छट्ठो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो उमराव बनी रो डाव
दावण जीत्या जी बोरंग चूनड़ी, जी बनड़ा

सतवों तो पासो म्हारी बनड़ी ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो बाबांजी रै पूत रो डाव
बेटी तो जीत्या जी बड परवार की, जी बनड़ा

४२

हसती थे ल्याज्यो जी कजळी देस रा
धुड़लां रै घमकै थे आव
ओ जी म्हाराजा, काळै ओ बादळियां री रेख सुहावणी

धोळै ओ बादळ बिच चिमकै बीजळी
थारो तो म्हारो जो जिवड़ो एक है
जाणै चकरी बिच रेसम डोर
ओ जी म्हाराजा, काळै ओ बादळियां री रेख सुहावणी

सोनो थे ल्याज्यो जी लंका पार को
रूपै सैं अगड़ घड़ाय, ओजी म्हाराजा, काळै०

स्याळू थे ल्याज्यो सांगानेर का
मिसरू रै चीण वंधाय, ओ जी म्हाराजा, काळै०

बनड़ी थे ल्याज्यो जी वड़ परवार की
जोड़ै सैं महल पधार, ओ जी म्हाराजा, काळै०

चुड़लो थे ल्याज्यो जी हसती दांत को
रोळो सैं दड़ी ए भराय, ओ जी म्हाराजा, काळै०

मैंदी थे ल्याज्यो जी नारनोळ की
केसर का पूड़ा ए वंधाय, ओ जी म्हाराजा, काळै०

जानी थे ल्याज्यो जी अपणी जोड़ का
बावांजो रै रुतवां थे आव, ओ जो म्हाराजा, काळै०

पातर ल्याजो जी जयपुर सहर की
समधो री पोळ नचाय, ओ जी म्हाराजा, काळै०

सांगानेर=जयपुर रै कनैं एक गांव : नारनोळ=पंजांब रो एक कस्बो

बनड़ा, बनड़ी तो कागद राइवर भेजियो, जी बनड़ा
आयज्यो म्हारै बावांजी रै देस
रंगमहल बिच चोपड़ मांड्स्या, जी बनड़ा

पहलो तो पासो गायड़मल ढाळियो जी बनड़ा
पड़ गयो उमराव बनी रो डाव
महमद जीत्या जी पोळे सोनै रावड़ी, जी बनड़ा

दूजो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो सिरदार बनी रो डाव
कुंडळ जीत्या जी झबरख भूंटणा, जी बनड़ा

अगगो तो पासो राइवर ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो सिरदार बनी रो डाव,
हार ज जीत्या जी तिलड़ी टेवटा, जी बनड़ा

चोथो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो दाईदार बनी रो डाव
बाजूबंद जीत्या जी चुड़लो हसती दांत को, जी बनड़ा

पंचवों तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो पीवरपूरी बनी रो डाव
पायल जीत्या जी नान्हैं बाजै बीछिया, जी बनड़ा

छट्ठो तो पासो गायड़मल ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो उमराव बनी रो डाव
दावण जीत्या जी बोरंग चूनड़ी, जी बनड़ा

सतवों तो पासो म्हारी बनड़ी ढाळियो, जी बनड़ा
पड़ गयो बावांजी रै पूत रो डाव
बेटी तो जीत्या जी वड परवार की, जी बनड़ा

बनड़ो

सेवरा

४४

ऊंचो तो चंवरो चोवटो
माळी को सोवै ए नचींत, लाडण रंग बनड़ै रा सेवरा
म्हारी मालण जाय जगाइयो
माळी, तूं क्यूं सोवै ए नचींत, लाडण रंग बनड़ै रा सेवरा
नगरी कंवारा परणिया, चोखा सेवरड़ा गुंथ ल्याय, मालण रंग०

सोनो तो लाग्यो सोवणो, हर रूपो अूजळ दंत, लाडण रंग०
मोती तो लाग्या बाटळा, हर लाल लगी लख च्यार, लाडण रंग०
उड़ती तो लागी चिड़कली. हर गढ परबत का मोर, लाडण रंग०
पंखो तो लाग्यो खिजूर को, हर नाळ लग्या रै सुरंग, लाडण रंग०
कागद लाग्या मुड़मड़ा, हर पाट अठारा टंक, लाडण रंग०

गुंथ्यो ए गुंथायो सिग चढ्यो, हर धर्‌यो ए चंगेरी रै मांय, लाडण रंग०
सिर धर मालण नीसरी, भर हटवाड़्यां रै मांय, लाडण रंग०

लोग महाजन पूछिया, हर तूं मालण कित जाय, लाडण रंग०
गोरै बनड़ै का है सेवरा, मैं तो घर कुण्यांचंदजो कै जाय, लाडण रंग०

पूत सपूती आगळी, वहू वहवड़ लियो है बुलाय, लाडण रंग०
ल्याय धर्‌या धमसाळ में, म्हारी साळ पचासा लेय, लाडण रंग०

हर थारै-म्हारै आछ्या लाडा सेवरा
हर चार जणी रखवाळ, लाडण रंग०
दादी तो भूवा मांवसी, तेरी जणी ए सहोदरा माय, लाडण रंग

हर थारै-म्हारै आछ्या लाडा सेवरा,
अड़िया तो च्यारूं राव, लाडण रंग०
दिल्ली को अड़ियो बादस्या, बूंदी को बुधसिंघ राव, लाडण रंग०

काछवो

६६

चांदा, थारी निरमळ रात
सइयां म्हारी हो, चांदा, थारी निरमळ रात
नणदल नै भोजाई सैलां सांचरी, सांचरी, जी म्हारा राज

फिर-फिर निरख्यो है बाग
सइयां म्हारी हो, फिर-फिर निरख्यो है बाग
दांतण तो तोड़्यो है काची केळ रो, काची केळ रो, जी म्हारा राज

घस-घस धोया है पांव
सइयां म्हारी ओ, घस घस धोया है पांव
रगड़-रगड़ धोई एडियां, एडियां जी, म्हारा राज

देखो, भावज, काईं जिनावर जाय
भावज म्हारी ए, देखो भावज, काईं जिनावर जाय
मोरां पर मंडिया है जिण रै मांडणा, मांडणा, जी म्हारा राज

ओ है, बाईजी, थारोड़ो भरतार
सइयां म्हारी ओ, ओ है, बाईजी, थारोड़ो भरतार
जळ रो जिनावर राणो काछवो, काछवो, जी म्हारा राज

समदरां रा सूख्या नीर
सइयां म्हारी ओ, समदरां रा सूख्या नीर
काछवियो कूद कूवै पड़ै, कूवै पड़ै, जी म्हारा राज

काछवियै री जात कुजात
बाईजी, म्हारा ओ, काछवियै री जात कुजात
काछवियो जूंवां ज्यूं हुलरावै, हुलरावै, जी म्हारा राज

काछवियै रो मोटो पेट
अे सुन्दर, काछवियै रो मोटो पेट
माटी नैं भखै राणो काछवो, काछवो, जी म्हारा राज

जयपुर को जगतसिंघ अड़ रयो, अर कोटड़ियां कुटराव, लाडण रंग०
च्यारूं तो राव जुंझारिया, मस्तक बांध्यो छै बावुन्न को नंद, लाडण रंग०

हर थारै-म्हारै आछ्या लाडा मेवरा
अड़िया तो सगळा भांड, लाडण रंग०
भांड भंडाई कर रया इण भांडां नैं वरो ए तुलाय, लाडण रंग०
थोथा चणा एक पावली, इण भांडां रो यो ही उनमान, लाडण रंग०
सवासणियां नैं राखड्यो, इण भांडां नैं सीख दिराय, लाडण रंग०
सवासणियां नैं पोमचा, इण भांडां नैं जुन्ना ए कचाण, लाडण रंग०

भांड-परिवार रा मनखां नैं 'भांड' बताया है।

मेवरा

ह्हालो री सइयां, जोवण जाय
सइयां, म्हारी ओ, हालो री सइयां, जोवण जाय
अलबेलो आयो सुणीजै रै देस में, देस में, जी म्हारा राज

ढाढीड़ा, तूं छै धरम रो बीर
बीरा म्हारो ओ, ढाढीड़ा, तूं छै धरम रो बीर
कोई म्हानैं ओळखाय झिलती जोड़ी रो, जोड़ी रो, रै म्हारा राज़

बीजोड़ा घोड़ै असवार
ओ बाईसा, बीजोड़ा घोड़ै असवार
हसत्यां रै होदै राणो काछवो, राणो काछवो, जी म्हारा राज

ओरां रै मुरकी कान
ओ बाईसा, ओरां रै मुरकी कान
अूजळा तो मोती राणो काछवो, राणो काछवो, जी म्हारा राज

ओरां रै बांधण पाग
ओ सुन्दर, ओरां रै बांधण पाग
काछवियै रै बांको सेवरो, सेवरो, जी म्हारा राज

मरज्यो अे भावज, थारोड़ो बीर
राणा काछवाजी रै, मरज्यो अे भावज, थारोड़ो बीर
जोड़ी रो बर टाळ्यो राणो काछवो, राणो काछवो, जी म्हारा राज

म्हारो अे नांव हमीर
ओ सुंदर, म्हारो अे नांव हमीर
भूवाजी हुलरायो राणो काछवो, काछवो, जी म्हारा राज

काछविया, सामीं जोय रै
राणा काछवा जी रै, काछविया, सामीं जोय रै
कुंवारी काठ बळै, काठ बळै, जी म्हारा राज

४५

बनी माथै नैं मैंमद पहरो ए
बनी कानां नैं कुंडळ पहरो ए
रखड़ी पर राइवर रीझियो, नादान गजरैवाळी ए
झुटणां पर कोडीधज रीझियो, नादान गजरैवाळी ए

बनी चालो तो बागां में ले चालां ए
बागां में हींडो घालस्यां, नादान०
म्हारी राजकंवर बाई हींडै,
नाचण को झोटा देयसी, नादान०
म्हारी सदा ए कंवर बाई हींडै,
हरमल को झोटा देयसी, नादान०

बनी चालो तो रसोयां ले चालां ए
रसोया में जिनवा जीमस्या, नादान०
म्हारी राजकंवर बाई जीमसी
नाचण को गास्या देयसी, नादान०

बनी चालो तो महलां में ले चालां ए
महलां में चोपड़ मांडस्यां, नादान०
म्हारी सदा ए कंवर बाई खेलै
नाचण को पासा ढाळसी, नादान०

सोनै-रूपै का दोय प्याला मंगावो जी
सायबा, भर-भर प्याला प्यावो, म्हारा०

एक पियालो बिनायक बाबै नैं प्यावो जी
एक पियालो महादेवजी नैं प्यावो जी
एक पियालो बिरमादतजी नैं प्यावो जी
एक पियालो सिरीरामजी नैं प्यावो जी
जांकी मांझल रात जगाई, म्हारा०

एक पियालो बनड़ै कै बाप नैं प्यावो जी
एक पियालो बनड़ै कै ताऊ-चाचां नैं प्यावो जी
एक पियालो बनड़ै कै नानां-मामां नैं प्यावो जी
एक पियालो बनड़ै कै फूंफां-जीजां नैं प्यावो जी
दसरथजी रा कंवर रसीला, म्हारा०
बाई सहोदरा रा बीर रंगीला, म्हारा०

अळियो भी नाच्यो सायबा पळियो भी नाच्यो जी
सायबा, नाच्यो है गोत कड़ूबो, म्हारा०

सुरही गाय की थोड़ी छाछ मंगावो जी
सायबा, भांगड़ली रै उतारो, म्हारा०

इब तूं झुकज्या इब तूं लुळज्या
झिरोखै झाला दे रही अे भांगड़ली
भंवर को रस ले रही अे भांगड़ली

मिरजापुर=उत्तर प्रदेस रो नामी सहर
बीकाणो=बीकानेर (राजस्थान)
मकराणो=संगमर मरभाटै री खानां रो कस्बो (नागोर-राजस्थान)

नागरबेल उदगपर छाई
जठै म्हारी रजवण गेलण आई
हंस बाई का बाबोजी गोद बैठाई
कहो ऐ नवल बाई किसो वर हेरां
कहो ए चतर बाई किसो वर हेरां

लांबो मत हेरो सांगर चूंट ल्यासी
ओछो मत हेरो बावनियो कुहासी
काळो मत हेरो कुटंब लजासी
गोरो मत हेरो नजर लग जासी
इसो वर हेरो गोकुल को वासी
कानी पड़वा जासी, बाई के मन भासी, गोकुल को कन्हैयो

पांच सुपारी धण रै हाथ, जोसी कै नैं बूझण राजीड़ां री धण गई
कहो ना जोसी थारै पतड़ै री बात, कद घर आसी गोरी रो सायबो
जितणा गोरी बड़-पीपळ का पान, जितणां दिनां में आवै थारो सायबो
बाळूं-जाळूं जोसी थारोड़ी जीभ, आक-धतूरां जोसी थारो मुख भरूं

पांच रुपैया धण रै हाथ, बाईजी नैं बूझण राजीड़ां री धण गई
कहो ना बाईजी थारै सुपनै री बात, कद घर आसी गोरी रो सायबो
आसी भावज ढळती सी रात, सूतेड़ी भावज नैं आय जगायसी
देस्यां बाई थानैं गजमोत्यां रो हार, गिरी ए चुंहारी थारो मुख भरां
रांधां बाईजी जिनवां रा भात, थारै बीरै की पांत बैठायस्यां
देस्यां बाई थानैं लोढियो बीरो साथ, भली ए जुगत सैं घर पूगायस्यां

बाबोजी म्हारो बर हेरो
बर हेरो जी म्हारो घर हेरो
बिणजारो मत बर हेरो

बिणजारो माया को लोभी
सांझ पड़्यां बो लद जासी
कोरी-कोरी टीबड़्यां ढळ जासी
खासा तंबू तण जासी
रेसम डोर खिचाय लेसी
टाटी ओलै पोवै बाटी
अेकलड़ो गटकाय लेसी
म्हारी बाई की चिंता कुण करसी

हेर्‌यो अे चतर बाई, हेर्‌यो अे कंवर बाई
साल-दुसाला ओढण वाळो
मोहर-रुपैया परखण वाळो
गादी-तकिया बैठण वाळो
कंठी-डोरा पहरण वाळो
म्हारी बाई की चिंता बो करसी

हर लोग महाजन बूझियो जी
हर तूं कित लाल लुहारी जाय, घड़ल्या म्हारा०
गोरै बनड़ो को कहियै रै दिवला दीवलो जी
हर घर कुण्यांचंदजी रै जाय, घडल्या म्हारा०
हर पूत–सपूती रै दिवला आगळी जी
म्हारी बहवड़ लियो ए उतार, घड़ल्या म्हारा०

हर बाती तो घाली रै दिवला पाट की जी
हर पूर्‌यो-पूर्‌यो रायचमेली रो तेल, घड़ल्या म्हारा०
हर चास धरूंगी रै दिवला रसोवड़ै जी
हर जीमै-जीमै देवर-जेठ, घड़ल्या म्हारा०
हर जीमै भोळी बाईजी रो बीर, घड़ल्या म्हारा०
हर जोय धरूंगी रै दिवला, धमसाळ में जी
हर साळ पवासा जी लेय, घड़ल्या म्हारा०
हर जोय धरूंगी हो दिवला रंगमहल में जी
हर सूत्या-सूत्या लाल नणद रा बीर, घड़ल्या म्हारा०

जी रंगरसिया ढोला जागो क्यूं ना राज
जगावै थारी प्यारी धण रो दीवलो
अे मंगेजण ऊणी क्यूं छो राज
बांकड़ली मूंछ्यां रो धण रो सायबो
अे जीजी बाई रै भिरोखां हजारी ढोलो भुक रयो जी

पहली तो मैड़ी रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर दांतण–भारी धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जी

हर दूजी तो पैड़ी रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर तातो सो पाणी धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जी

घूंघटियो

४८

वनड़ी थारैं ए घूंघटियै रैं कारणै
कजळी देसां रा हसती ल्याया म्हारी रजवण
घूंघटियो हीरां जड़्यो
मारू देसां रा घुड़ला ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ो हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो
थारैं घूंघटियै में चांद पवास्यो म्हारी रजवण, घूंघटियो०

वनड़ी थारैं ए घूंघटियै रैं कारणै
लंकापारां रो सोनो ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
दरिया पारां रा हीरा-मोती ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ी हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो
थारैं घूंघटियै में सोळा सूरज ऊग्या म्हारी रजवण, घूंघटियो०

वनड़ी थारैं ए घूंघटियै रैं कारणै
पूरव देसां रो पडळो ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
हस्ती दांतां रो चुड़लो ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ो हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो
थारैं घूंघटियै में चांद पवास्यो म्हारी रजवण, घूंघटियो०

वनड़ी थारैं ए घूंघटियै रैं कारणै
दूर देसां रो चाल्यो आयो म्हारी रजवण, घूंघटियो०
मैं तो अवड़ा सा मारग जोया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ी हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो

थारैं घूंघटियै में सोळा सूरज ऊग्या म्हारी रजवण, घूंघटियो०
वनड़ी थारैं ए घूंघटियै रैं कारणै

घूंघटियो

हर म्हे धण देखी जळवा पूजती जी
हर बा धण हदक सरूप, थारै सैं दोय तिल आगळी जी
हर बा धण मनां ए बिसारद्यो जी
हर हम धण चित ए लगाय, म्हे भी तो जळवा ओ रावजी पूजस्यां जो

हर मांग्यो तो तांग्यो ओ भेड़ू धाबळो जी
हर मोल लियो खरवास, बा तो कुहावै रै मोडू जाटणी जी
हर म्हे भी तो जळवा ओ रावजी पूजस्यां जो

हर पहर पीळै को जी बेस, नोबत कै डंकै ओ जळवा पूजस्यां जी
ए मंगेजण अणो क्यूं छो राज, केसरियै तिलकां को गोरी को सायबो
ए जीजी बाई रै भिरोखां, हजारी ढोलो भुक रयो जी

मेड़तै=राजस्थान रै नागोर जिलै रो कस्बो–मेड़तो
जैसलमेर=भाटी राजपूत वंस री पुराणी राजधानी, राजस्थान रो एक जिलो
जैपर=जयपुर, राजस्थान री राजधानी

अपणी जोड़ी रा जानी ल्याया म्हारी रजवण, घूंघटियो०
सारी रैंन उणींदो आयो म्हारी रजवण, घूंघटियो०
बनड़ी हीरां ए जड़्यो मोत्यां जड़्यो
थारै घूंघटियै में चांद पवास्यो म्हारी रजवण, घूंघटियो०

पहलो तो फेरो बाई लियो राजकंवार, हस्ती तो दीज्यो बाई नैं मोकळा जी
दूजोड़ो फेरो बा लियो राजकंवार, सोनो तो चांदी बाई नैं मोकळा जी
अगणो तो फेरो बा लियो राजकंवार कपड़ा तो दीन्या बाई नैं मोकळा जी
चोथो तो फेरो बा लियो राजकंवार, कांसी तो पीतळ बाई नैं मोकळा जी
पंचवों तो फेरो बा लियो राजकंवार, अन-धन दीन्या बाई नैं मोकळा जी
छट्ठो तो फेरो बा लियो राजकंवार, दासी तो बांदी बाई नैं मोकळी जी
सतवों तो फेरो बा लियो राजकंवार, ओर कांई मांगै बाई जैतली जी
हसती तो घुड़ला जामी घरां ही घणां, मेरो मन लाग्यो दासी मणहठी जी
आगै-पाछै बाई जैतलदे री जान, बीच-बिचाळै दासी मणहठी जी

जेठ वड़ै घर बेटी को व्याह, बाई ए जैतल कै कोको आइयो जी
काख में मुढलो या हाथ में सोड़, बाई ए जैतलदे चाली रातीजुगै जी
सुण-सुण ए दासी कहां थानैं बात, दिवलो मत जोई सूनै महल में जी
सुण-सुण ए दासी देवां थानैं सीख, पगल्या मत चांपी मोटै राव का जी
सुण-सुण ए दासी देवां थानैं सीख, गहणां मत पहरी रतन-जड़ाव का जी
सुण-सुण ए दासी देवां थानैं सीख, बिड़लो मत झेली पान पचास को जी

थारै ए जिठाणी या के जी रीत, कांगण-डोरो बांध्यां आई रातीजुगै जी
जेठ वडोड़ै कै सात बरस की धीय, काकी थारै सूनै महल दीवो जगै जी
के कोई रावजी को दूखै लाग्यो पेट, के कोई आया प्यारा पावणा जी
ना कोई रावजी को दूखै लाग्यो पेट ना कोई आया प्यारा पावणा जी
ताळा तो कूंची बाई जैतलदे रै हाथ, घर-बर रूंध्यो दासी मणहठी जी
लांघ्या-लांघ्या ए बाहळा अर बणराय, आय खड़ी छै बेटी राव की जी
सुण-सुण ए दासी दी छी थानैं सीख दिवलो क्यूं जोयो सूनै महल में जी
सुण-सुण ए दासी दी छी थानैं सीख पगल्या क्यूं चांप्या मोटै राव का जी
सुण-सुण ए दासी दी छी थानैं सीख गहणां क्यूं पहर्या रतन-जड़ाव का जी
सुण-सुण ए दासी दी छी थानैं सीख बिड़लो क्यूं झेल्यो मोटै राव को जी
कायथ कै बेटै नैं बेग बुलाय, कागदिया लिख भेजूं मेरै बाप नैं जी
ताळा तो कूंची बाई जैतलदे रै हाथ, घर-बर रूंध्यो दासी मणहठी जी

जी, वो आयो-आयो गोरी नैं पूंचाय, आंगण विच बैठ्यो उणमणो जी
ए मा, क्यां विना महल अंधेर, क्यां विना आंगण उणमणो जी

ए बेटा, वहू विना महल अंधेर, तो टावर विना आंगण उणमणो जी
ए मा, ल्यावो-ल्यावो पांचूं हथियार, तो पांचूं ल्यावो म्हारा कापड़ा जी
ए मा, ल्यावां-ल्यावां ढोली ए कहार, तो धण नैं ल्यावांगा वाप कै सैं जी

जी ओ, आगै-आगै ढोली ए कहार, तो गैल्यां गोरी रो सायवो जी
जी, वै दीख्या-दीख्या सासरियै का रूंख, तो गोरी धण दांतण कर रही जी
ए गोरी, उठो धण करो सिणगार, तो थारै विना घड़ीय न आवड़ै जी
जो पिया, हम-थम निपट नादान, जाय बूझो म्हारी माय नैं जी
माय कहै जद चालस्यां जी

जी, वो जीमै लाग्यो लांबा-लांवा गास, सासूजी देवै ओळमा जी
जी जंवाई, जै मेरी धीय धीयजणंती नार, तो पूतजणंती व्यायल्यो जी
जो सासूजी, म्हे हंस बोल्या था बोल, अण नखराळी हिरदै लिख लिया जी
ए मा, म्हारै महलां जायो लाडण पूत, तो म्हे मन ले था म्हारै स्याम को जी

ट्रंक टोडै की मैं सकळ बळाई, छज्जां बैठी नैं जग नवै जी
माथै नैं महमद पहर बळाई, पोळै सोनै राखड़ी जी
कानां नैं कुंडळ पहर बळाई, ऊपर झबरख झूंटणा ज़ी
गळै नैं तिलड़ी पहर बळाई, तिलड़ी ऊपर टेवटो ज़ी

बायां नैं बाजूबंद पहर बळाई, चुड़लो हसती दांत को ज़ी
पगल्यां नैं पायल पहर बळाई, नान्है बाजै बीछिया जी
कड़िया नैं दावण पहर बळाई ऊपर वोरंग चूनड़ी जी
इतणो सो गहणो पहर बळाई, नंद महर की कुळबहू जी

ल्होड़ियै देवर को मैं व्याह रचायो, नणदल गूणो मोकळो जी
एक दमड़ी को मैं तेल मंगायो, सारी रैन दियो जग्यो जी
खलहळ खळहल मैं खाजा तार्‌या सोळा मण की लापसी जी
आई ए पाड्योमण हळहळ करती, वा म्हारो तेल उंदाइयो जी

खाळ गया बग नाळा जो वहग्या, सांभर को सींग अूफळ्यो जी
बूढा माणस र्‌या ए ढिगारै, तिरिया तो तिर बावड़्या जी

आंगण म्हारै लोटा जो तिरिया, पिछवाड़ै हसती तिर्‌या जी
भोळा सा राजिन लेखो भी मांगै, दमड़ी को तेल कठै गयो जी

इतणी वरकत करो ना बळाई, रांजकंवर रै व्याह में जी
इतणी वरकत करो ना बळाई, बावाजी री कुमाई में जी
इतणी वरकत करो ना बळाई, माअजी रै हाथ सैं जी

जामनगर का जामा ओ राजा, धण-पिव न्याव चुकाइयो जी
धण को खायो बाछड़ल्यां को चूंग्यां, यै दो न्याव ना नीमड़ै जी

जापै को कैर

२१

सुसरोजी आगै सात सलाम, कैर मंगाद्यो जी सुसरोजी रायकमेर का
देस्यां ए बहवड़ अगड़ घड़ाय, कैर न पाक्या ए मानेती रायकमेर का
अगड़ ज थारा धर्‌या ए ज राख, मेरो मन लागै जी सुसरोजी राय० में

जेठजी आगै सात सलाम, कैर मंगाद्यो जी जेठजी राय० का
देस्यां ए बहवड़ आधो धन बांट, कैर न पाक्या ए बहवड़िया राय० में
आधो धन धर्‌यो ए ज राख, म्हारो मन लाग्यो जी जेठजी राय० में

सासूजी आगै सात सलाम, कैर मंगाद्यो जी सासूजी राय० का
देस्यां ए बहवड़ लाडूड़ा संधाय, कैर न पाक्या ए नखराळी राय० में
लाडू थारा धर्‌या ए ज राख, म्हारो मन मांगै जी सासूजी कैर कमेर का

जिठाणीजी आगै सात सलाम, कैर मंगाद्यो जी जिठाणीजी राय० का
देस्यां ए द्योराणी जिनवा रो भात पसाय, कैर न पाक्या ए अलबेली राय०में
जिनवा रो भात धर्‌यो ए ज राख, म्हारो मन लाग्यो जी जिठाणीजी राय०में

देवर आगै सात सलाम, कैर मंगायद्यो जी देवरिया राय० का
देस्यां ए भावज बागां रा निंबवा ल्याय, कैर न पाक्या ए भोजाई राय०में
बागां का निंबवा धर्‌या ए ज राख, म्हारो मन लागै जी देवरिया राय० में

बाईजी आगै सात सलाम, कैर मंगाद्यो जी बाईजी राय० का
देस्यां ए भाभी गोज्यां का लाडू ल्याय, कैर न पाक्या ए भोजाई राय० में
गोज्यां का लाडू धर्‌या ए ज राख, म्हारो मन लागै जी बाईजी राय० में

राजिन आगै सात सलाम, कैर मंगाद्यो जी लसकरिया राय० का
देस्यां ए गोरी मोहरां पस ए भराय, कैर न पाक्या ए मारूणी राय० में
छानै मुठड़ी धरी ए ज राख, म्हारो मन लाग्यो जी मारूजी राय० में

पांच पियादा दस असवार, दे'र नगारो जी सुसराजी रा छावा चढ गया
सायोड़ा उतरया उरलै-परलै बाग, आप लसकरियो जो उतर्‌यो है राय० में

७३

हां रे बाला, इण सरवरियां री पाळ
जंवाई धोवै धोतिया जी म्हारा राज
हां रे बाला, न्हाय-धोय कर्‌या असनान
जंवाई जासी सासरै जी म्हारा राज

हां रे बाला, सांड्‌या भाई सांड पलाग
तड़कै तो जास्यां सासरै जी म्हारा राज
हां रे बाला, रळक्या है मांझल रात
दिन तो उगायी सुसराजी रै देस में जी म्हारा राज

हां रे बाला, पोळ्‌या भाई पोळ उघाड़
बायर ऊभ्या पावणा जी म्हारा राज
हां रे बाला, कुण्यांजी रा रावतिया रजपूत
कुण्यां रै आया पावणा जी म्हारा राज
हां रे बाला, ढेढांजी रा रावतिया रजपूत
सुसरां घर पावणा जी म्हारा राज

हां रे बाला, जाय म्हारै सुसरोजी नैं कहो ए
जंवाई आया पावणा जी म्हारा राज
हां रे बाला, आया है तो आबा द्‌योय
स्यामी सांड्‌या भेजस्यां जी म्हारा राज

हां रे बाला, जाय म्हारै साळा नैं कहो ए
भणेई आया पावणा जी म्हारा राज

हां रै बाला, आया है तो आबा द्‌योय
घणेरी खातर म्हे करां जी म्हारा राज

साथीड़ा तोड़ै डोडा जी लूंग, आप मन भरियो जी कोई तोड़ै कैर कमेर का
तोड़ मरोड़'र बांधी चोपट पोट. दे'र नगारो जी लसकरियो पाछो बावड्यो
आप भंवरजी घोड़ै असवार, देवर कै सिर पर जी कोई धरदी पोट कमेर की
ल्याय उतारी स्यामी जी साळ, साळ पचासा जी लसकरिया म्हारी ले रही
भावै जितणा खावो घर की नार
ओर ज बांटो ए मारूणी सही ए सहेलियां

म्हांसैं पना मारू बांट्यो ए ना जाय
म्हे नहीं देख्या जी लसकरिया म्हारै बाप कै
भावै सो तो खास्यां गोरी का न्याव
ओर सुकावां जी लसकरिया म्हारै डागळै

थे चिरजीवो सुसरांजी रा पूत
भला हो पजोया जी थारी प्यारी धण रा ओजणा

थे धण सोवो साजनियां री धीय, वंस वधावो ए मारूणी म्हारै बाप को
थे धण सोवो घर की नार, ओसर जायो ए मानेती धण गीगलो

जापै को कैर
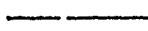
हां रे बाला, साथीड़ां नैं चांद उजास
जंवाई महल दिवो जगै जी म्हारा राज

हां रे बाला, मांड्यो चोपड़ली रो ख़्याल
जंवांई-बाई खेलियो जी म्हारा राज
हां रे बाला, बूझै बाईजी री माय
कुण हार्यो कुण जीतियो जी म्हारा राज
हां रे बाला, हार्यो ढेढांजी रो पूत
म्हारी बाई जीतियो जी म्हारा राज

हां रे बाला, आई जंवाई नैं रीस
बाई पै बायो कांकरो जी म्हारा राज
हां रे बाला, अूठ्यो बाईजी नैं रोस
महलां सैं हेठै अूतर्या जी म्हारा राज

हां ए गोरी एक बर पाछी आव
नोकर थारै बाप का जी म्हारा राज
हां ए गोरी नोकर रैयो ए न जाय
ठाकर थारै जीव का जी म्हारा राज
जंवाई थारै बाप का जी म्हारा राज

हां ए गोरी चावळिया दिन च्यार
सदां ई मोठ'र बाजरो जी म्हारा राज
हां ए गोरी पोमचड़ा दिन च्यार
सदां ई बोरंग चूनड़ी जी म्हारा राज

हां ए गोरी पालरियो दिन च्यार
सदां ई पाणी बाकळो जी म्हारा राज
हां ए गोरी भाई ए भतीजा दिन च्यार
निरभावै सुगणो सायबो जी म्हारा राज

जाणै को चूड़ो

२२

झाजनगर कै गोरवै म्हारो मणहट मांडी छै हाट
राजीड़ा, लाल चूड़ो पहराय

छज्जां बैठी धण रो मन गयो, म्हारो मणहट उरै ए बुलाय, राजीड़ा०
कै रै टका अैं का मोल का जी ओ, कै रै मोहर गज भांत, राजीड़ा०
लाख टका अैं का मोल का जी ओ, मोहर-मोहर गज भांत, राजीड़ा०

यो कुण चुड़लै को गायकी जी ओ, यो कुण खरचैलो दाम, राजीड़ा०
सुसरोजी चुड़लै का गायकी जी ओ, जेठजी खरचैला दाम, राजीड़ा०
बिच में म्हारा पना मारू ले गया, म्हारी सायधण जायो छै पूत, राजीड़ा०

कोको ना पंडत जोसियां, म्हारै चुड़लै रो लगन दिखाय, राजीड़ा०
चढ़ चोदस भदरा घणी, थे तो पहरो बार दितवार, राजीड़ा०

कोको ना नणद सुवासणी, म्हारै चुड़लै रै राखी बंधाय, राजीड़ा०
राखी तो बांधो पीळै पाट की, थारै वीरांजी रो सरव सुहाग, राजीड़ा०

पहर-ओढ जच्चा नीसरी जी ओ, भर हटवाड़ै रै मांय, राजीड़ा०
लोग महाजिन बूझिया जी ओ, कुण्याजी री कुळवहू जाय, राजीड़ा०
चुड़लो तो ढक चंद्रावळी, थारै नगर लगैगो गोरी बांह, राजीड़ा०

मुरलो (जंवाई)

७३

मुरला लाल, थे छो जंवाई म्हारै माथै परली मैंमद ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
थे छो जंवाई, म्हारै कानां परला कुंडळ, मुरला लाल

मुरला लाल, या मैंमद म्हारी राजकंवर कै सोवै ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
अै कुंडळ म्हारी सदा ए कंवर कै सोवै, मुरला लाल

मुरला लाल, थे छो जंवाई म्हारै हिवड़ै परलो हार ज ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
थे छो जंवाई म्हारै बैयां परलो बाजूबंध, मुरला लाल

मुरला लाल, यो हार ज म्हारी पीवरपूरी रै सोवै ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल, कंवर बाई रा ओ स्याम
यो बाजूबंध म्हारी बड़गोतण रै सोवै, मुरला लाल

मुरला लाल, थे छो जंवाई म्हारै कड़ियां परलो दावण ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
थे छो जंवाई म्हारै माथै परली चूनड़, मुरला लाल

मुरला लाल, यो दावण म्हारी राजकंवर रै सोवै ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
या चूनड़ म्हारी सदासिणगारी रै सोवै, मुरला लाल

म्हारै आंगण बाई बड़बेरी, जैंकी कूण करै रखवाळी
म्हारा गीगा, धाय राज थारी
मैं तो धाय लालजी थारी, थारी सांवळी सूरत पर वारी
म्हारा गीगा, धाय राज थारी

म्हारी सासूजी नैं वेग बुलावो, म्हारै मंदर दिवलो जोवै, म्हारा०
म्हारै दाई-माई वेग बुलावो, म्हारो नाजिक जीव छुड़ावै, म्हारा०
मैं तो धाय चतुरभुज थारी, थारी खेलण की बळिहारी, म्हारा०

म्हारी जिठाणीजी नैं वेग बुलावो, म्हारो रतड़ो सो पिलंग बिछावै, म्हारा०
म्हारी द्योराणी नैं वेग बुलावो, म्हारै महलां दिवलो जोवै, म्हारा०
मैं तो धाय कंवरजी थारी, थारी सांवळी सूरत पर वारी, म्हारा०

म्हारै सुसरैजी नैं वेग बुलावो, म्हारै गीगै नैं जात रळावै, म्हारा०
म्हारै जेठजी नैं वेग बुलावो, पढिया सा विपर बुलावै, म्हारा०
म्हारै देवरियै नैं वेग बुलावो, म्हारै गीगै की ओळनाळ गाडै, म्हारा०
म्हारी बाईजी नैं वेग बुलावो, म्हारै साळ साथीड़ा लगावै, म्हारा०
मैं तो धाय चतुरभुज थारी, थारी खेलण की बळिहारी, म्हारा०

म्हारै ढोली कै नैं वेग बुलावो, म्हारै गहरा सा ढोल घुरावै, म्हारा०
म्हारै खातो कै नैं वेग बुलावो, म्हारै पालणियो घड़ ल्यावै, म्हारा०
म्हारै मारूजी नैं वेग बुलावो, म्हारै सांच्योड़ो दरब लुटावै, म्हारा०
म्हारै मारूजी नैं वेग बुलावो, म्हारी छानैं मुठड़ी भरावै, म्हारा०
मैं तो धाय लालजी थारी, थारी सांवळी सूरत पर वारी, म्हारा०

कसियां निनाणां डोडा-अेळची ओ करवा खुरपां जी
ओ जी ओ करवा खुरपां जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, सासूजी उडीकै घर आव

क्यां रै चुंटावां डोडा-अेळची ओ करवा क्यां सैं जी
ओ जी ओ करवा क्यां सैं जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, कागलिया उड़ावूं घर आव

छवड़्यां चुंटावां डोडा-अेळची ओ करवा नख सैं जी
ओ जी ओ करवा नख सैं जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, झीणी रो झिकोळ्यो घर आव

क्यां रै मंगावूं डोडा-अेळची ओ करवा क्यां पै जी
ओ जी ओ करवा क्यां पै जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, मारूणी उड़ीकै घर आव

गाडां मंगावूं डोडा-अेळची ओ करवा अूंटां जी
ओ जी ओ करवा अूंटां जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, तारां री छायां घर आव

लोटण करवो

रंगमहल बिच जच्चा होलर जायो ए
सोनै रो थाळ थारा सासूजी बजावै
अलबेली जच्चा ए मारूजी बुलावै जी राज

मारूजी बुलावै थारा हरख करावै ए
आडा तो टेढ़ा थारै पड़दा लगावै, थारै होलर नैं हुलरावै
अलबेली जच्चा ए मारूजी बुलावै जी राज

माथै रै परवानै थारै मैंमद सोवै ए
कानां रै परवानै थारै कुंडळ सोवै ए
रखड़ी री मोज थारो आलीजो लगावै
थारो केसरियो लगावै—अलबेली०
मारूजी बुलावै थारा जतन करावै ए
ओलै तो छानै थारी मुठड़ी भरावै
पिव प्यारी जच्चा ए—मारूजी बुलावै जी राज

गळै रै परवानै थारै हारज सोवै ए
बैयां रै परवानै थारै बाजूबंद सोवै ए
चुड़लै री मोज थारो आलीजो लगावै
थारो मनभरियो लगावै—पिव प्यारी जच्चा ए मारूजी०

पगां रै परवानै थारै पायल सोवै ए
बिछियां री मोज थारो वीरोजी लगावै—अलबेली०

कड़िया रै परवानै थारै दावण सोवै ए
पीळै री मोज थारी माऊजी लगावै—अलबेली०
मारूजी बुलावै थारा हरख करावै ए
आडा तो टेढा थारै पड़दा लगावै—अलबेली०
गीगो तो ले म्हारी जच्चा हाजर ऊभी जी
दोय पग स्यामी थारो केसरियो पधारै—अलबेली०

जंवाई को करवो

७५

काळै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
काळा म्हारी राजकंवर रा केस सुरग्यानी जंवाई जी
काळै केसां में जी आटी खुभ रही
काळां रो अरथ वताई ओ नाचण का जाया
अरथ वताय'र ढोल्यै पग धरो

तीखै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
तीखा थारी मिरगानैणी रा नैण सुरग्यानी जंवाई जी
तीखै नैणां में जी सुरमो घुळ रह्यो
तीखां रो अरथ वताई ओ हरमल का जाया
अरथ वताय'र ढोल्यै पग धरो

धोळै सैं करवैं जंवाई जी जिन चढ्या
धोळा थारी अजळदंती रा दांत सुरग्यानी जंवाई जी
धोळै दांतां में मिस्सी रम रही
धोळां रो अरथ वताई ओ उदळी रा जाया
अरथ वताय'र ढोल्यै पग धरो

पतळै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
पतळा थारी भायां-प्यारी रा होठ सुरग्यानी जंवाई जी
पतळै होठां में जी विड़लो रच रयो
पतळां रो अरथ वताई ओ नाचण का जाया
अरथ वताय'र ढोल्यै पग धरो

पीळै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
पीळो थारी चंदावदनी रो गात सुरग्यानी जंवाई जी
पीळै गात में जी चोली जच रयी
पीळै रो अरथ बताई ओ हरमल का जाया
अरथ बताय'र ढोल्यै पग धरो

ऊंचो घालूं पालणो, यो जळ-जमना कै तीर
झोटो देसी सायबो, म्हारी लाल नणद को बीर
गोगा सोज्या मेरा लाल
तेरी रै बला ल्यूं, गीगा चिनेक सोज्या रै

चावळ-मूंगां को खीचड़ो, घी घाल्यो सरजीव
म्हे म्हारो गीगो जीमस्यां, यो झुळ-झुळ झांकै पीव--गीगा सोज्या०

पतळा-पतळा फलका पोवूं, गुदळी रांधूं खीर
नूंत जिमावूं सायबो, मेरी लाल नणद को बीर--गीगा सोज्या०

ए पाड़ोसण पातळी, तूं चिनेक गीगो राख
लाडू देस्यूं सूंठ को, तनैं सैं जळवां री रात--गीगा सोज्या०

रंगमहल सैं जच्चा उतरी, सोनै को कंगण हाथ
चमरक चूंट्यो ले गई, चंद्रावळ मसळै हाथ--गीगा सोज्या०

वागां री खिड़की कुण खोली गोरी
ओ जी ओ भंवर म्हारा आया नणदोई
आया नणदोई म्हे वाग दिखाया
ओ जी ओ भंवर म्हे तो थारैं सैं डरै था
ओ जी ओ चतर म्हे तो थारै सैं डरै था
थारै सैं डरै था थारी माय सैं डरै था
थोड़ा-थोड़ा जी भोळी वाई सैं डरै था
समझ वोलो जी भोळी वाईजी रा वीर
मुळक वोलो जी !

महलां री खिड़की कुण खोली गोरी
ओ जी ओ भंवर म्हारा आया नणदोई
नणदोई आया म्हे महल दिखाया
नणदोई आया म्हे सेज विछाई
ओ जी ओ भंवर म्हे तो थारै सैं डरै था
ओ जी ओ चतर म्हे तो थारै सैं डरै था
थारै सैं डरै था थारी माय सैं डरै था
थोड़ा-थोड़ा जी भोळी वाई सैं डरै था
मुळक वोलो जी भोळी वाईजी रा वीर
थे हंस वोलो जी !

[वाग अर महल रै वीच में होद अर रसोई रो नांव लेकर भी पूरा वोल दुसराया जावै]

रंगमहल बिच जच्चा होलर जायो ए
सोनै रो थाळ थारा सासूजी बजावै
अलबेली जच्चा ए मारूजी बुलावै जी राज

मारूजी बुलावै थारा हरख करावै ए
आडा तो टेढ़ा थारै पड़दा लगावै, थारै होलर नैं हुलरावै
अलबेली जच्चा ए मारूजी बुलावै जी राज

माथै रै परवानै थारै मैंमद सोवै ए
कानां रै परवानै थारै कुंडळ सोवै ए
रखड़ी री मोज थारो आलीजो लगावै
थारो केसरियो लगावै—अलबेली०
मारूजी बुलावै थारा जतन करावै ए
ओलै तो छानै थारी मुठड़ी भरावै
पिव प्यारी जच्चा ए—मारूजी बुलावै जी राज

गळै रै परवानै थारै हार ज सोवै ए
बैयां रै परवानै थारै बाजूबंद सोवै ए
चुड़लै री मोज थारो आलीजो लगावै
थारो मनभरियो लगावै—पिव प्यारी जच्चा ए मारू

पगां रै परवानै थारै पायल सोवै ए
बिछियां री मोज थारो बीरोजी लगावै—अलबेली०

कड़िया रै परवानै थारै दावण सोवै ए
पीळै री मोज थारी माऊजी लगावै—अलबेली०
मारूजी बुलावै थारा हरख करावै ए
आडा तो टेढा थारै पड़दा लगावै—अलबेली०
गीगो तो ले म्हारी जच्चा हाजर ऊभी जी
दोय पग स्यामी थारो केसरियो पधारै—अलबेली०

जीजो

७८

जीजा मैंमद घड़ादे कुमाई कर कै
जीजा रखड़ी घड़ादे कुमाई कर कै
साळी बोल मत मारै पीयर वस कै

जीजा म्हारी हेली आवो जंवाई वण कै
साळी माड़ी कैयां होगी पीहर वस कै
जीजा पियो वसै परदेस रै फिकर कर कै

साळी तार देद्यूं चिट्ठी बुलाद्यूं तड़कै
जीजा तार नहीं चिट्ठी गयो छै लड़ कै

जीजो

७९

जीजोजी म्हानैं मैंमद घड़ाद्यो जी
जीजोजी म्हानैं रखड़ी घड़ाद्यो जी
भूटणा पर क्रिस्णमुरार जीजोजी म्हानैं राम मिलाद्यो जी

साळी ए थे तो पतिबरता नारी
साळी ए थे तो पढी-लिखी भारी
थे करो गीता को पाठ साळी ए थानैं मिलसी गिरधारी
म्हारै साढूजी रै हुकमां चाल साळी ए थानैं मिलसी गिरधारी

खींपोली
२८

खींपोळी म्हारी खींपां छाई, तारां छाई रात
या नगरी नारेळां छाई, राजा दसरथ रै परसाद
भावजड़ी म्हारी पूतां छाई, बीरां रै परसाद

बिरमादतजी रा ईसरदासजो ओ म्हारा घुड़ला घरां अे पूंचाय
बिरमादतजी रा कानीरामजी ओ म्हारा घुड़ला घरां अे पूंचाय
पूंचास्यां अे डावड़्यो अे बाई घड़ी अे पलक सुसताय

बंध्या तेजी जौ चरै रै बीरा खुल्ला चरै रै कबाड़
सोटकड़ो सटकाई ओ पातळिया म्हारी गोर्‌यां रा दिन च्यार

गोरल पूजै बामण-बाण्यां राठोड़ा रजपूत
बेटी पूजै राव री रै बीरा सहर पङ्‌यो रमझोळ

नीसर रोवां तीजणी अें थारी साथण ऊभी बार
ऊभी रहो अे साथण्यों अे म्हारी भावज करै सिणगार

पहर पटोळो ओढ दुरंगो नीसरी रै बीरा ईसरदास थारी नार
बिछिया बजावत नीसरी रै बीरा कानीराम थारी नार

घूमघुमन्तो घाघरो रै बीरा कड़्यां अे रळकता केस
हाथां मंहदी राचणी रै बीरा चुड़लै रो सरब सुहाग
कोयां काजळ घुळ रह्यो रै बीरा बिंदली रो सरब सुहाग
खींपोळी म्हारी खींपां छाई, तारां छाई रात

लूंगी ल्याज्यो जी, ओ जो म्हारा ईसरजी ओ अमराव
जटाधारी, लूंगी ल्याज्यो जी
लूंगी मंहगी ए, ओ ए म्हारी पातळड़ी ए गणगोर
गढां री राणी, लूंगी मंहगी ए

मंहगी-संहगी ल्याज्यो जी, ओ जी म्हारा ईसरजी ओ अमराव
जटाधारी, मंहगी-संहगी ल्याज्यो जी
रूस रवांगा जी, ओ जी म्हारा ईसरजी ओ उमराव
जटाधारी रूस रवांगा जी
रूस्योड़ा मनाल्यां ए, ओ ए म्हारी पातळड़ी ए गणगोर
गढां री राणी रूस्योड़ा मनाल्यां ए

महमद ल्याजो जी, ओ जी म्हारा ईसरजी ओ उमराव
जटाधारी, फ्रुटणा ल्याज्यो जी
रखड़ी मंहगी ए, ओ ए म्हारी नखराळी गणगोर
गुमानण राणी. फ्रुटणा मंहगा ए

मंहगा-संहगा ल्याज्यो जी, ओ जो म्हारा ईसरजी ओ उमराव
जटाधारी मंहगा-संहगा ल्याज्यो जी
रूस रवांगा जी, ओ जी म्हारा ईसरजी ओ उमराव
जटाधारी रूस रवांगा जी
रूस्योड़ा मनाल्यां ए, ओ ए म्हारी पातळड़ी गणगोर
गुमानण राणी, रूस्योड़ा मनाल्यां ए

ओ जी गोरी रा लसकरिया
घड़ी दोय लसकर थामो जी ढोला

चढो ए चढावो ढोला के करो
क्यूं तरसावो म्हारो जीव जी ढोला

थारी तो ओळ्यूं ढोला म्हे करां
म्हारी तो करै ए न कोय जी ढोला
म्हारी तो ओळ्यूं गोरी थे करो
थारी तो करसी थारी माय जी गोरी

ओ जी गोरी रा लसकरिया
घड़ी ए घड़ी में चित आवो जी ढोला
ओ जी गोरी रा लसकरिया
पलक-पलक में चित आवो जी ढोला

हींडो घलादे रै, ओ रै मेरा कान्ह कंवर सा वीर
आई रे सावणियां री तीज्यां, बाई हींडसी
घल्यो घलायो ए, बाई थारो पड़्यो ए त्रिरंगो होय
हींडण वाळी म्हारी बाई सासरै

जोड़ो खुदादे रै, ओ रै मेरा जळहर जामी बाप
इब की तीज्यां में जी, बाई न्हायसी
खुद्यो खुदायो ए, बाई म्हारी भर्यो ए भिलोरा खाय
न्हावण वाळी म्हारी बाई सासरै

चूड़लो चितरादे रै, ओ रै मेरी मा का जाया वीर
आई रै सावणियां री तीज्यां बाई पैरसी
चितर्‌यो–चितरायो ए, बाई म्हारी पड़्यो ए मणहट री हाट
पहरण वाळी म्हारी बाई सासरै

बठण न चन्नण चाका जठजा
न्हावण नैं तातो पाणी जी
न्हावो जी मुळकणिया जेठजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो जी

जीमण नैं जिनवां रो भात जेठजी
जीमावण नैं'र जिठाणीजी
जीमो जी हरखीला जेठजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो ज़ी

घूमण नैं बाग-बचीचा जेठजी
चढबा नैं हस्ती-घोड़ा जी
सैल करो सैलानी जेठजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो जी

बैठण नैं गादी-तकिया जेठजी
परखण नैं म्होर-रुपैया जी
परखो जी पंचांखानी जेठजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो जी

पोढण नैं हिंगळू ढोल्यो जेठजी
बिलसण नैं'र जिठाणीजी
बिलसो जी राजकंवर का बापूजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो जी

बड़बोर

३१

तन्नैं-तन्नैं ए बाड़ां री बड़बोर तन्नैं अे कुण सींचैगो
सींचै-सींचै अै म्हारो सावणियां रो लोर भादूड़ो झड़ झेलैगो
तन्नैं-तन्नैं ए परदेसण बाई रोवां तन्नैं ए कुण ल्यावैगो
ल्यावै-ल्यावै ए म्हारो ईसरदास बीर मा ए मिलावैगो

मा ए मिला कर बाई नैं पाटै पर बैठावैगो
पाटै पर बैठा कर बाई को सीस न्हुवावैगो
सीस न्हुवा कर बाई को सीस गुंथावैगो
सीस गुंथा कर बाई नैं चावळिया जीमावैगो
चावळिया जीमा कर बाई कै मैंहदी मंडावैगो
मैंहदी मंडा कर बाई नैं चुड़लो पहरावैगो
चुड़लो पहरा कर बाई नैं चूनड़ी उढावैगो
चूनड़ी उढा कर बाई नैं माय मिलावैगो
माय मिला कर बाई नैं घूंघटियो कढावैगो
घूंघट कढा कर बाई नैं बैलड़ी जुपावैगो
बैलड़ी जुपा कर बाई नैं सासरियै खिनावैगो

कदेय न रूसां रूसणा रे लाल
क़देय न जाऊं म्हारै पीर
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

जम-जम रूसो रूसणा रे लाल
नित-नित जावो थारै पीर
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

आली तो गीली मा मोरी लाकड़ी ए
हां ए मा पड़ी एं समदरां पार, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बडोड़ै वीरै नैं मा मोरी भेजिए ना
हां ए मा बडोड़ो बडाईखोर, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बिचलै वीरै नैं मा मोरी भेजिए ना
हां ए मा बिचलो अधबिच आय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
ल्होड़ियै वीरै नैं मा मोरी भेज दे ए
हां ए मा ल्होडियो वाई नैं ले आय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बडोड़ै वीरै की भू मा जाटणी ए
हां ए मा पालो काटण जाय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
विचलै बीरै की भू मा गूजरी ए
हां ए मा दूधो वेचण जाय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
ल्होड़ियै बीरै की भू मा पदमणी ए
हां ए मा पिलंगां बैठी खाय, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बडोड़ै वीरै की भू नैं मा खीचड़ो अं
हां ए मा अूपर मिरियो तेल, धल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
बिचलै बीरै की भू नैं मा लापसी ए
हां ए मा अूपर धबसो लूण, घल्यो तो हिंडोळो चम्पा बाग में ए
ल्होड़ियै बीरै की भू नैं मा चावळा ए
हां ए मा अूपर मिरियो घी, घल्यो तो हिंडोळो राजाजी रै बाग में ए
हां ए मा अूपर धबसो खांड, घल्यो तो हिंडोळो राजाजी रै बाग में ए

८५

आमीं-स्यामीं बाग देवरिया, नित उठ घूमण आवो जी
आमीं-स्यामीं बाग देवरिया, नित उठ तुररा टांगो जी
अँ तुररा रै कारणै देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हारा जी
देवर म्हारा जी, हरखीला ओ देवर भाभी नैं प्यारा जी, देवर म्हारा जी

आमीं-स्यामीं होद देवरिया, नित उठ न्हावण आवो जी
अँ न्हावण कै कारणै देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हारा जी
देवर म्हारा जी, हरख़ीला ओ देवर भाभी नैं प्यारा जी, देवर म्हारा जी

आमीं-स्यामीं पोळ देवरिया, नित उठ आवो-जावो जी
अँ आवण कै कारणै देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हारा जी
देवर म्हारा जी, हरखीला देवरिया भाभी नैं प्यारा जी, देवर म्हारा जी

आमीं-स्यामीं महल देवरिया, नित उठ पोढण आवो जी
अँ पोढण कै कारणै देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हारा जी
देवर म्हारा जी, हरखीला देवरिया भाभी नैं प्यारा जी, देवर म्हारा जी

कोयल

३२

हरियै हरियाळै डाळै काळी कोयळ बोली राज
बोल बुलावै ओ सैयो साचा सबद सुणावै राज
थे क्यूं रायां का ईसरदास नीदड़ल्यां में सूत्या राज
थारी तो मा की जाई पीवरियै नैं झूरै राज

झूरै तो झूरण द्यो म्हे अब ननीं झूरण देस्यां राज
बाबोजी रा बैल जुपास्यां ताऊजी रा घुड़ला राज
जाय जगास्यां बाई रोवां कै चोबारै राज

रोवां सूती लाल पिलंग पर ओढ्यां झीणो झोलो राज
अूठी थी वीर मिलण नैं टूट्यो नोसर हारो राज

हारो तो ओर पुवास्यां वीरां सैं कद मिलस्यां राज
सोन चिड़ी मेरी भायली तूं चुगदे नोसर हारो राज
पटवै की बेटो भायलो तूं पोदे नोसर हारो राज

मैं क्यूं तेरी भायली तूं टक्को दे'र चुगाले राज
मैं क्यूं तेरी भायली तूं टक्को दे'र पुवाले राज

कोठै की या सोनचिड़ी यो कोठै को बिणजारो राज
जयपर की या सोनचिड़ी यो दिल्ली को बिणजारो राज

के लेसी या सोनचिड़ी यो के लेसी बिणजारो राज
टक्को लेसी सोनचिड़कली, रिपियो ले बिणजारो राज
टक्को देस्यां सोनचिड़कली, रिपियो द्यां बिणजारो राज

सायवा म्हारै छै वाग में चपेलड़ी जी राज
जैं कै लाग्या छै धोळा-धोळा फूल
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

सायवा म्हारै छै कुण्याचंद देवर लाडला जी राज
तुररै टांगो चपेलड़ी रा फूल
प्यारा लागो भांभी नैं देवर लाडला जी राज

अै तो फूल जोरावर भाभी खोस लिया जी राज
तुररै टांगो मोत्यां री लड़ लूम
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

देवर मोती पुवावां म्हारी नथ में जी राज
तुररै टांगो घोड़ां री घूघरमाळ
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

देवर घुड़ला वंधैगा म्हारै ठाण में जी राज
तुररै टांगो विलाई री पूंछ
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

देवर डुपटै का च्यारूं पल्ला चीकणा जी राज
जैं में आवै मिठाई की वांस
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

भाभी आज गया छा सत भगवान कै जी राज
म्हानैं पंडां दियो परसाद
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

३४

आई आई मा पहल सावण री तीज, पहल सावण री तीज
मन्नैं भेजी मा सासरै जी

ओर सहेल्यां मा खेलण-मिलण नैं ए जाय, खेलण-मिलण नैं ए जाय
मन्नैं दीन्यो ए मा पीसणो जी

तोड़ूं फोड़ूं मा चाकलड़ी रो ए पाट, चाकलड़ी रो पाट
बगड़ बखेरूं ए मा पीसणो जी

आया-आया मा गायां रा ए गुवाळ, भैंस्यां रा ए गुवाळ
चुग-चुग चावै ए मा पीसणो जी

मोटो पीसूं मा कोई ए न खाय, कोई ए न खाय
नान्हो पीसूं मा उड उड-जाय
पोई-पोई मा रोट्यां री ए जेट, रोट्यां री ए जेट
पिछलो पोयो ए मा मंडकियो जी

ओरां नैं ए मा रोट्यां री ए जेट, रोट्यां री ए जेट
मन्नैं दीन्यो ए मा मंडकियो जी

ओरां नैं मा-पळियां-पळियां ए दूध, पळियां-पळियां ए दू
मन्नैं पळियो ए मा छाछ को जी

ओरां नैं मा मिरियो-मिरियो ए घी, मिरियो-मिरियो ए घ
मन्नैं मिरियो ए मा तेल को जी

ओरा नैं मा धबसां-धबसां ए खांड, धबसां-धबसां ए खांड
मनैं धबसो ए मा लूण को जी

आयो-आयो ए मा बडै पीवर रो ए काग, बडै पीवर रो ए का।
बो भी लेग्यो मा मंडकियो जी

बाईजी कै आंगण नीमोळी
कोई म्हारै आंगण नीम रै नीमोळीड़ा
बाईजी चढग्या नीमोळी
कोई म्हे चढग्या म्हारै नीम रै नीमोळीड़ा
बाईजी को दीख्यो सासरियो
कोई म्हारो दीख्यो पी'र रै नीमोळीड़ा
बाईजी कै आयो गाडूलो
कोई म्हारै रुणझुण बैल रै नीमोळीड़ा
बाईजी कै आयो देवरियो
कोई म्हारै माईजायो वीर रै नीमोळीड़ा
बाईजी चढग्या गाडूलै
कोई म्हे म्हारै रुणझुण बैल रै नीमोळीड़ा
बाईजी कै आया आंसूड़ा
कोई म्हारा चाल्या दांत रै नीमोळीड़ा
बाईजी काढ्यो घूंघटियो
कोई म्हे मारी मुरगांठ रै नीमोळीड़ा
बाईजी को आयो सासरियो
कोई म्हारो आयो पी'र रै नीमोळीड़ा
बाईजी उतर्या सासरियै
कोई म्हे उतर्या म्हारै पी'र रै नीमोळीड़ा
बाईजी उतर्या आंगणियै
कोई म्हे म्हारी मा की गोद रै नीमोळीड़ा
बाईजी कै रांध्यो खीचड़लो
कोई म्हारै जिनवां रा भात रै नीमोळीड़ा

लेज्या लेज्या रै म्हारा वड़ै पीवर रा ओ काग, वड़ै पीवर रा ओ काग
जाय दिखाई म्हारी माय नैं जी

देखो-देखो बाई राजकंवर री ए माय, सदाकंवर री ए माय
देखो बाई रो जीमणो जी

नीसर-नीसर म्हारा चाकी परला रै नाग, चाकी परला रै नाग
जाय डसिए बाई री सास नैं जी

चांद चढ़यो गिगनार

३५

चांद चढ्यो गिगनार, किरत्यां ढळ रहियां जी ढळ रहियां
अब बाई घरे पधार, माऊजी मारैला जी मारैला
कोई बाबोजी देला गाळ, वडोड़ो वीरो वरजैला जी वरजैला

मत द्यो बाई नैं गाळ, बाई म्हारी चिड़कोली जी चिड़कोली
आज उडै परभात तड़कलै उड ज्यासी जी उड ज्यासी
सावणियै रा दिन च्यार, जंवाइड़ो ले ज्यासी जी ले ज्यासी

बडोड़ै बीरै घुड़ला गोरी ए कस दिया जी
हां ए गोरी साथीड़ा कस दिया जीन
बाबांजी रै हुकमां चाल्या चाकरी जी
ओ जी थारी घण बरजै उमराव
मत ना सिधारो पूरब री चाकरी जी

चरखो तो लेद्यो भंवरजी रांगलो जी
हां जी ढोला पीढी लाल गुलाल
हम कातां थे वैठ्या विणजल्यो जी
ओ जी म्हारी जोड़ी का भरतार
मत ना सिधारो पूरब की चाकरी जी

म्होर-म्होर की भंवरजी कूकड़ी जी
हां जी ढोला रोक रुपैयै को तार
मैं कातूं थे वैठ्या अूणल्यो जी
ओ जी मैं तो अरज करूं दिन-रात
पिया की पियारी नैं सागै ले चलो जी

गोरी की कुमाई खासी रांडिया जी
हां ए गोरी के गांधो-मणियार
म्हे छां वेटा साहूकार का जी
हां ए म्हारी घणी ए पियारी घरनार
गोरी की कुमाई सैं पूरा ना पड़ै जो

रोक रुपैयो भंवरजी मैं बणूं जी
हां जी ढोला बण ज्याअूं पीळी-पीळी म्होर
भीड़ पड़ै जद मारूजी बरतल्यो जी
ओ जी म्हारी सास सपूती रा पूत
मत ना सिधारो पूरब की चाकरी जी

सरस जलेबी भंवरजी मैं बणूं जी
हां जी ढोला बण ज्याअूं फूट-सुंहाळ

म्हारै आंगण चिरमठड़ी रो रूंख म्हारा पिवजी
कोई समधी रै आंगण केवड़ो जी
फ़ल्यो-फ़ल्यो चिरमठड़ी रो रूंख म्हारा पिवजी
कोई इव गरणायो केवड़ो जी

दोनूं समधी बैठ्या तखत बिछाय म्हारा पिवजी
कोई चोपड़ पासा ढाळिया जी

बूझै-बूझै राजकंवरा की माय म्हार पिवजी
कोई कुण हार्‌यो कुण जीतियो जी
हार्‌यो-हार्‌यो राजकंवर को बाप धण गोरी
कोई कोटण समधी जीतियो जी

म्हारी लाडो सात भायां की भैण म्हारा पिवजी
कोई अूभी सोवै आंगणै जी

टोळां मांला हसती क्यूं ना हार्‌या म्हारा पिवजी
म्हारी राजकंवर क्यूं हारिया जी

घुड़लां मांला तेजी क्यूं ना हार्‌या म्हारा पिवजी
म्हारी बड़गोतण क्यूं हारिया जी

बुगचै मांला कपड़ा क्यूं ना हार्‌या म्हारा पिवजी
म्हारी राजकंवर क्यूं हारिया जी

डब्बै मांला गहणा क्यूं ना हार्‌या म्हारा पिवजी
म्हारी सदा ए कंवर क्यूं हारिया जी

थैली मांला रिपिया क्यूं ना हार्‌या म्हारा पिवजी
म्हारी बड़गोतण क्यूं हारिया जी

चिरमठड़ी

ओ जी म्हारी सेजां का सिणगार
थारै विना घड़ीयन मारूजी आवड़ै जी

असल बगीचो भंवरजी मैं बणूं जी
हां जी ढोला बण ज्याअूं फूल-गुलाब
खुसी ए लगै जद मारूजी सूंघल्यो जी
ओ जी म्हारा वादीला भरतार
पिया की पियारी की अरजी मानल्यो जी

कदेयन ल्याया भंवरजी सीरणी जी
हां जी ढोला कदेयन करी मनवार
कदेयन पूछी मनड़ै री बारता जी
ओ जी म्हारी लाल नणद रा बीर
मत ना सिधारो पूरब की चाकरी जी

अबकै तो ल्यावां गोरी ए सीरणी ए
हां ए गोरी अब कै म्हे करां मनवार
अबकै आवां पूछां बारता जी
ओ जी म्हारा हिवड़ै परला हार
घड़ी ए घड़ी मैं उडाअूं कागला जी

पहली हार्यो तीन भवन को राज धण गोरी
कोई पीछै देई देवता जी

पहली हार्यो थारोड़ो बाप धण गोरी
कोई पीछै म्हे भी हारिया जी

हसती देस्यां राजकंवर की दात धण गोरी
कोई ज्यूं घर सोवैं आपणो जी

घुड़ला देस्यां सदा ए कंवर की दात धण गोरी
कोई ज्यूं घर सोवैं आपणो जी

गहणा देस्यां राजकंवर की दात धण गोरी
कोई ज्यूं घर सोवैं आपणो जी

कपड़ा देस्यां सदा ए कंवर की दात धण गोरी
कोई ज्यूं घर सोवैं आपणो जी

रिपिया देस्यां रजकंवर की दात धण गोरी
कोई ज्यूं घर सोवैं आपणो जी

उठ म्हारी बाई कर सोळा सिणगार म्हारी लाडो
थारा बावोजी वचनां हारिया जी

पहर पटोळो ओढ दुरंगो चाली म्हारी लाडो
थारा वीराजी वचनां हारिया जी

कोट तळै कर चाली म्हारी लाडो
म्हारो कायर जिवड़ो अूझळै जी

रोय-रोय जिवड़ा कायर मत ना होय म्हारा जिवड़ा
कोई या ही सकळ में रीत है जी

कूवो तो हुवै, ढोलां, डाकल्यूं जी
कोई, समदर डाक्यो, समदर डाक्यो ना जाय
हो जी ढोला ना जाय
अब घर आज्या, फूल गुलाब रा हो जी

कागद हुवै तो, ढोला वांचल्यूं जी
करम न बांच्यो, करम न बांच्यो, जाय
हो जी ढोला जाय
अब घर आज्या, आसा थारी लाग रही हो जी

टाबर हुवै तो, पिया, राखल्यूं जी
ढोला, जोबन राख्यो, जोबन राख्यो, ना जाय
हो जी ढोला ना जाय
अब सुध लीज्यो, गोरी रा सायबा हो जी

बारा बरस री, पिया, परणिया जी
कोई, हो गई जोध, हो गई जोध-जवान
हो जी ढोला जोध-जवान
अब घर आवो, गोरी रा बालमा हो जी

नेड़ी-नेड़ी करो, पिया, चाकरी जी
छैला, सांझ पड़्यां घर, सांझ पड़्यां धर, आव
हो जी ढोला आव
अब घर आज्या, बरखा रुत भली हो जी

थानैं तो प्यारी, पिया, परदेसां री चाकरी जी
ढोला, म्हानैं तो प्यारा लागो, प्यारा लागो, आप
हो जी ढोला आप
अब घर आव, मिरगानैणी रा बालमा हो जी

असी रे टकां री, ढोला, चाकरी रे
कोई, लाख मोहर री, लाख मोहर री, भोळा नार

५०

माय खिनाई मेरी मांडी-चूंडी
तो सास खिनाई रंगमहलां मोरी भूआ ए, नींद घणेरी

रिमझिम करती महल पधारी
तो जागतड़ो सोय रहियो मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

माय बुरी छै मेरो बाप बुरो छै
मनैं अूंघणियै वर दीन्ही मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

रिमझिम करती नीचै भी आई
तो द्योर-जिठाण्यां बूझै वातां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी
तो संग की सहेल्यां बूझै वातां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

म्हे थांनैं बूझां म्हारी वाई ए सहोदरा
थारा किसड़ा लाड लडाया मोरी भूवा ए, नींद घणेरो

म्हे थांनैं बूझां म्हारी बहू ए वहुवड़दे,
थारा किसड़ा लाड लडाया मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

माय बुरी छै मेरो बाप बुरो छै
मनैं ऊंघणियै वर दीन्ही मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

हलो ना भुवाजी वाई चलो ना भतीजी
आपां लुहारां कै चालां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

लुहारी का वेटा रै भाई
मनैं सात सूई कर दे ना मेरा बीरा रै, नींद घणेरी

हलो ना भुवाजी बाई चलो ना भतीजी
आपां लीलगरां कै चालां मोरी भुवा ए, नींद घणेरी

लीलगरी का बेटा रै भाई,
मनैं लीलो डोरो रंग दे ना बीरा मेरा रै, नींद घणेरी

हूं तो मरूं छूं, पिया, अेकली जी
ढोला, हूं मरूं कटारी, हूं मरूं कटारी, जी खाय
हो जी ढोला खाय
अब घर आज्या, बरखा रुत भली हो जी

हलो ना भुवाजी बाई चलो ना भतीजी
आपां कुम्हारी कै चालां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी
कुम्हारी का बेटा रै भाई
मनैं काचो क़रवो कर दे मेरा बीरा रै, नींद घणेरी

काचो सो करवो असी ए नाकटा
तो उलटै चाक उतारो मेरा वीरा रै, नींद घणेरी

हलो ना भुवाजी बाई चलो ना भतीजी
आपां दरजोड़ै कै चालां मोरी भूवा ए, नोंद घणेरी
दरजीड़ै का वेटा रै भाई,
मनैं कोथळड़ो सीम दे ना बीरा मेरा रै, नींद घणेरी

हलो ना भुवाजी बाई चलो ना भतीजो
आपां कमणीगर कै चालां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी
कमणीगर का वेटा रै भाई,
मनैं करड़ा कामण कर दे ना मेरा वीरा रै, नींद घणेरी

कर्‌या ए कराया होया ए संजोता
तो कोथळड़ी भर लीनी मोरी भूवा ए, नींद घणेरी
जद हरियालो लेण गई थी
तो जद मनैं कोइय न देखी मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

जद हरियालो ले घर आई
मनैं ल्होड़िये देवर देखी मोरी भूवा ए, नींद घणेरी
रिमझिम करती महल पधारी
तो सोवतड़ो जाग आयो मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

माय भली छै मेरो बाप भलो छै
मनैं हरखीलै वर दीन्हो मोरी भूवा ए, नींद घणेरी
रिमझिम करती नीचै भी आई
तो संग की सहेल्यां बूझै बातां मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

नणदल बाई तोड़ै नींबूड़ै रा पान
इब धण वारी हो हंजा
देवरियो नखराळो यो तोड़ै सोटकी जी राज

नणदल बाई नैं सासरियै खिनाय
इब धण वारी हो हंजा
देवर नैं खिनावां ओ राजाजी री चाकरी जी राज

नणदल बाई सासरियै ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
देवरियो नखराळो यो नीं जावै चाकरी जी राज

नणदल बाई नैं मोतीड़ां रो हार
इब धण वारी हो हंजा
देवर नैं परणावां ओ म्हां मैं छोटी बैनड़ी जी राज

भंवरजी कण म्हारी सोक सरायो रै नींबू
दोपारां कुमळायो रै नींबू
सांझ पड़ी गरणायो भंवर थारी सेज में जी राज

बैठ्या पना मारू तखत बिछाय
इब धण वारी हो हंजा
कागद आयो हो हाडै राव को जी राज

कागद पना मारू बांच सुणाय
इब धण वारी हो हंजा
के'र लिख्यो है कोरै कागदां जी राज

कागद मिरगानैणी बांच्यो ए ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
छाती तो फाटै हिवड़ो अूझळै जी राज

मांय भली छै मेरो बाप भलो छै
मनैं हरखीलै बर दीन्हो मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

ल्होंड़ियो देवर पीसै ए पोवै
बडो ए भरैगो जळ पाणी मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

द्योर-जिठाणी रोटी पोवै
म्हारी बाई पोवै मोती मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

च्यार कूंट का चोदा रै मूसळ
म्हारी बायां ल्याण भिड़ाया मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

रोवां बाई भोळी-ढाळी तो सोवां तेरा ताळी
मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

रोवां बाई भोळी-ढाळी तो सोवां कामणगारी
मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

पांच रुपैया गुड़ की भेली
मेरी भूवा का पग पूजूं मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

बूढ सुहागणं हो मेरी भूवा
तो तैं मेरो घर बांध्यो मोरी भूवा ए, नींद घणेरी

———

ओळंग थारै बिचलै बीरै नैं भेज
इब धण वारी हो हंजा
चतर चोमासै ओ राजिन घर बसो जी राज

बिचलै बीरै कै गोरी गोद जडू.लै पूत
इब धण वारी ए गोरी
थारी तो गोद्यां तो कहिए डीकरी जी राज

ओळंग थारै ल्होड़ियै बीरै नैं भेज
इब्र धण वारी हो हंजा
इबकै चोमासै ओ राजिन घर बसो जी राज

ल्होड़ियै बीरै कै धण नानकड़ी सी नार
इब धण वारी ए गोरी
महल चढंती बा डरपै एकली जी राज

ओळंग थारै भाएलां नैं भेज
इब धण वारी हो हंजा
इबकै चोमासै ओ राजिन घर बसो जी राज

भाएलां री धण अूदाखाणी नार
इब धग वारी ए गोरी
अूठ संवारी जी झगड़ो बै करै जी राज

ओळंग थारै पाड़्योसी नैं भेज
इब धण वारी हो हंजा
इबकै चोमासै ओ राजिन घर बसो जी राज

पाड़्योसी की गोरी आमीं-स्यामीं पोळ
इब धण वारी ए गोरी
अूठ संवारो ए देसी ओळमां जी राज

चोमासै को नींबू

जला मारू, म्हे तो थारा डेरा निरखण आई ओ
म्हारी जोड़ी रा जलाल, म्हे तो थारा डेरा निरखण आई ओ जलाल

जला मारू, देखी थारा डेरां री चतराई ओ
म्हारी जोड़ी रा जलाल, देखी थारा डेरां री चतराई ओ जलाल

जला मारू, रात्यूं धण रो पेटड़लो सो दूख्यो ओ
म्हारी जोड़ी रा जलाल, थे तो धण री खबरज कोनी लीनी ओ जला

जला मारू, नारां मांयली नार भली भटियाणी ओ
म्हारी जोड़ी रा जलाल, नारां मांयली नार भली भटियाणी ओ जला

जला मारू, मरदां मांयला मरद भला राठोड़ी ओ
म्हारी जोड़ी रा जलाल, मरदां मांयला मरद भला राठोड़ी ओ जलाल

जला मारू, छींटां मांयली छींट भली मुलतानी ओ
म्हारी जोड़ी रा जलाल, छींटां मांयली छींट भली मुलतानी ओ जलाल

जला मारू, रिपियां मांयला रिपिया भला चैरासाही ओ
म्हारी जोड़ी रा जलाल, रिपियां मांयला रिपिया भला चैरासाही ओ जला

जै थे पना मारू ओळंग जाय
इब धण वारी हो हंजा
सिख ओ तो बुध ओ धण नैं दे चढो जी राज

सिख-बुध धण दीवी ए ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
सीख सरोरां ए सुंदर अूपजै जी राज

जै थे पना मारू ओळंग जाय
इब धण वारी हो हंजा
बिस को पियालो ओ धण नैं दे चढो जी राज

बिम रो प्यालो धण बैरीड़ां नै प्याय
इब धण वारी ए गोरी
थानैं पियालो ए काचै दूध को जी राज

डब-डब-भरिआया नैण
इब धण वारी हो हंजा
आंसू तो गेर्या जी हरियै मोर ज्यूं जी राज

लीनी पना मारू हिवड़ै लगाय
इब धण वारी हो हंजा
आंसू तो पूंछ्या जी बांवैं हाथ सैं जी राज

इतणी मिरगानैणी बेदल मत होय
इब धण वारी ए गोरी
इबकै सिधारां तो सागै ले चलां जी राज

झूठा पना मारू झूठ न बोल
इब धण वारी हो हंजा
सदां ही सिधारो जी कदेयन ले चलो जी राज

पांच सुपारी पानां रो बिड़लो
भतियां नैं रै बीरा नूं तग जाय, राजिन साथ लिया

च्यारूं भाई नूं तण लागी
निरधन रै बीरो नूं त्यो है नांय, राजिन साथ लिया

चाल गोरी धण घर नैं चालां
मा की तो जायी मेरो मार्‌यो ए मान, राजिन साथ लिया

आगै मिलग्यो लख बिणजारो
तूं कित रै निरधन रूस्यो रै जाय, राजिन साथ लिया

मेरी भैण घर बिड़द उपाई
मा की तो जाई मेरो मार्‌यो रै मान, राजिन साथ लिया

म्होरां तो बहतेरी लेज्या,
रिपियां रो रै निरधन अंत न प्यार, राजिन साथ लिया

अंगियां तो बहतेरी लेज्या,
तीळां रो रै निरधन अंत न पार, राजिन साथ लिया

बोदी दुनियां थरहर कांपी
भाजड़ रै बीरा भेळ्यो रै गांव, राजिन साथ लिया

थे मत डरपो बोदी दुनियां
निरधन रै बीरो ल्यायो रै भात, राजिन साथ लिया

च्यारूं भाई झुळझुळ झांकै
निरधन रै बीरो भरसी रै भात, राजिन साथ लिया

अस्सी ए कोसां की चालो बादळो जो, कोई
म्हारो लहर्यो आय भिजोयो राज, लहर्यो लेद्यो जी
टपक-टपक जैं को रंग चुवै जी, कोई
सटक-सटक जिव जावै राज, लहर्यो लेद्यो जी

अैसो तो कळ में को नहीं जी, कोई
म्हारो लहर्यो आय निचोवै राज, लहर्यो लेद्यो जी
अस्सी ए कोसां को चाल्यो सायबो जी, कोई
लहर्यो आय निचोयो राज, लहर्यो लेद्यो जी

लहर्यो सुकायो सामीं बाड़ पै जी, कोई
चील झपट्टा लेवै राज, लहर्यो लेद्यो जी
लहर्यो सुकायो सामीं साळ में जी, कोई
साळ पत्रासा लेवै राज, लहर्यो लेद्यो जी

गोखां तो बैढ्यो ढाढी-डूम को जी म्हारै
देवरियै को रूप बखाण्यो राज, लहर्यो लेद्यो जी
बाळूं तो जाळूं, ढाढी-डूम का जी, म्हारै
देवरियै को रूप क्यूं बखाण्यो राज, लहर्यो लेद्यो जी

भली करी जामण रा जाया
भरी ए सभा में मेरो राख्यो रै मान, राजिन साथ लिया

भली करी जामण री जाई
च्यारूं भायां में मेरो मार्‌यो ए मान, राजिन साथ लिया

तूं तो मेरो मान ज मार्‌यो
साय करी म्हारो स्रीभगवान, राजिन साथ लिया

भात

५३

बागां में बाजै जंगी ढोल
झालर झिणका करै जी

आयो मेरी मा को जायो वीर
चूनड़ ल्यायो मोज की जी

नापूं तो हाथ पचास
तोलूं तो तोळा तीस की जी

मेलूं तो डब्बो भर जाय
ओढूं तो हीरा झड़ पड़ै जी

ओढां म्हारै कंवरां कै ब्याह
राजिन आवै मुळकता जी

धन ए गोरी थारो भाग
वीरो ल्यायो चूनड़ी जी

अस्सी ए कोसां की चाली बादळो जी, कोई
म्हारो लहर्‌यो आय भिजोयो राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी
टपक-टपक जैं को रंग चुवै जी, कोई
सटक-सटक जिव जावै राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

अैसो तो कळ में को नहीं जी, कोई
म्हारो लहर्‌यो आय निचोवै राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी
अस्सी ए कोसां को चाल्यो सायबो जी, कोई
लहर्‌यो आय निचोयो राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

लहर्‌यो सुकायो सामीं बाड़ पै जी, कोई
चील झपट्टा लेवै राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी
लहर्‌यो सुकायो सामीं साळ में जी, कोई
साळ पत्रासा लेवै राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

गोखां तो बैठ्यो ढाढी-डूम को जी म्हारै
देवरियै को रूप वखाण्यो राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी
बाळूं तो जाळूं, ढाढी-डूम का जी, म्हारै
देवरियै को रूप क्यूं बखाण्यो राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

सिख भर रोळी थाळी भर मोती
मेरा भतई नूं तण बीरा मैं गई जी

मा का रै जाया बीरा बेगो रै श्राई
हर हम घर बिड़द उतावळी जी

मा की ए जाई मेरो आवण नांही
हर हम घर मैड़ी बाई सांकड़ी जी

बीरां की मैड़ी कूंकूं गार घलाअूं
हर दूधां की मसक ठुळावस्यां जी

बीरां की मैड़ी सोवन ईंट थपावूं
हर अजगज नींव लगायस्यां जी

बीरां की मैड़ी मैं तो छपर छपावूं
हर ओणां–चीणां बीरा घूघरा जी

बीरां की मैड़ी मैं तो पिलंग बिछावूं
हर गाल मसूर्‌या गादो-गींडवा जी

बीरां की मैड़ी मैं तो दिवलो संजोवूं
हर जगमग जोत सुहावणी जी

बीरां की मैड़ी मैं तो भावजड़ी बुलाअूं
हर हाथ रंगीलो बीरा बीजणो जी

जैं चढ पोढै बीरा कुण्याचंदजी रो मेरो कुण्याचंद
मेरी भावज ढोळै बीरा बीजणो जी

ढोळ–ढुळावत सायब हरख ज उपज्यो
हर हाथ रो बीजणो सायब हथ रयो जी

पाणी नैं जाता गोरी रा सायबा
प्यारी धण पै कांकरड़ी कुण बाई म्हारा राज
म्हे हंस राळी म्हारी गोरड़ी
प्यारी धण थारै कोठेड़ै सी लागी म्हारा राज
ईंडी कै लागी गोरी रा सायबा
दोघड़ म्हारी राम उवारी म्हारा राज

बागां नैं जातां गोरी रा सायबा
प्यारी धण पै नींबूड़ा कुण बाया म्हारा राज
म्हे हंस राळ्या म्हारी गोरड़ी
प्यारी धण थारै कोठेड़ै सी लाग्या म्हारा राज
घूंघट पै लाग्या गोरी रा सायबा
बेसर म्हारी राम उबारी म्हारा राज

महलां में जातां गोरी रा सायबा
प्यारी धण पै लाडूड़ा कुण मार्‌या म्हारा राज
म्हे हंस राळ्या म्हारी गोरड़ी
प्यारी धण थारै कोठेड़ै सी लाग्या म्हारा राज
चोली पै लाग्या गोरी रा सायबा
छाती म्हारी राम उबारी म्हारा राज
जी झिलती रा गोरी रा सायबा
प्यारी धण कै कायों हठ लाग्या म्हारा राज

थारो तो घाली गोरी रा सायबा
धोरां दूबड़ली होय जास्यां म्हारा राज
थे धण होस्यो धोरां दूबड़ी
पना म्हे अलल बछेरो म्हारा राज

सुण-सुण जी म्हारा सुगणा सायब
हर नणद पाड़ोसण मत राखज्यो जी

सो ई धन देखै म्हांसैं सो ई धन मांगै
हर अूठ संवारी म्हांसैं कळह करै जी

गहली अे धण म्हारी बोल न जाणै
हर ओछै घर की गोरी डीकरी जी

आमी सामीं मैं तो पोळ चिणावूं
हर बीच बहण को गोरी ओबरो जी

ओखां-गोखां मेरा कंवर रमैगा
हर बीच रमैगा रूड़ा भाणजा जी

कंवरां नैं देख्यां मेरो कंवळ ज बिगसै
हर भाणजड़ां नैं देख्यां मेरो मन भरै जी

जामण की ए जाई मनैं कित ए न पाई
हर सांगर साटै रूड़ी धण घणी जी

सांगर साटै रूड़ी जे धण नाहीं
हर मोठां साटै रूड़ी धण घणी जी

मोठां साटै रूड़ी जे धण नाहीं
म्हारै दमड़ां साटै रूड़ी धण घणी जी

दमड़ां साटै रूड़ी जे धण नाहीं
म्हारै जिवड़ै साटै रूड़ी धण घणी जी

हर थे चिरजीवो म्हारा भाई' र भतीजा
भैणां को मान बड़ो कर्‌यो जी
भूवां को मान बड़ो कर्‌यो जी

जाडो

९५

जाडो तो पड़ियो जी नणद बाई डूंगरां
मार्‌या-मार्‌या दादर-मोर
किस विध भुगतां जी नणद बाई जाडै नैं

जाडो तो पड़ियो नणद बाई डहरां में
मार्‌या-मार्‌या हिरण पचास, किस विध०

जाडो तो पड़ियो जी नणद बाई बागां में
मार्‌या-मार्‌या दाड़म-दाख, किस विध०

जाडो तो पड़ियो जी नणद बाई सहर में
मार्‌या-मार्‌या हटवा जी लोग, किस विध०

जाडो तो पड़ियो जी नणद बाई महलां
मारी-मारी परदेस्यां री नार, किस विध०

थारो तो वीरो जी नणद बाई घर नहीं
किस विध भुगतां जी नणद बाई जाडै नैं
दे'स्यां म्हारै वीरै नैं बुलाय, लेसी थानैं हिवड़ै लगाय
इस विध भुगतो ए भोजाई म्हारी जाडै नैं

आज तो घणदेवो बीरो कांकड़ आय बिराज्यो जी
(तो) कांकड़ मांला ग्वाळा बैंनैं घणो सरायो ए
बीरो थारो आयो ए

आज तो घणदेवो बीरो बागां आय बिराज्यो जी
(तो) बागां मांला माळी बैंनैं घणो सरायो ए
बीरो थारो आयो ए

आज तो घणदेवो बीरो पोळ्यां आय बिराज्यो जी
(तो) पोळ्यां देवर-जेठ बैंनैं घणो सरायो ए
बीरो थारो आयो ए

आज तो घणदेवो बीरो चोक्यां आय बिराज्यो जी
(तो) चोक्यां म्हारो जिवड़ो बैंनैं घणो सरायो ए
बीरो थारो आयो ए

बीरो थारो आयो ए म्हारी चंद्रगोरजा करो आरतो ए
बीरो थारो ए

बीरो आयो म्हे सुण्यो बाळद भर ल्यायो ए
बीरो थारो आयो ए

बीरो आयो म्हे सुण्यो च्यारूं दिस छाई ए
बीरो थारो आयो ए

चूनड़ तो झिलमिल की ल्यायो मांय जरी को बूंटो ए
मैं चूनड़ कै कारणै सूरज रथ थाम्यो ए
बीरो थारो आयो ए

पिचकारी

९७

माथै नैं मैंमद हदक बिराजै तो रखड़ी की छिब न्यारी जी
गोरी कै बदन पर कुण मारी पिचकारी जी, सुंदर कै वदन पर
जिन मारी जिन मोहे बताओ नातर द्यूंगी गाळी जी
गोरी कै बदन पर०

सासू को जायो नणद बाई रो बीरो यो राजिन मारी पिचकारी जी
गोरी कै बदन पर०

काहे को जी ढोला रंग बणायो तो काहे की पिचकारी जी
गोरी कै वदन पर०
केसर को अे गोरी रंग बणायो तो सोने की पिचकारी जी
गोरी कै वदन पर म्हे मारी पिचकारी जी, सुंदर कै वदन पर

भर पिचकारी मेरे अंग पर मारी तो भीज गई गुलसाड़ी जी
गोरी कै वदन पर०

[दूजा गहणां रो नांव लेय'र सारो गीत बार-बार दुहरायो जावे]

भात
५६

ण मुढलै पिव पालिगै जी, दोय जणा मत ए ापाव
ाल गोरी धण मन्तर बैठां, करां ए नचीतड़ी वात

म न करीस्यां सायब थे ही करीस्यो, म्हारो पीवर दूर
ोवरियै लिख भोज पठावां, गोरी कैवो ए संदेसा जी द्यां

ोजड़ल्यां सायब हम न पतीजां, संदेसां न आवै म्हारा वीर
म न जुड़ाद्यो सायब बैलड़ी जी, आप घोड़ै असवार

ावज बगड़ बुहारती, नणदोई लटक जंवार
ाओ नणदोई–नणदल पावणा, थे तो आया किसड़ै जी काज

ारी नणद घर विड़द उपाई, घर लाडेलड़ै रो जी ब्याह
ालो नणदोई घर आपणैं, म्हे तो आवां भात संजोय

यळ–पुथळ बुगचा भर्‌या, वै तो बांधी चोपट पोट
हणां का डब्बा भर्‌या जी ओ, मोहरां रो अंत न पार
पियां की थेली भरी जी ओ, तोळां रो अंत न पार

ोळ्यां री चाल उतावळी जी ओ, सहर चुरु कित दूर
ोळ्यां री चिलकी सींगटी, बहल्यां री चिलकी भूल
ोरां री चिलकी बींटळी, भावज रो दिखणी चीर

ठ गोरी उठ सांवळी बहू, बहवड़ बारै आव
की तूं जोवै थी बाटड़ी, वै अूभ्या पोळ्यां रै गांव
र चंदण भर चोपड़ो थाई, राई–लूण उतार

मक उढावै भोलरियो चूनड़ी, तेरै चुड़लै री सोभा अपार
म–लखीणी चूनड़ ओढ ले, तेरै चुड़लै रो सरस सुहाग

आछ्यो जी पियाजी म्हानैं दावण सिमायद्यो
आछ्यो जी पियाजी म्हानैं दावण सिमायद्यो
तो चूनड़ रंगाद्यो पिया इव की घड़ी रे पलक की घड़ी, डफ काहे को
डफ काहे को वजावो जी वालम रसिया, डफ काहे को

धीमा-धीमा वोल गोरी दावण सिमायद्यां
धीमा-धीमा वोल गोरी दावण सिमायद्यां
तो चूनड़ रंगाद्यां नाजो इव की घड़ी, डफ काहे को
डफ काहे को वजावो जी वालम रसिया, डफ काहे को

गैलै तो गैलै जी, पना-मारू जावै था
पड़ गया अूजड़ बाट, कांटो जी लाग्यो कैर को

कुण थारो कुण थारो ए, झाली राणी पकड़ैगो पांव
कुण थारो कांटो जी काढ, कुण थारा आंसू पूंछसी

नाई को नाई को जी, पना-मारू पकड़ैलो पांव
देवर कांटो जी काढ, बाईजी आंसू पूंछसी

नाई कै नैं नाई कै नैं ए, झाली राणी द्यो सिरोपाव
देवर नैं पिचरंग पाघ, बाईजी नैं बोरंग चूनड़ी

नाई कै नैं नाई कै नैं जी, पान-मारू द्यां सिरोपाव
देवर नैं म्हांसैं छोटो बैन, बाईजी नैं बोरंग चूनड़ी

म्हारै आंगण आम पिछोकड़ै मरवो, यो घर सदा ए सुहावणो
तूं चाल लिछमी जैं घर चालां, जैं घर रळी ए बधावणा
जठै वडां नैं रै वड़ाई देस्यां, दूणो सो मान सवासण्यां
जठै कुळ वहुवां नैं आदर देस्यां, सास–नणद गुण मानस्यां
म्हारै गाय ग्वाड़ै भैंस बाड़ै, सोवन थाम विलोवणो
विलोवणो म्हारै गहर घमकै, आंगण झबकै कुळवहू
सुख–सेज सायब पूत जायो, करो न राजोड़ा मनरळी
संसार को सुख आज देख्यो, पूत परण घर आईया
म्हारै पूत कारण वहू ए प्यारी, पूत कुळ को दीवलो
म्हारी सास सपूती रै सरवर रहस्यां, देज रै गुण आगळा
म्हारी द्योर–जिठाण्यां बरोबर रहस्यां, काम रै गुण आगळा
म्हारी सई-सहेल्यां बरबोर रहस्यां, रूप रै गुण आगळा
म्हारै सुगणै सायब रै म्हे मनसह्या रहस्यां, कूख रै गुण आगळा,
इसड़ो बधावो सायब जाण न देस्यां, घणां ए दिनां सैं आयो पावणो
इसड़ो बधावो म्हारी पेई में राखां, पेई सुरंगो कपड़ा नित नया
इसड़ो बधावो म्हारी बइयां पर मेलां, बइयां सुरंगो चूड़लो नित नयो
इसड़ो बधावो म्हारै घूंघट पर मेलां, घूंघट सुरंगो चूनड़ नित नई
इसड़ो बधावो म्हारी सेजां में राखां, ज्यूं सुख पावै गोरी रो सायबो
इसड़ो बधावो म्हारै पीवर भेजां, भाभी मेड़तणी रै जायो गीगलो
चतरै सैं आंगण म्हारी नणद ऊभी, द्यो म्हारा बाईजी अलीगणी
हीरा फळज्यो रै फूलज्यो आम री डाळी, बधज्यो रै माळी दूब ज्यूं
भाभो मान तो थे पूत जणज्यो, एक जणज्यो धीवड़ी
म्हारी धीयड़ नैं परदेस दीज्यो ज्यूं नित आवै म्हारी नणदली

म्हारै बावांजी रै मांडी गणगोर
दादसरां जी रै मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
लेद्यो-लेद्यो जी नणद बाई रा वीर
लेद्यो जी हजारी ढोला झूमकड़ो
सुख सेजड़ल्यां में भूल्या नोसर हार
ढोलणी रै पायै रंग रो झूमकड़ो

म्हारै बापूजी रै मांडी गणगोर
सुसरां जी रै मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
म्हारै चाचोजी रै मांडी गणगोर
काकसरां घर मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
लेद्यो-लेद्यो जी नणद बाई रा वीर
लेद्यो जी हजारी ढोला झूमकड़ो
सुख सेजड़ल्यां में भूल्या नोसर हार
ढोलणी रै पायै रंग रो झूमकड़ो

म्हारै वीरांजी रै मांडी गणगोर
जेठ घर मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
म्हारै मामाजी रै मांडी गणगोर
मामसरां घर मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
लेद्यो-लेद्यो जी नणद बाई रा वीर
लेद्यो जी हजारी ढोला झूमकड़ो
सुख सेजड़ल्यां में भूल्या नोसर हार
ढोलणी रै पायै रंग रो झूमकड़ो

गहरो जी फूल गुलाब को

१०३

म्हारै माथै नैं मैंमद ल्यावो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हारै कानां नैं कुंडळ ल्यावो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
गहरो-गहरो जी सासूजी थारो जायो रंगरसियो
गहरो जी फूल गुलाब को
गहरो-गहरो जी बाईजी थारो बीरो रंगरसियो
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हारी आंखड़ली फरूकै, घरे आवो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हे तो बाटड़ली जुहारां, घरे आवो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हे तो कागलिया उडावां, घरे आवो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हारी जीभ फरूकै, लाडू ल्यावो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हारी हथेळी फरूकै, मोहरां ल्यावो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को

[इणी गहणां रा नाम ले-लेर गीत दुहरायो जावै]

सासू इतणा सा गहणा नित नया
केसरियो म्हारो तिलक लिलाड़–आज०

म्हे हार्‌या ए वहवड़ थारी जीभ नैं
लडायो म्हारो सो' परवार–आज०

म्हे वार्‌या जी सासूजी थारी कूख नैं
जिण जाया–जाया अरजन भींव–आज०

म्हे तो वार्‌या जी वाईजी थारी गोद नैं
खिलाया थे तो कान्हकंवर सा वीर–आज०

म्हारै पीवरियै री वाटड़्यां
म्हे वायो-वायो जिनवां रो भात–आज०

वै तो धोळा जी चावळ अूजळा
उजळावट मेरी मा को जायो वीर–आज०

म्हारै सासरियै री वाटड़्यां
म्हे वायो वायो निववै रो रूंख–आज०

वै तो हरिया जो नींबू रसभर्‌या
रसभरियो भोळी वाईजी रो वीर–आज०
रस भरियो सासू सुगणी रो पूत–आज०

बीछू लड़ियो, बीछू लड़ियो, चीरै वाळा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै
ओहो, मेरा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै

सब कोई जाग्या, सब कोई जाग्या
चीरै वाळा स्याम, चीरै वाळो सोय रयो
वाह वाह, मेरा स्याम, चीरै वाळो जाग्यो नहीं

इब जाग्यो, इब जाग्यो, चीरै वाळो स्याम, बीछू को जहर दोड़ै
वाह वाह, मेरा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै

कोठै लड़ियो, कोठै लड़ियो आभा प् बरगी नार, कोठै सो दरद घणो
ओहो, मेरी नार, कोठै सो दरद घणो

अंगळी कै लड़ियो, अंगळी कै लड़िगो
चीरै वाळा स्याम, पूंचे में दरद घणो
वाह वाह, मेरा स्याम, पूंचे मे दरद घणो

बैद बुलाद्यां, बैद बुलाद्यां आभा प् बरगी नार, बीछू को जतन करे
वाह वाह, मेरी नार, गोरी को जतन करे

इब मरस्यां, इब मरस्यां चीरै वाळा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै
वाह वाह, मेरा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै

बैद न आयो, बैद न आयो चीरै वाळा स्याम, गोरी को जतन करे
वाह वाह, मेरा स्याम, गोरी को जतन करे

इब जीस्यां, इब जीस्यां चीरै वाळा स्याम, बीछू को जहर गयो
वाह वाह, मेरा स्याम, बीछू को जहर गयो

पोळीड़ा पोळ उघाड़ जी, म्हानैं अैं घर भीतर जाण द्यो जी
देखा सुसरांजी रो राज, म्हारै सुगणं सायब री सायबी जी

हस्तीड़ा घूमै छै बार जी, म्हारै बंध्या तेजी जी चरै जी
सोनो घड़ै ए सुनार जी, म्हारै गहणां रा डब्बा भर्या जी

अन-धन भर्या ए भंडार जी, म्हारै चौसर लिछमी बोघणी जी
बामण को करै ए रसोई जी, म्हारै दूध कढै घी आवटै जी

इबकै जणांगा म्हे पूत जी, म्हे तो करां ए साजनियां सूं गोठड़ी जी
मलकत चढैगी बरात जी, म्हारै घरां ए पढ़ंती आवै कुळवहू जी

मनां ए वधावो म्हारै चित ए वधावो
सरव सुख भयो ए आनंद जी
म्हारै पूत परण घर आइया जी

इवकै जणांगा म्हे धीव जी, म्हे तो करां ए साजनियां में बीनती जी
मलकत आवैगी बरात जी, म्हारै बरमन आवै कड़ा भानई जी

मनां ए वधावो म्हारै चित ए वधावो
सरव सुख भयो ए आनंद जी
म्हारै धीय जंवाई नै रचो जी

डाकियो

१०७

कूण देस सैं आयो रे डाकियो
कूण देस नैं जासी जी

उतर-दिखण सैं आयो रे डाकियो
पूरब नैं यो जासी जी

कागद फाड़ चिरी लिख भेजूं
जाय बंचाई मेरे राजिन नैं

गांव न जाणूं नांव न जाणूं
सुरत न जाणूं मेरे राजिन री

गांव बतादूं नांव बतादूं
सुरत बतादूं मेरे राजिन री

गांव रतनगढ़ नांव सुरजमल
सांवळो सुरत तेरे राजिन रो
तीखी-तीखी नाक फिरंगी को चाकर
चाल चलै उमरावां की

बधावो

६०

पहलै वधावै ओ नणद वाई हथणी विळूंधी
हस्तीड़ां रा जाया ओ हस्तीड़ा रै कुहावै, तेजीड़ा रै कुहावै
या ही रुत माणै ओ नणद वाई थारो जी वीरो
हार मांलो हीरो ओ नणद वाई थारो जी वीरो
सेजां रो निवासी ओ नणद वाई थारो जी वीरो

दूजै वधावै ओ नणद वाई करहलड़ी विळूंधी
करहलियां रा जाया ओ करहलिया रै कुहावै, मारग दे'र चलावै
या ही रुत माणै ओ नणद वाई थारो जी वीरो
सूती नैं जगावै ओ नणद वाई थारो जी वीरो

अगणै वधावै ओ नणद वाई घोड़लड़ी विळूंधी
घोड़लियां रा जाया ओ घोड़िलया रै कुहावै
तेजीड़ा रै कुहावै, चावक दे'र चलावै
या ही रुत माणै ओ नणद वाई थारो जी वीरो
कोयां रो काजळ जी नणद वाई थारो जी वीरो

चौथै वधावै ओ नणद वाई सूवटड़ी विळूंधी
सूवटियां रा जाया ओ सूवटिया रै कुहावै
या ही रुत माणै ओ नणद वाई थारो जी वीरो

पंचवै वधावै ओ नणद वाई माऊजी विळूंधी
माऊजी रा जाया ओ वीर-भतीज कुहावै
मा को जायो आवै, चूनड़ उढावै
या ही रुत माणै ओ नणद वाई थारो जी वीरो
मिसरी रो कूंजो जी नणद वाई थारो जी वीरो

डाकियो

१०७

कूण देस सैं आयो रै डाकियो
कूण देस नैं जासी जी

उतर-दिखण सैं आयो रै डाकियो
पूरब नैं यो जासी जी

कागद फाड़ निरो लिख भेजूं
जाय बंचाई मेरै राजिन नैं

गांव न जाणूं नांव न जाणूं
सुरत न जाणूं मेरै राजिन री

गांव बतादयूं नांव बतादयूं
सुरत बतादयूं मेरै राजिन री

गांव रतनगढ़ नांव गुलजमल
सांवळी सुरत मेरै राजिन री
तीखी-तीखी नाक फिरंगी को नाहर
चाल चलै उमरावां की

छट्ठै बधावै ओ नणद बाई सासूजी बिळूंधी
सासूजी रा जाया ओ देवर-जेठ कुहावै, आलीजो कुहावै
या ही रुत माणै ओ नणद बाई थारो जी बीरो
रूस्योड़ी मनावैं ओ नणद बाई थारो जी बीरो

सतवैं बधावै ओ नणद बाई कूखड़ली बिळूंधी
कूखड़ली रा जाया ओ कंवर कुहावै
कुळबहू आवै, पगां ए लगावै, बंस बधावै
या ही रुत माणै ओ नणद बाई थारो जी बीरो
बैठी नैं उठावै ओ नणद बाई थारो जी बीरो

सुपनो

१०६

सुपनो तो आयो सरब सुलखणो जी
म्हारी बैंयां तळो कर ए जी ए जाय
गुंठड़ो तो भीजै गोरी कै पांव को जी

सुपनें में देख्या भंवरजी नैं आवता जी
कोई, माथैं पिचरंग पाग, ए जी ए पाग
कांधैं सब्ज, ओ जी ए, रुमाल
हाथां में सोसी-प्याला प्रेम का जी

आंगण मोचा भंवरजी का मचकिया जी
कोई, थळियां ठमक्या, ए जी ए, सेल
गोरी रै आंगण खुड़को कुण कर्‌यो जी

लीलड़ी बांधो, भंवरजी, ठ्हाण में जी
कोई, सेल धरो थम, ए जी ए, साळ
आय पधारो, मारूजी, महल में जी

टग-टग महलां भंवरजी चढ़ गया जी
कोई, खोलो थण सजड़, ए जी ए, किंवाड़
सांकळ खोलो बीजळसार की जी

हाथ पकड़ कै भंवर बैठो करी जी
कोई, पूछी म्हारे मनड़े री, ओ जी ए, बात
अंखियां निमाणी पलक खुल गई जी

सुपना रै बैरी तनैं मारस्यूं जी
कोई, कै थारी कलम, ए जी ए, कटार
सूती नै ठगली भंवरजी री गोरड़ी जी

सुपनै रो बधावो

६१

सुणो जी भंवर म्हांनैं सुपनो सो आयो जी राज
सुपनै रो अरथ बतावो जी राज
कैवो ए गोरी थांनैं कैं विध आयो जी राज
सुपनै रो अरथ बतावां जी राज

हंस-सरवर ढोला गाजत देख्या जी राज
माणसरो म्हारो जळ भर्‌यो राज
बागां मांला चपला म्हे फूलत देख्या जी राज
फूल बिणै दोय कामणी राज
पोळ्यां मांला हसती म्हे घूमत देख्या जी राज
हरी-हरी दूब घोड़ा चरै राज
आंगणियां रो चोक म्हे पूरत देख्यो जी राज
ऊपर कुंभ-कळस धर्‌यो राज
महलां मांलो दिवलो म्हे जगतो सो देख्यो जी राज
दिवलै री जोत सवाई जी राज

हंस-सरवर गोरी पीर तुम्हारो जी राज
माणसरो थारो सासरो राज
बागां मांला चपल्या वै वीर तुम्हारा जी राज
फूल बिणै थारी भावजां राज
पोळ्यां मांला हसती देवर-जेठ तुम्हारा जी राज
हरी-हरी दूब सचाणी राज
आंगणियां रो चोक वै कंवर तुम्हारा जी राज
कुंभ-कळस थारी कुळवहू राज
महलां मांलो दिवलो वो कंत तुम्हारो जी राज

महलां में चोरी, भंवरजी, हो गई जी
कोई, लूंट्यो अनोखो, ए जी ए, माल
छंद-पछेली गजरा-नोगरी जी

टीकी फीकी, भंवरजी, हो गई जी
कोई हिंगळू रै चढ्या, अे जी ए, सिवाळ
अब घर आवो गोरी रा बालमा जी

नरवळगढ पर पड़ज्यो बीजळी जी
कोई पड़ज्यो अचूको, ए जी ए, काळ
ज्यूं डुल आवै गोरी रो सायबो जी

दिवलै री जोत सायबाणी जी राज

धन-धन जी कूण्यांचंदजी रा छावा जी राज
सुपनै रो अरथ भलो दियो राज
धन-धन अे साजनियां री जाई जी राज
थे म्हांनैं गाय सुणायो जी राज

देखो ए मायड़ अँ भावज का काम जी, कोई
देखो वीरा जी अँ भावज का काम जी, कोई
भावज जी सरायो वन को मोरियो

ल्यावो ए माता पांचूं हथियार जी, कोई
पांचूं जी'क ल्यावो म्हारा कापड़ा

रवक्या भंवरजी मांझिल रात जी, कोई
दिन तो उगायो चंपा बाग में

फिर-घिर पना-मारू देख्यो है बाग जी, कोई
रुळ-डुळ पना-मारू देख्यो है बाग जी, कोई
दांतण जी'क तोड़्यो काची केळ को

बैठ्यो मुरलो समदरियां री पाळ जी, कोई
आपकी जी'क पांख्यां सैं समदर ढक लियो

एक ज तीर ज मार्‌यो है आप जी, कोई
दूजै में जी'क मुरलो प्राण ज तज दिया

मार-कूट कर ल्यायो गाडै घाल जी, कोई
ल्याय जी उतार्‌यो चानण-चोक में

जाओ ए गोरी, अँ मुरलै की गैल जी, कोई
म्हे तो जी'क परणांगा सुंदर, दूसरी
अेक ज परणां सावणियां री तीज जी, कोई
दूजी जी'क परणां आभा बीजळी

बरसै-बरसै सावणियां री तीज जी, कोई
चिमक जी रही है आभा बीजळी
परणो पना-मारू, दोय'र च्यार जी, कोई
म्हारै जी सरीसो कळ में को नहीं

वधावो

६२

माथै रो दुमालो फूलां हंदो भार्यो जी
कूण्यांचंदजी रा छावा थांनैं सुख री ओ घड़ी में
सुख री घड़ी में गोरी रो दिल राजी जी
वाई वायां रा वीरा थांनैं सुख री ओ घड़ी में

कानां रा गजमोती महलां दीपत ज्योती जी
सासू सुगणी रा जाया थांनैं सुख री ओ घड़ी में
सुख री घड़ी में गोरी रो दिल राजी जी
नणदल वाई रा वीरा थांनैं सुख री ओ घड़ी में

आंखड़ल्यां रो पाणी भीणी केसर छाणो जी
वाई नणदल रा वीरा थांनैं सुख री ओ घड़ी में
सुख री घड़ी में गोरी रो दिल राजी जी
नणदल वाई रा वीरा थांनैं सुख री ओ घड़ी में

नाकड़लै री डांडी छैला चोपड़ मांडी जी
वाई नणदल रा वीरा थांनैं सुख री ओ घड़ी में
सुख री घड़ी में गोरी रो दिल राजी जी
नणदल वाई रा वीरा थांनैं सुख री ओ घड़ी में

हाथां री हथाळी देव घड़ी वड़ थाळी जी
कूण्यांनंदजी रा छावा थांनैं सुख री ओ घड़ी में
सुख री घड़ी में गोरी रो दिल राजी जी
वाई वायां रा वीरा थांनैं सुख री ओ घड़ी में

पगां रा अंगूठा तेजां घोड़ा छूट्या जी
सासू सुगणी रा जाया थांनैं सुख री ओ घड़ी में

च्यार टका तो देवूं गांठ का जी राज
जै कोई ईडरगढ जाय रै पपइया रै लाल, ओजूं०
जाय लसकरियै भंवरजी नैं यूं कवै जी राज
थारी नार मरी घर आव रै पपइया रै लाल, ओजूं०
नार मरी तो म्हारै बुरी हुई जी राज
टावर बारा ए बाट रै पपइया रै लाल, ओजूं०

या ल्यो राजाजी थारी नोकरी जी राज
यो ल्यो साथीड़ो थारो देस रै पपइया रै लाल, फेरूं०
कैं दुख छोड़ी रै छोरा नोकरी जी राज
कैं दुख म्हारैड़ो देस रै पपइया रै लाल, ओजूं०
माय मर्‌यां सैं छोडी नोकरी जी राज
जोय मर्‌यां सैं छोड्‌यो देस रै पपइया रै लाल, ओजूं०

छाणां तो चुगती कह ए छोकरी जी राज
घर का तूं हाल बताय रै पपइया रै हाल, ओजूं०
माय विलोवै थारी बिलोवणो जी राज
भैण सहेल्यां कै मांय रै पपइया रै लाल, ओजूं०
कंवर ज भूलै वीरा रै पालणै जी राज
नार रसोयां रै मांय रै पपइया रै लाल, ओजूं०

तूं छिणगारी ए म्हारी गोरड़ी जी राज
छळ कर लियो ए बुलाय रै पपइया रै लाल, ओजूं०
थे छिणगारा जी म्हारा सायबा जी राज
कदे ए न कर्‌यो जी विचार, रै पपइया रै लाल, ओजूं०

आप झरोखै बैठता, लळवळिया सिरदार ।
हाजर रहती गोरड़ी, सज सोळा सिणगार ।।
जी उमराव थारी सूरत प्यारी लागै म्हारा राज ।।८।।

डावया टोडा टोडड़ी, लोपी नदी बनास ।
आडावळो उलांघियो, जद छोडी घण आस ।।
जी उमराव म्हानैं कर दुखिया चढ चाल्या म्हारा राज ।।९।।

चांदी को इक बाटको, जैं में बूरो-भात ।
हुकम होय सिरकार को जीमां दोनूं साथ ।।
जी उमराव थानैं पंखो ढोळ जिमाऊं म्हारा राज ।।१०।।

पिया गया परदेस में, नैणां टपकै नीर ।
ओळ्यूं आवै पीव री, जिवड़ो धरै न धीर ।।
जी उमराव थारै लैर्यां लागी आवूं म्हारा राज ।।११।।

बनास=टोंक रै कनैं एक नदी
आडावळो=अरावली पहाड़ री ठेठ राजस्थानी नांव

विणजारी अे, लोभण, खोटो परदेसां रो काम,
रात अंधेरी डर घणो, विणजारी अे

विणजारी अे, लोभण, मांगण होय सो मांग
आज संवारी लद जायस्यां, विणजारी अे
विणजारा ओ, लोभी, ल्याई धुंवैं की पोट
लाडू तो खारै लूण का, विणजारा ओ
विणजारा ओ, लोभी, ल्याई कंवारी को दूध
बेटो तो ल्याई बांझ को, विणजारा ओ
विणजारा ओ, लोभी, ल्याई पींपळ को फूल
फळ तो ल्याई फरांस को, विणजारा ओ

विणजारी अे, लोभण, कळ में होय सो मांग
बिन होयो मत मांग ए, विणजारी अे
विणजारी अे, लोभण, नहीं है धुंवैं की पोट
लाडू तो खारै लूण का, विणजारी ए
विणजारी अे, लोभण, नहीं है कंवारी कै दूध
बेटो तो नाहीं बांझ कै, विणजारी ए
विणजारी अे, लोभण, नहीं है पींपळ कै फूल
फळ तो नहीं है फरांस कै, विणजारी ए

विणजारा रै, लोभी, रळक्यो जी मांझल रात
दिन तो उगायो सांभर देस में, विणजारा रै

विणजारा रै, लोभी, और टाळी बाळद मांय
विणजारो उतर्यो अेकलो, विणजारा रै

विणजारा रै, लोभी, ओर लादै गुड़ अर खांड
विणजारो लादै कपड़ा गोदरा, विणजारा रै

विणजारा रै, लोभी, और जणां गी साठ
ओ विणजारो अेकलो, विणजारा रै

गौरी ए, थारो पाणी वीछूड़ा रो जहर
थारो परण्यो क्यूं जीवै, अे म्हारी नार
थारो परण्यो क्यूं जीवै, अे म्हारी नार

ज्यानी ओ, म्हारो परण्यो वीछूड़ा रो जहर—
उतारै पाणी वै पीवै, ओ मेरा स्याम
उतारै पाणी वै पीवै, ओ मेरा स्याम

ज्यानी ओ, पाड्योसण की आम्हीं–साम्हीं पोळ
सोनै में पीळी हो रही, ओ मेरा स्याम
मोत्यां में धोळी हो रही, ओ मेरा स्याम

गोरी ए, वांका तो परण्या परदेस
वांकी तो लागी नोकरी, ओ मेरी नार
वांकी तो लागी नोकरी, ओ मेरी नार

गोरी ए, म्हे भी तो जावां परदेस
सोनै में पीळी म्हे करां, ए मेरी नार
मोत्यां में धोळी म्हे करां, ए मेरी नार

ओरां रै काजळ-टीकियां अे पणिहारी अे लो
थारोड़ा क्यूं फीका नैण वाला जो

ओरां रै ओढण चूनड़ी ए पणिहारी ए लो
थारोड़ो क्यूं मैलो वेस वाला जो
ओरां रा पिवजी घर वसै अे लंजा ओठीड़ा ए लो
म्हारोड़ा वसै परदेस वाला जो

कै है रे सासू थारै सावकी अे पणिहारी अे लो
कै थारो पीवरियो परदेस वाला जो
नहीं है सासू म्हारै सावकी रे लंजा ओठीड़ा अे लो
नहिं म्हारो पीवरियो परदेस वाला जो

घड़ो तो पटक दे नीं ताल में अे पणिहारी अे लो
चालै नीं ओठीड़ै री लार वाला जो
वाळूं तो जाळूं थारी जीभड़ी अे लंजा ओटीड़ा अे लो
डसै थानैं काळो नाग वाला जो

चालै तो घड़ादयूं तनैं वाड़लो ए पणिहारी अे लो
चालै तो नवसर हार वाला जो
अहड़ा तो वाड़लिया म्हारै घर घणा रे लंजा ओठीड़ा अे लो
खूंट्यां टंग्या नवसर हार वाला जो

हालै तो चिरादयूं चूड़ो दांत रो अे पणिहारी अे लो
हालै तो दिखणी चीर वाला जो
चुड़लो चिरासी थण रो नायको रे लंजा ओठीड़ा ए लो
ओढणियो ओढासी म्हारो वीर वाला जो

घड़ो तो भर नै पाछी वावड़ी ए पणिहारी ए लो
आयो-आयो 'झळसै रै बार वाला जो

घड़ो तो पटकदयूं अूंनो चोक में ए म्हारा सासूजी ए लो
वेगो रे घड़लो उतार.अ वाला जो

चांद्या थारी चकमक रात
नणद-भोजाई रंग घोळियो जी म्हारा राज
भावज मांड्या दोनूं जी हाथ
नणदल मांडी चिटळी-आंगळी जी म्हारा राज

बिदरंग राच्या दोनूं जी हाथ
सुरंगी राची चिटली-आंगळी जी म्हारा राज
बाईजी दिखाई आपकी जी माय
म्हारो मनभरियो राजाजी की चाकरी जी म्हारा राज

थे छो बारठ राणी चतर सुजान
जाय जाचो ना राजा गैन नैं जी म्हारा राज
गैन राजा मोटो जी राव
थारी जोड़ी को यो वर हेरियो जी म्हारा राज

करिया बारठ राणी मरदाना जी भेस
घुड़लां पर जीन राणी कसाड्या जी म्हारा राज
बूभयो बारठ राणी गायां रो गुवाळ
कोई देस बतावो राजा गैन को जी म्हारा राज
यो ही राजा गैन को जी देस
सालर थोड़ा सरवर बोथणा जी म्हारा राज

बूभयो बारठ राणी माळीड़े रो पूत
कोई बाग बतावो राजा गैन को जी म्हारा राज
यो ही राजा गैन को जी बाग
आडू तो पाकया नीबू रंग भरया जी म्हारा राज

मूमल
११५

काळी रे काळी काजळियै री रेखड़ी रे
हांजी रे, काळोड़ी कांठळ में चिमकै बीजळी
म्हारी वरसाळै री मूमल, हालै नीं अे आलीजै रै देस

न्हायो मूमल मायलियो रे मेट सूं
हांजी रे, कड़ियां तो राळ्या मूमल केसड़ा
म्हारी जगमीठी मूमल, हालै नीं अे आलीजै रै देस

सीसड़लो मूमल रो सरूप नारेळ ज्यूं
हांजी रे, केसड़ला माड़ेची रा वासग नाग ज्यूं
म्हारी जुग हाली रे मूमल, हालै नीं अे अमराणै रै देस

होठड़ला मूमल रा रेसमियै रै तार ज्यूं
हांजी रे, दांतड़ला अूजळदंती रा दाड़म बीज ज्यूं
म्हारी हरियाळी अे मूमल, हालै नीं अे अमराणै रै देस

पेटड़लो मूमल रो पींपळियै रै पान ज्यूं
हांजी रे, हिवड़लो मूमल रो सांचै ढाळियो
म्हारी नाजुकड़ी मूमल, हालै नीं अे रंगीलै रै देस

जांघड़ली मूमल री देवळियै रै थांभ ज्यूं
हांजी रे, साथळड़ी सपीठी पींडी पानळी
म्हारी माड़ेची मूमल, हालै नीं अे आलीजै रै देस

जायी रे मूमल इण लोद्रवाणै रै देस में
हांजी रे, माणी रे मूमल नै राणै महेंदरै
म्हारी जैसाणै री मूमल, हालै नीं अे अमराणै रै देस

बूझयो सजनां गायां रो गुवाळ
सींव वताओ रै भाईड़ो हाडै राव री
याही छै ओठी राजाजी री सींव
सालर थोड़ा जी ओठीजी सरवर बोघणा

बूझयो सजनां माळीड़ै रो पूत
बाग वतावो रै माळीका राजाजी रो कूणसो
यो ही छै ओठी राजाजी रो वाग
आमू तो पाक्या ओ ओठीजी नींबू रसभर्‌या

रुळडुळ सजनां देखै छै वाग
दांतण तोड्‌यो अे वाई सजनां काची केळ रो

सजनां बूझी पाणी की पणिहार
होद वतावो अे पणिहारी हाडै राव री
यो ही छै ओठी समंद-तलाव
डेरा तो ढाळ्या अे वाई सजनां समंद-तळाव पर

बूझयो सजनां चेजारै रो पूत
महल वताओ रै भाईड़ो हाडै राव रो
यो ही छै ओठी राजाजी रो महल
केळ भवरकै ओ ओठीजी राजाजी रै बारणै

वैठ्‌या राजाजी तखत विछाय
कागद राळ्यो अे वाई सजनां राजाजी री गोद में

भाभी अे म्हे बूझां थानैं वात
नैण नारी रा अे आ वोली बोलै मरदां री
अेक वर देवर न्हावण नैं ले जाय
वेगो तो पड़सी ओ देवरिया नारी-मरदां रो
नारी होवै तो रगड़-मसळ धोवै पांव
मरद मूंछवाळो जी ओ भट में न्हाय'र आवै

आया राजाजी बागां कै जी मांय
कोई बारठ राणी जीन कसाइया जी म्हारा राज
रळकी बारठ राणी ढळती सी रात
कोई दिन तो उगायो बाबांजी रै देस में जी म्हारा राज

बांवं घोड़ै बारठ राणी असवार
कोई दहणो तो दियो राजा गैन नैं जी म्हारा राज

भावज म्हारी बाहर आव
कोई ढकिया तो फळसा भावज खोलद्यां जी म्हारा राज
हंस कर बाई थांनैं बोल्या जी बोल
कोई ल्याय दिखायो राजा गैन नैं जी म्हारा राज

बोल ज भावज मोदूड़ां नैं बोल
कोई मरद मूंछ्याळा बोली ना सहै जी म्हारा राज
थे छो बाईजी चतर सुजान
कोई जाय तो जाज्यो राजा गैन नैं जी म्हारा राज
लगा दिया भावज बाजी कै जी मांय
कोई म्हे लग्यो छो गळ को हारलो जी म्हारा राज

धन बारठ राणी थारी जी माय
कोई जां कै तो आदर थे लोटिया जी म्हारा राज
कोई म्हारो बोल्यां में थारो घर कर्‌यो जी म्हारा राज

भाभी ओ म्हे बूझां थानैं बात
नैण नारी रा ओ आ बोली बोलै मरदां री

ओक बर देवर सोनी रै ले जाय
बेरो तो पड़सी ओ देवरिया नारी-मरदां री
नारी हो तो गहणां में मन जाय
मरद मूंछ्याळो जी ओ गोप घड़ाय घर बावड़ै
राजाजी री गहणां में मन जाय
रायमल री सजनां जी आ गोप घड़ाय घर बावड़

भाभी ओ म्हे बूझां थानैं बात
नैण नारी रा ओ आ बोली बोलै मरदां री

ओक बर देवर महलां में ले जाय
बेरो तो पड़सी ओ देवरिया नारी-मरदां री
नारी हो तो बातड़ल्यां जित जाय
मरद मूंछ्याळो जी ओ ले पसवाड़ो सोय रैवै
राजाजी री बातड़ल्यां जित जाय
रायमल री सजनां जी आ ले पसवाड़ो सोय रैयी

यो ल्यो राजाजी थारो जी देस
या ल्यो जी राजाजी थारी चाकरी
चढगी सजनां घोड़ै असवार
चुड़लो दिखायो ओ सजनांदे हस्तीदांत रो

ओकबर सजनां पाछी ओ आव
मन रा जी धोखा ओ सजनांदे मन में रह गया

उलंघी सजनां समंद-नाळाव
दिन तो उगायो ए बाई सजनां बाबोजी रै देस में
उठो बाबोजी हुकिया फळसा खोल
बायर आगी ओ बाबोजी सजनां लाडली

काछवो

९९

चांदा, थारी निरमळ रात
सइयां म्हारी हो, चांदा, थारी निरमळ रात
नणदल नै भोजाई सैलां सांचरी, सांचरी, जी म्हारा राज

फिर-फिर निरख्यो है बाग
सइयां म्हारी हो, फिर-फिर निरख्यो है बाग
दांतण तो तोड़्यो है काची केळ रो, काची केळ रो, जी म्हारा राज

घस-घस धोया है पांव
सइयां म्हारी ओ, घस घस धोया है पांव
रगड़-रगड़ धोई एडियां, एडियां जी, म्हारा राज

देखो, भावज, काईं जिनावर जाय
भावज म्हारी ए, देखो भावज, काईं जिनावर जाय
मोरां पर मंडिया है जिण रै मांडणा, मांडणा, जी म्हारा राज

ओ है, बाईजी, थारोड़ो भरतार
सइयां म्हारी ओ, ओ है, बाईजी, थारोड़ो भरतार
जळ रो जिनावर राणो काछवो, काछवो, जी म्हारा राज

समदरां रा सूख्या नीर
सइयां म्हारी ओ, समदरां रा सूख्या नीर
काछवियो कूद कूवै पड़ै, कूवै पड़ै, जी म्हारा राज

काछवियै री जात कुजात
बाईजी, म्हारा ओ, काछवियै री जात कुजात
काछवियो जूंवां ज्यूं हुलरावै, हुलरावै, जी म्हारा राज

काछवियै रो मोटो पेट
अे सुन्दर, काछवियै रो मोटो पेट
माटी नैं भखै राणो काछवो, काछवो, जी म्हारा राज

दासी ए तूं चढ चोबारै देख
बाहर ऊभ्या समरथ पावणा जी राज

पना ए भंवरजी घुड़ला पाछा मोड़
आंगण फूटै म्हारो कांच को जी राज
दासी ए तूं इतणी गर बन बोल
ओर ढुळादयां जाझा हींगळू जी राज

दासी ए तूं तातो पाणी मेल
उबट नुहावां प्यारा पावणा जी राज
दासी ए तूं जिनवां रो भात पसाय
घणा ए भुख्याळा प्यारा पावणा जी राज

दासी ए तूं चोपड़-पासा ढाळ
घणा ए खिलारी प्यारा पावणा जी राज
दासी ए तूं फुलड़ां री सेज बिछाय
घणा ए निंदाळू प्यारा पावणा जी राज

दासी ए तूं महलां दिवलो जोय
घणो ए रसीलो गोरी को सायबो जी राज
दिवलै में बाईजी ना बाती ना तेल
रैन अंधेरी मोदी सो गया जी राज

दासी थारी म्हारै सागै सेज
चड़ला भरादयूं चंपेली रै तेल रा जी राज

दासी म्हारी [illegible]
कांई ठिकाणो थारै जीव को जी राज
सिखरी ए तूं इतणी गरब न बोल
दासी मंगादयूं पूरी ड्योढ़ी जी राज

पना ए भंवरजी अब थानै जान बताय
जान बताय'र ढोलो घर गयो जी राज

परणीजो, हो बाईजी, म्हारोड़ो वीर
बाईजी, म्हारा ओ, परणीजो म्हारोड़ो वीर
कोटै नै बूंदी रो राणो राजवी कहीजै, कहीजै, जी म्हारा राज

आया बिड़ला पाछा अे फेर
माता, म्हारी अे, आया बिड़ला पाछा अे फेर
परत न परणूं राणो काछवो, काछवो, जी म्हारा राज

कुण तनैं बोल्या ए बोल
बाई, म्हारी ए, कुण तनैं बोल्या अे बोल
कुण तनैं चुड़लाळी मोसो बोलियो, मोसो बोलियो, जी म्हारा राज

भावज म्हानैं बोल्या है बोल
माता, म्हारी ए, भावज म्हानैं बोल्या है बोल
उण म्हानैं चुड़लाळी मोसो बोलियो, मोसो बोलियो, जी म्हारा राज

किठड़ें रै घुर्‌या रै निसाण
सइयां, म्हारी अे, किठड़ें रै घुर्‌या रै निसाण
परण पधार्‌यो रै राणो काछवो, काछवो, रै म्हारा राज

आई-आई काछवियै री जान
सइयां, म्हारी ओ, आई-आई काछवियै री जान
केसर नै किसतूरी रा डब्बा खोलिया, खोलिया, जी म्हारा राज

अूंची चढ नै जोय
दासी, म्हारी ए, अूंची चढ़ नै जोय
केसर नै किसतूरी रा डब्बा कुण खोलिया, कुण खोलिया, जी म्हारा राज

आई हो बाईसा, काछवियै री जान
बाईजी म्हारा ओ, आई हो बाईसा, काछवियै री जान
केसर रो रूखाई जामो नीर में, जामो नीर मे, जी म्हारा राज

नागजी

११७

नागजी, घड़ी दोय घुड़ला थाम रे
वैरी, घूंघट री छैंयां करू', ओ नागजी
नागजी, तावड़ियो पापी पड़ै, हां रे
वैरी, घायल करदी तावड़ै, ओ नागजी

नागजी, मन लोभी, मन लालची रे
वैरी, मन चंचळ, मन चोर, ओ नागजी
नागजी, मन रै मतैयन चालियै रे
वैरी, पलक-पलक मन ओर, ओ नागजी

नागजी, तड़क-तड़क मत तोड़ रे
वैरी, कतवारी रै तार ज्यूं, ओ नागजी
नागजी, ज्यूं टूटै त्यूं जोड़ रे
वैरी, प्रीत पुराणी ना पड़ै, ओ नागजी

नागजी, नागर वेलड़ी रे
वैरी, पसरै पण फूलै नहीं, ओ नागजी
नागजी, बाळकपण री प्रीत रे
वैरी, बिछड़ै पण छूटै नहीं, ओ नागजी

नागजी, सूत्यो न्यूंटी ताण रे
वैरी, बतळायां बोल्यो नहीं, ओ नागजी
नागजी, मालपुवे रो टूक रे
वैरी, जीम्यां अड़ियो न नाळवै, ओ नागजी

नागजी, नायो खजाने रो माल रे
वैरी, लूणहरामी हो गयो, ओ नागजी
नागजी, अेक बर घुड़लो मोड़ रे
वैरी, मनड़े री बातां मैं कहूं, रे नागजी

हालो री सइयां, जोवण जाय
सइयां, म्हारी ओ, हालो री सइयां, जोवण जाय
अलबेलो आयो सुणीजै रै देस में, देस में, जी म्हारा राज

ढाढीड़ा, तूं छै धरम रो बीर
बीरा म्हारो ओ, ढाढीड़ा, तूं छै धरम रो बीर
कोई म्हानैं ओळखाय झिलती जोड़ी रो, जोड़ी रो, रै म्हारा राज

बीजोड़ा घोड़ै असवार
ओ बाईसा, बीजोड़ा घोड़ै असवार
हसत्यां रै होदै राणो काछवो, राणो काछवो, जी म्हारा राज

ओरां रै मुरकी कान
ओ बाईसा, ओरां रै मुरकी कान
अूजळा तो मोती राणो काछवो, राणो काछवो, जी म्हारा राज

ओरां रै बांधण पाग
ओ सुन्दर, ओरां रै बांधण पाग
काछवियै रै बांको सेवरो, सेवरो, जी म्हारा राज

मरज्यो अे भावज, थारोड़ो बीर
राणा काछवाजी रै, मरज्यो अे भावज, थारोड़ो बीर
जोड़ी रो बर टाळ्यो राणो काछवो, राणो काछवो, जी म्हारा राज

म्हारो अे नांव हमीर
ओ सुंदर, म्हारो अे नांव हमीर
भूवाजी हुलरायो राणो काछवो, काछवो, जी म्हारा राज

काछविया, सामीं जोय रै
राणा काछवा जी रै, काछविया, सामीं जोय रै
कुंवारी काठ बळै, काठ बळै, जी म्हारा राज

पनलो परदेसी

११८

चांद्या, थारी चकमक रात, पना मारू राज
पनलै परदेसी को लसकर नीसर्‌यो जी म्हारा राज

वसो ये तो वासो जी द्यां, ए पना मारू राज
आज वसो ना ओ दिलसुख महल में जी म्हारा राज
वसां ए ना, वासो जी ल्यां, म्हारी मिरगानैणी राज
पर घर वासो ए सुन्दर, ना लेवां जी म्हारा राज

वा धण देवो ए वताय, पना मारू राज
जांकै उमावै जी छोड़ी घर की गोरड़ी जो म्हारा राज

कुण थानैं दीनी छै सीख, पना मारू राज
कुण्यां कै भरमायै ओ चाल्या चाकरी जी म्हारा राज
वा धण दई है सीख, मिरगानैणी राज
थारी ए लीलाड़ी ए प्यारी की पगथळी जी म्हारा राज

सूरज जिसो ए ऊजास, मिरगानैणी राज
चांद सरीसी ए वा धण निरमळी जी म्हारा राज
दूधां जिसो ए ऊफाण, मिरगानैणी राज
दही ए सरीसी वा धण कठकठी जी म्हारा राज

मिसरी जिसो ए मीठास, मिरगानैणी राज
लूंग सरीसी ए वा धण चरचरी जी म्हारा राज

सीस वण्यो है नारेळ, मिरगानैणी राज
चोटी तो कहिए वा नग नाग की सी म्हारा राज
नेण नींबू की जी फांक, मिरगानैणी राज
भंवारा ए बीजळी सीवै जी म्हारा राज

नाक सुवै की जी चांच, मिरगानैणी राज
अधरां लाली ए, [illegible] जी म्हारा राज

गांव-धणी को सायबा हुकम करावो जी
सायबा, दोय बीघा धरती दिरावो, म्हारा राजिन भांग प्यावो जी

सोनै-रूपै का दोय हळिया मंगावो जी
सायबा, अलबेल्यां री भांगड़लो बुहावो, म्हारा राजिन भांग प्यावो जी

दूध-दहियां की दोय मसक ढुळावो जी
सायबा, छिनगारां री भांगड़ली सिचावो, म्हारा०

सोनै-रूपै का दोय कसिया मंगावो जी
सायबा, अलबेल्यां री भांगड़ली निनाणो, म्हारा०

हर्‌यै ए बांस का दोय छबल्या मंगावो जी
सायबा, मिरगानैण्यां री भांगड़ली चुंटावो, म्हारा०

सुरही बैल की दोय गाड़ी जुड़ावो जी
सायबा, मिरगानैण्यां री भांगड़लो ढुवावो, म्हारा०

गिरजापुर की सायबा मिरच मंगावो जी
सायबा, बीकाणै री मिसरी, म्हारा०

अगर-चनण को सायबा चोटो मंगावो जी
सायबा, मकराणै री कूंडी, म्हारा०

आप सरीसा दोय सैन बुलावो जी
सायबा, नगराळां री भांगड़ली घुटाओ, म्हारा०

ल्होड़ी-बड़ी का दोय दारू मंगावो जी
सायबा, नगराळां री भांगड़ली छणावो म्हारा०

कूंजां

११६

सूती छी सुख नींद में जी, सुपनो भयो ए जजाळ
भंवर सुपनै वतळाई जी
तन्नैं सुपना मैं मारस्यूं रै, तेरी तो कतल कराय
सुपना रै वैरी भूठो क्यूं आयो रै
क्यांनैं गोरी म्हानैं मारस्यो ए, क्यूं म्हारी कतल कराय
म्हे छां सुपना ढलती रात रा ए, बिछड़्यां नैं द्यां ए मिलाय
गोरी थारो भंवर मिलायो ए

आज संवारी ऊठिया जी, गई-गई मायड़ के पास
सुण मायड़ थानैं वात कहां ए, कहतां आवै म्हानैं लाज
व्याही छां कै कंवारियां ए, जैं को अरथ बताय
मायड़ म्हानैं साची बताओ ए
परणी छी पीळे पोतड़ां ए, थाळी में रे बैठाय
नळ राजा को डीकरो ए, परण पूरब उठ ज्याय
बाई थानैं साच सुणावां ए

आज संवारी ऊठिया जी, गई-गई कूंजां के पास
तूं छै कूंजां भायली ए, तूं छै धरम की ए भैण
पतरी लिखद्यूं प्रेम की ए, दीज्यो पियाजी नैं जाय
कूंजां ए म्हारो भंवर मिलाद्यो ए
माणस होय तो मुख कैवां जी, म्हांनैं बोल्यो न जाय
बाई म्हे तो किस बिध कहस्यां ए
लिखो म्हारो जोबन नाचड़ी ए, और रतनाळी ए पांख
बाई थारो पीव मिलाद्यां ए

सोनै-रूपै का दोय प्याला मंगावो जी
सायबा, भर-भर प्याला प्यावो, म्हारा०

एक पियालो बिनायक बाबै नैं प्यावो जी
एक पियालो महादेवजी नैं प्यावो जी
एक पियालो बिरमादतजी नैं प्यावो जी
एक पियालो सिरीरामजी नैं प्यावो जी
जांकी मांझल रात जगाई, म्हारा०

एक पियालो बनड़ै कै बाप नैं प्यावो जी
एक पियालो बनड़ै कै ताऊ-चाचां नैं प्यावो जी
एक पियालो बनड़ै कै नानां-मामां नैं प्यावो जी
एक पियालो बनड़ै कै फूंफां-जीजां नैं प्यावो जी
दसरथजी रा कंवर रसीला, म्हारा०
बाई सहोदरा रा बीर रंगीला, म्हारा०

अळियो भी नाच्यो सायबा पळियो भी नाच्यो जी
सायबा, नाच्यो है गोत कड़ूबो, म्हारा०

सुरही गाय की थोड़ी छाछ मंगावो जी
सायबा, भांगड़ली रै उतारो, म्हारा०

इब तूं झुकज्या इब तूं लुळज्या
झिरोखै झाला दे रही अे भांगड़ली
भंवर को रस ले रही अे भांगड़ली

मिरजापुर=उत्तर प्रदेस रो नामी सहर
बीकाणो=बीकानेर (राजस्थान)
मकराणो=संगमर मरभाटै री खानां रो कस्बो (नागोर-राजस्थान)

आज अपूठा सोय रया जी, नख सैं कुचरो जी भींत
के चित आयो देसड़ो जी, के चित आया माई-बाप
भंवर दिलगीरी क्यूं ल्याया जी
एक चित आई म्हारी गोरड़ी ए, वा धण घणी ए उदास
मारुणी म्हानैं गोरी चित आई ए

आज संवारी ढोलो ऊठियो जी, गयो-गयो करवां री झोक
कैं गळ घालूं घूघरा रैं, कैं गळ रेसमी जी डोर
करवा म्हारी गोरी सैं मिलाद्यो रैं
म्हां गळ घालो घूघरा जी, म्हां गळ रेसम जी डोर
भंवर थानैं गोरी सैं मिलाद्यां जी

आज संवारी गोरी ऊठिया जी, गई-गई करवां री झोक
तूं करवा म्हारै बाप को रै, लंगड़ो होय कर बैठ
करवा रै तूं तो सागै ना जाये रैं
खोड़ो होवूं तो डामदे ए, बच्यो मरूं ए जो भूल
जास्यां ढोलैजी कै सासरै ए, चरस्यां म्हे नागरबेल
गोरी म्हे तो सागै जास्यां ए

सीक-सळाई तन्नैं डामस्यूं रे, लापसियां मिठ्ठाव
पाणी तो प्यावूं ठंडै होद को रे, नीरूं मैं नागरबेल
करवा रै तूं तो सागै ना जाये रे
तूं छै ए गोरी बावळी ए, तूं छै ए अणजाण गंवार
औरां रो ढोलो चुनाव कै ए, मांगी लियो ए दिन च्यार
गोरी ए म्हे तो सागै जास्यां ए
छिड़क पड़ैगी तेरी पांतळी रे, फाट पड़ैलो तेरो पेट
कड़-चट करस्या पीठ ना रे, सिर कुतरैला तेरो काग
करवा रे थेंनी सागै ना जाये रे

यो वड़ घेर-घुमेर, डाळा तो पना माह झुक रया
क्यां रै वंधावां वड़ री पाळ, क्यां रै सिंचावां हरियै रूंख नैं
घी-गुड़ बांधां वड़ री जो पाळ, दूधां सिंचावां हरियै रूंख नैं

चंदणियै रो रूंख मुळाय, मोळ गढावो रंग रो ढोलियो
पायां-पायां रतन जड़ाय ए, ईस कुळावां जाभा हींगळू
चमची रै वेभ वणाय ए, दावण दयावो मखतूल री
सूवाबरणी सोड़ भराय ए, गाल मसूरी गादी गींदवा
ढोलणी नैं चौबारै चढाय, ढोलो-मारूणी दोनूं पोढस्यां

सूती सैयो दुपटो जो ताण, रतन रैबारी हेलो मारियो
सोवा कै जागो गोरी रा स्याम, बावर हेलो भंवर थांनैं मारियो
वो है गोरी रैबारी रो पूत, घुड़ला लदावण हेलो मारियो
रैबारी का छोज्या मेरा वीर, रैन घणेरी घुड़ला ना लदै
गैली धण असल गंवार, लदिया तो घुड़ला पाछा ना ढळै

सूती सैयो निस भर नींद, जद र जागी तो सूनी एकली
सूती सैयो दोय कड़ जोड़, जद रै जागी तो सूती अेकली
नहीं म्हारे हिवड़ै पर हाथ, नाहीं सिराणै भंवरजी री बांहड़ी
नाहीं खूंटयां तरगस तीर, नाहीं विलंगण्यां भंवरजी रा कापड़ा

सूती सैयो फळनो जी हाळ, जद रै जागूं तो फळनो सून रयो
दासी ए तूं चढ चौबारै देख, कुण-कुण लादिया कुण पाछा बावड़्या
लदिया बाईजी थारोड़ा भरतार, रतन रैबारी पाछो बावड़्यो
रैबारी का छोज्यो थारे सीस, रैनविछोहा गजबी नैं कर्‌या
मन दूणी गोरी रैबारी नै गाळ, दमड़ां रो लोभी थारो सायबो

ढोलां ही ढोलां घर भर्‌या जी. करवां ही करवां गवाड़
इसड़ो तो कळ में को नहीं जी, म्हारी लाडो को लणिहार
कूंजां ए म्हानैं साची बताओ ए
ढोलां ही ढोलां घर भर्‌या जी, करवां ही करवां गवाड़
इसड़ा तो कळ में म्हे होया जी, थारी लाडो का आया लणिहार
कूंजां म्हानैं ल्याण मिलाया जी

पांच सुपारी धण रै हाथ, जोसी कै नैं बूझण राजीड़ां री धण गई
कहो ना जोसी थारै पतड़ै री बात, कद घर आसी गोरी रो सायबो
जितणा गोरी बड़-पीपळ का पान, जितणां दिनां में आवै थारो सायबो
बाळूं-जाळूं जोसी थारोड़ी जीभ, आक-धतूरां जोसी थारो मुख भरूं

पांच रुपैया धण रै हाथ. बाईजी नैं बूझण राजीड़ां री धण गई
कहो ना बाईजी थारै सुपनै री बात, कद घर आसी गोरी रो सायबो
आसी भावज ढळती सी रात, सूतेड़ी भावज नैं आय जगायसी
देस्यां बाई थानैं गजमोत्यां रो हार, गिरी ए चुंहारी थारो मुख भरां
रांधां बाईजी जिनवां रा भात, थारै बीरै की पांत बैठायस्यां
देस्यां बाई थानैं लोढियो बीरो साथ, भली ए जुगत सैं घर पूगायस्यां

ढोलां ही ढोलां घर भर्‌या जी. करवां ही करवां गवाड़
इसड़ो तो कळ में को नहीं जी, म्हारी लाडो को लणिहार
कूंजां ए म्हानैं साची बताओ ए
ढोलां ही ढोलां घर भर्‌या जी, करवां ही करवां गवाड़
इसड़ा तो कळ में म्हे होया जी, थारी लाडो का आया लणिहार
कूंजां म्हानैं ल्याण मिलाया जी

कै मण बाळ्या रै दिवला कोयला जी
हर कै मण गाळ्यो है लोह, घड़ल्या म्हारा अजब लुहारा दीवलो जी
हर नौ मण बाळ्या रै दिवला कोयला जी
हर दस मण गाळ्यो छै लोह, घड़ल्या म्हारा अजब लुहारा दीवलो जी

हर डांडी तो घड़ी है रै दिवला मेड़तै जी
हर झाबो तो जैसलमेर, घड़ल्या म्हारा अजब लुहारा दीवलो जी

हर कोठै सूं आया रै दिवला गाडिया जी
हर कोठै सूं आया लाल लुहार, घड़ल्या म्हारा०
हर बीकाणै सूं आया म्हारा दिवला गाडिया जी
हर जैपर सूं लाल लुहार, घड़ल्या म्हारा०

हर सोनो तो लाग्यो रै दिवला सोवणो जी
हर रूपो तो ऊजळदंत, घड़ल्या म्हारा०
हर मोती तो लाग्या रै दिवला बाटळा जी
हर लाल लगी लग च्यार, घड़ल्या म्हारा०
हर उडती तो लागी रै दिवला चिड़कली जी
हर बाद परबत का जी मोर, घड़ल्या म्हारा०
हर बाती तो बाली रै दिवला रेसमी जी
हर पूरयो नागलै रो तेल, घड़ल्या म्हारा०

हर घड़्यो ए घड़ायो रै दिवला निम नळो जी
हर धरयो ए नगरी रै मांय, घड़ल्या म्हारा०
हर सिर धर लाल लुहारी बीनणी जी
हर भर ढूंढाड़ै रै गांव, घड़ल्या म्हारा०

थारी तो चनणा जी'क राणीजी सोवणी जी
कोई पड़ गई वाण–कुबाण
दोसती लगाली जी'क रामूड़ै सुनार सूं वा जी

टगटग महलां जी'क राणीजी चढ गई जी
कोई गई–गई राजाजी कै पास
झटक दुसालो जी'क राव जगाइया जी

राणी तो राजाजी'क दोनूं भेळा हुया जी
कोई सुणो राजाजी मेरी बात
चनणा नैं भेजो जी'क चनणा कै सासरै जी

के म्हारी चनणा ए'क राणीजी अचपळी जी
कोई के थारो कर्‌यो ए उजाड़
किस बिध भेजां ए'क बाई नैं सासरै जी

ना थारी चनणा जी'क राजाजी अचपळी जी
कोई ना म्हारो कर्‌यो ए उजाड़
इत्ती में समझग्यो जी'क राजाजी बात नैं जी

ल्याओ ए राणी जी'क कोरा कागदा जी
कोई ल्याओ–ल्याओ कलम–दवात
चोरा लिख भेजां जी'क चनणा कै सासरै जी

एवड़–छेवड़ जी'क लिख दो ओलखी जी
कोई बिच–बिच सात सलाम
बेग पधारो जी [illegible] म्हारा पावणा जी

कोरा ना कागद जी'क राजाजी लिख दिया जी
कोई दे दिया ओडी रै हाथ
दिन ओढ़ीआल्यो जी'क चनणा कै सासरै जी

हर लोग महाजन बूझियो जी
हर तूं कित लाल लुहारी जाय, घड़ल्या म्हारा०
गोरै बनड़ो को कहियै रै दिवला दीवलो जी
हर घर कुण्यांचंदजी रै जाय, घडल्या म्हारा०
हर पूत–सपूती रै दिवला आगळी जी
म्हारी बहवड़ लियो ए उतार, घड़ल्या म्हारा०

हर बाती तो घाली रै दिवला पाट की जी
हर पूर्‌यो-पूर्‌यो रायचमेलो रो तेल, घड़ल्या म्हारा०
हर चास धरूंगी रै दिवला रसोवड़ै जी
हर जीमै-जीमै देवर-जेठ, घड़ल्या म्हारा०
हर जीमै भोळी बाईजी रो बीर, घड़ल्या म्हारा०

हर जोय धरूंगी रै दिवला, धमसाळ में जी
हर साळ पवासा जी लेय, घड़ल्या म्हारा०
हर जोय धरूंगी हो दिवला रंगमहल में जी
हर सूत्या-सूत्या लाल नणद रा बीर, घड़ल्या म्हारा०

जी रंगरसिया ढोला जागो क्यूं ना राज
जगावै थारी प्यारी धण रो दीवलो
अे मंगेजण अूणी क्यूं छो राज
बांकड़ली मूंछ्यां रो धण रो सायबो
अे जीजी बाई रै झिरोखां हजारी ढोलो झुक रयो जी

पहली तो मैड़ी रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर दांतण–झारी धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जी

हर दूजी तो पैड़ी रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर तातो सो पाणी धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जी

के थारै सासूजी जी'क बेटा उणमणी जी
कोई के बांकै चढ गई ताप
आज उणमणो रै'क बेटा मेरा क्यूं फिरै जी

ना म्हारी सासू ए'क अम्मा मेरी उणमणी जी
कोई ना बांकै चढ गई ताप
सासूजी बुलाया ए'क जास्यां सासरे जी

माएला तो लेल्यो जी कुंवर थारी जोड़ का जी
कोई सारीसा उमराव
घणी तो गुमर सूँ जी पधारो सासरै जी

बड़े तो घरां का जी'क बेटा मेरा डावड़ा जी
कोई राजाजी रा पूत
जात कुहावै जी'क छतरी आपणी जी

सगळी तयारी जी'क अम्मा मेरी हो चुकी जी
कोई अब म्हानैं देद्यो सीख
बेग पधारां जी'क समरथ सासरै जी

आधी सी ढळतां जी रिसालू राजा रळकिया जी
कोई चढिया छै मांझल रात
दिन तो उगायो जी'क चनणा कै देस में जी

आंगण सोना जी कुंवर का मनकिया जी
कोई थाळियां में ठमक्या नेल
भला ई पधार्‌या जी कुंवर प्यारा पावणा जी

चन्नण चोकी जी कुंवरजी बैठ्यो जी
कोई दूध पखाळ्यां पांव
घणी मिजमानी जी'क करस्यां आपकी जी

हर अगणो तो पैड़ो रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर भोजनियां रो थाळ ज धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जी
रंगरसिया ढोला जागो क्यूं ना राज
जगावै थारी प्यारी धण रो दीवलो जी

चोथी तो पैड़ी रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर गहणां रो डब्बो धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जो

पंचवीं तो पैड़ी रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर कपड़ां को बुगचो धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जो

हर छट्ठी तो पैड़ी रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर सोड़-पथरणा धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जो

हर सतवीं तो पैड़ी रै दिवला पग धर्‌यो जी
हर भवरत्न दिवलो धण रै हाथ
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जी

हर रपट महल री जी मांग
जागो म्हारा रंगरसिया जी महल में जी
हर कुंकड़ो तो मोर राव जगाव्यो जी
हर जागो-जागो लाल नणद का वीर
जगावै थारी प्यारी धण रो दीवलो जी
थारै जागणा में दिवलो मिग गई जी

हर मैं तन जाणो ए गोरी आपणो जी
हर म्हारै तो माथै मलजाद, मैं तन जाणो ए सुन्दर आपणो जी
हर कुल निरमल थारै मिल गई जी
हर थारा मन रूपो वणाय, कुल निरमल थारै मिल गई जी

एक बर मुख सैं रै'क रामूड़ा बोल ले जी
कोई ले म्हानैं हिवड़ै लगाय
रैनबिछोहा रै'क गजबी मत करै जी

बाळपणै में रै'क गजबी तैं मोही जी
कोई जोबन झोला खाय
भरी जवानी में रै'क धोखो मत देवो जी

करड़ी छाती रै'क रामूड़ा तूं भयो जी
कोई वज्जर छाती की तेरी माय
भलो तो पढ़ायो रै'क सोकण पूत नैं जी

झूठा भुलावा रै'क रामूड़ा तैं दिया जी
कोई धोखै में लो मनैं मोय
भली तो निभाई रै'क रामूड़ा दोसती जी

मालन-मालन रै'क रामूड़ा खा गयो जी
कोई अब रही खाली छाछ
लूणहरामी रै'क रामूड़ा नैं हुयो जी

एक बर फळसो रै'क गजबी खोलदे जी
कोई सुण म्हारै मनड़े री बात
अब का तो बिछड़्या रै'क रामूड़ा कद मिलां जी

इतणी तो सुणतां जी'क रामूड़ो अूठियो जी
कोई दोल्या नगाड़ निसाड़
आगळ खोली जी'क बीजळसार री जी

नैणां री रामूड़ो रै'क आंसूं भेळा हुया जी
कोई टपटप टपकै नीर
आंसूं नी पोंछे जी'क हूंसियो मोद स्यूं जी

हर म्हे धण देखी जळवा पूजती जी
हर बा धण हदक सरूप, थारै सैं दोय तिल आगळी जी
हर बा धण मनां ए बिसारद्यो जी
हर हम धण चित ए लगाय, म्हे भी तो जळवा ओ रावजी पूजस्यां जी

हर मांग्यो तो तांग्यो ओ भेड़ू धाबळो जी
हर मोल लियो खरवास, बा तो कुहावै रै मोडू जाटणी जी
हर म्हे भी तो जळवा ओ रावजी पूजस्यां जी

हर पहर पीळै को जी बेस, नोबत कै डंकै ओ जळवा पूजस्यां जी
ए मंगेजण अणो क्यूं छो राज, केसरियै तिलकां को गोरी को सायबो
ए जीजी बाई रै भिरोखां, हजारी ढोलो झुक रयो जी

मेड़तै=राजस्थान रै नागोर जिलै रो कस्बो–मेड़तो
जैसलमेर=भाटी राजपूत वंस री पुराणी राजधानी, राजस्थान रो एक जिलो
जैपरं=जयपुर, राजस्थान री राजधानी

हार गळै को रै'क जोगीड़ा जद देवां जी
कोई पूछां रामूड़ै सैं जाय
हार गळै को रै'क जोगीड़ा जद देवां जी

मोती तो मूंगा रै'क जोगी ना लेवै जी
कोई मांगै म्हारै गळ को हार
हार हमारो रै'क रामूड़ा ना देवां जी

हार गळै को ए'क प्यारी धण ये देवो जी
कोई जोगीड़ो देय असीस
खैर मनावै ए'क दोन्यां कै जीव को जी

हार हमारो रै'क रामूड़ा जद देवां जी
कोई दे म्हानैं ओर घड़ाय
राजाजी पूछै रै'क रामूड़ा के कहां जी

दिन में तो घड़स्यां ए'क प्यारीजी नोकरी जी
कोई रात्यूं घड़स्यां हार
हार ज पहरो ए'क रतन जड़ाव को जी

टगटग महलां जी'क चनणा अनुरी जी
कोई आई-आई जोगीड़े के पास
हार गळै को जी'क जोगी ये लेवो जी

हार ज बनग्यो ए'क चनणा नाव स्यूं जी
कोई ले म्हारै रामूड़े की सैर
खैर मनावो जी'क रामूड़े के जीव की जी

हार ज लेकर जी'क [illegible] [illegible] [illegible] जी
कोई [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] जी [illegible] [illegible] [illegible] जी

७०

राव रतनसिंघ रै जलमी है धीय
जोसी के नैं बूझण बाई को भूवा गई जी
कहो ना कहो ना ओ जोसी पतड़ै की बात
किसै ए नखतरां बाई जलमिया जी
जलमी-जलमी ए बाई वार-सुवार नांव कढावो बाई को जैतली जी

एक बरस की वा होई राजकंवार पालणियै तो झूलै बाई जैतली जी
दोय बरस की वा होई राजकंवार दूधो तो पीवै बाई जैतली जी
तीन बरस की वा होई राजकंवार आंगणियै में खेलै बाई जैतली जी
चार बरस की वा होई राजकंवार गुडियां तो खेलै बाई जैतली जी
पांच बरस की वा होई राजकंवार गळियां तो झांकै बाई जैतली जी
छै ए बरस की वा होई राजकंवार गळियां में डोलै बाई जैतली जी
सात बरस की वा होई राजकंवार महेल्यां में खेलै बाई जैतली जी

सुण-सुण ओ जामी सोय परणाव म्हारै जोड़ै को नाहिए सासरै जी
झूठी ए लाडो झूठ न बोल थारै जोड़ै को झूलै पालणै जी

फिरिया-फिरिया ए बाई देस-परदेस थारै जोड़ै रो कठै मैं को नहीं जी
थां नैं फिरिया ओ जामी देस-परदेस म्हारै जोड़ै को जगपत राजवी जी
जगपत ए बाई मोटो जी राव मोटा तो मांगै ए बाई दायजा जी
थे द्यो ओ जामी मोटा जी राव, मोटा तो दीज्यो बाई नै दायजा जी

आम्बा-नींबा ओ जामी बांस कटाय, तोरण थांब बणाइया जी
पानां-फूलां ओ जामी मंडप छवाय, हेमर चौर गिणाइया जी
तांबा-लीला ओ जामी कलस चिणाय, आमोदा गगन चिणाइया जी
पडिया-पुलिया ओ जामी चितर चुगाय, इन्दरबंगो खुदाइया जी

आवो न सहेल्यो ए'क म्हांसैं मिल लेवो जी
कोई कहो-सुणो मन की वात
तड़कै तो जास्यां ए'क समरथ सासरै जी

आधी सी ढळतां जी'क चनणा नीसरी जी
कोई रामूड़ो खाई छै पछाड़
खाय तिवाळो जी'क रामूड़ो गिर पड़्यो जी

मत कोई करियो रै'क साथी भायो दोसती जी
कोई मतना करियो प्रीत
प्रीत लगा कर जी'क धोखो दे चलो जी

प्रीत बुरी छै रै'क भायो परनार की जी
कोई ले गई काळजो काढ
प्रीत लगा कर जी'क धोखो दे गई जी

आधी सी ढळतां जी'क रिसालू राजा रूळकिया जी
कोई आया बिगम उजाड़
धण नैं ढूंकै जी रिसालू राजा बारता जी

ओर ज गहणां ए'क चनणा पहरिया जी
कोई कठै थारै गळ को हार
हार छिपाओ जी'क रांणी थारो नोसरो जी

[illegible] जी'क [illegible] जी
कोई [illegible]
[illegible] जी'क [illegible] जी

[illegible] ए'क [illegible] जी
कोई [illegible]
[illegible] ए'क [illegible] जी

पहलो तो फेरो बाई लियो राजकंवार, हस्ती तो दीज्यो बाई नैं मोकळा जी
दूजोड़ो फेरो बा लियो राजकंवार, सोनो तो चांदी बाई नैं मोकळा जी
अगणो तो फेरो बा लियो राजकंवार कपड़ा तो दीन्या बाई नैं मोकळा जी
चोथो तो फेरो बा लियो राजकंवार, कांसी तो पीतळ बाई नैं मोकळा जी
पंचवों तो फेरो बा लियो राजकंवार, अन-धन दीन्या बाई नैं मोकळा जी
छट्ठो तो फेरो बा लियो राजकंवार, दासी तो बांदी बाई नैं मोकळी जी
सतवों तो फेरो बा लियो राजकंवार, ओर कांईं मांगै बाई जैतली जी
हसती तो घुड़ला जामी घरां ही घणां, मेरो मन लाग्यो दासी मणहठी जी
आगै-पाछै बाई जैतलदे री जान, बीच-बिचाळै दासी मणहठी जी

जेठ बड़ै घर बेटी को व्याह, बाई ए जैतल कै कोको आइयो जी
काख में मुढलो या हाथ में सोड़, बाई ए जैतलदे चाली रातीजुगै जी
सुण-सुण ए दासी कहां थानैं बात, दिवलो मत जोई सूनै महल में जी
सुण-सुण ए दासी देवां थानैं सीख, पगल्या मत चांपी मोटै राव का जी
सुण-सुण ए दासी देवां थानैं सीख, गहणां मत पहरी रतन-जड़ाव का जी
सुण-सुण ए दासी देवां थानैं सीख, बिड़लो मत झेली पान पचास को जी

थारै ए जिठाणी या के जी रीत, कांगण-डोरो बांध्यां आई रातीजुगै जी
जेठ वडोड़ै कै सात बरस की धीय, काकी थारै सूनै महल दीवो जगै जी
के कोई रावजी को दूखै लाग्यो पेट, के कोई आया प्यारा पावणा जी
ना कोई रावजी को दूखै लाग्यो पेट ना कोई आया प्यारा पावणा जी
ताळा तो कूंची बाई जैतलदे रै हाथ, घर-बर रूंध्यो दासी मणहठी जी
लांघ्या-लांघ्या ए बाहळा अर बणराय, आय खड़ी छै बेटी राव को जी
सुण-सुण ए दासी दी छी थानैं सीख दिवलो क्यूं जोयो सूनै महल में जी
सुण-सुण ए दासी दी छी थानैं सीख पगल्या क्यूं चांप्या मोटै राव का जी
सुण-सुण ए दासी दी छी थानैं सीख गहणां क्यूं पहर्या रतन-जड़ाव का जी
सुण-सुण ए दासी दी छी थानैं सीख बिड़लो क्यूं झेल्यो मोटै राव को जी

कायथ कै बेटै नैं बेग बुलाय, कागदिया लिख भेजूं मेरै बाप नैं जी
ताळा तो कूंची बाई जैतलदे रै हाथ, घर-बर रूंध्यो दासी मणहठी जी

तोड़ै छी करेला ए'क चनणा वाग में जी
कोई डस गयो काळो नाग
खाय तिवाळो जी'क चनणा गिर पड़ी जी

प्रीत अखीरी जी'क चनणा कर गई जी
कोई कर गई जुग में नांव
रैनविछोहा जी'क चनणा ना रही जी

प्रीत निभाई जी'क दोन्यां सारखी जी
कोई पाळी पुरवली प्रीत
चनणा रामूड़ा जी विछोहो ना रयो जी

कैंवो ए तो वाई मारां थारो देस, कैंवो ए तो मारां जगपत राव नैं जी
देसड़लो तो मार्‌यां जामी जग हुन ज्याय
जगपत मार्‌यां वाई नैं दुहागड़ो जी
मारो मारो ओ जामी मणहटड़ो रो दान, मार गडावो गढ रै कांगरै जी

मारी है मणहठ कर्‌यो घमसाण, मार गड़ाई गढ रै कांगरै जी
जणज्यो-जणज्यो ए लुगायो जैनलदे सी धीय
सोक छुटाई नानी–माय की जी
गुड़ विना ए लुगायो किसी एक चोथ,
वाई ए जैनल विना किसो रानीजुगो जी

दांतण

१२३

रामजी, ऊगतड़ै परभात
माता जसोदा जी दांतण मांगियो
रामजी, मांग्यो है बेर दोय-च्यार
बहू अे हठीली जो सुणै ए न सांभळै

रामजी, बायर सैं आया नंदलाल
मात जसोदा जी उणमणी क्यूं हुयी
बेटा रे, थारै घर ओछे घर की धीय
कैयो ए न मानै जी बुडळी सास को

रामजी, चाल्या है नंदजी का लाल
दांतण ल्याया जी काची केळ को
माता ए, उठो ना दांतणियो जी मोळ
थारै दांतण की जी बेळा बब हुयी
बेटा रे, तूं कर, थारो रुकमण नैं कराग
म्हारै दांतण की जी बेळा टळ गई

माता ए, कहो ए तो भेजां बहू नैं बाप कै
माता ए, कहो ए तो देवां म्हे सिंगार
बेटा रे, क्यां नैं थे भेजो बहू नैं बाप कै
बेटा रे, क्यां नैं ए देवो थे सिंगार
मन सूं उतारो रे रुकमण नार नैं

रुकमण, उठो थे करो सिणगार
[illegible] उतारै जी थारे बाप कै
रामजी, रूठा छै, रूठ गया बीर
सावन आया जी [illegible] बीर [illegible]

टूंक टोडै की मैं सकळ बळाई, छज्जां बैठी नैं जग नवै जी
माथै नैं महमद पहर बळाई, पोळै सोनै राखड़ी जी
कानां नैं कुंडळ पहर बळाई, अपर झबरख झूंटणा जी
गळै नैं तिलड़ी पहर बळाई, तिलड़ी अपर टेवटो जी

बायां नैं बाजूबंद पहर बळाई, चुड़लो हसती दांत को जी
पगल्यां नैं पायल पहर बळाई, नान्है बाजै बीछिया जी
कड़िया नैं दावण पहर बळाई अपर बोरंग चूनड़ी जी
इतणो सो गहणो पहर बळाई, नंद महर की कुळबहू जी

ल्होड़ियै देवर को मैं व्याह रचायो, नणदल गूणो मोकळो जी
एक दमड़ी को मैं तेल मंगायो, सारी रैन दियो जग्यो जी
खलहळ खळहल मैं खाजा तार्‌या सोळा मण की लापसी जी
आई ए पाड्योमण हळहळ करती, वा म्हारो तेल उंदाइयो जी

खाळ गया बग नाळा जो वहग्या, सांभर को सींग अझळ्यो जी
बूढा माणस रया ए ढिगारै, तिरिया तो तिर बावड़्या जी

आंगण म्हारै लोटा जो तिरिया, पिछवाड़ै हसती तिर्‌या जी
भोळा सा राजिन लेखो भी मांगै, दमड़ी को तेल कठै गयो जी

इतणी बरकत करो ना बळाई, राजकंवर रै व्याह में जी
इतणी बरकत करो ना बळाई, बावाजी री कुमाई में जी
इतणी बरकत करो ना बळाई, माअजी रै हाथ सैं जी

जामनगर का जाम्भा ओ राजा, धण-पिव न्याव चुकाइयो जी
धण को खायो वाछड़ल्यां को चूंथ्यां, यै दो न्याव ना नीमड़ै जी

कागद लिख भेजां जंवाई परवानां लिख भेजां
थे तो आज्यो जी लाड-जंवाई ओ दिन दस पावणां जी
महनां न राखां जंवाई थानैं बरसां न राखां
म्हे तो राखां जी लाड जंवाई ओ दिन दस पावणां जी

बागां न उतरै जंवाई बगीचां न उतरै
वै तो उतरै जी सुसरांजी री रंग री कोटड़ी जी
लाडू न जीमै जंवाई म्हारो पेड़ा न जीमै
वै तो जीमै जी सासू मेड़तणी रै हाथ रा चावळा जी

लूंग न चावै जंवाई म्हारो डोडा न चावै
वै तो चावै जी साळी आपणी रै हाथ री फळनी जी
बानां न रीझै जंवाई म्हारो गीतां न रीझै
वै तो रीझै जी साळाहेल्यां रै जाभा झूमकै जी

महलां न पोढै जंवाई झिरोखां न पोढै
वै तो पोढै जी छोटै साळां री रंग री रावटी जी
साल न ओढै जंवाई दुसाला न ओढै
वै तो ओढै जी छोटै साळां रो प्रेम-पछेवड़ो जी

हाथी न भेळै जंवाई म्हारो सांढां न भेळै
वै तो भेळै जी बाई राजकंवार री नखरो आवणी जी

हरजी, परै ए वगावो सूंठ-अजवाण
वगड़ वखेरो जी करड़ा खोपरा

हरजी, वै दिन याद करो ए
रुकमण छोडी जी वन में एकली
रुकमण, वै दिन देवो ए विसार
म्हे मन राख्यो जी बुडळी माय को

रामजी, धोळां वळदां वहल जुपाय
रुकमण नैं सागै जी अपणै ले लई
माता अे, ऊठो थे, वाहर आव
पगां ए पड़ैगी जी थारी कुळवहू

वेटा रे थे चिरजीवो, नंदजी का लाल
पगां ए पड़ैगी जी आपकी माय कै
माता ए, अवड़ा सा बोल न बोल
पगां तो पड़ैगी जी बुडळी सास कै

हां रे बाला, इण सरवरियां री पाळ
जंवाई धोवै धोतिया जी म्हारा राज
हां रे बाला, न्हाय-धोय कर्या असनान
जंवाई जासी सासरै जी म्हारा राज

हां रे बाला, सांड्या भाई सांड पलाग
तड़कै तो जास्यां सासरै जी म्हारा राज
हां रे बाला, रळक्या है मांझल रात
दिन तो उगायो सुसराजी रै देस में जी म्हारा राज

हां रे बाला, पोळ्या भाई पोळ उघाड़
बायर ऊभ्या पावणा जी म्हारा राज
हां रे बाला, कुण्यांजी रा रावतिया रजपूत
कुण्यां रै आया पावणा जी म्हारा राज
हां रे बाला, ढेढांजी रा रावतिया रजपूत
सुसरां घर पावणा जी म्हारा राज

हां रे बाला, जाय म्हारै सुसरोजी नैं कहो ए
जंवाई आया पावणा जी म्हारा राज
हां रे बाला, आया है तो आबा द्योय
स्यामी सांड्या भेजस्यां जी म्हारा राज

हां रे बाला, जाय म्हारै साळा नैं कहो ए
भणेई आया पावणा जी म्हारा राज

हां रै बाला, आया है तो आबा द्योय
घणेरी खातर म्हे करां जी म्हारा राज

तुलसां
१२५

सात सई रळ पाणी नैं चाली
तो–सातूं अेक हुणियारैं ओ राम
भरण गई जळ–जमना रो पाणी
सातूं री सातूं यूं उठ बोली
तो–तुळसांजी ओड कंवारा ओ राम–भरण०

रोवत–ठिणकत घर नैं पधार्‌या
तो–बाबोजी कंठ लगाया ओ राम–भरण०
के बाई थानैं गायां–भैंस्यां मारी
तो–के ग्वाळा ललकारी ओ राम–भरण०
के बाई थानैं बीरोजी मारी
तो–के भाभ्यां दुतकारी ओ राम–भरण०
ना बाबोजी म्हानैं गायां–भैंस्यां मारी
तो–ना ग्वाळा ललकारी ओ राम–भरण०
ना बाबोजी म्हानैं बीरोजी मारी
तो–ना भाभ्यां दुतकारी ओ राम–भरण०
संग री सहेली यूं उठ बोली
तो–तुळसांजी ओड कंवारा ओ राम–भरण०

के बाई थानैं सूरज वर हेरां
तो–के चंदा वर हेरां ओ राम–भरण०
सूरज रै बाबोजी किरण घणेरी
चंदा बिन रैण अंधेरी ओ राम–भरण०

के बाई बिरमा वर हेरां
तो–के बिसनू वर हेरां ओ राम–भरण

हां रै वाला, जाय म्हारी सासू जी नैं कहो ए
जंवाई आया पावणा जी म्हारा राज
हां रै वाला, आया है तो आवा द्योय
जिनवां रो भात पसायस्यां जी म्हारा राज

हां रै वाला, साथीड़ां नैं वाग उतार
जंवाई च्यानण चोक में जी म्हारा राज
हां रै वाला, साथीड़ां नैं माचा दिराय
जंवाई हिंगळू ढोलियो जी म्हारा राज

हां रै वाला, साथीड़ां नैं दांतण दिराय
जंवाई दांतण केळ को जी म्हारा राज
हां रै वाला, साथीड़ां नैं लोटा दिराय
जंवाई झारी सोवणी जी म्हारा राज

हां रै वाला, साथीड़ां नैं भात परसाय
जंवाई घेवर छांटवां जी म्हारा राज
हां रै वाला, साथीड़ां नैं घिरत परसाय
जंवाई ऊजळो ए कपूर सो जी म्हारा राज

हां रै वाला, साथीड़ां नैं मांड दिराय
जंवाई लप भर पळसी जी म्हारा राज
हां रै वाला, साथीड़ां नैं नळू ए कराय
जंवाई फिर-फिर घूमस्या जी म्हारा राज

हां रै वाला, साथीड़ां नैं मोड़ भराय
जंवाई बिड़लो पान रो जी म्हारा राज
हां रै वाला, साथीड़ां नैं सेज बिछाय
जंवाई दिन दस रामस्या जी म्हारा राज

हां रै वाला, साथीड़ां नैं दागी दिराय
जंवाई थारै सौगणी जी म्हारा राज

सावण में अे भैण्यो साग न खायो
तो-भादू दूव अर दहियां ओ राम-भरण०

आस्योजां अे भैण्यो खीर न खाई
तो-कातिक घिरत नँ चाख्यो ओ राम-भरण०
मंगसिर में अे भैण्यो मांग न भरिया
तो-पोह उभाणा डोल्या ओ राम-भरण०

माहां में अे भैण्यो मांझळ न्हाया
तो-आंगण कूई खुदाई ओ राम-भरण०
फागण में अे भैण्यो फाग ज खेल्या
तो-आप किसन हर रै सागै ओ राम-भरण०

चैत में अे भैण्यो गोरल पूजी
तो-मोळा दिन निरणी जुंहारी ओ राम-भरण०
वैसाखां अे भैण्यो लूण न खायो
तो-साग अलूणो खायो ओ राम-भरण०

जेठ में अे भैण्यो जेठूड़ा पलाया
तो-बिन मांग्या जळ प्याया ओ राम-भरण०
साढ़ां में अे भैण्यो सेज न पोढ़्या
तो-ना पंगो उळटायो ओ राम-भरण०

फिर-फिर के अे भैण्यो सावण आयो
तो-बारामास्यो होय बैठायो ओ राम-भरण०

कुळ में नैवे नरनारी अे सारी
तो-सीस नवां नरनारी ओ राम-भरण०
इसना ओ करै जग-जग जीयो
तो कर रै ठाकुर नै प्यारा ओ राम-भरण०

हां रे बाला, साथीड़ां नैं चांद उजास
जंवाई महल दिवो जगै जी म्हारा राज

हां रे बाला, मांड्यो चोपड़ली रो ख़्याल
जंवांई-बाई खेलियो जी म्हारा राज
हां रे बाला, बूझै बाईजी री माय
कुण हार्‌यो कुण जीतियो जी म्हारा राज
हां रे बाला, हार्‌यो ढेढांजी रो पूत
म्हारी बाई जीतियो जी म्हारा राज

हां रे बाला, आई जंवाई नैं रीस
बाई पै बायो कांकरो जी म्हारा राज
हां रे बाला, ऊठ्यो बाईजी नैं रोस
महलां सैं हेठै ऊतर्‌या जी म्हारा राज

हां ए गोरी एक बर पाछी आव
नोकर थारै बाप का जी म्हारा राज
हां ए गोरी नोकर रैयो ए न जाय
ठाकर थारै जीव का जी म्हारा राज
जंवाई थारै बाप का जी म्हारा राज

हां ए गोरी चावळिया दिन च्यार
सदां ईं मोठ'र बाजरो जी म्हारा राज
हां ए गोरी पोमचड़ा दिन च्यार
सदां ईं बोरंग चूनड़ी जी म्हारा राज

हां ए गोरी पालरियो दिन च्यार
सदां ईं पाणी बाकळो जी म्हारा राज
हां ए गोरी भाई ए भतीजा दिन च्यार
निरभावै सुगणो सायबो जी म्हारा राज

हां ए गोरी पीवरियो दिन च्यार
सदां ई सुरंगो सासरो जी म्हारा राज
हां ए गोरी बाळपणै री परीत
बुढापो निरभायद्यो जी म्हारा राज

— —

मुरला लाल, थे छो जंवाई म्हारै माथै परली मैंमद ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
थे छो जंवाई, म्हारै कानां परला कुंडळ, मुरला लाल

मुरला लाल, या मैंमद म्हारी राजकंवर कै सोवै ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
अै कुंडळ म्हारी सदा ए कंवर कै सोवै, मुरला लाल

मुरला लाल, थे छो जंवाई म्हारै हिवड़ै परलो हार ज ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
थे छो जंवाई म्हारै बैयां परलो बाजूबंध, मुरला लाल

मुरला लाल, यो हार ज म्हारी पीवरपूरी रै सोवै ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल, कंवर बाई रा ओ स्याम
यो बाजूबंध म्हारी बड़गोतण रै सोवै, मुरला लाल

मुरला लाल, थे छो जंवाई म्हारै कड़ियां परलो दावण ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
थे छो जंवाई म्हारै माथै परली चूनड़, मुरला लाल

मुरला लाल, यो दावण म्हारी राजकंवर रै सोवै ओ
मेड़तिया ओ लाल, कमधजिया ओ लाल
या चूनड़ म्हारी सदासिणगारी रै सोवै, मुरला लाल

लोटरण करवो

७४

कोठै बुहाअूं डोडा-अेळची ओ करवा कोठै जी
ओ जी ओ करवा कोठै जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै मजल-मजल घर आव

क्यार्‌यां बुहावां डोडा-अेळची ओ करवा धोरां जी
ओ जी ओ करवा धोरां जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, गुमरोजी डयोढै घर आव

वयां रै निवावां डोडा-अेळची ओ करवा वयां सैं जी
ओ जी ओ करवा वयां मैं जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, भानूजी डयोढै घर आव

दूधां निवावां डोडा-अेळची ओ करवा दहियां जी
ओ जी ओ करवा दहियां जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, मामा डयोढै घर आव

घ्यां मैं निवावां डोडा-अेळची ओ करवा घ्यां मैं जी
ओ जी ओ करवा घ्यां मैं जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, मामूसा डयोढै घर आव

कसियां निनाणां डोडा-अेळची ओ करवा खुरपां जी
ओ जी ओ करवा खुरपां जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, सासूजी उडीकै घर आव

क्यां रै चुंटावां डोडा-अेळची ओ करवा क्यां सैं जी
ओ जी ओ करवा क्यां सैं जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, कागलिया उड़ावूं घर आव

छवड़्यां चुंटावां डोडा-अेळची ओ करवा नख सैं जी
ओ जी ओ करवा नख सैं जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, झीणी रो झिकोळ्यो घर आव

क्यां रै मंगावूं डोडा-अेळची ओ करवा क्यां पै जी
ओ जी ओ करवा क्यां पै जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, मारुणी उड़ीकै घर आव

गाडां मंगावूं डोडा-अेळची ओ करवा अूंटां जी
ओ जी ओ करवा अूंटां जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, तारां री छायां घर आव

लोटण करवो

कोठै सुकावूं डोडा-अेळची ओ करवा कोठै जी
ओ जी ओ करवा कोठै जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, आंबड़ली फळकै घर आव

आंगण सुकावूं डोडा-अेळची ओ करवा छातां जी
ओ जी ओ करवा छातां जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, माळणी उडीकै घर आव

कुण चावैगो डोडा-अेळची ओ करवा कुण तो जी
ओ जी ओ करवा कुण तो जी
म्हारै लाड जंवाई री भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै चतर जंवाई रा करवा रै, बाटड़ली जुहारै घर आव

बाई चावैगी डोडा-अेळची ओ करवा जंवाई जी
ओ जी ओ करवा जंवाई जी
पीवैगा भूरी भांगड़ी ओ झुक आज्यो जी
ओ जी ओ लुळ आज्यो जी
म्हारै लाड जंवाई रा करवा रै, अमलां री छाको घर आव

•

जंवाई को करवो

७५

काळै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
काळा म्हारी राजकंवर रा केस सुरग्यानी जंवाई जी
काळै केसां में जी आटी खुभ रही
काळां रो अरथ वताई ओ नाचण का जाया
अरथ वताय'र ढोल्यै पग धरो

तीखै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
तीखा थारी मिरगानैणी रा नैण सुरग्यानी जंवाई जी
तीखै नैणां में जी सुरमो घुळ रह्यो
तीखां रो अरथ वताई ओ हरमल का जाया
अरथ वताय'र ढोल्यै पग धरो

धोळै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
धोळा थारी ऊजळदंती रा दांत सुरग्यानी जंवाई जी
धोळै दांतां में मिस्सी रम रही
धोळां रो अरथ वताई ओ उदळी रा जाया
अरथ वताय'र ढोल्यै पग धरो

पतळै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
पतळा थारी भायां-प्यारी रा होठ सुरग्यानी जंवाई जी
पतळै होठां में जी विड़लो रच रयो
पतळां रो अरथ वताई ओ नाचण का जाया
अरथ वताय'र ढोल्यै पग धरो

पीळै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
पीळो थारी चंदावदनी रो गात सुरग्यानी जंवाई जी
पीळै गात में जी चोली जच रयी
पीळै रो अरथ बताई ओ हरमल का जाया
अरथ बताय'र ढोल्यै पग धरो

रातै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
राता थारी माळणी रा हाथ गुरग्यानी जंवाई जी
रातै हाथां में जी मैंहदी रच रयी
रातां रो अरथ बताई ओ अूदळी का जाया
अरथ बताय'र ढोल्यै पग धरो

हरियै सै करवै जंवाई जी जिन चढ्या
हरियो थारी पीवरपुरो रो पीर गुरग्यानी जंवाई जी
हरियै पीवर में जी पणहर फून रयी
साळै-बहणेयां री जोड़ी हद बणी
हरियै रो अरथ बताई ओ नानण का जाया
अरथ बताय'र ढोल्यै पग धरो

वागां री खिड़की कुण खोली गोरी
ओ जी ओ भंवर म्हारा आया नणदोई
आया नणदोई म्हे वाग दिखाया
ओ जी ओ भंवर म्हे तो थारैं सैं डरै था
ओ जी ओ चतर म्हे तो थारै सैं डरै था
थारै सैं डरै था थारी माय सैं डरै था
थोड़ा–थोड़ा जी भोळी वाई सैं डरै था
समझ वोलो जी भोळी वाईजी रा वीर
मुळक वोलो जी !

महलां री खिड़की कुण खोली गोरी
ओ जी ओ भंवर म्हारा आया नणदोई
नणदोई आया म्हे महल दिखाया
नणदोई आया म्हे सेज विछाई
ओ जी ओ भंवर म्हे तो थारै सैं डरै था
ओ जी ओ चतर म्हे तो थारै सैं डरै था
थारै सैं डरै था थारी माय सैं डरै था
थोड़ा–थोड़ा जी भोळी वाई सैं डरै था
मुळक वोलो जी भोळी वाईजी रा वीर
थे हंस वोलो जी !

[वाग अर महल रै वीच में होद अर रसोई रो नांव लेकर भी पूरा वोल दुसराया जावै]

म्हांनैं मैंमद घड़ाद्यो जी, रखड़ी घड़ाद्यो सवा लाख की
म्हांनैं भूटणा घड़ाद्यो जी, झूमर घड़ाद्यो सवा लाख का
उड़ ज्याई रै मोर्‌या, आसी नणदोई प्यारा पावणा
घरे आवो म्हारा बाईजी, थारी भावज कै जायो गीगलो
म्हे कैंयां आवां अे, थारो नणदोई परणै दूसरी
घर जावो म्हारा बाईजी, आसी नणदोई देस्यां ओळमा
थे तीन्यूं आवो जी, नणद-नणदोई म्हारो भाणजो

[ओर-ओर गहणां रा नांव ले-ले'र गीत दुहरावो जावै ।]

७८

जीजा मैंमद घड़ादे कुमाई कर कै
जीजा रखड़ी घड़ादे कुमाई कर कै
साळी बोल मत मारै पीयर वस कै
जीजा म्हारी हेली आवो जंवाई वण कै
साळी माड़ी कैयां होगी पीहर वस कै
जीजा पियो वसै परदेस रै फिकर कर कै
साळी तार देद्यूं चिट्ठी बुलाद्यूं तड़कै
जीजा तार नहीं चिट्ठी गयो छै लड़ कै

जीजो

७९

जीजोजी म्हानैं मैंमद घड़ाद्यो जी
जीजोजी म्हानैं रखड़ी घड़ाद्यो जी
झूटणा पर क्रिस्णमुरार जीजोजी म्हानैं राम मिलाद्यो जी
साळी ए थे तो पतिबरता नारी
साळी ए थे तो पढी-लिखी भारी
थे करो गीता को पाठ साळी ए थानैं मिलसी गिरधारी
म्हारै साहूजी रै हुकमां चाल साळी ए थानैं मिलसी गिरधारी

म्हांनैं मैंमद घड़ाद्यो जी, रखड़ी घड़ाद्यो नवा लाल की
म्हांनैं भूटणा घड़ाद्यो जी, झूमर घड़ाद्यो नवा लाल का
उड़ ज्याई रै मोर्‌या, आसी नणदोई प्यारा पावणा
घरे आवो म्हारा बाईजी, थारी भावज कै जायो गीगलो
म्हे कैंयां आवां ऐ, थारो नणदोई परणै दूसरी
घर जावो म्हारा बाईजी, आसी नणदोई देस्यां ओळमा
थे तीन्यूं आवो जी, नणद-नणदोई म्हांरा पावणा

[और-और गहणां रा नांव ले-ले'र गीत दुहरायो जावै ।]

जीजा मैंमद घड़ादे कुमारी कर जी
जीजा रखड़ी घड़ादे कुमारी कर जी
साळी बोल मत मारै पीहर [illegible]

जीजा म्हारी हेली आवो संवारै [illegible]
साळी माड़ी कैयां होसी पीहर [illegible]
जीजा पियो बसै परदेस रे [illegible]

साळी तार देदयूं चिट्ठी बुलादयूं [illegible]
जीजा तार नहीं चिट्ठी गयो छै [illegible]

जीजोजी म्हानैं मैंमद घड़ादयो जी
जीजोजी म्हानैं रखड़ी घड़ादयो जी
भूटणा पर किसनमुरार जीजोजी म्हानैं नाम लिखादयो जी

साळी ए थे तो पतिवरता नारी
साळी ए थे तो पढी-लिखी नारी
थे करो गीता को पाठ साळी ए थानैं मिलसी गिरधारी
म्हारै साहूजी रै हुकमां चाल साळी ए थानैं मिलसी गिरधारी

जीजो

ओ जी गोरी रा लसकरिया
घड़ी दोय लसकर थामो जी ढोला

चढो ए चढावो ढोला के करो
क्यूं तरसावो म्हारो जीव जी ढोला

थारी तो ओळ्यूं ढोला म्हे करां
म्हारी तो करै ए न कोय जी ढोला
म्हारी तो ओळ्यूं गोरी थे करो
थारी तो करसी थारी माय जी गोरी

ओ जी गोरी रा लसकरिया
घड़ी ए घड़ी में चित आवो जी ढोला
ओ जी गोरी रा लसकरिया
पलक-पलक में चित आवो जी ढोला

ओळ्यूं

सुसरो

८१

सुसरोजी म्हानैं महमद घड़ाय
रखड़ी घड़ाद्यो बहू लाडली जी राज
सुसरोजी म्हानैं महमद घड़ाय
भूटणा घड़ाद्यो बहू लाडली जी राज

महमद घड़ावां बहू दोय'र च्यार
भूटणा घड़ावां बहू दोय'र च्यार
जाय थारी सासूजी नैं बूझल्यो जी राज

सासूजी बोल्या म्हे बरजांगा नांय
भलां ही पहरावो बहू लाडली जी राज
बैठी तो सोहै बहू कमरै कै मांय
फिरती तो सोहै बहू आंगणै जी राज
भलां ही पहरावो जी जोड़ी का भरतार
पहरै बहू सोभा आपणी जी राज

[सासरा-वाळा मायड़ां रा नाम लै-लै'र पूरो गीत यूं ही दुहराइजो जावै]

बैठण नैं चन्नण चोकी जेठजी
न्हावण नैं तातो पाणी जी
न्हावो जी मुळकणिया जेठजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो जी

जीमण नैं जिनवां रो भात जेठजी
जीमावण नैं'र जिठाणीजी
जीमो जी हरखीला जेठजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो ज़ी

घूमण नैं बाग-बचीचा जेठजी
चढबा नैं हस्ती-घोड़ा जी
सैल करो सैलानी जेठजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो जी

बैठण नैं गादी-तकिया जेठजी
परखण नैं म्होर-रुपैया जी
परखो जी पंचांखानी जेठजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो जी

पोढण नैं हिंगळू ढोल्यो जेठजी
बिलसण नैं'र जिठाणीजी
बिलसो जी राजकंवर का बापूजी
थारी लाड भवां नैं प्यारा लागो जी

जेठजी कै महलां अूपर वादळी रे लाल
झुक-झुक झोला खाय
झोकै की राणी वादळी रे लाल
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी लाल

जेठजी कैवै मरवण दूबळा रे लाल
जिठाणी रै नो गाडां रो फेर
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

इतणी कह्यै नैं जिठाणी रूसग्या रे लाल
दौड़्या-दौड़्या पीवरियै नैं जाय
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

लीन्हो सो घोड़ो हांसलो रे लाल
देवरियो मनायवा नैं जाय
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

थारी मनाई देवर ना मनूं रे लाल
थारै बीरै नैं भेज
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

अूपर चढ़ हेलो दियो रे लाल
बावड़-बावड़ गीगराज री माय
थानैं करै न महलां दूबळा रे लाल

भाभी तो थोड़ी मोटकी रे लाल
मरड़-मरड़ मुड़्यो जाय
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

कदेय न रूसां रूसणा रे लाल
क़देय न जाऊं म्हारै पीर
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

जम-जम रूसो रूसणा रे लाल
नित-नित जावो थारै पीर
म्हानैं प्यारा लागो जेठजी रे लाल

रतन-कचोळै दूधो दुगारती (दही ए जमावती)
मिसरी को जावण दिरावो प्यारा जेठजी
छोटै भायां की बहू लाडली

मैंमद चढ़ावो भांवे रागड़ी
जिठाणीजी का गैणा दिरावो प्यारा जेठजी
छोटै भायां की बहू लाडली

बार-बार थानैं के कैवां
कहतां नैं आवै म्हांनै लाज प्यारा जेठजी
छोटै भायां की बहू लाडली

[illegible]ळ पहरावो भांवे मूंदड़ा
जिठाणीजी का भूषण दिरावो प्यारा जेठजी
छोटै भायां की बहू लाडली

बार-बार थानैं के कैवां
कहतां नैं आवै म्हांनै लाज प्यारा जेठजी
गोदां मैं लाल खुलावां प्यारा जेठजी
छोटै भायां की बहू लाडली

८५

आमीं-स्यामीं बाग देवरिया, नित उठ घूमण आवो जी
आमीं-स्यामीं बाग देवरिया, नित उठ तुररा टांगो जी
अैं तुररा रै कारणै देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हारा जी
देवर म्हारा जी, हरखीला ओ देवर भाभी नैं प्यारा जी, देवर म्हारा जी

आमीं-स्यामीं होद देवरिया, नित उठ न्हावण आवो जी
अैं न्हावण कै कारणै देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हारा जी
देवर म्हारा जी, हरखीला ओ देवर भाभी नैं प्यारा जी, देवर म्हारा जी

आमीं-स्यामीं पोळ देवरिया, नित उठ आवो-जावो जी
अैं आवण कै कारणै देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हारा जी
देवर म्हारा जी, हरखीला देवरिया भाभी नैं प्यारा जी, देवर म्हारा जी

आमीं-स्यामीं महल देवरिया, नित उठ पोढण आवो जी
अैं पोढण कै कारणै देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हारा जी
देवर म्हारा जी, हरखीला देवरिया भाभी नैं प्यारा जी, देवर म्हारा जी

सायबा म्हारै छै बाग में चपेलड़ी जी राज
जैं कै लाग्या छै धोळा-धोळा फ़ूल
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

सायबा म्हारै छै कुण्याचंद देवर लाडला जी राज
तुररै टांगो चपेलड़ी रा फ़ूल
प्यारा लागो भांभी नैं देवर लाडला जी राज

अै तो फ़ूल जोरावर भाभी खोस लिया जी राज
तुररै टांगो मोत्यां री लड़ लूम
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

देवर मोती पुवावां म्हारी नथ में जी राज
तुररै टांगो घोड़ां री घूघरमाळ
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

देवर घुड़ला बंधैगा म्हारै ठाण में जी राज
तुररै टांगो बिलाई री पूंछ
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

देवर डुपटै का च्यारूं पल्ला चीकणा जी राज
जैं में आवै मिठाई की बांस
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

भाभी आज गया छा सत भगवान कै जी राज
म्हानैं पंडां दियो परसाद
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

देवर

भाभी पीळै का च्यारूं पल्ला चीकणा जी राज
जँ में आवैं मिठाई की बांस
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी राज

देवर आज गया छा रंगमहल में जी राज
देवर आज गया छा सुखसेज में जी राज
थारो बीरो करी मनवार
प्यारा लागो भाभी नैं देवर लाडला जी

———

बाईजी कै आंगण नीमोळी
कोई म्हारै आंगण नीम रै नीमोळीड़ा
बाईजी चढग्या नीमोळी
कोई म्हे चढग्या म्हारै नीम रै नीमोळीड़ा
बाईजी को दीख्यो सासरियो
कोई म्हारो दीख्यो पी'र रै नीमोळीड़ा
बाईजी कै आयो गाडूलो
कोई म्हारै रुणझुण बैल रै नीमोळीड़ा
बाईजी कै आयो देवरियो
कोई म्हारै माईजायो वीर रै नीमोळीड़ा
बाईजी चढग्या गाडूलै
कोई म्हे म्हारै रुणझुण बैल रै नीमोळीड़ा
बाईजी कै आया आंसूड़ा
कोई म्हारा चाल्या दांत रै नीमोळीड़ा
बाईजी काढ्यो घूंघटियो
कोई म्हे मारी मुरगांठ रै नीमोळीड़ा
बाईजी को आयो सासरियो
कोई म्हारो आयो पी'र रै नीमोळीड़ा
बाईजी उतर्‌या सासरियै
कोई म्हे उतर्‌या म्हारै पी'र रै नीमोळीड़ा
बाईजी उतर्‌या आंगणियै
कोई म्हे म्हारी मा की गोद रै नीमोळीड़ा
बाईजी कै रांध्यो खीचड़लो
कोई म्हारै जिनवां रा भात रै नीमोळीड़ा

हां ए गोरी साथीड़ा कस दिया जीन
बाबांजी रै हुकमां चाल्या चाकरी जी
ओ जी थारी धण बरजै उमराव
मत ना सिधारो पूरव री चाकरी जी

चरखो तो लेद्यो भंवरजी रांगलो जी
हां जी ढोला पीढी लाल गुलाल
हम कातां थे बैठ्या विणजल्यो जी
ओ जी म्हारी जोड़ी का भरतार
मत ना सिधारो पूरब की चाकरी जी

म्होर-म्होर की भंवरजी कूकड़ी जी
हां जी ढोला रोक रुपैयै को तार
मैं कातू थे बैठ्या अूणल्यो जी
ओ जी मैं तो अरज करूं दिन-रात
पिया की पियारी नैं सागै ले चलो जी

गोरी की कुमाई खासी रांडिया जी
हां ए गोरी के गांधो-मणियार
म्हे छां बेटा साहूकार का जी
हां ए म्हारी घणी ए पियारी घरनार
गोरी की कुमाई सैं पूरा ना पड़ै जी

रोक रुपैयो भंवरजी मैं बणूं जी
हां जी ढोला बण ज्याअूं पीळी-पीळी म्होर
भीड़ पड़ै जद मारूजी बरतल्यो जी
ओ जी म्हारी सास सपूती रा पूत
मत ना सिधारो पूरब की चाकरी जी

सरस जलेबी भंवरजी मैं बणूं जी
हां जी ढोला बण ज्याअूं फूट-सुंहाळ

ओ जी म्हारी सेजां का सिणगार
थारै बिना घड़ीयन मारूजी आवड़ै जी

असल बगीचो भंवरजी मैं बणूं जी
हां जी ढोला बण ज्याऊं फूल-गुलाब
खुसी ए लगै जद मारूजी सूंघल्यो जी
ओ जी म्हारा बादीला भरतार
पिया की पियारी की अरजी मानल्यो जी

कदेयन ल्याया भंवरजी सीरणी जी
हां जी ढोला कदेयन करी मनवार
कदेयन पूछी मनड़ै री बारता जी
ओ जी म्हारी लाल नणद रा बीर
मत ना सिधारो पूरब की चाकरी जी

अबकै तो ल्यावां गोरी ए सीरणी ए
हां ए गोरी अब कै म्हे करां मनवार
अबकै आवां पूछां बारता जी
ओ जी म्हारा हिवड़ै परला हार
घड़ी ए घड़ी मैं उडाऊं कागला जी

कोई, समदर डाक्यो, समदर डाक्यो ना जाय
हो जी ढोला ना जाय
अब घर आज्या, फूल गुलाब रा हो जी

कागद हुवै तो, ढोला वांचल्यूं जी
करम न बांच्यो, करम न बांच्यो, जाय
हो जी ढोला जाय
अब घर आज्या, आसा थारी लाग रही हो जी

टाबर हुवै तो, पिया, राखल्यूं जी
ढोला, जोबन राख्यो, जोबन राख्यो, ना जाय
हो जी ढोला ना जाय
अब सुध लीज्यो, गोरी रा सायबा हो जी

बारा बरस री, पिया, परणिया जी
कोई, हो गई जोध, हो गई जोध-जवान
हो जी ढोला जोध-जवान
अब घर आवो, गोरी रा बालमा हो जी

नेड़ी-नेड़ी करो, पिया, चाकरी जी
छैला, सांझ पड़्यां घर, सांझ पड़्यां घर, आव
हो जी ढोला आव
अब घर आज्या, बरखा रुत भली हो जी

थानैं तो प्यारी, पिया, परदेसां री चाकरी जी
ढोला, म्हानैं तो प्यारा लागो, प्यारा लागो, आप
हो जी ढोला आप
अब घर आव, मिरगानैणी रा बालमा हो जी

असी रे टकां री, ढोला, चाकरी रे
कोई, लाख मोहर री, लाख मोहर री, भोळा नार

हूं तो मरूं छूं, पिया, अेकली जी
ढोला, हूं मरूं कटारी, हूं मरूं कटारी, जी खाय
हो जी ढोला खाय
अब घर आज्या, बरखा रुत भली हो जी

चोमासै को नींबू
९१

चाल्या पना मारु जोधाणै रै देस
इव धण वारी हो हंजा
जोधाणै री गळियां हो नींबू झुक रयो जी राज

ल्याया पना मारु चकळी अूपाड़
इव धण वारी हो हंजा
ल्याय उतार्यो हो च्यानण चोक में जी राज

क्यां रै बंधावां नींबूड़ै री जी पाळ
इव धण वारी ए गोरी
क्यां रै सिंचावां ए हरियै रूंख नैं जी राज

घी-गुड़ बांधां नींबूड़ै री पाळ
इव धण वारी हो हंजा
दूध सिंचावां जी हरियै रूंख नैं जी राज

अूग्यो नींबू पान-दूपान
इव धण वारी हो हंजा
अूगतड़ो जुग मोह्यो, गोरी धण रो सायबो जी राज

मत कोई तोड़ो नींबूड़ै रा जी पान
इव धण वारी ए गोरी
मत ना सताओ ए हरियै रूंख नैं जी राज

भंवरजी, कण म्हारो सोक गरायो रै नींबू
दोपारां कुमळायो रै नींबू
सांझ पड़ी गरणायो भंवर थारी सेज में जी राज

नणदल बाई तोड़ै नींबूड़ै रा पान
इब धण वारी हो हंजा
देवरियो नखराळो यो तोड़ै सोटकी जी राज

नणदल बाई नैं सासरियै खिनाय
इब धण वारी हो हंजा
देवर नैं खिनावां ओ राजाजी री चाकरी जी राज

नणदल बाई सासरियै ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
देवरियो नखराळो यो नीं जावै चाकरी जी राज

नणदल बाई नैं मोतीड़ां रो हार
इब धण वारी हो हंजा
देवर नैं परणावां ओ म्हां मैं छोटी बैनड़ी जी राज

भंवरजी कण म्हारी सोक सरायो रै नींबू
दोपारां कुमळायो रै नींबू
सांझ पड़ी गरणायो भंवर थारी सेज में जी राज

बैठ्या पना मारू तखत बिछाय
इब धण वारी हो हंजा
कागद आयो हो हाडै राव को जी राज

कागद पना मारू बांच सुणाय
इब धण वारी हो हंजा
के'र लिख्यो है कोरै कागदां जी राज

कागद मिरगानैणी बांच्यो ए ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
छाती तो फाटै हिवड़ो अूझळै जी राज

छाती पना मारू हीरां ए जड़ाय
इव धण वारी हो हंजा
हिवड़ो जड़ाल्यो जी साचैं मोतियां जी राज

उठो धण दिवलो संजोय
इन धण वारी ए गोरी
दिवलै रै चनणै कागद वांचस्यां जी राज

म्हां सैं पना मारू अुठ्यो ए न जाय
इव धण वारी हो हंजा
चंदा रै उजाळै ओ कागद वांचल्यो जी राज

एवड़–छेवड़ सात सलाम
इव धण वारी ए गोरी
बीच लिख्यो है बारा बरसां नोकरी जी राज

ओळंग थारै वावांजी नैं भेज
इव धण वारी हो हंजा
चतर चोमासै ओ साजिन घर वसो जी राज

वावांजी री धण चढैगी वलाय
इव धण वारी ए गोरी
हम'र सरीसा ए कंवर घोड़ै चढै जी राज

ओळंग थारै वडोड़ै बीरै नैं भेज
इव धण वारी हो हंजा
इवकै चोमासै ओ साजिन घर वसो जी राज

वडोड़ै बीरै कै गोरी सात बरस की धीय
इव धण वारी ए गोरी
वे परणावै ए कन्या आपकी जी राज

ओळंग थारै बिचलै बीरै नैं भेज
इब धण वारी हो हंजा
चतर चोमासै ओ राजिन घर बसो जी राज

बिचलै बीरै कै गोरी गोद जडू़लै पूत
इब धण वारी ए गोरी
थारी तो गोद्यां तो कहिए डीकरी जी राज

ओळंग थारै ल्होड़ियै बीरै नैं भेज
इब्र धण वारी हो हंजा
इबकै चोमासै ओ राजिन घर बसो जी राज

ल्होड़ियै बीरै कै धण नानकड़ी सी नार
इब धण वारी ए गोरी
महल चढंती बा डरपै एकली जी राज

ओळंग थारै भाएलां नैं भेज
इब धण वारी हो हंजा
इबकै चोमासै ओ राजिन घर बसो जी राज

भाएलां री धण अूदाखाणी नार
इब धग वारी ए गोरी
अूठ संवारी जी झगड़ो बै करै जी राज

ओळंग थारै पाड़्योसी नैं भेज
इब्र धण वारी हो हंजा
इबकै चोमासै ओ राजिन घर बसो जी राज

पाड़्योसी की गोरी आमीं-स्यामीं पोळ
इब धण वारी ए गोरी
अूठ संवारो ए देसी ओळमां जी राज

जै थे पना मारू ओळंग जाय
इब धण वारी हो हंजा
वरज चढो ना आभा बीजळी जी राज

बीजळड़ी धण वरजी ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
वै रुत चिमकै ए सावण-भादवै जी राज

जै थे पना मारू ओळंग जाय
इब धण वारी हो हंजा
वरज चढो ना बन का मोरिया जी राज

बन का मोरिया वरज्या ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
वै रुत बोलै ए सुन्दर आप की जी राज

जै थे पना मारू ओळंग जाय
इब धण वारी हो हंजा
वरज चढो ना ओ पाड़्योसण को दीवलो जी राज

दिवलड़ो धण वरज्यो ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
जिनका तो ए परण्या सुंदर घर बसै जी राज

जै थे पना मारू ओळंग जाय
इब धण वारी हो हंजा
वरज चढो ना ओ माय-भैण की जीभड़ी जी राज

जीभड़ली धण वरजी ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
थे बस राखो ए लपना आपकी जी राज

जै थे पना मारू ओळंग जाय
इब धण वारी हो हंजा
सिख ओ तो बुध ओ धण नैं दे चढो जी राज

सिख–बुध धण दीवी ए ना जाय
इब धण वारी ए गोरी
सीख सरोरां ए सुंदर अूपजै जी राज

जै थे पना मारू ओळंग जाय
इब धण वारी हो हंजा
बिस को पियालो ओ धण नैं दे चढो जी राज

बिस रो प्यालो धण बैरीड़ां नै प्याय
इब धण वारी ए गोरी
थानैं पियालो ए काचै दूध को जी राज

डब–डब–भरिआया नैण
इब धण वारी हो हंजा
आंसू तो गेर्‌या जी हरियै मोर ज्यूं जी राज

लीनी पना मारू हिवड़ै लगाय
इब धण वारी हो हंजा
आंसू तो पूंछ्या जी बांवैं हाथ सैं जी राज

इतणी मिरगानैणी बेदल मत होय
इब धण वारी ए गोरी
इबकै सिधारां तो सागै ले चलां जी राज

भूठा पना मारू भूठ न बोल
इब धण वारी हो हंजा
सदां ही सिधारो जी कदेयन ले चलो जी राज

ट्रंक बिकै टोडै बिकै जी, कोई, आई–आई लहर्यां री पोट राज
लहर्यो लेद्यो जी
लहर्यो तो लेद्यो गोरी रा सायबा जी, कोई
थारी धाण नैं लहर्यै रो चाव राज, लहर्यो लेद्यो जी

कुण थानैं चाळा चाळिया जी, कोई
कुण थानैं ओढ दिखायो राज, लहर्यो लेद्यो जी
देवरियो चाळा चाळिया जी कोई
द्योराणी ओढ दिखायो राज, लहर्यो लेद्यो जी

कै रै टकां को थारो लहरियो जी, कोई
कै रै मोहर गज भांत राज, लहर्यो लेद्यो जी
असी ए टकां को म्हारो लहरियो जी, कोई
मोहर-मोहर गज भांत राज, लहर्यो लेद्यो जी

कुण थारै लहर्यै रो गाहकी जी, कोई
कुण थारै खरचैलो दाम राज, लहर्यो लेद्यो जी
सुसरोजी लहर्यै रा गाहकी जी, कोई
जेठजी खरचैला दाम राज, लहर्यो लेद्यो जी

बिच में नैं पना मारू ले गया जी, कोई
गोरी धण नैं लहर्यै री चाव राज, लहर्यो लेद्यो जी
लहर्यो तो ओढ'र पाणी नीसरी जी, कोई
सगळो सहर सरायो राज, लहर्यो लेद्यो जी

अस्सी ए कोसां की चाली बादळी जी, कोई
म्हारो लहर्यो आय भिजोयो राज, लहर्यो लेद्यो जी
टपक-टपक जैं को रंग चुवै जी, कोई
सटक-सटक जिव जावै राज, लहर्यो लेद्यो जी

अैसो तो कळ में को नहीं जी, कोई
म्हारो लहर्यो आय निचोवै राज, लहर्यो लेद्यो जी
अस्सी ए कोसां को चाल्यो सायबो जी, कोई
लहर्यो आय निचोयो राज, लहर्यो लेद्यो जी

लहर्यो सुकायो सामीं बाड़ पै जी, कोई
चील झपट्टा लेवै राज, लहर्यो लेद्यो जी
लहर्यो सुकायो सामीं साळ में जी, कोई
साळ पत्रासा लेवै राज, लहर्यो लेद्यो जी

गोखां तो बैढ्यो ढाढी-डूम को जी म्हारै
देवरियै को रूप बखाण्यो राज, लहर्यो लेद्यो जी
बाळूं तो जाळूं, ढाढी-डूम का जी, म्हारै
देवरियै को रूप क्यूं बखाण्यो राज, लहर्यो लेद्यो जी

लहरियो
६२

ट्रंक बिकै टोडै बिकै जी, कोई, आई–आई लहर्‌यां री पोट राज
लहर्‌यो लेद्‌यो जी
लहर्‌यो तो लेद्‌यो गोरी रा सायबा जी, कोई
थारी धाण नैं लहर्‌यै रो चाव राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

कुण थानैं चाळा चाळिया जी, कोई
कुण थानैं ओढ दिखायो राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी
देवरियो चाळा चाळिया जी कोई
द्‌यौराणी ओढ दिखायो राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

कै रै टकां को थारो लहरियो जी, कोई
कै रै मोहर गज भांत राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी
असी ए टकां को म्हारो लहरियो जी, कोई
मोहर-मोहर गज भांत राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

कुण थारै लहर्‌यै रो गाहकी जी, कोई
कुण थारै खरचैलो दाम राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी
सुसरोजी लहर्‌यै रा गाहकी जी, कोई
जेठजी खरचैला दाम राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

बिच में सैं पना मारू ले गया जी, कोई
गोरी धण नैं लहर्‌यै रो चाव राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी
लहर्‌यो तो ओढ'र पाणी नीसरी जी, कोई
सगळो सहर नचायो राज, लहर्‌यो लेद्‌यो जी

अस्सी ए कोसां की चाली बादळो जी, कोई
म्हारो लहर्यो आय भिजोयो राज, लहर्यो लेद्यो जी
टपक-टपक जैं को रंग चुवै जी, कोई
सटक-सटक जिव जावै राज, लहर्यो लेद्यो जी

अैसो तो कळ में को नहीं जी, कोई
म्हारो लहर्यो आय निचोवै राज, लहर्यो लेद्यो जी
अस्सी ए कोसां को चाल्यो सायबो जी, कोई
लहर्यो आय निचोयो राज, लहर्यो लेद्यो जी

लहर्यो सुकायो सामीं बाड़ पै जी, कोई
चील झपट्टा लेवै राज, लहर्यो लेद्यो जी
लहर्यो सुकायो सामीं साळ में जी, कोई
साळ पत्रासा लेवै राज, लहर्यो लेद्यो जी

गोखां तो बैठ्यो ढाढी-डूम को जी म्हारै
देवरियै को रूप वखाण्यो राज, लहर्यो लेद्यो जी
बाळूं तो जाळूं, ढाढी-डूम का जी, म्हारै
देवरियै को रूप क्यूं बखाण्यो राज, लहर्यो लेद्यो जी

हां जी म्हारा सायबा, इण सरवरियां री पाळ, हिंडोळो
हिंडोळो राजिन घालद्‌यो जी म्हारा राज, हिंडोळो

हां जी म्हारा सायबा, हींडैगी घर की जो नार, झोटा दे
झोटा दे गोरी को सायबो जी म्हारा राज, झोटा दे
हां ए म्हारी गोरी, ओरां नैं दोय'र च्यार, गोरी नैं
सुंदर नैं पूरा ड्योढसै ए म्हारी नार, गोरी नैं

हां जी म्हारा सायबा, एक बर ऐसो झोटो द्‌योय, दिखाद्‌यो
दिखाद्‌यो पीवर-सासरो जी म्हारा राज, दिखाद्‌यो
हां ए म्हारी गोरी, म्हांसैं तो दियो ए न जाय, पून ज
पून ज बैरग छुट गई ए म्हारी नार, पून ज

हां जी म्हारा सायबा, चाली है परवा-पछवा पून, तिवाळो
तिवाळो सुंदर गिर पड़ी जी म्हारा राज, तिवाळो
हां जी म्हारा सायबा, पड़ती का होग्या पीळा दांत, मुख में तो
मुख में तो माखी नीसरै जो म्हारा राज, मुख में तो

हां ए म्हारी गोरी, एक बर मुखड़ै मैं बोल, थे पीवर
थे पीवर मरो ए न सासरै जो म्हारा राज, थे पीवर
हां ए म्हारी गोरी, एक बर मुखड़ै मैं बोल, बैर्‌यां का
बैर्‌यां का चौंटया मत करो ए म्हारी नार, बैर्‌यां का
हां जी म्हारा सायबा, बैर्‌यां की गोली जी बन्दूक, सौकण का
सौकण का चौंटया हो गया जी म्हारा राज, सौकण का

कांकरड़ी

६४

पाणी नैं जाता गोरी रा सायबा
प्यारी धण पै कांकरड़ी कुण वाई म्हारा राज
म्हे हंस राळी म्हारी गोरड़ी
प्यारी धण थारै कोठेड़ै सी लागी म्हारा राज
ईंडी कै लागी गोरी रा सायबा
दोघड़ म्हारी राम उवारी म्हारा राज

वागां नैं जातां गोरी रा सायबा
प्यारी धण पै नींबूड़ा कुण वाया म्हारा राज
म्हे हंस राळ्या म्हारी गोरड़ी
प्यारी धण थारै कोठेड़ै सी लाग्या म्हारा राज
घूंघट पै लाग्या गोरी रा सायबा
बेसर म्हारी राम उबारी म्हारा राज

महलां में जातां गोरी रा सायबा
प्यारी धण पै लाडूड़ा कुण मार्‌या म्हारा राज
म्हे हंस राळ्या म्हारी गोरड़ी
प्यारी धण थारै कोठेड़ै सी लाग्या म्हारा राज
चोली पै लाग्या गोरी रा सायबा
छाती म्हारी राम उबारी म्हारा राज
जी भिलती रा गोरी रा सायबा
प्यारी धण कै कायों हठ लाग्या म्हारा राज

थारो तो घाली गोरी रा सायबा
धोरां दूबड़ली होय जास्यां म्हारा राज
ये धण होस्यो धोरां दूबड़ी
पना नाह्न अजब बछेरो म्हारा राज

जाडो तो पड़ियो जी नणद बाई डूंगरां
मार्या-मार्या दादर-मोर
किस विध भुगतां जी नणद बाई जाडै नैं

जाडो तो पड़ियो नणद बाई डहरां में
मार्या-मार्या हिरण पचास, किस विध०

जाडो तो पड़ियो जी नणद बाई बागां में
मार्या-मार्या दाड़म-दाख, किस विध०

जाडो तो पड़ियो जी नणद बाई सहर में
मार्या-मार्या हटवा जी लोग, किस विध०

जाडो तो पड़ियो जी नणद बाई महलां
मारी-मारी परदेस्यां री नार, किस विध०

थारो तो वीरो जी नणद बाई घर नहीं
किस विध भुगतां जी नणद बाई जाडै नैं
देस्यां म्हारे वीरें नैं बुलाय, लेसो थानैं हिवड़ै लगाय
इस विध भुगतो ए भोजाई म्हारी जाडै नैं

चांदा जी थारे चानणी खेलण ओगी छे रात
म्हारा भंवर बालम होळी आई
ननद-भोजाई खेलण नीसरी
खेली है सारोड़ी रात—म्हारा०

सेल-माल घर आवड़ी, पोळीड़ा पोळ उघाड़—म्हारा०
डोळ्या री फळसा ना खुले, जित आया उत जाव—म्हारा०

उतराई होय आलिया, टूटो है नौसर हार—म्हारा०
सोनारीड़ा मेरो भायलो, चुगदे नौसर हार—म्हारा०
पटुवे को बेटो मेरो भायलो, पो दे नौसर हार—म्हारा०

टग-टग महलां चढ गई, मारूजी खोलो किवाड़—म्हारा०
हतियोड़ी सांकळ ना खुले, जावो अे गोरी थारे बाप के-म्हारा०
सोड़ देई मेरे बाप जी, पिलंग दियो बड़वीर
क्यूं कर जावां ढोला बाप के—म्हारा०

सोड़ बगाई चानण चोक में, पिलंग दियो सरकाय
थे तो जावो गोरी थारे बाप के—म्हारा०
सोड़ लई छे काख में, पिलंग लियो लटकाय
ओ जी म्हे तो चाल्या हजारी ढोला बाप के—म्हारा०

आडा सुसरोजी होय रया, रूसी बहुवड़ कित जाय
रूसेड़ी नैं जाण न द्यां, थे तो मन कर जावो बाप कै—म्हारा०
आडा मारूजी होय रया, रूसी गोरी कित जाय
थे तो रंग कर जावो थारै बाप के—म्हारा०

पिचकारी

९७

माथै नैं मैंमद हदक विराजै तो रखड़ी की छिब न्यारी जी
गोरी कै वदन पर कुण मारी पिचकारी जी, सुंदर कै वदन पर
जिन मारी जिन मोहे बताओ नातर द्यूंगी गाळी जी
गोरी कै वदन पर०

सासू को जायो नणद बाई रो वीरो यो राजिन मारी पिचकारी जी
गोरी कै वदन पर०

काहे को जी ढोला रंग वणायो तो काहे की पिचकारी जी
गोरी कै वदन पर०
केसर को अे गोरो रंग वणायो तो सोने की पिचकारी जी
गोरी कै वदन पर म्हे मारी पिचकारी जी, सुंदर कै वदन पर

भर पिचकारी मेरै अंग पर मारी तो भीज गई गुलसाड़ी जी
गोरी कै वदन पर०

[दूजा गहणां रो नांव लेय'र सारो गीत वार-वार दुसराबो जावे]

आछ्यो जी पियाजी म्हानैं मैंमद घड़ायद्यो
आछ्यो जी पियाजी म्हानैं मैंमद घड़ायद्यो
तो रखड़ी घड़ाद्यो पिया इब की घड़ी रे पलक की घड़ी, डफ काहे को
डफ काहे को बजावो जी बालम रसिया, डफ काहे को

थारो डफ बाजै म्हारो इंदरगढ गाजै
थारो डफ बाजै म्हारो इन्दरगढ गाजै
तो सूती नार चिमक जागै रे हबक जागै, डफ काहे को
डफ काहे को बजावो जी बालम रसिया, डफ काहे को

धीमा-धीमा बोल गोरी मैंहमद घड़ायद्यां
धीमा-धीमा बोल गोरी मैंहमद घड़ायद्यां
तो रखड़ी घड़ाद्यां गोरी इब की घड़ी, डफ काहे को
डफ काहे को बजावो जी बालम रसिया, डफ काहे को

आछ्यो जी पियाजी म्हानैं बाजूबंद घड़ायद्यो
आछ्यो जी पियाजी म्हानैं बाजूबंद घड़ायद्यो
तो चुड़लो चितराद्यो पिया इब की घड़ी रे पलक की घड़ी, डफ०
डफ काहे को बजावो जी बालम रसिया, डफ काहे को

धीमा-धीमा बोल गोरी बाजूबंद घड़ाद्यां
धीमा-धीमा बोल गोरी बाजूबंद घड़ाद्या
तो चुड़लो चितराद्यां सुंदर इब की घड़ी, डफ काहे को
डफ काहे को बजावो जी बालम रसिया, डफ काहे को

आछ्यो जी पियाजी म्हानैं दावण सिमायद्यो
आछ्यो जी पियाजो म्हानैं दावण सिमायद्यो
तो चूनड़ रंगाद्यो पिया इव की घड़ी रे पलक की घड़ी, डफ काहे को
डफ काहे को वजावो जी वालम रसिया, डफ काहे को

धीमा-धीमा बोल गोरी दावण सिमायद्यां
धीमा-धीमा बोल गोरी दावग सिमायद्यां
तो चूनड़ रंगाद्यां नाजो इव की घड़ी, डफ काहे को
डफ काहे को वजावो जी वालम रसिया, डफ काहे को

गैलै तो गैलै जी, पना-मारू जावै था
पड़ गया अूजड़ बाट, कांटो जी लाग्यो कैंर को

कुण थारो कुण थारो ए, झाली राणी पकड़ैगो पांव
कुण थारो कांटो जी काढ, कुण थारा आंसु पूंछसी

नाई को नाई को जी, पना-मारू पकड़ैलो पांव
देवर कांटो जी काढ, बाईजी आंसू पूंछसी

नाई कै नैं नाई कै नैं ए, झाली राणी द्यो सिरोपाव
देवर नैं पिचरंग पाघ, बाईजी नैं बोरंग चूनड़ी

नाई कै नैं नाई कै नैं जी, पान-मारू द्यां सिरोपाव
देवर नैं म्हांसैं छोटो बैन, बाईजी नैं बोरंग चूनड़ी

म्हारै माथै नैं मैंमद ल्याव म्हारा हंजा मारू यांही रैवो जी
यां ही रैवो बरसंता बादळ यां ही रैवो जी
थानैं रस्तै में होसी गणगोर म्हारा हंजा मारू यांही रैवो जी
कोटै-बूंदी में होसी गणगोर म्हारा हंजा मारू यांही रैवो जी

जाबाद्यो छिनगारी नार जाबाद्यो ना ए
जाबाद्यो नखराळी नार जाबाद्यो ना ए
म्हारा भाएला ऊभ्या ड्योढ्यां बार
म्हारा साथीड़ा कस लिया जीन
म्हारी मिरगानैणी जाबाद्यो ना ए

म्हारै गळै नैं हार ज ल्याव, म्हारा हंजा मारू यांही रैवो जी
म्हारी बैंयां नैं बाजूबंद ल्याव, म्हारा हंजा मारू यांही रैवो जी
यां ही रैवो हिवड़ै का जिवड़ा यां ही रैवो जी
यां ही रैवो ऊगंता सूरज यां ही रैवो जी
थानैं रस्तै में होसी गणगोर, म्हारा हंजा मारू यांही रैवो जी

जाबाद्यो नखराळी नार जाबाद्यो ना ए
जाबाद्यो बाई की भाभी जाबाद्यो ना ए
थानैं आय पुजावां गणगोर, म्हारी मिरगानैणी जाबाद्यो ना ए

म्हारै बावांजी रै मांडी गणगोर
दादसरां जी रै मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
लेद्यो-लेद्यो जी नणद बाई रा बीर
लेद्यो जी हजारी ढोला झूमकड़ो
सुख सेजड़ल्यां में भूल्या नोसर हार
ढोलणी रै पायै रंग रो झूमकड़ो

म्हारै बापूजी रै मांडी गणगोर
सुसरां जी रै मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
म्हारै चाचोजी रै मांडी गणगोर
काकसरां घर मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
लेद्यो-लेद्यो जी नणद बाई रा बीर
लेद्यो जी हजारी ढोला झूमकड़ो
सुख सेजड़ल्यां में भूल्या नोसर हार
ढोलणी रै पायै रंग रो झूमकड़ो

म्हारै बीराजी रै मांडी गणगोर
जेठ घर मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
म्हारै मामाजी रै मांडी गणगोर
मामसरां घर मांड्यो रंग रो झूमकड़ो
लेद्यो-लेद्यो जी नणद बाई रा बीर
लेद्यो जी हजारी ढोला झूमकड़ो
सुख सेजड़ल्यां में भूल्या नोसर हार
ढोलणी [illegible] पायै रंग रो झूमकड़ो

म्हारै बावांजी रै जी'क म्हारै ताऊजी रै मांडी गणगोर ओ रसिया
घड़ी दोय खेलवा नैं जायवाद्यो

घड़ी दोय आवतां पलक दोय जावतां
साथण्यां में सारो दिन लागै ए मिरगानैणी
थारै विना जिवड़ो भर्‌यो डोलै

म्हारी हाबी हबकै, म्हारो भाबी भबकै
म्हारी नोगरी जड़ाऊ झोला खावै ओ रावजी
घड़ी दोय खेलवा नैं जायवाद्यो

म्हारै बापूजी रै जी'क म्हारै चाचोजी रै मांडी गणगोर ओ रसिया
घड़ी दोय खेलवा नै जायवाद्यो
घड़ी दोय आवतां, पलक दोय जावतां
साथण्यां में सारो दिन लागै ए मिरगानैणी
थारै विना हिवड़ो भर्‌यो डोलै

थारी एडी ठिमकै थारी नथ भळकै
थारो नैणां रो निजारो प्यारो लागै ए मिरगानैणी
थारै विना हिवड़ो भर्‌यो डोलै
थानैं घड़ो ए घड़ी, थानैं पलक-पलक समझावां ए मिरगानैणी
थारै विना हिवड़ो भर्‌यो डोलै

[दूजा रिस्तैदारां रा नांव ले–ले'र गीत नैं दुसरायो जावै]

गहरो जी फूल गुलाब को

१०३

म्हारै माथै नैं मैंमद ल्यावो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हारै कानां नैं कुंडळ ल्यावो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को

गहरो-गहरो जी सासूजी थारो जायो रंगरसियो
गहरो जी फूल गुलाब को
गहरो-गहरो जी बाईजी थारो वीरो रंगरसियो
गहरो जी फूल गुलाब को

म्हारो आंखड़ली फरूकै, घरे आवो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हे तो बाटड़ली जुहारां, घरे आवो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को

म्हे तो कागलिया उडावां, घरे आवो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हारी जीभ फरूकै, लाडू ल्यावो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को
म्हारी हवेली फरूकै, मोहरां ल्यावो रंगरसिया
गहरो जी फूल गुलाब को

[दूजा गहणां रा नाम ले-लेर गीत दुहरायो जावै]

ज्यानी मेरा माथै नैं मैंमद ल्याव, रखड़ी घड़ाद्यो जी म्हारा भरतार
ज्यानी मेरा बुंगलो कित्ती एक दूर, आतां-जातां हारी जी म्हारा भरतार
गोरी म्हारो बुंगलो कोस पचास, मोटर जुड़ाद्यां ए म्हारी घर-नार

ज्यानी मेरा मोटर में बैठैगी बलाय, गोदी म्हानैं लेल्यो जी म्हारा०
गोरी म्हारी भाई ए भतीजा मेरै साथ, लाजां मत मारो जी म्हारी०

छैला मेरा संग की सहेली मेरै साथ, कैयो मत राळो जी म्हारा०
गोरी म्हारी रंगमहल में चाल, गोदी थानैं लेल्यां ए म्हारी०

ज्यानी मेरा कानां नैं कुंडळ ल्याव, झूटणा घड़ाद्यो जी म्हारा०

[दूजा गहणां रा नांव ले-ले'र गीत दुसरायो जावै]

बिच्छू

१०५

बीछू लड़ियो, बीछू लड़ियो, चीरै वाळा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै
ओहो, मेरा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै

सब कोई जाग्या, सब कोई जाग्या
चीरै वाळा स्याम, चीरै वाळो सोय रयो
वाह वाह, मेरा स्याम, चीरै वाळो जाग्यो नहीं

इब जाग्यो, इब जाग्यो, चीरै वाळो स्याम, बीछू को जहर दोड़ै
वाह वाह, मेरा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै

कोठै लड़ियो, कोठै लड़ियो आभा पू बरणी नार, कोठै सो दरद घणो
ओहो, मेरी नार, कोठै सो दरद घणो

अंगळी कै लड़ियो, अंगळी कै लड़ियो
चीरै वाळा स्याम, पूंचै मे दरद घणो
वाह वाह, मेरा स्याम, पूंचै मे दरद घणो

बैद बुलाद्यां, बैद बुलाद्यां आभा पू बरणी नार, बीछू को जतन करै
वाह वाह, मेरी नार, गोरी को जतन करै

इब मरस्यां, इब मरस्यां चीरै वाळा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै
वाह वाह, मेरा स्याम, बीछू को जहर दोड़ै

बैद न आयो, बैद न आयो चीरै वाळा स्याम, गोरी को जतन करै
वाह वाह, मेरा स्याम, गोरी को जतन करै

इब जीस्यां, इब जीस्यां चीरै वाळा स्याम, बीछू को जहर मरो
वाह वाह, मेरा स्याम, बीछू को जहर मरो

थारी तो खातर जी लसकरिया, होद खिणाइयो
न्हावण आवै सास सपूती रो पूत
लाखां रो ब्योपारी जी मनभरियो चाल्यो चाकरी

कहग्या नाहीं सुणग्या मन की बात
ताळो तो ढक कर मनभरियो कूंची ले गयो

थारै बिना मारूजी जुग में भयो ए अंधेर
कद घर आस्यो जी आलीजा होसी च्यानणो

थारी तो खातर जी लसकरिया, भात पसाइयो
जीमण आवै लाल नणद रो बीर
लाखां रो ब्योपारी जी मनभरियो चाल्यो चाकरी

थारी तो खातर जी लसकरिया, महल चिणाइयो
बार्‌यां झांकै सास रा सपूती रो पूत
लाखां रो ब्योपारी जी मनभरियो चाल्यो चाकरी

थारी तो खातर जी लसकरिया, सेज बिछाइया
पोढण आवै बाईजी रो बीर
क्रोड़ां रो ब्योपारी जी मनभरियो चाल्यो चाकरी

डाकियो

१०७

कूण देस सैं आयो रै डाकियो
कूण देस नैं जासी जी

उतर-दिखण सैं आयो रै डाकियो
पूरब नैं यो जासी जी

कागद फाड़ चिरी लिख भेजूं
जाय बंचाई मेरै राजिन नैं

गांव न जाणूं नांव न जाणूं
सुरत न जाणूं मेरै राजिन री

गांव बतादयूं नांव बतादयूं
सुरत बतादयूं मेरै राजिन री

गांव रतनगढ नांव सुरजमल
सांवळी सुरत तेरै राजिन री
तीखी-तीखी नाक फिरंगी की चाकर
चाल चलै उमरावां की

हां ओ ज्यानी, ईनैं की किरती इनैं झुक आई
थे कित रैन गुमाई, लसकरिया

हां ए गोरी आज गया था म्हे दिली ए सहर में
चोखी-चोखी नार भी देखी मिरगानैणी

हां ओ ज्यानी, के बांका नैण गुलालां सैं भरिया
के मुखड़ै जरदाई, लसकरिया

हां ए गोरी, ना बांका नैण गुलालां सैं भरिया
ना मुखड़ै जरदाई, मिरगानैणी

हां ए गोरी, होठ पतळिया, दांत ऊजळिया
बोलण की चतराई, मिरगानैणी

हां ए गोरी, तीखा-तीखा नैणां झीणो-झीणो सुरमो
चोघण की चतराई, मिरगानैणी

हां ए गोरी, पींडी पतळियां, एडी ऊजळियां
चालण की चतराई, मिरगानैणी

हां ओ ज्यानी, काढ कटारी, हियै भीतर मारो
म्हारै आगै सोक सराई, लसकरिया

हां ए गोरी, काल मरंती तो रात मर ज्यावो
देखी-देखी बात बताई, मिरगानैणी

डाकियो

१०७

कूण देस सैं आयो रे डाकियो
कूण देस नैं जासी जी

उतर-दिखण सैं आयो रे डाकियो
पूरब नैं यो जासी जी

कागद फाड़ निरो लिख भेजूं
जाय बंचाई मेरे राजिन नैं

गांव न जाणूं नांव न जाणूं
सुरत न जाणूं मेरे राजिन री

गांव बतादयूं नांव बतादयूं
सुरत बतादयूं मेरे राजिन री

गांव रतनगढ़ नांव सुरजमल
सांवळी सुरत मेरे राजिन री
तीखी-तीखी नाक फिरंगी को चाकर
चाल चलै उमरावां की

हां ओ ज्यानी, ईनैं की किरती इनैं झुक आई
थे कित रैन गुमाई, लसकरिया

हां ए गोरी आज गया था म्हे दिली ए सहर में
चोखी-चोखी नार भी देखी मिरगानैणी

हां ओ ज्यानी, के बांका नैण गुलालां सैं भरिया
के मुखड़ै जरदाई, लसकरिया

हां ए गोरी, ना बांका नैण गुलालां सैं भरिया
ना मुखड़ै जरदाई, मिरगानैणी

हां ए गोरी, होठ पतळिया, दांत ऊजळिया
बोलण की चतराई, मिरगानैणी

हां ए गोरी, तीखा-तीखा नैणां झीणो-झीणो सुरमो
चोघण की चतराई, मिरगानैणी

हां ए गोरी, पींडी पतळियां, एडी अूजळियां
चालण की चतराई, मिरगानैणी

हां ओ ज्यानी, काढ कटारी, हियै भीतर मारो
म्हारै आगै सोक सराई, लसकरिया

हां ए गोरी, काल मरंती तो रात मर ज्यावो
देखी-देखी बात बताई, मिरगानैणी

सुपनो तो आयो सरव सुलखणो जी
म्हारी वैंयां तळो कर ए जी ए जाय
गुंठड़ो तो भीजै गोरी कै पांव को जी

सुपनें में देख्या भंवरजी नैं आवता जी
कोई, माथै पिचरंग पाघ, ए जी ए पाग
कांधै सब्रज, अे जी ए, रुमाल
हाथां में सोनो-प्याला प्रेम का जी

आंगण मोचा भंवरजी का मचकिया जी
कोई, थळियां ठमक्या, ए जी ए, सेल
गोरी रै आंगण खुड़को कुण कर्‌यो जी

लीलड़ी बांधो, भंवरजी, ठाण में जी
कोई, सेल धरो थम, ए जी ए, साळ
आय पधारो, मारूजी, महल में जी

टग-टग महलां भंवरजी चढ़ गया जी
कोई, खोलो बंध सजड़, ए जी ए, किंवाड़
सांकळ खोलो चीतळसार की जी

हाथ पकड़ कै भंवर बैठो करी जी
कोई, पूछी म्हारै मनड़ै री, अे जी ए, बात
अंखियां निमाणी पापण खुल गई जी

सुना रै बैरा तनैं मारस्यूं जी
कोई, कै थारी कलम, ए जी ए, कटार
सुती नैं जगायो भंवरजी री गोरड़ी जी

क्यांनैं, गोरी धण, म्हानैं मारद्यो जी
कोई, क्यूं म्हारी कतल, ए जी ए, कराय
म्हे छां सुपना ढळती रैण का जी

सुपना रै बैरी, तैं अैसी करी रै
कोई, जैसी करै ना, अे जी ए, कोय
धोखै रै छळ ली भंवरजी री गोरड़ी जी

म्हे छां सुपना सरब सुलक्खणा जी
कोई, बिछड़्यां नैं देवां, अे जी ए, मिलाय
म्हे छां सुपना ढळती रैण का जी

छपर पुराणो, भंवरजी, पड़ गयो जी
कोई, टपकण लाग्या, अे जी ए, जूण
अब घर आवो, आसा थारी लग रही जी

पलंग पुराणो भंवरजी हो गयो जी
कोई, बड़कण लाग्या, ए जी ए, साल
अब घर आवो, गोरी रा सायबा हो जी

पींपळ झूरै रै मारूजी फूल नैं
कोई, फळ नैं झूरै नागर, ए जी ए, बेल
सापुरसां नैं झूरै भंवरजी, नार जी

झुरझुर पिंजर हो जाय गोरड़ी जी
जैं को पीव बसै पर, ए जी ए, देस
बा धण डरपै सेजां अेकली जी

कै कोई जागै राजा–बादस्या
कै कोई बाळक की, ए जी ए, माय
कै कोई जागै तिरिया अेकली जी

डूंगर अूपर, मारूजी, घर करूं जी
कोई, बादळ रा करल्यूं, अे जी ए, किंवाड़
बिजळी रै कड़कै देखूं, भंवर, थानैं आवता जी

सुपनो

महलां में चोरी, भंवरजी, हो गई जी
कोई, लूंट्यो अनोखो, ए जी ए, माल
छंद-पछेली गजरा-नोगरी जी

टीकी फीकी, भंवरजी, हो गई जी
कोई हिंगळू रै चढ्या, अे जी ए, सिवाळ
अब घर आवो गोरी रा बालमा जी

नखळगढ पर पड़ज्यो बीजळी जी
कोई पड़ज्यो अचूको, ए जी ए, काळ
ज्यूं ढुल आवै गोरी रो सायबो जी

चांद्या, तेरी चकमक रात जी, कोई
नणंदल जी भोजाई पाणी नीसरी
आगै-आगै नणदल बाई रो साथ जी, कोई
लैर्‌यां जी नखराळी भावज नीसरी

गई-गई समंद-तळाब जो, कोई
घड़लो जी'क मेल्यो समंदां री पाल् पै
कोई ईंडी जी'क टांगी चपल्यां री डाळ पै

फिर-फिर मिरगानैणी देख्यो है बाग जी, कोई
दांतण जी'क तोड़्यो काची केळ को

रगड़-मसळ धोया है पांव जी, कोई
कुरळा जी'क छांट्या पूरा ड्योढसैं

बैठ्यो मुरलो समदरियां री पाळ जी, कोई
आप की जी पांख्यां सैं समदर ढक लियो

देखो बाईजी, अैं मुरलै को रूप जी, कोई
थारै जी बीरै सैं दोय तिल जासती (मुरलो सोवणो)
जाओ ए भाभी अैं मुरलै की लैर जी, कोई
म्हारै जी बीरै नैं परणां दूसरी

थे छो बाईजी, अनाळै की लाय जी, कोई
मतना जी, लगायो थारी माय नैं (थारै बीर नैं)
म्हे छां भाभी अनाळै की लाय जी, कोई
जाय जी सिखावां मेरी माय नैं (मेरै बीर नैं)

देखो ए मायड़ अँ भावज का काम जी, कोई
देखो वीरा जी अँ भावज का काम जी, कोई
भावज जी सरायो वन को मोरियो

ल्यावो ए माता पांचूं हथियार जी, कोई
पांचूं जी'क ल्यावो म्हारा कापड़ा

रवक्या भंवरजी मांझिल रात जी, कोई
दिन तो उगायो चंपा बाग में

फिर-घिर पना-मारू देख्यो है बाग जी, कोई
रुळ-डुळ पना-मारू देख्यो है बाग जी, कोई
दांतण जी'क तोड़्यो काची केळ को

बैठ्यो मुरलो समदरियां री पाळ जी, कोई
आपकी जी'क पांख्यां सैं समदर ढक लियो

एक ज तीर ज मार्‌यो है आप जी, कोई
दूजै में जी'क मुरलो प्राण ज तज दिया

मार-कूट कर ल्यायो गाडै घाल जी, कोई
ल्याय जी उतार्‌यो चानण-चोक में

जाओ ए गोरी, अँ मुरलै की गैल जी, कोई
म्हे तो जी'क परणांगा सुंदर, दूसरी
अेक ज परणां सावणियां री तीज जी, कोई
दूजी जी'क परणां आभा बीजळी

बरसै-बरसै सावणियां री तीज जी, कोई
चिमक जी रही है आभा बीजळी
परणो पना-मारू, दोय'र च्यार जी, कोई
म्हारै जी सरीसो कळ में को नहीं

उड रै पपइया रै जाजे डूंगरां जी राज
ल्याजे-ल्याजे मेवाड़ां री बहार रै पपइया रै लाल
ओरूं मत बोली रै गजबी रैन में जी राज

च्यार टका तो देवूं गांठ का जी राज
जै कोई ईडरगढ जाय रै पपइया रै लाल
फेरूं मत बोली रै गजबी रैन में जी राज
जाय लसकरियै भंवरजी नैं यूं कवै रै लाल
घर बैनड़ रो ब्याव रै पपइया रै लाल, फेरूं०
ब्याव मंड्यो तो म्हारै भली हुई जी राज
दीज्यो-दीज्यो दोवड़ दात रै पपइया रै लाल, ओरूं०

च्यार टका तो देवूं गांठ का जी राज
जै कोई ईडरगढ जाय रै पपइया रै लाल, ओजूं०
जाय लसकरियै भंवरजी नैं यूं कवै रै लाल
थारै कंवर हुयो घर आव रै पपइया रै लाल, ओजूं०
कंवर हुयो तो म्हारै भली हुई जी राज
करज्यो थे अनंद-उछाव रै पपइया रै लाल, ओजूं०

च्यार टका तो देवूं गांठ का जी राज
जै कोई ईडरगढ जाय रै पपइया रै लाल, फेरूं०
जाय लसकरियै भंवरजी नैं यूं कवै रै लाल
थारी मा मरी घर आय रै पपइया रै लाल, ओजूं०

माय मरी तो म्हारै बुरी हुई जी राज
करज्यो थे लोकाचार रै पपइया रै लाल, ओजूं०
कोट तळै कर बांनैं काढज्यो जी राज
झालर कै झिणकार रै पपइया रै लाल, ओजूं०

च्यार टका तो देवूं गांठ का जी राज
जै कोई ईडरगढ जाय रै पपइया रै लाल, ओजूं०
जाय लसकरियै भंवरजी नैं यूं कवै जी राज
थारी नार मरी घर आव रै पपइया रै लाल, ओजूं०
नार मरी तो म्हारै बुरी हुई जी राज
टावर बारा ए बाट रै पपइया रै लाल, ओजूं०

या ल्यो राजाजी थारी नोकरी जी राज
यो ल्यो साथीड़ो थारो देस रै पपइया रै लाल, फेरूं०
कैं दुख छोड़ी रै छोरा नोकरी जी राज
कैं दुख म्हारैड़ो देस रै पपइया रै लाल, ओजूं०
माय मर्‌यां सैं छोडी नोकरी जी राज
जोय मर्‌यां सैं छोड्यो देस रै पपइया रै लाल, ओजूं०

छाणां तो चुगती कह ए छोकरी जी राज
घर का तूं हाल बताय रै पपइया रै हाल, ओजूं०
माय बिलोवै थारी बिलोवणो जी राज
भैण सहेल्यां कै मांय रै पपइया रै लाल, ओजूं०
कंवर ज भूलै वीरा रै पालणै जी राज
नार रसोयां रै मांय रै पपइया रै लाल, ओजूं०

तूं छिणगारी ए म्हारी गोरड़ी जी राज
छळ कर लियो ए बुलाय रै पपइया रै लाल, ओजूं०
थे छिणगारा जी म्हारा सायबा जी राज
कदे ए न कर्‌यो जी विचार, रै पपइया रै लाल, ओजूं०

आवू चिमकै वीजळी, सीकर वरसै मेह ।
छांटा लाग्या प्रेम का, भीजै सारी देह ।।
उमराव थारो पचरंग पेचो भीज़ै म्हारा राज ।।१।।

साजन चाल्या चाकरी, कांधै धरी बंदूक ।
के तो सागै ले चलो, के करद्यो को टूक ।।
उमराव धण नैं सागै लेकर चालो म्हारा राज ।।२।।

साजन चल्या दिसावरां, पग में उळझी डोर ।
पाछा फिर कै देखज्यो, थारै धण ऊभी गणगोर ।।
उमराव थारी ओळ्यूं म्हानैं आवै म्हारा राज ।।३।।

फ़ूल गुलाबी पोमचो, पड़्यो विरंगो होय ।
मैं मेरी मा कै लाडली, कद मुकलावो होय ।।
उमराव थे तो लेवण जलद पधारो म्हारा राज ।।४।।

बैंगण तो काचा भला, पाकी भली अनार ।
प्रीतम तो पतळा भला, मोटा जाट गंवार ।।
जी उमराव थारी चलगत प्यारी लागै म्हारा राज ।।५।।

डूंगर ऊपर डूंगरी सोनो घड़ै सुनार ।
मेरी घड़दे पैंजणी, मेरै प्रीतम को कड़वार ।।
जी उमराव थारी सूरत प्यारी लागै म्हारा राज ।।६।।

सारण परली ठेकरी, घस-घस पतळी होय ।
परदेसी की गोरड़ी झुर-झुर पींजर होय ।।
जी ओ सिरदार म्हानैं एक बर सुरत दिखावो म्हारा राज ।।७।।

आप झरोखै बैठता, लळवळिया सिरदार।
हाजर रहती गोरड़ी, सज सोळा सिणगार ।।
जी उमराव थारी सूरत प्यारी लागै म्हारा राज ।।८।।

डाक्या टोडा टोडड़ी, लोपी नदी बनास।
आडावळो उलांघियो, जद छोडी घण आस ।।
जी उमराव म्हानैं कर दुखिया चढ चाल्या म्हारा राज ।।९।।

चांदी को इक बाटको, जैं में बूरो-भात।
हुकम होय सिरकार को जीमां दोनूं साथ ।।
जी उमराव थानैं पंखो ढोळ जिमाऊं म्हारा राज ।।१०।।

पिया गया परदेस में, नैणां टपकै नीर।
ओळ्यूं आवै पीव री, जिवड़ो धरै न धीर ।।
जी उमराव थारै लैर्‌यां लागी आवूं म्हारा राज ।।११।।

बनास=टोंक रै कनैं एक नदी
आडावळो=अरावली पहाड़ री ठेठ राजस्थानी नांव

ज्यानी ओ, चांद्या री चकमक रात
पणिहारी पाणी नीसरी, ओ मेरा स्याम
पणिहारी पाणी नीसरी, ओ मेरा स्याम

ज्यानी ओ, गई-गई समंद-तळाव
घड़लो तो मेल्यो घाट पै, ओ मेरा स्याम
घड़लो तो मेल्यो घाट पै, ओ मेरा स्याम

ज्यानी ओ, देख पणिहारी रो रूप
राजाजी घुड़लो थामियो, ओ मेरा स्याम
राजाजी घुड़ला थामियो, ओ मेरा स्याम

गोरी ए, एक चळू पाणीड़ो प्याय
तिसायो पंछी दूर को, ए मेरी नार
तिसायो पंछी दूर को, ए मेरी नार

ज्यानी ओ, पीवो ना समंद झिकोळ
घड़लै को पाणी लागणो, ओ मेरा स्याम
घड़लै को पाणी लागणो, ओ मेरा स्याम

गोरी ए, समदर पीवै ढांढा-ढोर
घड़लां रो पाणी म्हे पीवां, ए मेरी नार
घड़लां रो पाणी म्हे पीवां, ए मेरी नार

ज्यानी ओ, म्हारो पाणी बीछुड़ा रो जहर
पीयां पाछै ना जीवै, ओ मेरा स्याम
पीयां पाछै ना जीवै, ओ मेरा स्याम

गौरी ए, थारो पाणी बीछूड़ा रो जहर
थारो परण्यो क्यूं जीवै, ओ म्हारी नार
थारो परण्यो क्यूं जीवै, ओ म्हारी नार

ज्यानी ओ, म्हारो परण्यो वीछूड़ा रो जहर—
उतारै पाणी वै पीवै, ओ मेरा स्याम
उतारै पाणी वै पीवै, ओ मेरा स्याम

ज्यानी ओ, पाड्योसण की आग्हीं–साम्हीं पोळ
सोनै में पीळी हो रही, ओ मेरा स्याम
मोत्यां में धोळी हो रही, ओ मेरा स्याम

गोरी ए, वांका तो परण्या परदेस
वांकी तो लागी नोकरी, ओ मेरी नार
वांकी तो लागी नोकरी, ओ मेरी नार

गोरी ए, म्हे भी तो जावां परदेस
सोनै में पीळी म्हे करां, ए मेरी नार
मोत्यां में धोळी म्हे करां, ए मेरी नार

११८

काळी ए कळायण ऊमटी अे पणिहारी अे लो
छोटोड़ी छांटां रो बरसै मेह वाला जो

आज धराऊ धूंधळो ए पणिहारी अे लो
मोटोड़ी छांटां रो बरसै मेह वाला जो

भर नाडा भर नाडिया ए पणिहारी ए लो
भरिया-भरिया समंद-तळाव वाला जो

कुण्या जी खुणाया नाडा-नाडिया अे पणिहारी अे लो
कुण्या जी खुणाया तळाव वाला जो
सुसरै जी खुणाया नाडा-नाडिया अे पणिहारी अे लो
पिवजी खुणाया तळाव वाला जो

किण सूं वधावो नाडा-नाडिया अे पणिहारी ए लो
किण सूं वधावो भीम तळाव वाला जो
नाळेरां वधावां नाडा-नाडिया ए पणिहारी ए लो
मोतीड़ां वधावां भीम तळाव वाला जो

सात सहेल्यां रै झूलरै ए पणिहारी ए लो
पाणीड़ै गई ए तळाव वाला जो

घड़ोयन डूबै ताल में अे पणिहारी ए लो
ईंडूणी तिर-तिर जाय वाला जो

सातूं रे सहेल्यां पाणी भर चली अे पणिहारी ए लो
पणिहारी रही रे तळाव वाला जो

चैंवतै ओठी नैं हेलो मारियो ए लंजा ओठीड़ा ए लो
घड़ियो उखणावतो जाय वाला जो

ओरां रै काजळ-टीकियां अे पणिहारी अे लो
थारोड़ा क्यूं फीका नैण वाला जो

ओरां रै ओढण चूनड़ी ए पणिहारी ए लो
थारोड़ो क्यूं मैलो वेस वाला जो
ओरां रा पिवजी घर वसै अे लंजा ओठीड़ा ए लो
म्हारोड़ा वसै परदेस वाला जो

कै है रे सासू थारै सावकी अे पणिहारी अे लो
कै थारो पीवरियो परदेस वाला जो
नहीं है सासू म्हारै सावकी रे लंजा ओठीड़ा अे लो
नहिं म्हारो पीवरियो परदेस वाला जो

घड़ो तो पटक दे नीं ताल में अे पणिहारी अे लो
चालै नीं ओठीड़ै री लार वाला जो
वाळूं तो जाळूं थारी जीभड़ी अे लंजा ओटीड़ा अे लो
डसै थानैं काळो नाग वाला जो

चालै तो घड़ादयूं तनैं वाड़लो ए पणिहारी अे लो
चालै तो नवसर हार वाला जो
अहड़ा तो वाड़लिया म्हारै घर घणा रे लंजा ओठीड़ा अे लो
खूंट्यां टंग्या नवसर हार वाला जो

हालै तो चिरादयूं चूड़ो दांत रो अे पणिहारी अे लो
हालै तो दिखणी चीर वाला जो
चुड़लो चिरासी धण रो नायको रे लंजा ओठीड़ा ए लो
ओढणियो ओढासी म्हारो वीर वाला जो

घड़ो तो भर नै पाछी बावड़ो ए पणिहारी ए लो
आयो-आयो फळसै रै बार वाला जो
घड़ो तो पटकदूं ऊंची चौक में ए म्हारा सासूजी ए लो
वेगो रे घड़लो उतारजे वाला जो

किण थानैं मोसो मारियो ऐ म्हारा बहूजी ऐ लो
किण थानै दीनी छै गाळ बाला जो

ऐक ओटो म्हानैं ऐसो मिल्यो ए म्हारा सासूजी ए लो
पूछी म्हारै मनड़ै री बात बाला जो

किसड़ो तो ओटोड़ै रो रूप ए पणिहारी ए लो
किण रो तो आवै उणियार बाला जो

देवरजी सरीखो ओछो-पातळो ए म्हारा सासूजी ऐ लो
नणदल बाई सा रै उणिहार बाला जो

थे तो बहुवड़ भोळा घणा ए म्हारी बहुवड़ ए लो
ओटीड़ो तो थारो भरतार बाला जो

मूमल

११५

काळी रे काळी काजळियै री रेखड़ी रे
हांजी रे, काळोड़ी कांठळ में चिमकै बीजळी
म्हारी बरसाळै री मूमल, हालै नीं अे आलीजै रै देस

न्हायो मूमल मायलियो रे मेट सूं
हांजी रे, कड़ियां तो राळ्या मूमल केसड़ा
म्हारी जगमीठी मूमल, हालै नीं अे आलीजै रै देस

सीसड़लो मूमल रो सरूप नारेळ ज्यूं
हांजी रे, केसड़ला माड़ेची रा वासग नाग ज्यूं
म्हारी जुग हाली रे मूमल, हालै नीं अे अमराणै रै देस

होठड़ला मूमल रा रेसमियै रै तार ज्यूं
हांजी रे, दांतड़ला अूजळदंती रा दाड़म बीज ज्यूं
म्हारी हरियाळी अे मूमल, हालै नीं अे अमराणै रै देस

पेटड़लो मूमल रो पींपळियै रै पान ज्यूं
हांजी रे, हिवड़लो मूमल रो सांचै ढाळियो
म्हारी नाजुकड़ी मूमल, हालै नीं अे रंगीलै रै देस

जांघड़ली मूमल री देवळियै रै थांग ज्यूं
हांजी रे, सायळड़ी सपोठी पींडी पातळी
म्हारी माड़ेची मूमल, हालै नीं अे आलीजै रै देस

जायी रे मूमल इण लोद्रवाणै रै देस में
हांजी रे, नाणी रे मूमल नै राणै महेंदरै
म्हारी जेसाणै री मूमल, हालै नीं अे अमराणै रै देस

११६

बैठ्या बाबोजी गलन बिछाय
कागद आया जी बाबोजी हाडे राव रा

कागद बाबोजी म्हानैं बांच सुणाय
के'र लिख्यो छै जी बाबोजी कोरै कागदां

कागद सजनां बांच्यो ओ न जाय
छाती तो फाटै ओ सजनांदे हिवड़ो अ् भळै
छाती बाबोजी हीरां ओ जड़ाय
हिवड़ो ए जड़ाल्यो साचा मोतियां

एवड़-छेवड़ लिखिया साम सलाम
बीच लिख्या छै ओ सजनांदे वेग पधारणा
म्हारै सजनां जायो न लाडण पूत
कूण चढैगो ओ सजनांदे राजाजी री चाकरी

थे म्हारा बाबोजी बेदल मतना होय
म्हे तो चढांगा जी राजाजी री चाकरी
ल्याओ बाबोजी पांचूं हथियार
पांचूं तो देद्यो जी बाबोजी म्हारा कापड़ा

करिया सजनां मरदाना जी भेस
करहलिया ललकार्‌या ओ बाई सजनां ढळती रात रा
दे'र नगारो जी बाई सजनां चढगी रात नैं

चढ गई सजनां घोड़ै असवार
दिन तो अूगायो ओ बाई सजनां राजाजी रै देस में

बूझयो सजनां गायां रो गुवाळ
सींव वताओ रै भाईड़ो हाडै राव री
याही छै ओठी राजाजी री सींव
सालर थोड़ा जी ओठीजी सरवर बोघणा

बूझयो सजनां माळीड़ै रो पूत
बाग बतावो रै माळीका राजाजी रो कूणसो
यो ही छै ओठी राजाजी रो बाग
आमू तो पाक्या ओ ओठीजी नींबू रसभर्या

रुळडुळ सजनां देखै छै बाग
दांतण तोड्यो अे बाई सजनां काची केळ रो

सजनां बूझी पाणी की पणिहार
होद बतावो अे पणिहारी हाडै राव री
यो ही छै ओठी समंद-तलाव
डेरा तो ढाळ्या अे बाई सजनां समंद-तळाव पर

बूझयो सजनां चेजारै रो पूत
महल बताग्रो रै भाईड़ो हाडै राव रो
यो ही छै ग्रोठी राजाजी रो महल
केळ भवरकै ओ ओठीजी राजाजी रै बारणै

बैठ्या राजाजी तख्त बिछाय
कागद राळ्यो अे बाई सजनां राजाजी री गोद में

भाभी अे म्हे बूझां थानैं बात
नैण नारी रा ओ आ बोली बोलै मरदां री
ओक बर देवर न्हावण नैं ले जाय
वेरो तो पड़सी ओ देवरिया नारी-मरदां रो
नारी होवै तो रगड़-मसळ धोवै पांव
मरद मूंछ्याळो जी ओ भट सैं न्हाय'र आवड़ै

राजाजी तो रगड़ मसळ धोवे पांव
रायमल री सजनां जी या झट सैं न्हाय'र नीसरी

भाभी ए म्हे बूझां थानें बात
नैण नारी रा अे आ बोली बोलै मरदां री
अेक वर देवर बागां में ले जाय
वेरो तो पड़सी ओ देवरिया नारी-मरदां रो
नारी हो तो पड़्या-रिड़्या फळ खाय
मरद मूंछ्याळो जी ओ तोड़ै फूल गुलाब रो
राजाजी तो पड़्या-रिड़्या फळ खाय
रायमल री सजनां जी आ तोड़ै फूल गुलाब रो

भाभी अे म्हे बूझा थानें बात
नैण नारी रा अे या बोली बोलै मरदां री

अेक वर देवर जीमण नें ले आय
वेरो तो पड़सी ओ देवरिया नारी–मरदां रो
नारी हो तो चुग–चुग चावळ खाय
मरद मूंछ्याळो जी ओ झट सैं जोम चळू करै
राजाजी तो चुग–चुग चावळ खाय
रायमल री सजनां जी आ झट सैं जोम चळू करै

भाभी अे म्हे बूझां थानें वात
नैण नारी रा अे आ बोली बोलै मरदां री

अेक वर देवर मोडी र ले जाय
वेरो तो पड़सी ओ देवरिया नारी-मरदां रो
नारी हो तो पोमचड़ै मन जाय
मरद मूंछ्याळो पाघ रंगाय घर वावड़ै
राजाजी रो पोमचड़ां मन जाय
रायमल री सजनां जी आ पाघ रंगाय घर वावड़ै

भाभी अे म्हे बूझां थानैं बात
नैण नारी रा अे आ बोली बोलै मरदां री

अेक बर देवर सोनी रै ले जाय
बेरो तो पड़सी ओ देवरिया नारी-मरदां रो
नारी हो तो गहणां में मन जाय
मरद मूंछयाळो जी ओ गोप घड़ाय घर बावड़ै
राजाजी रो गहणां में मन जाय
रायमल री सजनां जी आ गोप घड़ाय घर बावड़

भाभी अे म्हे बूझां थानैं बात
नैण नारी रा अे आ बोली बोलै मरदां री

अेक बर देवर महलां में ले जाय
बेरो तो पड़सी ओ देवरिया नारी-मरदां रो
नारी हो तो बातड़ल्यां जित जाय
मरद मूंछयाळो जी ओ ले पसवाड़ो सोय रैवै
राजाजो रो बातड़ल्यां जित जाय
रायमल री सजनां जी आ ले पसवाड़ो सोय रैयी

यो ल्यो राजाजी थारो जी देस
या ल्यो जी राजाजी थारी चाकरी
चढगी सजनां घोड़ै असवार
चुड़लो दिखायो ओ सजनांदे हस्तीदांत रो

अेकवर सजनां पाछी अे आव
मन रा जी धोखा ओ सजनांदे मन में रह गया

उलंघी सजनां समंद-तळाव
दिन तो उगायो ए बाई सजनां बाबोजी रै देस में
उठो बाबोजी हकिया फळसा पोल
बायर आगी ओ बाबोजी सजनां लाडली

पना ए भंवरजी सूत्या सुख भर नींद
सुपनो तो आयो राणी सिखरी रै देस को जी राज
सांड्या रे भाई जलदी सांड पलाण
तड़कै तो जास्यां राणी सिखरी रै पावणा जी राज

पना ए भंवरजी रळचया मांझिल रात
दिन तो उगायो राणी सिखरी रै देस में जी राज

पना ए भंवरजी बूझयो गायां रो गुवाळ
सींव बताओ राणी सिखरी री कूण सी जी राज
पना ए भंवरजी या ही थारी सिखरी री सींव
सालर थोड़ा सरवर वोघणा जी राज

पना ए भंवरजी बूझयो माळीड़े रो पूत
बाग बतावो राणी सिखरी रो कूण सो जी राज
पना ए भंवरजी यो ही राणी सिखरी रो बाग
आमू जी पाक्या नींबू रसभर्‌या जी राज

पना ए भंवरजी बूझी कुवै री पणिहार
पोळ बतावो राणी सिखरी री कूण सी जी राज
पना ए भंवरजी या ही थारी सिखरी री पोळ
केळ भंवरखै बांकै बारणै जी राज

पना ए भंवरजी बूझयो चेजारै रो पूत
महल बतावो राणी सिखरी को कूण सो जी राज
पना ए भंवरजी यो ही थारी सिखरी रो महल
अजब झिरोखा छजा-वारी झुक रया जी राज

दासी ए तूं चढ चोबारै देख
बाहर ऊभ्या समरथ पावणा जी राज

पना ए भंवरजी घुड़ला पाछा मोड़
आंगण फूटै म्हारो कांच को जी राज
दासी ए तूं इतणी गर बन बोल
ओर ढुळादयां जाभा हींगळू जी राज

दासी ए तूं तातो पाणी मेल
उबट नुहावां प्यारा पावणा जी राज
दासी ए तूं जिनवां रो भात पसाय
घणा ए भुख्याळा प्यारा पावणा जी राज

दासी ए तूं चोपड़-पासा ढाळ
घणा ए खिलारी प्यारा पावणा जी राज
दासी ए तूं फुलड़ां री सेज बिछाय
घणा ए निंदाळू प्यारा पावणा जी राज

दासी ए तूं महलां दिवलो जोय
घणो ए रसीलो गोरी को सायबो जी राज
दिवलै में बाईजी ना बाती ना तेल
रैन अंधेरी मोदी सो गया जी राज

दासी थारी म्हारै सागै भेज
वड़ला भरादयूं चंपेली रै तेल रा जी राज

दासी म्हारी सुघड़ सरूप
कांई ठिकाणो थारै जीव को जी राज
खिलारी ए तूं इतणी गरब न बोल
दासी मंगादयूं पूरी ड्योढ़सै जी राज

पना ए भंवरजी अब थांरी जात बताय
जात बताय'र ढोलिये पग धरो जी राज

जात ज म्हारी राठोड़ा रजपूत
राजा जुधसिंघजी का कड़िए आवड़ा जी राज

सिखरी ए तूं अब थारी जात बताय
जात बताय'र डोल्यै पग धरो जी राज
पना ए भंवरजी धोबीड़ां री धीव
राजा जुधसिंघजी का धोयां कापड़ा जी राज

सिखरी ए मैं आयो तेरी आस लगाय
आस-निरास गजबण नैं कर्‍या जी राज
सांड्या रै भाई जलदी सांड पलाण
छांटो तो लाग्यो जात-कुजात को जी राज

नागजी, घड़ी दोय घुड़ला थाम रे
वैरी, घूंघट री छैंयां करूं, ओ नागजी
नागजी, तावड़ियो पापी पड़ै, हां रे
वैरी, घायल करदी तावड़ै, ओ नागजी

नागजी, मन लोभी, मन लालची रे
वैरी, मन चंचळ, मन चोर, ओ नागजी
नागजी, मन रै मतैयन चालियै रे
वैरी, पलक-पलक मन ओर, ओ नागजी

नागजी, तड़क-तड़क मत तोड़ रे
वैरी, कतवारी रै तार ज्यूं, ओ नागजी
नागजी, ज्यूं टूटै त्यूं जोड़ रे
वैरी, प्रीत पुराणो ना पड़ै, ओ नागजी

नागजी, नागर बेलड़ी रे
वैरी, पसरै पण फूलै नहीं, ओ नागजी
नागजी, बाळकपण री प्रीत रे
वैरी, बिछड़ै पण छूटै नहीं, ओ नागजी

नागजी, सूत्यो खूंटी ताण रे
वैरी, बतळायां बोल्यो नहीं, ओ नागजी
नागजी, मालपुवे रो टूक रे
वैरी, जीम्यां अड़ियो न नाळवे, ओ नागजी

नागजी, लायो खजाने रो माल रे
वैरी, लूणहरामी हो गयो, ओ नागजी
नागजी, अेक बर घुड़लो मोड़ रे
वैरी, मनड़ै री बातां मैं कहूं, रे नागजी

नागजी, भली निभाई प्रीत रे
वैरी, रैणबिछोवो कर चल्यो, ओ नागजी
नागजी, रमता अेक ज संग रे
वैरी, सब रंग फीका तैं कर्‌या, ओ नागजी

नागजी, रहता अेक ज साथ रे
वैरी, रैणबिछोवो तैं कर्‌यो, ओ नागजी

नागजी, सोता अेक पिलंग रे
वैरी, न्यारा-न्यारा तैं कर्‌या, ओ नागजी

नागजी, टीकी फीकी पड़ गई रे
वैरी, कजळो बह गयो नैण को, रे नागजी
नागजी, होय उमंगी बादळी रे
वैरी, नैणां बरसै मेह जी, ओ नागजी

नागजी, माखणड़ो सो तैं लियो रे
वैरी, रह गई खाटी छाछ रे, ओ नागजी

नागजी, अेक बर मुखड़ै बोल रे
वैरी, आस निरासी मत करै, ओ नागजी

पनलो परदेसी

११८

चांद्या, थारी चकमक रात, पना मारू राज
पनलै परदेसी को लसकर नीसर्‌यो जी म्हारा राज

वसो ये तो वासो जी द्‌यां, ए पना मारू राज
आज वसो ना ओ दिलसुख महल में जी म्हारा राज
वसां ए ना, वासो जी ल्यां, म्हारी मिरगानैणी राज
पर घर वासो ए सुन्दर, ना लेवां जी म्हारा राज

वा धण देवो ए वताय, पना मारू राज
जांकै उमावै जी छोड़ी घर की गोरड़ी जी म्हारा राज

कुण थानैं दीनी छै सीख, पना मारू राज
कुण्यां कै भरमायै ओ चाल्या चाकरी जी म्हारा राज
वा धण देई है सीख, मिरगानैणी राज
थारी ए लीलाड़ी ए प्यारी की पगथळी जी म्हारा राज

सूरज जिसो ए ऊजास, मिरगानैणी राज
चांद सरीसी ए वा धण निरमळी जी म्हारा राज
दूवां जिसो ए ऊफाण, मिरगानैणी राज
दही ए सरीसी वा धण कठकटी जी म्हारा राज

मिसरी जिसो ए मीठास, मिरगानैणी राज
लूंग सरीसी ए वा धण चरचरी जी म्हारा राज

सीस वण्यो है नारेळ, मिरगानैणी राज
चोटी तो कहिए वा नग नाग की सी म्हारा राज
नेण नींबू की जी फाड़, मिरगानैणी राज
भंवारा ए वीजळी सौवे जी म्हारा राज

नाक सुवे की जी चांच, मिरगानैणी राज
अधरां लाली ए दांते म्हा रहीं जी म्हारा राज

कूंजां

११९

सूती छी सुख नींद में जी, सुपनो भयो ए जजाळ
भंवर सुपनै बतळाई जी
तन्नैं सुपना मैं मारस्यूं रै, तेरी तो कतल कराय
सुपना रै बैरी भूठो क्यूं आयो रै
क्यांनैं गोरी म्हानैं मारस्यो ए, क्यूं म्हारी कतल कराय
म्हे छां सुपना ढलती रात रा ए, बिछड़्यां नैं द्यां ए मिलाय
गोरी थारो भंवर मिलायो ए

आज संवारी अूठिया जी, गई-गई मायड़ के पास
सुण मायड़ थानैं बात कहां ए, कहतां आवै म्हानैं लाज
व्याही छां कै कंवारियां ए, जैं को अरथ बताय
मायड़ म्हानै साची बताओ ए
परणी छी पीळे पोतड़ां ए, पाळी में रे बैठाय
नळ राजा को डीकरो ए, परण पूरब उठ ज्याय
बाई थानैं साच सुणावां ए

आज संवारी अूठिया जी, गई-गई कूंजां के पास
तूं छै कूंजां भायली ए, तूं छै धरम की ए भैण
पतरी लिखद्यूं प्रेम की ए, दीज्यो पियाजी नैं जाय
कूंजां ए म्हारो भंवर मिलाद्यो ए
माणस होय तो मुख कैवां जी, म्हांनैं बोल्यो न जाय
बाई म्हे तो लिख बिध कहस्यां ए
लिखो म्हारो जोबन नाजुको ए, और रूपनाळी ए गात
बाई थारो पीव मिलास्यां ए

उग लसकरियै नैं जा कैवो ए, क्यूं परणी वो मोय
परण पिराछित क्यूं लियो जी, रह्या क्यूं ना अखनकुंवार
कुंवारी नैं तो वर घणा जो, परणी को लागे सराप
कूंजां ए म्हारो भंवर मिलाद्यो ए
चढती तो कूंजां यूं चढी जी, जाणै चंदो चढै ए अकास
ढळती तो कूंजा यूं ढळी जी, गई-गई कोस पचास
कूंजां ए म्हारो भंवर मिलाद्यो ए

ढोलो-मारुणी पासा ढाळिया जी, कूंजां रही ए कुरळाय
हाथां का पासा हथ रह्या जी, वाजो रही पासां मांय
कूण जिनावर बोलै देस को जी, जींको करो तो विचार
मारुणी म्हानैं भेद बताओ ए
हाथां का पासा ढाळद्यो जी, वाजो ल्यो पासां मांय
घणा ही जिनावर बोलै देस का जी, क्यां को करो जी विचार
भंवर थे तो बाजी खेलो जो

वो गयो ढोलो वो गयो जो, गयो-गयो बागां कै मांय
ढूंढै चंपा बाग में जी, बैठी घण अमल्यां री डाळ
कूंजां कुरळावण लागी जी
कूण्यां रा भेज्या ओठी आइया जी, कूण्यां रा कागद हाथ
कूंजां ए म्हानैं साच बताओ ए
थारी धण रा भेजया ओठी आइया जी, थारी धण रा कागद हाथ
भंवर म्हारी पांख्यां पर बांचो जी

काजळ-टीकी रो थारी धण खण लियो जी, बिंदली रो सरव सुहाग
गोटै मिसरू रो थारी धण खण लियो जी, चूनड़ रो सरव सुहाग
दूध-दही रो थारी धण खण लियो जी, अन बिना रह्यो ए न जाय
हिंगळू ढोल्या रो थारी धण खण लियो जी, सोयां बिन रैयो ए न जाय
कूंजां म्हारो भंवर मिलाद्यो ए

आज अपूठा सोय रया जी, नख सैं कुचरो जी भींत
के चित आयो देसड़ो जी, के चित आया माई-बाप
भंवर दिलगीरी क्यूं ल्याया जी
एक चित आई म्हारी गोरड़ी ए, वा वण घणी ए उदास
मारुणी म्हानैं गोरी चित आई ए

आज संवारी ढोलो ऊठियो जी, गयो-गयो करवां री झोक
कैं गळ घालूं घूघरा रैं, कैं गळ रेसमी जी डोर
करवा म्हारी गोरी सैं मिलाद्यो रै
म्हां गळ घालो घूघरा जी, म्हां गळ रेसम जी डोर
भंवर थानैं गोरी सैं मिलाद्यां जी

आज संवारी गोरी ऊठिया जी, गई-गई करवां री झोक
तूं करवा म्हारै बाप को रै, लंगड़ो होय कर बैठ
करवा रै तूं तो सागै ना जावे रै
खोड़ो होवूं तो डामदे ए, बच्यो मरूं ए जो भूल
जास्यां ढोलैजी कै सासरै ए, चरस्यां म्हे नागरबेल
गोरी म्हे तो सागै जास्यां ए

सींक-सळाई तन्नैं डामस्यूं रे, लापसियां मिं डाव
पाणी तो प्याऊं ऊंडै होद को रे, नीरूं मैं नागरबेल
करवा रै तूं तो सागै ना जावे रै
तूं छै ए गोरी बावळी ए, तूं छै ए अकल गंवार
औरां रो ढोलो चुनाव कै ए, मागी लियो ए दिन च्यार
गोरी ए म्हे तो सागै जास्यां ए
छिटक पड़ेगी तेरी पांतळी रै, फाड़ पड़ेगो तेरो पेट
दड़-बड़ करस्या चोट ना रै, सिर कुल्हेला तेरो काग
करवा रै थेनी सागै ना आवै रै

माळीड़ां की डीकरी ए, तूं छै धरम की ए भाण
तेरै कनैं कर ढोलो नीसर्‌यो ए, किसै ए उमावै जाय
बाई ए म्हानैं भेद बताओ ए
मेरै कनैं कर ढोलो नीसर्‌यो ए, जाणै ल्होड़ी परणवा ए जाय
बाई ए थानैं साच सुणावां ए

बोरां री वड बोरड़ी ए, तेरा ए मीठा जी बोर
तेरै कनैं कर ढोलो नीसर्‌यो ए, राख्यो क्यूं ना बिलमाय
बाई म्हांनैं पियो चित आवै ए
तोड़्‌या पण चाख्या नहीं ए, लीन्या गोजै में घाल
जै थारो ढोलो फळ चाखतो ए, लेती मैं बिलमाय
बाई थानैं साच सुणावां ए

गैलै पर की बावड़ी ए, तेरो ए ठंडो जी नीर
तेरै कनैं कर ढोलो नीसर्‌यो ए, राख्यो क्यूं ना बिलमाय
बाई म्हानैं पियो चित आवै ए
मुख धोयो कुरळा कर्‌या ए, ले गयो झारी में घाल
जै ढोलो नीर ज पीवतो ए, तो लेती मैं बिलमाय
बाई थानैं साच सुणावां ए

ढोलो पूंचाय'र बावड़ी जी, जीं को आवै ए रोज
चूल्है गेरै गरेलिया जी, धूंवै कै मिस रोय
भंवर म्हानैं छोड़ सिधार्‌या जी

करवा चाल उतावळो रै, दिन थोड़ो घर दूर
दोय गोर्‌यां को सायबो रै, रैवैगो अकेलो आज
करवा म्हानैं गोरी सैं मिलादे रै
दांतण करो कूवा-बावड़ी जी, मळ-मळ करो अस
चांद उग्यां सूरज छिप्यां जी, द्यूं थारी
भंवर थानैं बेग पूगाद्यां जी

कूंजां

ढोलां ही ढोलां घर भर्‌या जी. करवां ही करवां गवाड़
इसड़ो तो कळ में को नहीं जी, म्हारी लाडो को लणिहार
कूंजां ए म्हानैं साची बताओ ए
ढोलां ही ढोलां घर भर्‌या जी, करवां ही करवां गवाड़
इसड़ा तो कळ में म्हे होया जी, थारी लाडो का आया लणिहार
कूंजां म्हानैं ल्याण मिलाया जी

तीजण चुगरो ए'क चनणा म्हे सुण्यो जी
कोई सहेल्यां में पड़्यो रमभोळ
अम्मा तेरी बूझै ए'क चनणा के हुयो जी

म्हारी तो लग गई ए'क रामूड़ै सैं दोसती जी
कोई भिड़ गया भीतर नेह
अम्मा मेरी बूझै ए'क मनड़ा के कहूं जी

बतळाये सैं ए'क लाडो मेरी बोलै नहीं जी
कोई क्यूं भयो चित्त उदास
साची तो साची ए'क चनणा थे कहो जी

नथली को डांडो ए'क अम्मा मेरी टूटग्यो जी
कोई गई-गई रामूड़ै की हाट
भूठो चुगरो ए'क सखियां कर रही जी

टगटग महलां जी'क सहेल्यां चढ गई जी
कोई आई-आई राणीजी कै पास
राणी तो पूछै ए'क आवण थारो क्यूं हुयो जी

तीजण चरखै जी'क चनणा जावती जी
कोई न गई सहेल्यां रै मांय
म्हारो तो आवण जी'क राणी जो यूं भयो जी

म्हारी तो चनणा ए'क सइयो अंचपळी जी
कोई पड़ गई बाण-कुबाण
गळी तो गळी का जी'क ल्यावै ओळमा जी

ढोलां ही ढोलां घर भर्‌या जी. करवां ही करवां गवाड़
इसड़ो तो कळ में को नहीं जी, म्हारी लाडो को लणिहार
कूंजां ए म्हानैं साची वताओ ए
ढोलां ही ढोलां घर भर्‌या जी, करवां ही करवां गवाड़
इसड़ा तो कळ में म्हे होया जी, थारी लाडो का आया लणिहार
कूंजां म्हानैं ल्याण मिलाया जी

चनणा

१९०

तीजण चुगरो ए'क चनणा म्हे सुण्यो जी
कोई सहेल्यां में पड़्यो रमझोळ
अम्मा तेरी बूझै ए'क चनणा कै हुयो जी

म्हारी तो लग गई ए'क रामूड़ै सूँ दोसती जी
कोई भिड़ गया भीतर नेह
अम्मा मेरी बूझै ए'क मनड़ा कै कहूं जी

बतळाये सूँ ए'क लाडो मेरी बोलै नहीं जी
कोई क्यूं भयो चित्त उदास
साची तो साची ए'क चनणा थे कहो जी

नथली को डांडो ए'क अम्मा मेरी टूटग्यो जी
कोई गई-गई रामूड़ै की हाट
झूठो चुगरो ए'क सखियां कर रही जी

टगटग महलां जी'क सहेल्यां चढ गई जी
कोई आई-आई राणीजी कै पास
राणी तो पूछै ए'क आवण थारो क्यूं हुयो जी

तीजण चरखै जी'क चनणा जावती जी
कोई न गई सहेल्यां रै मांय
म्हारो तो आवण जी'क राणी जो यूं भयो जी

म्हारी तो चनणा ए'क सइयो अचपळी जी
कोई पड़ गई बाण-कुबाण
गळी तो गळी का जी'क ल्यावै ओळमा जी

चनणा

थारी तो चनणा जी'क राणीजी सोवणी जी
कोई पड़ गई वाण–कुबाण
दोसती लगाली जी'क रामूड़ै सुनार सूं वा जी

टगटग महलां जी'क राणीजी चढ गई जी
कोई गई–गई राजाजी कै पास
झटक दुसालो जी'क राव जगाइया जी

राणी तो राजाजी'क दोनूं भेळा हुया जी
कोई सुणो राजाजी मेरी बात
चनणा नैं भेजो जी'क चनणा कै सासरै जी

के म्हारी चनणा ए'क राणीजी अचपळी जी
कोई के थारो कर्‌यो ए उजाड़
किस बिध भेजां ए'क बाई नैं सासरै जी

ना थारी चनणा जी'क राजाजी अचपळी जी
कोई ना म्हारो कर्‌यो ए उजाड़
इत्तो मैं समझग्यो जी'क राजाजी बात नैं जी

ल्यावो ए राणी जी'क कोरा कागदा जी
कोई ल्यावो–ल्यावो कलम–दवात
चीरो लिख भेजां जी'क चनणा कै सासरै जी

[illegible]–[illegible] जी'क लिख दो [illegible] जी
कोई बिच–बिच [illegible] [illegible]
बेग [illegible] जी [illegible] [illegible] [illegible] जी

कोरा ना कागद जी'क राजाजी लिख दिया जी
कोई दे दिया [illegible] रे हाथ
[illegible] [illegible] जी'क चनणा कै सासरै जी

आधी सी ढळतां जी'क ओठीड़ा रळकिया जी
कोई चाल्या मांझल रात
दिन तो उगायो जी'क रिसालू कै देस में जी

भरी तो कचेड़ी जी'क रिसालू राजा बैठिया जी
कोई कासिद करी ए सलाम
कागद राळ्यो जी'क राजाजी री गोद में जी

कूण्यांजी रा भेज्या जी'क ओठीड़ा आइया जी
कोई कूण्यांजी रा छो लणिहार
साचो तो साची जी'क ओठीड़ा थे कहो जी

राजाजी का भेज्या जी'क कंवर म्हे आइया जी
कोई थारै घर का लणिहार
सासूजी बुलाया जी पधारो सासरै जी

डेरा तो करल्यो जी'क चंपा बाग में जी
कोई करलां नैं नीरो नागरबेल
धणी मिजमानी जी'क करस्यां आपकी जी

घुड़लां नैं दाणो जी'क राजाजी घर घणो जी
कोई करलां नैं घणी म्हारै बेल
सासूजी उडीकै जी पधारो सासरै जी

कागद बांच्या जी कुंवर[illegible] सर धुण्यो जी
कोई चित में भया ए उदास
सिर को दुमालो जी कुंवर को गिर पड़्यो जी

ल्यावो म्हारी अम्मा जी'क पांचूं कापड़ा जी
कोई ल्यावो-ल्यावो पांचूं हथियार
तड़कै तो जास्यां जी'क समरथ सासरै जी

के थारै सासूजी जी'क वेटा उणमणी जी
कोई के वांकै चढ गंई ताप
आज उणमणो रै'क वेटा मेरा क्यूं फिरै जी

ना म्हारी सासू ए'क अम्मा मेरी उणमणी जी
कोई ना वांकै चढ गई ताप
सासूजी वुलाया ए'क जास्यां सासरे जी

भाएला तो लेल्यो जी कुंवर थारी जोड़ का जी
कोई सारीसा उमराव
घणी तो गुमर सूँ जी पधारो सासरै जी

वड़ै तो घरां का जी'क वेटा मेरा डावड़ा जी
कोई राजाजी रा पूत
जात कुहावै जी'क क्षतरी आपणी जी

सगली तयारी जी'क अम्मा मेरी हो चुकी जी
कोई अब म्हानैं देद्यो सीख
वेग पधारां जी'क समरथ सासरैं जी

आधी सी वळतां जी रिसालू राजा रळकिया जी
कोई चढिया छै मांझल रात
दिन तो उगायो जी'क चलगा कै देस मैं जी

आंगण सोना जी कुंवर का मनकिया जी
कोई थाळियां में ठमक्या नैल
भला ई पधार्‌या जी कुंवर प्यारा पावणा जी

चन्नण चोकी जी कुंवरजी बैठ्या जी
कोई दूध पखाळ्यां पांव
घणी मिजमानी जी'क करस्यां आपकी जी

चावळ रांधां जी कंवरजी नैं अूजळा जी
कोई हरियै मूंगां की दाळ
घी बरतावां जी कंवरजी नैं टोकणा जी

करै-करेली जी जंवाईजी नैं बोधणी जी
कोई पापड़ तळां ए पचास
रुच-रुच जीमो जी जंवाई प्यारा पावणा जी

मांडा तो पोवां जी कंवरजी नैं लबभवा जी
कोई तीवण तीस-बतीस
सासूजी जिमावै जी जंवाईजी नैं जीमणा जी

आडी तो देस्यां जी जंवाईजी आडणी जी
कोई भत्रक परोसां थाळ
रुच-रुच जीमो जी जंवाईजी जीमणा जी

बीजापुर की जी जंवाई जी नैं बीजणी जी
कोई देवघड़्यो बडथाळ
सासूजी जिमावै जी जंवाईजी नैं जीमणा जी

चावळ काचा जी'क सासूजी रह गया जी
कोई पापड़ ओर तळाय
किस बिध जीमां जी'क सासूजी जीमणा जी

चावळ रांधां जी जंवाईजी अूजळा जी
कोई पापड़ ओर तळाय
सासूजी जिमावै जी'क जीमो चाव सूं जी

जीम्या तो जूंठ्या ए'क सासू मेरी रस रया जी
कोई पोढण ठोर बताय
रात का उणींदा जी'क सुख फरमायस्यां जी

एक वर मुख सैं रै'क रामूड़ा बोल ले जी
कोई ले म्हानैं हिवड़ै लगाय
रैनविछोहा रै'क गजबी मत करै जी

बाळपणै में रै'क गजबी तैं मोही जी
कोई जोबन भोला खाय
भरी जवानी में रै'क धोखो मत देवो जी

करड़ी छाती रै'क रामूड़ा तूं भयो जी
कोई वज्जर छाती की तेरी माय
भलो तो पढायो रै'क सोकण पूत नैं जी

भूठा भुलावा रै'क रामूड़ा तैं दिया जी
कोई धोखै में लो मनैं मोय
भली तो निभाई रै'क रामूड़ा दोसती जी

माखन-माखन रै'क रामूड़ा खा गयो जी
कोई अब रही खाली छाछ
लूणहरामी रै'क रामूड़ा नैं हुयो जी

एक वर फळसो रै'क गजबी खोलदे जी
कोई सुण म्हारै मनड़े री बात
अब का तो बिछड़्या रै'क रामूड़ा कद मिलां जी

इतणी तो सुणतां जी'क रामूड़ो उठियो जी
कोई खोल्या जड़्या किंवाड़
आगळ खोली जी'क चीतळवार की जी

नगणा तो रामूड़ा र'क आंसू नैणां ढळ्या जी
कोई टपटप टपकै नीर
आंसू तो गेरे जी'क झूंठी मोर ज्यूं जी

आंसू तो पूंछ्या जी'क पगड़ी कै पेच सूं ज़ी
कोई लोनी हिवड़ै लगाय
मनड़ै री बाता ए'क चनणा थे कहो ज़ी

म्हारै घर आया रै'क राजा पावणा जी
कोई लें ज्यासी म्हानैं साथ
मनड़ै रा धोखा रै'क रामूड़ा मन रया ज़ी

रिसालू तो लागै जी'क प्यारी थारो सायबो ज़ी
कोई प्यारी रो लणिहार
परत न भेजां जी'क प्यारी थानैं सासरै जी

ना थारी जाणूं रै'क रामूड़ा दोसती जी
कोई ना थारी जाणूं प्रीत
दिन तो उगाओ ए'क सारी रात को जी

पैर चलण की जी रिसालू राजा पावड़ी जी
कोई खप्पर ले लियो हाथ
अलख जगायो ए'क रामूड़ै कै म्हैल में जी

रामूड़ै की राणी ए'क भिछ्या घालद्यो जी
कोई जोगीड़ो ऊभ्यो द्वार
खैर मनावै जी'क दोन्यां कै जीव की जी

मोती तो मूंगा जी'क चनणा ले लिया जी
कोई गई-गई जोगीड़ै कै पास
भीख घलावां जी'क जोगी नैं चाव सूं जी

मोती तो मूंगा ए'क चनणा घर घणा ज़ी
कोई दे-दे तेरै हिवड़ै को हार
खैर मनावां ए'क रामूड़ै सुनार की ज़ी

हार गळै को रै'क जोगीड़ा जद देवां जी
कोई पूछां रामूड़ै सैं जाय
हार गळै को रै'क जोगीड़ा जद देवां जी

मोती तो मूंगा रै'क जोगी ना लेवै जी
कोई मांगै म्हारै गळ को हार
हार हमारो रै'क रामूड़ा ना देवां जी

हार गळै को ए'क प्यारी धण ये देवो जी
कोई जोगीड़ो देय असीस
खैर मनावै ए'क दोन्यां कै जीव को जी

हार हमारो रै'क रामूड़ा जद देवां जी
कोई दे म्हानैं ओर घड़ाय
राजाजी पूछै रै'क रामूड़ा के कहां जी

दिन में तो घड़स्यां ए'क प्यारीजी नोवरी जी
कोई रात्यूं घड़स्यां हार
हार ज पहरो ए'क रतन जड़ाव को जी

टगटग महलां जी'क चनगा अगरी जी
कोई आई-आई जोगीड़ै कै पास
हार गळै को जी'क जोगी ये लेवो जी

हार ज बनस्यो ए'क [illegible] जी
कोई ने म्हारै रामूड़ै को [illegible]
खैर मनावो जी'क रामूड़ै कै जीव को जी

हार ज लेकर जी'क [illegible] राजा [illegible] जी
कोई [illegible]
[illegible] जी

रिमझिम करती जी'क चनणा बावड़ी जी
कोई आई-आई राजाजी कै पास
ओढ दुसालो जी'क सागै सो रयी जी

आभै की सी जी'क चनणा बीजळी जी
कोई सूरज जिसो ए उजास
चंदै सिरसी जी'क चनणा निरमळी जी

के थानैं राजाजी जी'क भायां भरमाइया जी
कोई के सोतण दी सीख
नार क्यूं त्यागी जी'क चनणा गोरड़ी जी

होस संभाळो जी'क मारूजी रंग करो जी
कोई ल्यो म्हांनैं हिवड़ै लगाय
लहर उतारी जी'क मारूजी काम की जी

मेळो तो करल्यो जी'क राणी थारी माय सूं जी
कोई बाबाजी पा लेल्यो सीख
बेग पधारो जी'क प्यारी धण देस में जी

रथड़ा जुपाल्यो जी'क राणी थारै बाप का जी
कोई म्हारै घुड़लां में अैब
नार चढे सूं जी'क घोड़ा मेरा चिमकणा जी

उठो न कंवरसा जी'क दांतण मोळल्यो जी
कोई होवै कलेवै नैं देर
दांतण मोळो जी'क काची केळ को जी

दांतण कुरळा जी'क सासूजी कर चुक्या जी
कोई कलेवै नैं नांय अंवार
सीख दिवावो जी'क जास्यां देस नैं जी

आवो न सहेल्यो ए'क म्हांसैं मिल लेवो जी
कोई कहो-सुणो मन की वात
तड़कै तो जास्यां ए'क समरथ सासरै जी

आधी सी ढळतां जी'क चनणा नीसरी जी
कोई रामूड़ो खाई छै पछाड़
खाय तिवाळो जी'क रामूड़ो गिर पड़्यो जी

मत कोई करियो रै'क साथी भायो दोसती जी
कोई मतना करियो प्रीत
प्रीत लगा कर जी'क धोखो दे चली जी

प्रीत बुरी छै रै'क भायो परनार की जी
कोई ले गई काळजो काढ
प्रीत लगा कर जी'क धोखो दे गई जी

आधी सी ढळतां जी'क रिसालू राजा रुळिया जी
कोई आया बिराम उजाड़
धण नैं बूझै जी रिसालू राजा वारता जी

और ज गहणां ए'क चनणा पहरिया जी
कोई कंठे थारै गळ को हार
हार दिखावो जी'क राणी थारो नोलखो जी

[illegible] जी'क [illegible] में गई जी
कोई [illegible]
[illegible] जी'क [illegible] जी

[illegible] जी
कोई [illegible]
[illegible] जी

चढ चोबारै जी'क न्हावण मैं गई जी
कोई खूंटी टांग्यो हार
हार ज भूली जी'क राजाजी म्हैल में जी

हार हमारो जी'क भूल्या म्हैल में जी
कोई दे भेजै मेरी माय
माय खिनावै जी'क बडोड़ै बीर नैं जी

हार तुम्हारो ए'क राणी म्हे लियो जी
कोई ओ ल्यो थारै गळ को हार
खैर मनाई ए'क रामूड़ै कै जीव की जी

खाय तिवाळो जी'क चनणा गिर पड़ी जी
कोई सीतळ भयो ए सरीर
बतळाया सूं जी'क राणी बोलै नहीं जी

सूरत लिखाऊं ए'क कोरै कागदां जी
कोई राखूं महलां मांय
एक बर राणी ए'क मुखड़ै बोलल्यो जी

माय उड़ावै ए'क राणी मेरी कागला जी
कोई बैनड़ जोवै बाट
एक बर मुखड़ै जी'क प्यारी धण बोलल्यो जी

सई-सांझ का जी'क रिसालू राजा बावड़्या जी
कोई चित में भोत उदास
अम्मा बूझै जी कंवर नैं बारता जी

कठै तो छोड़्यो जी'क बेटा मेरा दायजो जी
कोई कठै छोड़्यो सुरंगो साथ
कठै छोड़ आयो रै'क मेरी कुळबहू जी

तोड़ै छी करेला ए'क चनणा बाग में जी
कोई डस गयो काळो नाग
खाय तिवाळो जी'क चनणा गिर पड़ी जी

प्रीत अखीरी जी'क चनणा कर गई जी
कोई कर गई जुग में नांव
रैनविछोहा जी'क चनणा ना रही जी

प्रीत निभाई जी'क दोन्यां सारखी जी
कोई पाळी पुरबली प्रीत
चनणा रामूड़ा जी बिछोहो ना रयो जी

१२२

गोरी घर-घर मतना फिर्‌या करो थे चरखो क्यूं ना कात्या करो
रूई मंगाद्‌यां, पूणी कराद्‌यां, पीढी लाल-गुलाल है

आज तो अमावस्या मैं चरखो कैयां कातूं जी
तो मावस परली पड़वा है मैं चरखो कैयां कातूं जी
दूजज भैया दूज है मैं चरखो कैयां कातूं जी
तो तीज सावण मास की मैं चरखो कैयां कातूं जी

चोथ है बिन्दायक की मैं चरखो कैयां कातूं जी
तो पांचै पंच पीरां की मैं चरखो कैयां कातूं जी
छट है बलदेव की मैं चरखो कैयां कातूं जी
तो सातैं हैं भवानी की मैं चरखो कैयां कातूं जी
आठै नैं मैं करूं कढाई मैं चरखो कैयां कातूं जी
तो नोमी है नारायण की मैं चरखो कैयां कातूं जी
दस्सैं को दसरावो है मैं चरखो कैयां कातूं जी
तो ग्यारस गंगामाई की मैं चरखो कैयां कातूं जी
बारस नैं मैं बिपर जिमाऊं मैं चरखो कैयां कातूं जी
तो तेरस नैं मैं गऊं चराऊं मैं चरखो कैयां कातूं जी
चोदस बाबै भैयैं की मैं चरखो कैयां कातूं जी

जे कातूंगी मैं पून्यू पिछोकड़ काततड़ी मर ज्याऊंगी
काततड़ी मर ज्याऊंगी मैं थानैं रंडवो कर ज्याऊंगी
धायो ए गोरी तेरो कातणो
भायां की बैठक में मनैं रंडवो मत कर ज्याई ए
देखो ए मेरी द्‌योर-जिठाण्यो, देखो ए मेरो संग की सहेल्यो
इतणी बात बणाय कै म्हे अैं पीयै सैं जीत्या जी
चरखो धर्‌यो रह गयो जी' क मेरी सूरत राम सैं लागी
पीढी पड़ी रह गई जी' क मेरी सूरत राम सैं लागी

रामजी, ऊगतड़ै परभात
माता जसोदा जी दांतण मांगियो
रामजी, मांग्यो है बेर दोय–च्यार
बहू अे हठोली जो सुणै ए न सांभळै

रामजी, बायर सैं आया नंदलाल
मात जसोदा जी उणमणी क्यूं हुयी
बेटा रे, थारै घर ओछै घर की धीय
केयो ए न मानै जी बुडळी सास को

रामजी, चाल्या है नंदजी का लाल
दांतण ल्याया जी काची केळ को
माता ए, उठो ना दांतणियो जी मोळ
थारै दांतण की जी वेळा यब हुयी
बेटा रे, तूं कर, थारो लछमण नैं कराय
म्हारै दांतण की जी वेळा टळ गई

माता ए, कहो ए तो भेजां बहू नैं बाप कै
माता ए, कहो ए तो देवां म्हे बिगार
बेटा रे, क्यां नैं थे भेजो बहू नैं बाप कै
बेटा रे, क्यां नैं ए देवो थे बिगार
मन सूं उतारो रे लछमण नार नैं

लछमण, उठो थे करो सिणगार
[illegible] उतारूं जी थारै बाप कै
रामजी, रूठा थे, रूठ [illegible]
[illegible]

दांतरा

रामजी, ऊगतड़ै परभात
माता जसोदा जी दांतण मांगियो
रामजी, मांग्यो है वेर दोय-च्यार
बहू ए हठीली जी सुणे ए न सांभळे

रामजी, बायर सैं आया नंदलाल
मात जसोदा जी उणमणी क्यूं हुवी
बेटा रे, थारे घर ओछे घर की धीय
कैयो ए न मानै जी कुळछी साल की

रामजी, चाल्या है नंदजी का लाल
दांतण ल्याया जी काची केळ को
माता ए, उठो ना दांतणियो जी मोळ
थारे दांतण की जी वेळा अब हुयी
बेटा रे, तूं कर, थारी रुकमण नैं करास
म्हारे दांतण की जी वेळा टळ गई

माता ए, कहो ए तो भेजां बहू नै बाप कै
माता ए, कहो ए तो देवां म्हे सिणगार
बेटा रे, थां मैं ये भेजो बहू नै बाप कै
बेटा रे, थां मैं ए देवो ये सिणगार
मत तूं [illegible] रे रुकमण नार नै

रुकमण, उठो ए करो सिणगार
[illegible]
रामजी, [illegible]
[illegible]

रुकमण, उठो थे करो सिणगार
बेटो जी जायो वडलै वीर कै
रामजी, अब कै थे बोल्या हो सांच
इव तो खिनाद्यो जी म्हारै बाप कै

रामजी, आप घोड़ै असवार
रुकमण नैं रुणझुण बैल जुपायद्यो
रामजी, आई है बावनी उजाड़
जैं विच डेरा जी हरजी ढाळिया
रामजी, अड़वड़ सूड़्या छै पान
सुरड़ बिछायो जी रुकमण बिछावणो
रामजी, बन में तो छोडी रुकमण एकली

झिरमिर बरसै छै मेह
ठंडी सी भाळ जी हरजी चलाइया
रामजी रुकमण कै जायो है लाडण पूत
घूंटी तो देणज वाळो कोय नहीं

रुकमण, काळा सा काग बुलाय
जाय रे बोली रै कागा, हर की कोटड़्यां
कागो मिठड़ा सा वचन ज बोल

थारी रुकमण कै जी जायो गीगलो
माता, उठो थे बाहर आव
काग संदेसो जी थारै ल्याइयो
थारी रुकमण कै जी जायो गीगलो

बेटा रै, लेज्या थे सूंठ-अजवाण
करड़ा तो लेज्या बेटा, खोपरा
घी का तो लेज्या बेटा, पीपा जी

रुकमण, या ल्यो थे सूंठ-अजवाण
ऐ भी तो लेवो जी करड़ा खोपर

हरजी, परै ए वगावो सूंठ-अजवाण
वगड़ वखेरो जी करड़ा खोपरा

हरजी, वै दिन याद करो ए
रुकमण छोडी जी वन में एकली
रुकमण, वै दिन देवो ए विसार
म्हे मन राख्यो जी बुडळी माय को

रामजी, धोळां वळदां वहल जुपाय
रुकमण नैं सागैं जी अपणैं ले लई
माता ए, ऊठो थे, वाहर आव
पगां ए पड़ैगी जी थारी कुळवहू

वेटा रे थे चिरजीवो, नंदजी का लाल
पगां ए पड़ैगी जी आपको माय कै
माता ए, अवड़ा सा वोल न वोल
पगां तो पड़ैगी जी वुडळी सास कै

उठो राणी रुकमण उठो राणी राधका, राम कलेवै आया जी
आया हो तो आवो म्हारा प्रभुजी, इतरी काईं उतावळ जी
न्हास्यां-धोस्यां मंदर जास्यां, निन चरणाम्रत लेस्यां जी
चरणाम्रत ले करां रसोई, जद थे, जीमण आवो जी

मुठ लै बैठी मात जसोदा, अरे उठ आवो मेरा लाला जी
बाहर सैं भैण सहोदरा आई, अरे उठ आवो मेरा बीरा जी
वैं नकथर नैं क्यूं बतळाई, राजा भींवसरण री जाई जी

भींवसरण बाई थारै कोठै अड़ियो, अपणो गोत बखाणो जी
चांद-सूरज म्हारै पोळीड़ा गया था, जद म्हे ब्याया आया जी
गंगा-जमना पणिहारी गई थी, जद म्हे ब्याया आया जी
बीण बजातो भैंरु बाबो गयो थो जद म्हे ब्याया आया जी

लाल-लंगोटे हणमानजी गया था जद, म्हे ब्याया आया जी
राम-लिछमण की जोड़ी गई थी, जद म्हे ब्याया आया जी
छतीस किरोड़ देई-देवता गया था, जद म्हे ब्याया आया जी
वेद पढंता ब्रिरमाजी गया था, जद म्हे ब्याया आया जी

कमर बांध थारा बबोजी गया था, जद म्हे ब्याया आया जी
मोड़ बांध थारा बीरोजी गया था, जद म्हे ब्याया आया जी
कळळ-बल्लाई थारी भाभी नैं देई थी, जद म्हे ब्याया आया जी
बोबो-दिवाई थारी माई नैं देई थी, जद म्हे ब्याया आया जी

बाड़-ब्लाई बाई थानैं देई थी, जद म्हे ब्याया आया जी
थानैं काईं देवो बाई मामेरै की रीत को, [illegible] जी
कांकणो न बांध्यो बाई डोरड़ो न बांध्यो, [illegible] जी
ल्यावो रे बळदा ल्यावो रे गाड़ी, म्हे म्हारै मामेरै नैं जास्यां जी
आ म्हारळी भावना बोल्या [illegible] हुवसी नहीं ×

तुळसां

१२५

सात सई रळ पाणी नैं चाली
तो-सातूं अेक हुणियारैं ओ राम
भरण गई जळ-जमना रो पाणी
सातूं री सातूं यूं उठ बोली
तो-तुळसांजी ओड कंवारा ओ राम-भरण०

रोवत-ठिणकत घर नैं पधार्‌या
तो-बाबोजी कंठ लगाया ओ राम-भरण०
के बाई थानैं गायां-भैंस्यां मारी
तो-के ग्वाळा ललकारी ओ राम-भरण०
के बाई थानैं बीरोजी मारी
तो-के भाभ्यां दुतकारी ओ राम-भरण०
ना बाबोजी म्हांनैं गायां-भैंस्यां मारी
तो-ना ग्वाळा ललकारी ओ राम-भरण०
ना बाबोजी म्हांनैं बीरोजी मारी
तो-ना भाभ्यां दुतकारी ओ राम-भरण०
संग री सहेली यूं उठ बोली
तो-तुळसांजी ओड कंवारा ओ राम-भरण०

के बाई थानैं सूरज वर हेरां
तो-के चंदा वर हेरां ओ राम-भरण०
सूरज रै बाबोजी किरण घणेरी
चंदा बिच रेख अंधेरी ओ राम-भरण०

के बाई बिरमा वर हेरां
तो-के बिसनू वर हेरां ओ राम-भरण०

बिरमा तो बाबोजी वेद पढावै
तो-बिसण सिस्टि उपावै ओ राम-भरण०

के बाई सिवजी वर हेरां
तो-के नांद्यो बर हेरां ओ राम-भरण०
सिवजी रै बाबोजी जटा अे घणेरी
तो-नांद्यो गावतरी रो जायो ओ राम-भरण०
म्हानैं बाबोजी साळगराम वर हेरो
तो-वै म्हारै मन भाया ओ राम-भरण०

आला-गीला बांस कटाया
तो-तोरण थांम रुपाया ओ राम-भरण०
पढिया-गुणिया बिप्र बुलाया
तो-तुळसां रो लगन लिखायो ओ राम-भरण०

लांबा-तीखा खरड़ बिछाया
तो-आयोड़ा सजन बिठाया ओ राम-भरण०
बडै अे घरां री सई अे बुलाई
तो-तुळसां रा मंगळ गाया ओ राम-भरण०

पहलो फेरो लियो बाई तुळसां
तो-तुळसां बाबोजी नैं प्यारा ओ राम-भरण०
दूजो फेरो लियो बाई तुळसां
तो-तुळसां वीरोजी नैं प्यारा ओ राम-भरण०

अगणो फेरो लियो बाई तुळसां
तो-तुळसां सहेल्यां नैं प्यारा ओ राम-भरण०
चोथो फेरो लियो बाई तुळसां
तो-तुळसां साळगराम जी नैं प्यारा ओ राम-भरण०

संग री सहेल्यां बूझण लागी
तो-कै गुण ठाकुर नैं प्यारा ओ राम-भरण०

सुरलिपियां

१. बिनायक

ताल रूपक—मात्रा ७

१	२	३	४	५	६	७
					सा	नि
					ग	ड़
सारे	रे	रे	रे	रे	रे	—
रण	त	भं	व	र	सैं	ऽ
रे	सा	सा	सा	निप	सा	सा
आ	वो	वि	ना	ऽऽ	य	क
सासा	सा	सा	सा	नि	सा	रे
करो	ये	न	ची	ऽ	तो	ऽ
रे	सा	नि	नि	सा	सा	नि
वि	ड़	द	ड़ी	ऽ	ग	ऽड़
×			२		३	

१	२	३	५	४	६
ग	रे	सा	म	म	ग
पू	ज	ण	जा	य	थि
म	प	म	ग—	रे	रे
जा	स	ण	हर	ख	हो
ग ग	रे	सा	मा	—	गा
लरि	यो	जी	रा	ऽ	अ
×			०		

१	२	३	४	५	६	७
रे	ग	रे	सा	सा	रे	ग
गा	रो	म्हे	बा	ला	जी	नैं
रे	ग	ग	रे	—	ग	—
घो	ऽ	ऽ	क	ऽ	स्यां	ऽ
×			२		३	

२१. जापै को कैर

ताल कहरवा–मात्रा ८

१	२	३	४	५	६	७	८
सारे	साध	सारे	रेसा	रेम	मग	रेग	सारे
सुस	रोजी	आऽ	गैऽ	साऽ	ऽऽ	तऽ	सऽ
सा	—	—	सा	सारे	साध	सारे	रेम
ला	ऽ	ऽ	म	कै ऽ	ऽ ऽ	र ऽ	मं ऽ
मग	गरे	रेग	गरे	रेसा	साध	सारे	रेसा
गाऽ	द्योऽ	जीऽ	सुस	रोऽ	जीऽ	राऽ	यक
रेप	मग	रेग	सारे	सा	—	—	सा
मे ऽ	ऽ ऽ	र ऽ	ऽ ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
×				२			

२१. जापै को कैर

ताल कहरवा–मात्रा ८

१	२	३	४	५	६	७	८
सारे	साध	सारे	रेसा	रेम	मग	रेग	सारे
सुस	रोजी	आऽ	गैऽ	साऽ	ऽऽ	तऽ	सऽ
सा	—	—	सा	सारे	साध	सारे	रेम
ला	ऽ	ऽ	म	कै ऽ	ऽ ऽ	र ऽ	मं ऽ
मग	गरे	रेग	गरे	रेसा	साध	सारे	रेसा
गाऽ	द्योऽ	जीऽ	सुस	रोऽ	जीऽ	राऽ	यक
रेप	मग	रेग	सारे	सा	—	—	सा
मे ऽ	ऽ ऽ	र ऽ	ऽ ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
×				२			

८८, नीमोली

ताल कहरवा–मात्रा ८

१	२	३	४	५	६	७	८
सानि़	सारे	सानि़	पनि़	सा	सा	सा	सानि़
बाई	जीरै	आं ऽ	गण	नी	मो	ळी	कोई
सारे	रेसा	नि़सा	रेसा	सा	रे ऽ	रे	नि़
म्हा ऽ	रै ऽ	आं ऽ	गण	नी	ऽ म	रै	नी
नि़सा	सा	सा	सानि़	सारे	रेसा	नि़सा	रेसा
मो ऽ	ळी	ड़ा	कोई	म्हा	रै ऽ	आं ऽ	गण
साग	रेसा	नि़	नि़सा	सा	सा	सा	—
नी ऽ	ऽ म	रै	नी ऽ	मो	ळी	ड़ा	ऽ
×				२			

१	२	३	४	५	६	७	८
धसा	रेग	रे	रेग	सा	रे	प	प
री ऽ	ऽ ऽ	जी	ऽ ऽ	ओ	जी	म्हा	री
म	ग	रे	ग	म	गरे	ग	रेग
सा	ऽ	स	स	पू	ऽ ऽ	ती ऽ	रा ऽ
सा पू	— ऽ	— ऽ	रे त	ध़ म	ध़ त	सा ना	सा सि
सा धा	म ऽ	म रो	ग पू	सा र	रे ब	ग की	रे ऽ
—	रे	—	ग	धसा	रेग	रे	—
ऽ	चा	ऽ	क	री ऽ	ऽ ऽ	जी	ऽ
×				२			